

سُورَةُ الْفَاتِحَةَ
সূরা ফাতিহ
ভাষিকা
সূরা ১

سُورَةُ الْبَرَّةَ
সূরা বাক্সুরা
গুরু
সূরা ২

| | |
|--|--|
| আশুয় চাওয়া | عَيَّادٌ (ع و ذ) |
| আমি আশুয় চাই | أَعُوذُ |
| সর্বনাম: থেকে, সঙ্গে, দ্বারা, মধ্যে | بِ |
| সর্বনাম: থেকে, হতে, কিছু হতে, তখন | مِنْ |
| বিতাড়িত, অভিশপ্ত | رَجِيمٌ (ر ج م) |
| বিশেষ: নাম | اسْمٌ |
| অশেষ দয়াবান | الرَّحْمَانُ |
| অতীব মেহেরবান | الرَّحِيمُ (ر ح م) |
| সকল প্রকার প্রশংসা, সমস্ত প্রশংসা | الْحَمْدُ (ح م د) |
| সর্বনাম: জন্য, কারণে | لِ |
| সমগ্র বিশ্বজাহানের প্রতিপালক | رَبُّ الْعَالَمِينَ |
| মালিক, প্রভু, রাজা | مَالِكٌ (م ل ك) |
| দিন | يَوْمٌ |
| ন্যায়বিচার, ধর্ম, ঈমান, বিশ্বাস | الْدِينُ |
| একমাত্র তোমারই, কেবল তোমাকেই | إِنْكَ |
| আমরা ইবাদত করি | تَعْبُدُ (ع ب د) |
| এবং | وَ |
| আমরা সাহায্য চাই | سُسْتَعِينُ |
| সাহায্য চাওয়া | اسْتَعْنَ (ع و ن) |
| হৃদয়ত কর, পথদেখাও | إِذْ (ه د ي) |
| আমাদেরকে | نَا |
| রাস্তা, পথ | صِرَاطٌ |
| সোজা, সঠিক, মজবুত, ন্যায়পরায়ণ, সৎ | مُسْتَقِيمٌ |
| যারা, যাদেরকে | الَّذِينَ |
| তুমি নিয়ামত দান করেছ, পুরুষকৃত করেছ, | أَنْعَمْتَ (ن ع م) |
| সর্বনাম: তাদের উপর | عَلَيْهِمْ |
| ব্যক্তিত, ছাড়া, বাদে | غَيْرٌ |
| যাদের উপর গযব পড়েছে | مَغْضُوبٌ (غ ض ب) |
| না, নাই | لَا |
| যারা পথপ্রস্ত, বিপ্রাত | الظَّالِمُونَ (ظ ل م) (ভাববিশেষ..: ضلال:..) |

| | |
|---|---------------------|
| ক্রকু-১ | |
| ঐচ্চি | ذَلِكَ |
| কোন সন্দেহ নেই | لَا رَبْ |
| তাতে, তার মধ্যে | فِيهِ |
| আল্লাহকে যারা ভয় করে, | مُّقْرِنٌ |
| সংযত | |
| তারা ঈমান আনে, বিশ্বাস করে | يُؤْمِنُونَ (ا م ن) |
| অদৃশ, গোপন | غَيْبٌ |
| এবং | وَ |
| তারা কাঙ্গে করে, প্রতিষ্ঠিত করে | يَقِيْمُونَ |
| সালাত, নামায | الصَّلَاةُ |
| তা হতে | مَمَا |
| আমরা রিয়্ক দিয়েছি, | رَزْقًا (ر ز ق) |
| আমরা | نَا |
| তাদেরকে | هُمْ |
| তারা ব্যয় করে, খরচ করে | يَنْفِقُونَ (ن ف ق) |
| সঙ্গে যা, এবিষয়ে যা | بِمَا |
| অবর্তীর্ণ করা হয়েছে | أَنْزَلَ |
| তোমার প্রতি | إِلَيْكَ |
| যা | مَا |
| তোমার পূর্বে | فَقَبْلَكَ |
| মৃত্যুর পরের জীবন, পরকাল, | آخِرَةً |
| যা পরে আসে | |
| তারা দৃঢ় বিশ্বাস করে | يُوقِنُونَ (ي ق ن) |
| তারা | أَوْلَادِكَ |
| উপর | عَلَى |
| হৃদয়ত | هَدِي |
| সফল, কল্যাণ লাভকারী | مُفْلِحُونَ |
| নিঃসন্দেহে, নিশ্চয়ই | إِنْ |
| তারা অবিশ্বাস করেছে | كَفَرُوا |
| সমান, বরাবর | سَوَاءٌ |
| যে, কি | عَ |
| তুমি সতর্ক করলে | أَنْذَرْتَ (ن ذ ر) |
| অথবা | أَمْ |
| না | لَمْ |
| তারা ঈমান আনবে না, তারা বিশ্বাস স্থাপন করবে না | لَا يُؤْمِنُونَ |
| তিনি সীলমোহর করে | خَتَمَ |

| দিয়েছেন | |
|---------------------------------------|----------------------------------|
| মন, হৃদয় | فُلُوبْ (فَلْبْ) (একবচন: فَلْبْ) |
| তাদের শ্রবণশক্তি | سَمْعُهُمْ |
| দৃষ্টিশক্তি | أَبْصَارٌ |
| পর্দা, আবরণ, আচ্ছাদন | غِشْوَةٌ |
| এবং তাদের জন্য রয়েছে | وَلِهُمْ |
| শাস্তি | عَذَابٌ |
| বড়, কঠিন, মহা | عَظِيمٌ |
| ক্রকু - ২ | |
| মানুষ, লোকেরা | النَّاسُ |
| যে, যারা | مَنْ |
| সে বলে | يَقُولُ (قَوْلٌ) |
| আমরা ঈমান এনেছি, বিশ্বাস করেছি | (ভাববিশেষ: اَمَّا) |
| তারা নয় | مَا هُمْ |
| তারা ধোকা দেয়, তারা প্রতিরিত করে | يُخَادِعُونَ (خَدَعْ) |
| এ ছাড়া | إِلَّا |
| নিজেদেরকে | أَنفُسَهُمْ (نَفْسٍ) |
| তারা অনুভব করেনা, তারা উপস্থিতি করেনা | مَا يَشْعُرُونَ |
| জোগ | مَرَضٌ |
| সুতরাং, তাই | فَ |
| তিনি বৃক্ষ করলেন | زَادَ |
| যত্নশাস্ত্রিয়ক, কষ্টদায়ক | أَلَيْمٌ |
| এ কারণে যে | بِمَا |
| তারা ছিল | كَانُواْ |
| তারা মিথ্যা বলে | يَكْبِيُونَ (كَذَبٌ) |
| যখন | إِذَا |
| বলা হয় | قَيْلٌ |
| তাদেরকে, তাদের উদ্দেশ্যে | لَهُمْ |
| তোমরা বিপর্যয় সৃষ্টি করনা | لَا تَفْسِدُوا (فَسَدٌ) |
| পৃথিবীতে | فِي الْأَرْضِ |
| তারা বলে | قَالُواْ (قَوْلٌ) |
| শুধু, কেবল, মূলতঃ | إِنَّمَا |
| আমরা | نَحْنُ |
| শাস্তি স্থাপনকারী, সংশোধনকারী | مُصْحِحُونَ (صَحْ) |
| সাবধান | أَلَا |
| বিপর্যয় সৃষ্টিকারী | مُفْسِدُونَ (فَسَدٌ) |
| কিন্তু | لَكِنْ |
| তোমরা ঈমান আন, বিশ্বাস কর | إِمْرَأٌ |
| যেমন, যেকুপ | كَمَا |
| কি | أَ |
| যোকা, নির্বোধ | سَفَهَاءٌ |
| তারা মিলিত হল, সাক্ষাৎ করল | لَفْوًا (لَفْيٌ) |
| আমরা ঈমান এনেছি, বিশ্বাস | إِمَّا |

| | |
|------------------------------|--------------------------|
| করেছি | |
| তাহারা একাত্তে মিলিত হল, | خَلْوَا (خَلْوَة) |
| জোপনে মিলিত হল | |
| শ্যাতান (বন্ধুরা) | شَيَاطِينٌ |
| বিক্রিপকারী, উপহাসকারী | مُسْتَهْزِئُونَ (هَزَءٌ) |
| অবকাশ দেন | يَمْدَدُ |
| বিদ্রোহ, সীমালংঘন | طَغْيَانٌ |
| তারা অঙ্গের মতো ছুটে বেড়ায় | يَعْمَهُونَ (عَمَّ) |
| তারা দ্রুয় করল | إِشْتَرَوْا (شَرَّ) |
| পথস্তোত্তা | ضَلَالٌ |
| হোম্যেত | هَدْيٌ |
| সুতরাং না | فَمَا |
| লাভজনক হল | رَبَحَتْ (رَبَحَ) |
| ব্যবসা | تَجَارَةٌ |
| হোম্যেতপ্রাপ্ত | مُهْتَدِينَ |
| তাদের উদ্বাহণ, তাদের দৃষ্টিত | مَنْ |
| যেমন | كَمَا |
| সেই বাতি | الَّذِي |
| সে জুলাল | إِسْتُوْقَ (وَقَ) |
| আগুন | نَارٌ |
| অতঃপর যথন | فَلَمَّا |
| আলোকিত করল | أَصَنَاعَاتٌ (صَنْعٌ) |
| তার চারিদিক | حَوْلَهُ |
| দূর করলেন | ذَهَبَ |
| ছেড়ে দিলেন | ثَرَكَ |
| মধ্যে | فِي |
| অনেক অন্ধকার, | ظُلُماتٌ |
| অন্ধকারসমূহ | |
| তারা দেখে না | لَا يَبْصُرُونَ (بَصَرَ) |
| বধির | صُمٌّ |
| যোবা | بَكْمٌ (بَكْمٌ) |
| অঙ্গ | عُمُّى (أَعْمَى) |
| অতঃপর তারা | فَهْمٌ |
| তারা ফিরে আসবেনা | لَا يَرْجِعُونَ (رَجَعَ) |
| বা, অথবা | أَوْ |
| যেমন | كَمَا |
| বৃষ্টি | صَبَبٌ |
| আকাশ | سَمَاءٌ |
| যেমন গর্জন | رَعْ |
| বিদ্যুৎ চমক | بَرْقٌ |
| তারা রাখে | يَجْفَلُونَ |
| তাদের আঙ্গুল | أَصَابِعٌ (اصْبَعٌ) |
| তাদের কানে | أَذْنَانٌ (أَذْنَانٌ) |
| বজ্রখনি | صَوَاعِقٌ (صَاعِقَةٌ) |
| ভয় | حَرَّ |
| মৃত্যু | مَوْتٌ |
| যেৱাওকারী, বেঠনকারী | مُحِيطٌ |
| অচিরেই, প্রায় | يَكْادُ |

| সে ছিনিয়ে নেয়, কেড়ে নেয় | يَخْطُفُ (خ ط ف) |
|---|---|
| যখনই | كُلَّمَا |
| তারা চলে, হাঁটে | مَشَوْا (م ش ي) |
| যখন | إِذَا |
| অঙ্ককার হয় | أَظْلَمْ (ظ ل م) |
| তারা দাঁড়াল | قَامُوا |
| যদি | لَوْ |
| চান | شَاءَ (ش ي ع) |
| সবকিছু | كُلَّ شَيْءٍ |
| শক্তিশালী, ক্ষমতাবান | قَدِيرٌ |
| ক্রকু-৩ | |
| হে মানুষেরা, হে মানবজাতি | بَأْ أَيْهَا النَّاسُ |
| তোমরা ইবাদত কর | أَعْبُدُوا |
| প্রতিপালক | رَبَّ (أَرْبَابٌ) (বহুবচন.: رَبُّ) |
| তোমাদের | كُمْ |
| যিনি | الَّذِي |
| সৃষ্টি করেছেন | خَلَقَ |
| তোমরা যেন | لَعْكَمْ |
| তোমরা যেন তয় কর, বেঁচে চলতে পার (পাপ হতে) | تَقْفُونَ (و ق ي) |
| তিনি বানিয়েছেন | جَعْلَ |
| তোমাদের জন্য | لَكُمْ |
| পৃথিবী | أَرْضٌ |
| বিছানা, বিশ্বামের স্থান | فَرَائِسًا |
| ছাদ, আচ্ছাদন, অট্টালিকা | بَنَاءً |
| তিনি নাযিল করেছেন | أَنْزَلَ (ن ز ل) |
| পানি | مَاءً |
| তিনি বের করেছেন, উৎপাদন করেছেন | أَخْرَجَ (خ ر ج) |
| তার সাহায্যে, উহার দ্বারা | بِهِ |
| থেকে, হতে | مِنْ |
| ফলমূল | ثَمَرَاتْ (ثَمَرَةْ) (একবচন.: ثَمَرَةْ) |
| সুতৰাং তোমরা বানিও না, সুতৰাং তোমরা কর না | فَلَا تَجْعَلُوا (ف ل) |
| সমকক্ষ, সমতূল্য, অংশী দার | أَنْدَادًا |
| তোমরা | أَنْتُمْ |
| জানো | تَعْلَمُونَ (ع ل م) (ভাববিশেষ.: عِلْمٌ) |
| যদি | إِنْ |
| তোমরা হও | كُنْتُمْ |
| মধ্যে | فِي |
| সন্দেহ, সংশয় | رَبِيبٌ |
| আমরা নাযিল করেছি | تَرْلَنَا (ن ز ل) |
| উপর | عَلَى |
| দাস | عَبْدٌ |
| তাহলে তোমরা আন, তৈরী কর | فَأْتُوا |
| একটি সূরা (কুরআনের) | سُورَةً (سُورَ) (বহুবচন.: سُورَاتْ) |
| তার মতো, তার অনুরূপ | مِثْيَهٍ |

| এবং তোমরা ডাক | وَ ادْعُوا (د ع و) |
|------------------------------|--|
| সাক্ষী, সহায়ক | شَهِيدٌ (شَهِيدٌ) : (একবচন.: شَهِيدٌ) |
| আল্লাহ ছাড়া | مِنْ دُونِ اللَّهِ |
| সত্যবাদী | صَادِقِينَ (ص د) (صَادِقٌ) : (একবচন.: صَادِقٌ) |
| অতঃপর | فَ |
| যদি | إِنْ |
| না | لَمْ |
| তোমরা করতে পার | تَفْعَلُوا (ف ع ل) |
| কখনো না | لَنْ |
| যা (এমন যে) | الَّتِي |
| ইহুন, জ্ঞালানী | وَقُودٌ |
| এর, তার (জ্ঞালিঙ্গ) | هَا |
| পাথর | جَرَاءٌ |
| প্রস্তুত করা হয়েছে | أَعْتَدْتَ (ع د د) |
| অবিশ্বাসীরা | كَافِرِينَ (كَافِرٌ) (একবচন.: كَافِرٌ) |
| সুস্থিতি দাও | سُوْسِنَادَ (بِسْنَارَةْ) |
| তারা কাজ করেছে | عَمِلُوا |
| ভালো কাজ | صَالِحُونَ (صَالِحٌ) (বহুবচন.: صَالِحُونَ) |
| যে | أَنْ |
| তাদের জন্য | لِهُمْ |
| জান্নাত, বাগান | جَنَّاتٍ (جَنَّةً) (একবচন.: جَنَّةً) |
| প্রবাহিত হয় | تَجْرِيْ |
| তার নীচ দিয়ে | تَحْتَ |
| নদী | أَنْهَارٌ (أَنْهَارٌ) (একবচন.: أَنْهَارٌ) |
| যখনই | كُلَّمَا |
| তাদেরকে জীবিকা দেয়া হয় | رَزْقُوا |
| ফলমূল | ثَمَرَةً (ثَمَرَةً) (একবচন.: ثَمَرَةً) |
| এটা | هَذَا |
| তাদেরকে দেয়া হয় | أَنْوَارًا |
| সাদৃশ্যপূর্ণ, অনুকরণ | مُشَابِهًاتٍ |
| জ্ঞারা | أَرْوَاحٍ (زَوْجٍ) (একবচন.: أَرْوَاحٍ) |
| পবিত্র | مُطَهَّرَةً |
| টিরহুয়াভাবে বসবাস করবে | خَالِدُونَ |
| তিনি লজ্জাবোধ করেন না | لَا يَسْتَحْيِ |
| তিনি দৃষ্টিত দেন, উদাহরণ দেন | يَضْرِبُ مَثَلًا |
| মশা, ডাঁশ | بِعُوضَةٍ |
| বা তার চঁয়েও বড় | فَمَا فَوْهَاهَا |
| আর | فَامَّا |
| নিশ্চয়ই তা | أَنْهُ |
| সত্য | حَقٌّ |
| কি | مَادَّا |
| তিনি ইচ্ছ করলেন | أَرَادَ |
| তিনি বিদ্রোহ করেন | يُبَلِّ |
| তিনি হোদাইত করেন | يَهْدِي |
| অনেককে | كَثِيرٌ |
| ব্যক্তি, ছাড়া | إِلَّا |

| | |
|---|---------------------|
| সীমালঞ্চনকারীগণ | فَاسِقِينَ (ف س ق) |
| তারা ছিঁ করে, তারা ভাঙে | يَنْفُضُونَ (ن ق ض) |
| প্রতিশ্রুতি | عَهْدٌ |
| এর পরে | مِنْ بَعْدِ |
| শক্ত-সূচৃ করা, আবদ্ধ হওয়া (প্রতিশ্রুতি) | مِيقَاتٍ |
| তারা ছিঁ করে | يَقْطَعُونَ (ق ط ع) |
| নির্দেশ দিওয়েছেন | أَمْرٌ |
| সম্পর্ক যুক্ত রাখতে | يُوصَلُ (و ص ل) |
| ক্ষতিগ্রস্ত লোক | خَاسِرُونَ (خ س ر) |
| কিভাবে, কি করে | كَيْفَ |
| মৃত, নিজীব, নিষ্পাণ | أَمْوَاتٌ (م و ت) |
| অতঃপর তিনি তোমাদেরকে | فَاحْيَاكُمْ |
| জীবন দান করেছেন | |
| তারপর | مُتّ |
| তোমাদেরকে ফিরে যেতে হবে | رَجَعُونَ (ر ج ع) |
| তিনি সৃষ্টি করেছেন | خَلَقَ |
| তোমাদের জন্যে | لَكُمْ |
| সরকিছু | جَيْعَانًا |
| লক্ষ্য দিলেন, মনোযোগ দিলেন | إِسْتَوْى |
| দিকে | إِلَىٰ |
| তৈরী করলেন, সম্পূর্ণ করলেন | سَوَّى |
| তাদের | هُنَّ |
| সাত | سَبْعَ |
| আকাশগঙ্গা | سَمَاءُ (সমাএ) |
| মহাজ্ঞানী | عَلِيمٌ (ع ل م) |
| ক্রকু-৪ | |
| তোমার প্রতিপালক | رَبٌّ |
| প্রতি, জন | ل |
| ফেরেশতারা | مَلَائِكَةٌ |
| নিশ্চয়ই আমি | إِنِّي |
| যিনি সৃষ্টি করেন, স্থাপ্ত | جَارِٰ |
| প্রতিনিধি | خَلِيفَةٌ |
| প্রবাহিত করাবে, বরাবে | يَسْتَهْكِمُ |
| রক্তসমূহ | دِمَاءً (دم :) |
| আমরা পবিত্রতা ঘোষণা করি | سُبْحَانَ (س ب ح) |
| আমরা পবিত্রতা বর্ণনা করি, | نَفِيسٌ (ق د م س) |
| আমরা মাহাত্ম্য বর্ণনা করি | |
| আপনার | أَنْتَ |
| শিখালেন | عَلَمَ |
| নামগঙ্গা | أَسْمَاءَ (اسم :) |
| সরকিছু | كُلُّهَا |
| উপস্থাপন করলেন | عَرْضَ |
| আমাকে জানাও, আমাকে অবহিত কর | أَبْنُوئِيْ (ن ب ع) |
| আমাকে | نِبِيْ |
| এসব | هُولَاءُ |

| | |
|--------------------------------------|----------------------------|
| আপনি পবিত্র | سَبْحَانَكَ |
| আমাদের জন্য | لَنَا |
| আপনি আমাদেরকে | عَلِمْتَ |
| শিখিয়েছেন | |
| নিশ্চয়ই আপনি | إِنَّكَ |
| আপনিই | أَنْتَ |
| মহাজ্ঞানী | عَلِيمٌ |
| মহাবিজ্ঞ | حَكِيمٌ |
| তারপর যখন | فَلَمَّا |
| আমি কি বলিনি? | أَلْمَ أَقَ |
| আমি জানি | أَعْلَمُ |
| তোমরা প্রকাশ কর | تَبْيَانُونَ |
| তোমরা গোপন কর | تَكْنُومُونَ (ك ت م) |
| সিজদা কর | أَسْجَدُوا (س ج د) |
| ইবলীস, শয়তান | إِبْلِيس |
| সে অধীকার করল, অমান্য করল | أَبِي |
| সে অহংকার করল, নিজেকে বড় মনে করল | (اسْتَكْبَرَ (ك ب ر)) |
| সে হল | كَانَ |
| বসবাস কর | أَسْكَنْ (س ك ن) |
| তোমরা দুজন খাও | كَلَا |
| শাছদে | رَعْدًا |
| যথানেই | جِنْ |
| তোমরা দুজন চাও (হয়ে যাবে) | شِنْتَمَا (شَاءَ (একবচন. |
| তোমরা দুজন কাছে যাবে না | لَا تَقْرَبَا (ق ر ب) |
| এই | هَذِهِ |
| গাছ | شَجَرَةٌ |
| তোমরা দুজন হও (হয়ে যাবে) | تَكُونُوا |
| সে (তাদেরকে) পদব্ধলিত করল | أَرْلَ |
| তাদেরকে | هُمَا |
| হতে | عَنْ |
| তা, তার (ঞ্চিলিঙ্গ) | هَا |
| সে দের করে দিল | أَخْرَجَ (خ ر ج) |
| তারা দুজন ছিল | كَانَا (কان :) |
| তোমরা নীচে নেমে যাও | هَبِطُوا |
| কিছু | بَعْضٌ |
| শক্র | عَوْ |
| ঠিকানা, বাসস্থান | مُسْتَقْرٌ |
| জীবিকার উপকরণ | مَنَاعٌ |
| একটা নির্দিষ্ট সময় | حِينْ |
| তারপর সে শিখে নিল | فَتَافَى |
| কিছু বাণী, কিছু শব্দ | (কلمَاتَ (কلمَةَ (একবচন. : |
| তিনি তাকে শ্রম করলেন | تَابَ عَلَىٰ |
| তাওবা করুণকারী | تَوَابٌ |
| তারপর যখন | فَإِمَّا |
| তোমাদের কাছে আসবে | يَأْتِيَكُمْ |
| আমার পক্ষ হতে | مِنِّي |

| | |
|---------------------------------------|-------------------------|
| অনুসরণ করল | تَبَعَ |
| আমার পথ-নির্দেশনা, হেদায়েত | هُدًى |
| ভয় | خُوفٌ |
| তাদের জন্য | عَلِيهِمْ |
| দৃঢ় | حَزْنٌ |
| তারা অস্থীকার করল | كَفَرُوا (ك ف ر) |
| তারা মিথ্যা মনে করল | كَذَّبُوا (ك ذ ب) |
| আমাদের আয়ত (আদেশ, বাণী, নির্দেশ) | إِيَّا |
| জাহানামের অধিবাসী | أَصْحَابُ النَّارِ |
| কুকু-৫ | كُوكُو |
| হে | يَا |
| ইসরাইলের বংশধর | بَنِي إِسْرَائِيلٍ |
| তোমরা স্মরণ কর | اَذْكُرُوْا |
| তোমরা পূর্ণ কর | أَوْفُوْا |
| প্রতিশ্রুতি | عَهْدٌ |
| আমি পূর্ণ করব | أُوفٌ |
| কেবল আমাকেই | إِيَّاهِي |
| সুত্রাং আমাকেই ভয় কর | فَارِهَبُونَ (ر ه ب) |
| আমি অবর্তীণ করেছি | أَنْزَلْتُ |
| সত্তাতা সমর্পনকারী, সত্ত্বায়নকারী | مُصَدِّقًا |
| তার জন্য যা | لِمَا |
| তোমাদের সাথে | مَعْكُمْ |
| হয়ে না, হয়ে যেও না | لَا تَكُونُوا |
| প্রথম | أَوَّلٌ |
| তোমরা ক্রয় কর না | لَا تَشْرِبُوْا (ش ر ي) |
| আমার আয়ত (আদেশ, বাণী, নির্দেশ) | إِيَّاهِي |
| মূল্য | ثَمَانًا |
| সামান্য | فَلِيلًا |
| তোমরা মিশাবে না, তোমরা | لَا تَلْبِسُوْا |
| চেকে না | |
| মিথ্যা | بَاطِلٌ |
| তোমরা গোপন করো না | لَا تَخْتَمُوا (كَثْمٌ) |
| তোমরা কাম্যেম কর | أَقْبِمُوا |
| তোমরা কুকু কর, অবনত হও | أَرْكَعُوا |
| কুকু-কারীদের সাথে | رَاكِعُينَ |
| কি | أَ |
| তোমরা নির্দেশ দাও | تَامِرُونَ (ا م ر) |
| কল্যাণ, ভালো | بَرٌ |
| তোমরা ভুলে যাও | تَسْوُونَ (ن س ي) |
| নিজেদেরকে | أَنفَسَكُمْ (ن ف س) |
| তোমরা তিলাওয়াত কর | تَسْلُونَ (ت ل و) |
| তবে কি (তোমরা) না | أَفَا |
| তোমরা বোবা | تَعْقِلُونَ (ع ق ل) |
| তোমরা সাহায্য চাও | إِسْعَيُونَا |
| অবশ্যই বড় কঠিন | لَكِبِيرَةٌ |

| | |
|---|----------------------|
| যারা ভয় করে, যারা বিনোদ | خَاطِئُونَ (خ ش ع) |
| তারা বিশ্বাস করে, তারা মনে রাখে | يَظْئَلُونَ (ظ ن) |
| নিষ্যষ্ট তারা | أَنْهُمْ |
| তারা সাক্ষৎকারী, তারা মিলিত হবে | مُلَاقُوا |
| প্রত্যাবর্তনকারী | رَاجِعُونَ (ر ج ع) |
| কুকু-৬ | |
| আমি | أَنِّي |
| আমি মর্যাদা দিয়েছি, আমি | فَضَلْتُ (ف ض ل) |
| শ্রেষ্ঠ দিয়েছি | |
| এবং তোমরা ভয় কর, | وَأَثْغُرُوا |
| আত্মরক্ষা কর | |
| দিন | يَوْمًا |
| কাজে আসবে না | لَا تَجْزِيْ (ج ز ي) |
| কুহ, কোন আর্থিক | نَفْسٌ |
| জন্য | عَنْ |
| কুবুল করা হবে না | لَا يَقْبَلُ (ق ب ل) |
| সুপারিশ | شَفَاعَةً (ش ف ع) |
| তাদের সাহায্য করা হবে | يُنْصَرُونَ (ن ص ر) |
| নেয়া হবে না | لَا يُؤْخَذُ |
| ক্ষতিপূরণ | عَلَى |
| আমরা তোমাদের মুক্তি দিয়েছিলাম, রক্ষা করেছিলাম | نَجِيَّاكُمْ (ن ج و) |
| অনুসারীরা, লোকেরা, বংশধর | الْ |
| ফেরাউন | فِرْعَوْنٌ |
| তারা বক্ষ দিত | يَسُومُونَ |
| খারাপ, কঠোর | سُوءٌ |
| শাস্তি | عَذَابٌ |
| জ্বাই করা | دُبَحٌ |
| পুত্র সন্তানরা, ছেলেরা | أَبْنَاءَ (ابنْ :) |
| তারা বাঁচিয়ে রাখতো | يَسْتَحْيِونَ |
| নারীরা | نِسَاءٌ |
| এবং এর মধ্যে (ছিল) | وَفِي ذَلِكَمْ |
| পরীক্ষা | بَلَاءٌ |
| তোমাদের রব | رَبِّكُمْ |
| কঠিন, বড় | عَظِيمٌ |
| যখন | إِذْ |
| আমরা বিভক্ত করেছিলাম, বিদীর্ণ করেছিলাম | فَرَقْتَا (ف ر ق) |
| তোমাদের (জন্য) | بَعْكُمْ |
| সমুদ্র | بَرْ |
| আমরা ডুবিয়ে দিয়েছিলাম | أَغْرَقْنَا |
| তোমরা দেখেছিল | تَنْظَرُونَ (ن ظ ر) |
| আমরা নির্ধারিত করেছিলাম | وَاعْدَنَا |
| চলিশ | أَرْعَيْنَ |
| রাত | لَيْلَةً (ليالي :) |
| এরপর | مُّ |

| | |
|---|-----------------------|
| তোমরা এহেগ করেছিলে | إِنْخَذْ ثُمْ (ا خ د) |
| বাছুর | عَجْلٌ |
| তারপর | مِنْ بَعْدِ |
| অন্যায়কারী | ظَالِمُونَ (ظ ل م) |
| আমরা মাফ করেছিলাম | عَفَوْنَا |
| এর পরেও | مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ |
| সত্ত্ব মিথ্যার মাপকাঠি, যার দ্বারা ন্যায় ও অন্যায়ের পার্থক্য সুস্পষ্ট হয় | فُرْقَانٌ |
| তোমরা প্রত্যাবর্তন কর, তওবা কর | تُوبُوا |
| স্ট্রট | بَارِئٌ |
| যতক্ষণ না | هَتَّىٰ |
| আমরা দেখি | رَأَيْ |
| প্রকাশ্যে | جَهْرٌ |
| বজ্জ্বপাত, গর্জন, বিদ্যুৎ চমক | صَاعِقَةٌ |
| পুরুষজীবিত করল | بَعْثٌ |
| আমরা ছায়া দিয়েছিলাম | ظَلَّلَنَا (ظ ل ل) |
| মেঘ | غَمَامٌ |
| অনুগ্রহ, ধনিয়ার মতো এক প্রকার খাদ্য | الْمَنْ |
| বানী ইসরাইলের জন্য আসমান থেকে নাযিল করা এক প্রকার পার্থী | سُلْوَىٰ |
| তোমরা খাও | كُلُواً |
| পবিত্র বস্ত | طَيَّبَاتٍ (ط ي ب) |
| তারা অন্যায় করেছিল, জুলুম করেছিল | ظَلَمُوا |
| কিন্ত | لَكُنْ |
| এই, ইহ | هَذِهِ |
| শহর, গ্রাম | فَرْيَةٌ |
| যেখানে | حَيْثُ |
| তোমরা চাও | شَيْشَمٌ |
| স্বানন্দে | رَغْدًا |
| দরজা | بَابٌ |
| সিজদায় অবনত হয়ে, সিজদারত অবস্থায় | سُجَدًا |
| তোমরা বল | فَوْلُوا |
| ক্ষমা | حَطَّةٌ |
| আমরা ক্ষমা কর | نَغْفِرُ |
| তোমাদের ক্রটিগুলো, তোমাদের সীমালঙ্ঘনগুলো | خَطَايَاكُمْ |
| শৈঘষ্ট, অনুর ভবিষ্যতে | سَ |
| আমরা বাড়িয়ে দেব | نَزِيدٌ (ز ي د) |
| যারা ইহসান করে, যারা ন্যায়পঞ্চী | مُحْسِنُونَ |
| অতঙ্গে, তবে | فَ |
| পরিবর্তন করল | بَلٌ |
| শাস্তি, মহামারী, ত্রোধ | رْجَزًا |

| | |
|---|-------------------------|
| তারা পাপ কাজ করে, অন্যায় করে, সীমালঙ্ঘন করে | يَفْسَقُونَ (ف س ق) |
| ক্রকু- ৭ | |
| সে পানি চাইল | إِسْتَسْقِي |
| তুমি আঘাত কর, প্রহর কর | (صَرْبْ) (ভাববিশেষ্য..: |
| লাঠি | عَصَماً |
| পাথর | حَجَرٌ |
| ফেঁটে বের হল, প্রাহিত হল | الْفَجَرَتْ (ف ج ر) |
| বারো, বারোটি | إِثْنَا عَشَرَةً |
| বাণী | عَيْنٌ (عِيْنٌ) |
| নিশ্চয়ই | قَدْ |
| জানত | عَلَمَ (ع ل م) |
| সকল | كُلٌّ |
| লোক, মানুষ | أَنَاسٌ |
| পানি পান করার স্থান | مَشْرَبٌ |
| তোমরা খাও | كُلُواً |
| তোমরা পান কর | إِشْرِبُوا (ش ر ب) |
| তোমরা বিপর্যয় সৃষ্টি কর না | لَا تَنْعَثُوا (ع ث و) |
| খাবার | طَعَامٌ |
| একই, এক | وَاحِدٌ |
| সুত্রাং তুমি ডাকো, প্রার্ণা কর | فَادِعٌ (د ع و) |
| আমাদের জন্য | لَا |
| তিনি বের করেন, উৎপন্ন করেন | يُخْرِجُ (خ ر ج) |
| উৎপাদন করে | تَبْيَثٌ (ن ب ت) |
| শাকসবজি | بَقْلٌ |
| শসা | فِقَاءٌ |
| যব, গম, বসুন | فُؤْمٌ |
| মশুর ডাল, ডাল | عَدْسٌ |
| পিংয়াজ | بَصْلٌ |
| তোমরা বদল করতে চাও | شَسِيلِلُونَ (ب د ل) |
| নিকৃষ্ট, সামান্য | أَدْنِي |
| শহর, নগর | مَصْرٌ |
| তোমরা যা কিছু ঢায়েছে | سَالْمٌ |
| আরোপিত হল, পড়ল | ضَرَبَتْ (ض ر ب) |
| অপমান, নিচতা, লাঞ্ছনা | ذِلَّةٌ |
| দারিদ্র, দারিদ্রতা | مَسْكَنَةٌ |
| তারা পরিবেষ্টিত হল, তারা অর্জন করল | بَاعُوا |
| তারা হত্যা করে | يَقْتَلُونَ (ق ت ل) |
| নবীগণ('আলাইহিমুস সালাম) | بُيَّبِينَ (بِيْبِينَ) |
| তারা অবাধ্যতা করেছিল | (ভাববিশেষ্য..: |
| তারা সীমালঙ্ঘন করত | يَعْتَدُونَ (ع د و) |
| ক্রকু- ৮ | |
| তারা ইহুদী হল | هَادُوا |
| খ্রিস্টান | نُصَارَىٰ |
| সামী, তারকাপূজারী | صَابِئِينَ |

| শেষ দিন | يَوْمُ الْآخِرَة |
|--|-----------------------------------|
| কাজ করল | عَمَلٌ |
| সৎ, ভাল | صَالِحًا |
| তাদের পূরক্ষার | أَجْرُهُمْ |
| রবের কাছে, পালনকর্তার কাছে | عِنْ رَبِّ |
| বিষম হল | حَزْنٌ |
| আমরা গ্রহণ করেছিলাম | أَخْتَنَا |
| প্রতিশ্রুতি | مِيْنَاقٌ |
| আমরা উপরে তুলে ধরেছিলাম | رَفَعْنَا (رَفِعَ) |
| উপর | فُوقٌ |
| তুর পর্বত, একটি পাহাড়ের নাম | طُورٌ |
| তোমরা ফিরে গেলে | تَوَلَّتُمْ |
| যদি | لَوْ |
| অবশ্যই, নিশ্চয়ই | لَقَدْ |
| তারা সীমা ছাড়িয়ে দেল, তারা সীমালঙ্ঘন করল | إِعْتَدُوا |
| শনিবার | السَّبْتُ |
| বানর | (একবচন.: فَرَدٌ) (فَرَدَةٌ) |
| ঘৃণিত, লাঞ্ছিত | خَاسِبِينَ |
| শিক্ষার্থী বিষয়, দৃষ্টিত, শাস্তি | نَكَالًا |
| তাদের আগে, সম্মুখ ভাগে, সামনে | بَيْنَ يَدَيْ |
| পিছনে | خَلْفٌ |
| উপদেশ | مَوْعِظَةٌ (وَعْظٌ) |
| তিনি নির্দেশ দেন | يَأْمُرُ (اِمْرٌ) |
| যেন | أَنْ |
| গাভী | بَقَرَةٌ |
| মজা করা, বিক্রিপ করা, ঠাট্টা করা | هَزْوًا |
| আমি আশ্রয় চাই | أَعُوذُ |
| দোয়া কর, প্রার্থনা কর, ডাকো | أَدْعُ |
| তিনি স্পষ্ট করে বর্ণনা করেন, তিনি বলে দেবেন | بَيْبَنٌ |
| সেটা কেমন (গাভী)? | مَاهِيٌّ |
| তিনি বলেন | يَقُولُ |
| বৃক্ষ নয় | لَا فَارِضٌ |
| বাচ্চা নয়, কুমারীও নয় | لَا بَنْرٌ |
| মাঝামাঝি, মধ্যম বয়সের | عَوْانٌ |
| তোমরা কর | إِفْعَلُوا |
| যা | مَا |
| তোমাদেরকে নির্দেশ দেয়া হয় | تُؤْمِنُونَ (اِمْرٌ) |
| তার রং | (বহুবচন.: لَوْهَهَا) (اللَّوَانُ) |
| হলুদ রংয়ের | صَفْرَاءً |
| গাঢ় রং | فَاقِعَ |
| তা আনন্দ দেয় | شَرٌّ (سَرَرٌ) |
| দর্শকমণ্ডলী (কে) | نَاظِرِينَ (نَظَرٌ) |
| একই রকম মনে হল, সংশয় | شَابَابَةٌ |

| হল | شَاءَ |
|--|---|
| চান | شَاءَ |
| কোন ধরণের কাজে ব্যবহৃত হয়, কাজকর্ম করে এমন | ذَلِكُّ |
| জমি চাষ করে | شَيْرُ الْأَرْضَ (ثَوْر) |
| পানি দেয় (জমিতে) | شَسْقِيٌّ |
| ক্ষেত-খামার | حَرْثٌ |
| নিখুত, সুস্থ, নির্দেশ | مُسْلَمَةٌ |
| কোন দাগ নাই | لَا شَيْءٌ |
| এখন | الْآنَ |
| তুমি নিয়ে এসেছে, তুমি এসেছে | جِئْتَ |
| তারা অগ্রহী ছিল না, তারা ଆয় করত না | مَا كَادُوا |
| কর্কু-৯ | |
| তোমরা হত্যা করলে | فَقَتَلُوكَمْ (قَاتِل) |
| তোমরা একে অন্যের উপর দোষারোপ করলে | إِذَارَعْتُمْ (إِرَاعِي) |
| প্রকাশকারী | مُخْرِجٌ |
| তোমরা গোপন কর | تَكْمِيْنُونَ (كَاتِم) |
| তার কিছু অংশ দ্বারা | بِعَضُهَا |
| এভাবে | كَذَلِكَ |
| জীবিত করেন | يَحْيِي |
| মৃত ব্যক্তি | مَوْتَى (مَيْتَ) (একবচন.: مَيْتٌ) |
| তিনি তোমাদের দেখান | بِرِيكْمُ (رَعِي) |
| নির্দশনসমূহ | الْآيَاتِ |
| তোমরা বোঝ, তোমরা বুঝতে | تَعْقِلُونَ |
| পার | |
| এরপর, অতঃপর | لَمْ |
| কঠার হল, কঠিন হয়ে গেল | فَسَّـةً (فَسَـةً) |
| হৃদয়গুলো | قُلُوبٌ (قُلُوبٌ) |
| এভাবে | فَ |
| তা | هِيَ (তারা: এখনে সর্বনাম হিসেবে ব্যবহৃত হচ্ছে, ক্লোব্ হচ্ছে, -এর জন্য ভাসা বহুবচন হিসেবে) |
| মত | قَنْ |
| পাথর | جِهَارَةً (جَهَارٌ) (একবচন.: جَهَارٌ) |
| অথবা | أَوْ |
| আঝো, বেশী | أَشَدٌ |
| কঠার, কঠিন | قَسْوَةً (قَسْوَةً) |
| কারণ অবশ্যই | لَمَّا |
| প্রবাহিত হয়, ফেটে বের হয় | يَسْفَجِرُ |
| নদী, বর্ণারা | أَنْهَارَ (نَهْرٌ) (একবচন.: نَهْرٌ) |
| ফেটে যায় | يَسْقُفُ (شَقْقَي) |
| পড়ে যায় | يَهْبِطُ (هَبْطَي) |
| আল্লাহর ভয়ে | خَشْيَةَ اللَّهِ |
| এরপর কি তোমরা চাও, এরপর কি তোমাদের কোন আশা আছে | أَفَتَطْمَعُونَ (طَمْعٌ) |

| | |
|--------------------------------------|--|
| চাইল, আশা করল, আগ্রহী | طبع |
| হল | أنْ |
| যে | فَ |
| নিশ্চয়ই | فُرِيقٌ |
| একদল | يُحَرَّفُونَ |
| তারা পরিবর্তন করে, বদলে | عَطَلُوا |
| দেয় | لَفُوا |
| তারা ব্যবল | فَالَّوْا (قوْلٌ) |
| তারা দেখা করল, তারা | (ভাববিশেষ: امْتَانًا) |
| মিলিত হল | خَلْوَةً (ভাববিশেষ: امْتَانًا) |
| তারা বলল | سَمِاعًا |
| আমরা স্মীমান এনেছি | أَمْتَانًا |
| একা হলে, নির্জনে মিলিত হলে | خَلْوَةً (ভাববিশেষ: امْتَانًا) |
| তোমরা বলে দাও বা বলে দিবে | تَحْدِيثُونَ |
| ঐ বিষয় যা | بِمَا |
| প্রকাশ করল | فَتَحَ |
| তোমাদের প্রতি, তোমাদের উপরে, নিকটে | عَلَيْكُمْ |
| তারা বাগড়া করে, তর্ক করে | يُحَاجِجُونَ |
| তারা গোপন করে | (গোপন বিষয়: سَرَّ ; গোপন বিষয়াদি: يُسْرُونَ (أَسْرَارٌ)) |
| তারা প্রকাশ করে | يُعْنِيْنُونَ (اعْلَانٌ) |
| নিরক্ষর | أَمْبُونَ |
| এছাড়া | إِلَيْ |
| আকাঙ্ক্ষা, ভিত্তিহীন আশা | أَمَانَى |
| যদি, না | إِنْ - إنْ - (যদি 'কিছুই না') |
| ধর্মস | وَيْلٌ |
| তারা লিখে | يَكْتُبُونَ (ك ت ب) |
| তাদের হাত | أَيْدِيهِمْ (يَدْ) |
| মূল্য | ثَمَانًا |
| তারা অর্জন করে | يَكْسِبُونَ (ك س ب) |
| কথনো না | لَنْ |
| আমাদেরকে স্পর্শ করবে | تَمَسَّتَا (م س س) |
| দিনগুলো | أَيَّامًا (يَوْمٌ) |
| একটি নির্দিষ্ট সংখ্যা, কিছু, গণনাকৃত | مَعْدُودَةٌ |
| বল | قُلْ |
| চুক্তি, প্রতিক্রিতি, অঙ্গীকার | عَهْدٌ |
| ভঙ্গ করবেন, বিরুদ্ধাচরণ | يُلْفِ |
| করবেন না | |
| অথবা | أَمْ |
| বরু সত্য হল | بَلِي |
| যে কেউ, যে বক্তি | مَنْ |
| সে অর্জন করল | كَسَبَ (ك س ب) |
| খারাপ কাজ, পাপ | (বহুবচন: سَيِّئَاتٌ) |
| ঘেরাও করে নিল, পরিবেষ্টন | أَحَاطَتْ (احاطة) |
| করল | (ভাববিশেষ: يُصْرَوْنَ) |

| অপরাধ, পাপ | خطيئة (خطئات) |
|--|------------------------|
| ক্রুকু - ১০ | وَالْدَيْنِ |
| পিতা-মাতা | ذُي الْفُرْجِي |
| আত্মীয়-স্বজন | يَتَامَى (بِيَتَامَةً) |
| ইয়াতীমগণ | (একবচন: مَسَاكِينٌ) |
| দরিদ্র, অভাবী বক্তি | فُقُولًا |
| তোমরা বল | حَسْنًا |
| সুন্দর কথা, ভালো কথা, ভদ্র | أَقِيمُوا |
| আচরণ | أَثْوَارًا |
| তোমরা কানেক কর, প্রতিষ্ঠা কর | زَكْوَةً |
| তোমরা দাও | تَوْلِيْمٌ |
| যাকাত, সম্পদ পবিত্র করার জন্য ধর্মীয় ইবাদত বা নিয়ম বিশেষ | قَلِيلًا |
| তোমরা মুখ ফিরিয়ে নিয়েছিলে | مِنْكُمْ |
| সামান্য কিছু | أَنْتُمْ |
| তোমাদের মধ্য থেকে | مُغْرِضُونَ |
| তোমরা | دِيَارْ (دار) |
| যারা মুখ ফিরিয়ে নেয় | أَفَرَرْتُمْ |
| ঘরগুলো | شَهْوَنْ |
| তোমরা সীকার করেছিলে | هَارِلَام |
| তোমরা সাক্ষ দাও | ظَاهِرُونَ (ظ ه ر) |
| ওসুব (লোকেরা), এই সকল লোকেরাই | إِثْمٌ |
| তোমরা পরস্পরকে সহায়তা কর | عَذْوَانٌ |
| পাপ | يَأْتُوكُمْ |
| বাড়াবাড়ি করা, সীমালঞ্জন করা, জুলুম করা | أَسَارِي |
| তারা তোমাদের কাছে আসে | تُفَادُوْ (ف د ي) |
| বন্দী | فَمَا |
| তোমরা মুক্তিপণ নিয়ে ছাড়াও, বিনিময় করে ছাড়াও | جَزَاءُ |
| তরে কি | مَنْ |
| প্রতিদান, পুরুষার | يَقْعُلُ |
| যে | خَرْزِي |
| করে | حَيْوَةً |
| অপমান, লাঞ্ছনা | بِرَدَوْنَ |
| জীবন | إِلِي |
| তাদের ফিরিয়ে নেয়া হবে, | أَنْتُمْ |
| তাদের ফিরিয়ে দেয়া হবে | وَمَا |
| দিকে | عَمَّا |
| কঠোরতম | يُحَقَّ |
| এক্ষন | يُصْرَوْنَ |
| এ বিষয়ে যা | |
| হালকা করা হবে, কমানো | |
| হবে | |
| তাদের সাহায্য করা হবে | |

| | |
|---------------------------------------|---|
| কৰু- ১১ | |
| নিঃসন্দেহে, নিশ্চয়ই, অবশ্যই | لَقِدْ |
| আমরা দিয়েছি | إِنَّا |
| আমরা পর্যাক্রমে পাঠিয়েছি | فَقِيْنَا (ق ف ي) |
| রসূলগণ | رَسُّوْلٌ (ر س و ل) (একবচন.: رَسُّوْلٌ) |
| মরিমের পুত্র | ابْنُ مَرِيْمٍ |
| সুস্পষ্ট নির্দেশসমূহ | بِيْنَاتٍ |
| আমরা তাকে সাহায্য করেছি | أَيَّدْنَا |
| পবিত্র আত্মা [জিবাইল (আঃ)] দিয়ে | رُوحُ الْفَدْسِ |
| তাহলে কি | أَفْ |
| যখনই | كُلَّمَا |
| আসলো, এসেছে | جَاءَ |
| কোন রসূল | رَسُّوْلٌ |
| চায় না, পছন্দ করে না | لَا تَهْوِي |
| তোমাদের মন | أَنْفُسُكُمْ (ن ف س) |
| তোমরা অহংকার করেছ | إِسْتَكْبَرْتُمْ |
| এক দল | فَرِيقًا |
| তোমরা হত্যা করেছ | تَفْتَلُونَ (ق ت ل) |
| তারা বলল | فَلَوْا |
| হাদ্যাগুলো | فُلُوبْ (ف ل ب) (একবচন.: فُلُوبْ) |
| আচ্ছাদিত, সুরক্ষিত, গিলাফে ঢাকা | غُلَّفَ |
| বর | بَلْ |
| অভিশাপ দিল | لَعْنَ |
| তাদের, তারা (পুরুষ) | هُمْ |
| যখন | لَمَّا |
| সত্যায়নকারী | مُصَدِّقٌ |
| যা তাদের সাথে ছিল | لِمَا مَعَهُمْ |
| তারা বিজয় চায় | يَسْتَفْحُونَ (ف ت ح) |
| যা তারা চিনল | مَا عَرَفُوا (ع ر ف) |
| তা কতই নিকৃষ্ট | بِنَسْمَا |
| তারা বিক্রি করল | إِشْرَوْا |
| যে | أَنْ |
| তারা কুম্ভী করে | يَكْفِرُوْا |
| বিদ্রোহ বশতঃ, জেদ বশতঃ | بَعْيَا |
| তারা অর্জন করল, তারা পরিবেষ্টিত হল | بَاعُوْ |
| অবমাননাকর | مُهْنَنْ |
| ছাড়া, ব্যতীত, পিছন | وَرَاءَ |
| কেন | لَمْ |
| আল্লাহর নবীগণ (‘আলাইইহিস সালাম) | أَنْبِيَاءَ اللَّهِ (ن ب ي) |
| বাছুর | عَجْلٌ |
| আমরা উঠিয়েছিলাম, তুলে ধরেছিলাম | رَفَعْنَا (ر ف ع) |
| উপর | فَوْقَ |
| একটি পাহাড়ের নাম | طُور |
| তোমরা ধৰ, এহণ কর | خَذُوا |

| | |
|---|----------------------|
| শৰ্কুভাবে, দৃঢ়তার সাথে | بِقُوَّةٍ |
| এবং শৰ্কু | وَاسْمَعُوا (س م ع) |
| আমরা অমান্য করলাম, অবাধ্য হলাম | عَصَيْنَا |
| তাদের পান করালো হয়েছিল, | أَشْرُبُوا (ش ر ب) |
| সিফিত হয়েছিল | |
| নির্দেশ দেয় | يَأْمُرُ (ا م ر) |
| যদি হয়ে থাকে | إِنْ كَانَ |
| আখিরাতের ঘৰ, পৱকাল | الدَّارُ الْآخِرَةُ |
| আল্লাহর নিকট | عَنْ اللَّهِ |
| একমাত্ৰ, বিশেষভাবে | خَالِصَةٌ |
| মানবজাতির অন্যদের জন্য | مِنْ دُونِ النَّاسِ |
| নয়, অন্য মানুষেরা ছাড়া | |
| আকাঞ্চা কৰ, আশা কৰ, অভিলাষ কৰ | تَمَنُوا |
| টিরকাল, সৰ্বদা, কখনো | أَبَدًا |
| আগে পাঠিয়েছে | قَدَّمْتُ |
| তাদের হাতগুলো | أَيْدِيهِمْ |
| অবগত, খুবই অবহিত, সবজ্ঞ, যিনি সবকিছু জানেন | عَلِيمٌ |
| নিশ্চয়ই তুমি পাবে | لَتَجِدَنَّ |
| সর্বাধিক লোভী | أَحْرَصَ |
| আয়ু, জীবন | حَيَوَةٌ |
| যারা পিরক্ কৰে | أَشْرَكُوا |
| কামনা কৰে, চায় | يَوْمَ |
| তাদের প্রত্যেকে, তাদের কেউ | أَحَدُهُمْ |
| কেউ, তাদের অনেকেই | |
| যদি | لَوْ |
| আয়ু দেয়া হত, বয়স দেয়া হত | يَعْمَرُ (ع م ر) |
| এক হাজার | أَلْفَ |
| বছর | سَنَةٌ |
| তা না | مَا هُوَ |
| যে বাচাতে পারে, রক্ষাকারী, মুক্তিদাতা | مَرْحُجٌ |
| সর্বদ্রষ্টা, যিনি সবকিছু দেখেন | بَصِيرٌ |
| কৰু- ১২ | |
| শৰ্কু | عَدْوٌ |
| অনুমতি | إِذْنٌ |
| সুসংবাদ | بُشْرَى |
| ফেরেশতা জিবাইল (আঃ) | جِرْبِيلٌ |
| ফেরেশতা মিকাইল (আঃ) | مِيكَالٌ |
| দৃঢ়ুক্তিকারীরা, সীমালঞ্জনকারীরা | فَاسِقُونَ (فَاسِقٌ) |
| নিষ্কেপ কৰল | (একবচন.: نِسْكَةً) |
| দেয়া হয়েছে | أَوْتُونَا |
| পেছনে, ব্যতীত, ছাড়া | وَرَاءَ |
| পিঠ | (একবচন.: ظَهُورٌ) |
| তারা যেন | كَانَهُمْ |

| | |
|----------------------------------|--|
| জানে না | لَا يَعْلَمُونَ |
| অনুসরণ করল | (تَبَعُوا) (ت ب ع) |
| যা কিছু | مَا |
| আবৃত্তি করত, পড়ত | (ভাৰবিশেষ..) تَلَوَّا (تلاوة) |
| রাজত্ব | مَكْرَب |
| কিন্তু | لَكِنْ |
| তারা শিক্ষা দেয় | (ভাৰবিশেষ..) يَعْلَمُونَ (تَعْلِيمٌ) |
| যাদুবিদ্যা | سِحْرٌ |
| দুর্ভজন ফেরেশতা | (একবচন.: مَلَكٌ) ملکিনْ (ملك) |
| ব্যাবিলিয়ন, ইরাকের অর্গাত | بَلْلَل |
| একটি শহরের নাম | |
| দুইজন ফেরেশতার নাম, | هَارُوتَ وَ مَارُوتَ |
| হাকুত ও মারুত | |
| কেউ না | مَا |
| কাউকে | مِنْ أَهْدٍ |
| যতক্ষণ না | حَتَّىٰ |
| তারা উভয়ে বলে, তারা দুজন বলে | (ভাৰবিশেষ..) يَقُولُ (قُولٌ) |
| প্রকৃতপক্ষে, কেবলমাত্র | إِنَّمَا |
| আমরা | نَحْنُ |
| পরামর্শা | فَتَنَّةٌ |
| কাফির হয়ে না, অবিশ্বাস কর না | لَا تَكُفُّرْ |
| তারা শিক্ষা দেয় | يَعْلَمُونَ (تَعْلِيمٌ) |
| তাদের দুজনের খেকে | مِنْهُمَا |
| তারা বিছেদ ঘটায় | (ভাৰবিশেষ..) يَفْرَقُونَ (تَفْرِيقٌ) |
| যা দ্বারা | بِهِ |
| মাঝে | بَيْنَ |
| ব্যক্তি, পুরুষ, স্বামী | الْمَرْءُ |
| ঙ্গী (দ্রুজের একজন) | زَوْجٌ |
| তারা নয় | مَهْ |
| অনিষ্টকারী | ضَارِّينَ (ضَارٌ) |
| যা | مَا |
| ক্ষতিকর | بَصَرٌ (بصر) |
| উপকার করে | يَنْفَعُ (ن ف ع) |
| তারা জানত | عَلِمُوا |
| অবশ্যই যে ব্যক্তি | لَمْ |
| ক্রয় করল | إِشْرَى |
| তার জন্য নেই | مَالِهِ |
| অংশ | خَلَقَ |
| অবশ্যই কত নিষ্কৃষ্ট, খুবই মন্দ | لَبِسَ |
| তারা বিক্রি করল | شَرَوْا |
| যে তারা | أَنْهُمْ |
| প্রতিদান | مَوْبَدٌ |
| উত্তম, ভাল | خَيْرٌ |
| কর্কু - ১৩ | |
| আমাদের কথা শুনুন, | إِنْ رَاعَنَا، اَنْظَرْنَا (رাউنَا) |
| আমাদের দিকে দৃষ্টি দিন বা | শব্দের অর্থ একই। কিন্তু ইত্তদীরা জিভ |

| | |
|---------------------------|--|
| লক্ষ্য করুন, আমাদের জন্য | رَايْتَ (رأى عَنْ) |
| একটু অপেক্ষা করুন | أَنْظَرْنَا (أَنْظَرْتُ أَنْظَرْتُ) |
| | মায়ো (و د) |
| বিশেষভাবে মনোনীত করুন | يَخْتَصُ (خ ص ص) |
| তিনি যাকে ইচ্ছা করেন | مِنْ يَشَاءُ |
| অনগ্রহশীল | ذُو الْفَضْلِ |
| মহান, বড় | عَظِيمٌ |
| আমরা রহিত করি, আমরা | نَسْخَ (ن س خ) |
| বাদ করে দেই, আমরা মুছে | |
| দেই | |
| অথবা | أَوْ |
| আনি | نَاتٍ |
| কি নয়, নাকি | أَلَمْ |
| তুমি জান | تَعْلَمْ |
| আল্লাহ ছাড়া | ذُو اللَّهِ |
| বন্ধু, অভিভাবক | وَلِيًّا (أولياء) |
| সাহায্যকারী | صَيْرِيرً (نصر ، ينصر ، نصر) |
| নাকি তোমরা চাও? | أَمْ تُرِيدُونَ |
| তোমরা প্রশ্ন করবে | تَسْأَلُوا |
| যেমন | كَمَا |
| জিজ্ঞাসিত হয়েছিলো | سَئَلَ |
| বদল করে | يَبْدَلَ (ب د ل) |
| সরল পথ | سَوَاء السَّبِيلُ |
| চায়, কামনা করে | وَ |
| অনেক, অনেকে | كَثِيرٌ |
| যদি | لَوْ |
| প্রকাশিত হল, সুস্পষ্ট হল | شَبَّيْنَ (ب ي ن) |
| ক্ষমা করা | عَفْوٌ (ع ف و) |
| উপেক্ষা করা, ছেড়ে দেয়া, | صَفْحٌ |
| এড়িয়ে চলা | |
| দেন, পাঠান, নিয়ে আসেন | يَأْتِيُ |
| নির্দেশ | أَمْرٌ (أمر : أوامر) |
| তোমরা আগে পাঠাবে | تَقْدِمُوا |
| তোমরা পাবে | تَحْدِيْدُوا |
| কাছে | عَنْ |
| এটা, ওটা | تَلْكَ |
| তাদের আকাঞ্চা | أَمَانِيَّهُمْ |
| আন, দাও | هَافَوْا |
| প্রমাণ, দলীল | بُرْهَانٌ (براهين) |
| তবে হাঁ, কেননা, অবশ্যই | بَلِي |
| অনুগত হয়েছে, আত্মসম্পর্ণ | أَسْلَمَ |
| করেছে | (س ل م) |
| নিজেকে, তার সফ্তাকে | وَجْهَهُ (وجدة) |
| সংকৰণশীল | (بহুবচন : مُحْسِنُونَ ، مُحْسِنِينَ) |

| | |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| প্রতিদান | أَجْرٌ |
| দৃঢ়, পুরুষ, বিষাদ | حَزْنٌ |
| ক্রকু- ১৪ | |
| ইহুদীরা বলল | قَالَتِ الْيَهُودُ |
| নাই, না | لَيْسَ (لِيْسْ) |
| এভাবেই | كَذَّابٌ |
| অধিক অজ্ঞানী, বড় | أَظَلْمُ (ظَلْمٌ) |
| অন্যায়কারী | |
| বাধা দিল, মানা করল | مَنْعَلٌ |
| মাসজিদগুলো | مَسَاجِدٌ (مَسْجِدٌ) |
| স্মরণ করা হয়, যিক্রি করা হয় | يَذْكُرُ |
| চেষ্টা করল | سَعْيٌ |
| ধৰ্মস | خَرَابٌ |
| প্রবেশ করা | دَخْلٌ |
| যারা ভীত সন্তুষ্ট | خَائِفِينَ (خَ وَ فَ) |
| লাঞ্ছনা, দুর্ভাগ্য | خَرْزٌ |
| যেদিকেই, যথানেই | أَيْمَانًا |
| মুখ ফিরাও | ثُوَّلَاً |
| সেদিকেই, সেখানেই | أَيْمَانٌ |
| আল্লাহর মুখ | وَجْهُ اللَّهِ |
| ছেলে | وَلَدًا (أَوْلَادٌ) |
| তিনি পরম পবিত্র | سَبْحَاتٌ |
| অনুগত | قَانِتٌ (قَانِتُونَ، قَانِتَيْنَ) |
| স্থিত, নমূনা বিহীন স্থিত | بَدِيعٌ |
| যখন | إِذَا |
| ইচ্ছা করলেন, সিদ্ধান্ত নিলেন | فَصَرِّى (বিচারক: فَصَرِّى) |
| আদেশ, কাজ | أَمْرٌ |
| হয়ে যাও | كُنْ |
| হয়ে যায় | يَكُونُ |
| কেন না, যদি | لَوْ لَا |
| সদৃশ, একই রকম | شَابِهٌ |
| আমরা সুস্পষ্টভাবে বর্ণনা করেছি | بِيَّنًا |
| সুস্বাদদাতা | (ভাববিশেষ: بَشِيرٌ) (بَشَارَةٌ) |
| সর্তর্কারী | نَذِيرٌ |
| তৃতীয় জিজ্ঞাসিত হবে না | لَا شُسْتَنٌ |
| জাহানামের অধিবাসীরা | أَصْحَابُ الْجَهَنَّمِ |
| কথনও না | لَنْ |
| সন্তুষ্ট হবে | تَرْضِى (রাষ্ট্রি: كَرْتَأْ) |
| তোমার প্রতি | عَنْكِ |
| যে পর্যট না | حَتَّىٰ |
| তৃতীয় অনুসরণ কর | شَيْءٌ |
| তাদের দ্বীন, ধর্ম, পথ | مِلَّةٌ |
| আকাঞ্চাসমূহ, লালসাসমূহ | (একবচন: هَوَاءٌ) (হَوَاءٌ) |
| তোমার কাছে এসেছে | جَاءَكَ |
| তোমার জন্য নাই | مَا كَ |
| ক্রকু- ১৫ | |
| বিনিময়, প্রতিদান | عَدْلٌ |

| | |
|--|--|
| পরীক্ষা করলেন | إِنْتَى (إِبْلَاءَ) |
| পূর্ণ করল | أَتَمَ |
| যে বানায় বা তৈরী করে, | جَاعِلٌ |
| নিয়োগকরী | |
| নেতা | إِمامًا |
| বৃশ্দর | (دُرَيْةَ) (دُرَيْتَ) (বৃহবচন: دُرَيْتَ) |
| পারে না, পেঁচাবে না | لَا يَتَّالُ (ন য ল) |
| প্রতিষ্ঠতি, অসীকার | عَهْدٌ |
| আমরা বানালাম | جَعَلْنَا |
| ঘর (মকাব) | الْبَيْتُ |
| মিলনকেন্দ্র | مَبَابَةٌ |
| নির্ধারণ কর, অঙ্গ কর | الْجَهْوَرُ |
| যে স্থানে ইবরাহীম (আঃ) | مَقَامُ إِبْرَاهِيمَ |
| দাঁড়িয়েছিলেন, মাঝামে | |
| ইবরাহীম | |
| সালাতের স্থান | مَصْلَى |
| তোমরা উভয়ে পবিত্র রাখ | طَهْرًا |
| তাওয়াফকারীগণ | طَافِيفَيْنَ (طَوْفَ) |
| ইতেকাফকারীগণ | عَافِيفَيْنَ |
| ক্রকু সিজদাকারীগণ | الرَّكْعُ السَّجْدُونُ |
| নিরাপত্তা, শান্তি | امْنًا |
| বিষ্য দান কর | أَرْزَقَ (رَزْق) |
| অধিবাসী, ওয়ালা | أَهْلٌ |
| জীবনসামঘা দিব, আমি | أَمْتَعْ (مَتْعَ) |
| আনন্দ দিব বা উপভোগ করাব | |
| বাধ করব | أَضْطَرَ (ضَرَرَ) |
| উচু করল, উঠাল | رَفَعٌ |
| ভিত্তিসমূহ | (একবচন: قَاعِدَةٌ) |
| কবুল কর | تَقْبِيلٌ |
| একটি জাতি | أَمَّةً (أَمْمٌ) |
| আমাদের দেখিয়ে দাও | أَرْنَا |
| ইবাদাতের পছা, বিশেষতঃ | مَنَاسِكٍ |
| হজ্জের নিয়ম | |
| প্রত্যাবর্তিত হও (দয়ায়), কবুল কর (আমাদের তাওবা) | شَبْ |
| পাঠাও | إِبْعَثَ |
| হিকমাত | الْحِكْمَةُ |
| পরিশুদ্ধ করে | يُبَرْكِيْ (رَكْ ي) |
| ক্রকু- ১৬ | |
| মুখ ফিরিয়ে নিল (কোন কিছু হতে) | رَغَبَ عَنْ |
| মুখ ফিরাল (কোন কিছু দিকে) | رَغَبَ إِلَى |
| নির্বোধ, বোকা, নিচ | (নির্বোধের: سَفِهَاءٌ) |
| আমরা মনোনীত করেছিলাম | اصْطَفَيْنَا |
| অনুগত হও | أَسْلِمْ (স ল) |
| নির্দেশ দিয়েছিল, ওসিয়ত করা | وَصَيَّ |
| সত্তান | بَئِيْ |
| হে আমার সত্তানেরা | يَا بَئِيْ |

| | |
|---|------------------------------------|
| যখন উপস্থিত হয়েছিল | إذ حَضَرَ |
| উপাসা, যার উপাসনা করা হয়, মানুদ | إِلَهٌ |
| পূর্ণপুরুষ, বাপদাদারা | (একবচন.: أَبٌ) أَبَاءَ |
| বিগত হয়েছে | خَاتَمٌ |
| সে সম্পর্কেয়া | عَمَّا |
| তোমরা হয়ে যাও | كُوْنُواْ |
| তোমরা সঠিক পথপ্রাপ্ত হবে | تَهْدُواْ |
| একনির্ণ্য উপাসক | (বহুবচন.: حَفَّاءُ) حَفِيْقًا |
| বংশধর | الْأَسْبَاطُ |
| দেয়া হয়েছিল | أُوتِيَ |
| নরীগণ | (একবচন.: نَبِيَّ) نَبِيُّونَ |
| পার্থক্য করল | (ভাববিশেষ..:) فَرَقَ (تَفْرِيقُ) |
| মধ্যে | بَيْنَ |
| যে কোন একজন | أَجْدَبٌ |
| তারা মুখ ফিরাল | تَوَلُّواْ |
| বিরোধ | شِقَاقٌ |
| সুতৰাং | فَ |
| অট্রেই | سَ |
| যথেষ্ট হয়, যথেষ্ট হবেন | (ভাববিশেষ..:) يَكْفِيْ (كَفَايَةً) |
| তুমি, তোমার | كَ |
| তাদের বিকর্দে আল্লাহই যথেষ্ট | يَكْفِيْهُمُ اللَّهُ |
| হবেন তোমার জন্য | |
| ক্র. | صِنْفَةٌ |
| কে, কার | مِنْ |
| উত্তম | أَحْسَنٌ |
| ইবাদতকারীগণ | عَابِدُونَ (عَابِدٌ) |
| আল্লাহ সম্পর্কে | فِي اللَّهِ |
| একনির্ণ্যভাবে ইবাদতকারীগণ | مُخَاصِّصُونَ |
| সমর্থিক জ্ঞানী | أَعْلَمُ |
| গোপন করল | كَتَمَ |
| সাক্ষ্য | شَهَادَةٌ |
| ক্রকু- ১৭ | |
| এখন, অদূর ভবিষ্যতে, অট্রেই | سَ |
| কোন জিনিস তাদের ফিরিয়ে দিল, কিসে তাদের মুখ ফিরাল | مَا وَلَهُمْ |
| যে হানের দিকে মুখ ফিরিয়ে সালাত আদায় করা হয়, ফিরবলা | فِيَّ |
| এভাবে | كَذَّابٌ |
| মধ্যমস্থৰ, ন্যায়পরায়ণ, সুরক্ষা আদর্শধারী জাতি | أَمَّةٌ وَسَطَا |
| আমরা বানাইনি, নির্ধারণ করিনি | مَا جَعَلْنَا |
| তাদের মধ্যে থেকে কে | مِنْ (সমবয় এবং -এর) |
| ফিরে যায় | يَنْقَلِبُ (انْقَلَابٌ) |
| পাওয়ের গোড়ালী | عَقْبَةٌ |
| তার পাওয়ের দুই গোড়ালী বা | عَقْبَيْهِ |

| | |
|--|------------------------------------|
| উভয় গোড়ালী | |
| যদিও তা ছিল | إِنْ كَانَ |
| নিশ্চয়ই | لَ |
| বড় কঠিন | كَبِيرَةٌ |
| (তা) নষ্ট হতে দেয় | يُضْيِغُ (ضِيْغٌ عِ) |
| বড়ই দয়ালু | رَوْفٌ |
| নিশ্চয়ই | قَدْ |
| আমরা দেখি | ثَرِى |
| বার বার ফিরে তাকানো | تَقْلِبَ (قَلْبٌ بِ) |
| তোমার মুখ | وَجْهُكَ |
| অতএব অবশ্যই আমরা | فَلَوْلَيْكَ |
| তোমাকে ফিরিয়ে দিব | |
| অতএব | فَ |
| অবশ্যই | لَ |
| আমরা তোমাকে ফিরিয়ে দিব | لُوكِيْ (وَلِيْ) |
| নিশ্চয়ই | أَنْ |
| ফিরাও | وَلَ |
| দিকে | شَطَرٌ |
| পবিত্র মসজিদ | الْمَسْجِدُ الْحَرَامُ |
| কা'বাঘর, পবিত্র ইবাদতের | |
| স্থান | |
| যথানেই | حَيْثُ |
| তাদেরকে কিতাব দেয়া | أَوْتُواْ الْكِتَابَ |
| হয়েছিল | |
| না | مَا |
| অবশ্য যদি | لَئِنْ |
| তুমি এমন দিলে | أَتَيْتَ |
| তারা ঢেনে | يَعْرُفُونَ (مَعْرِفَةٌ) |
| সন্তানগণ | أَبْنَاءُ (ابْنٌ) |
| গোপন করল | كَتَمَ |
| সন্দিহান, সন্দেহকারীরা | مُمْتَرِينَ |
| ক্রকু- ১৮ | |
| দিক, লক্ষ্য | وَجْهَةٌ |
| যে মুখ ফিরায় | لُوكِيْ |
| তোমরা প্রতিযোগিতা কর, ধাবিত হও | إِسْتِبْقَوْا |
| সংবাজ, কল্যাণসমূহ | خَيْرَاتٍ |
| যথানেই | أَيْمَماً |
| ফিরাও | وَلَ |
| যাতে না করে | (لَ + أَنْ + لَ) (لَلَّا + لَلَّا) |
| কোন প্রমাণ, বিতর্ক | حَجَةٌ |
| আমি (যেন) পূর্ণ করি | أَتَمْ |
| হয়ত | لَعْنَ |
| তোমরা হেদায়াত পাবে | تَهْدُونَ |
| আমি প্রেরণ করেছি (আল্লাহর ক্ষেত্রে), অন্যদের ক্ষেত্রে | أَرْسَلْنَا |
| আমরা প্রেরণ করেছি | |
| তোমাদের মধ্যে | فِيَّ |
| তিলাওয়াত করে, পাঠ করে | يَتْلُوْ (تِلَوَةً) |

| | |
|------------------------------|---------------------------------------|
| স্মরণ করা | ذَكْرٌ |
| কৃতজ্ঞতা, ধন্যবাদ দেয়া | شُكْرٌ |
| কুরু - ১৯ | |
| সাথে | مَعَ |
| আল্লাহর পথ | سَبِيلُ اللَّهِ |
| মৃত ব্যক্তিরা | (একবচন.:)أَمْوَاتٍ (মৃত্যু:)مَيْتٌ |
| জীবিতগণ | (একবচন.:)أَحْيَاءٍ (জীবন:)حَيٌّ |
| আমরা পরীক্ষা করব | تَبْلُغُ |
| ক্ষুধা | جُوعٌ |
| ক্ষতি | نُصْبٌ |
| সম্পদসমূহ | أَمْوَالٌ |
| ফল ফসলাদি | (একবচন.:)ثَمَرَاتٍ (শর্মা:)ثَمَرَةٌ |
| এসে পড়ল, আঘাত করল | أَصَابَتْ |
| বিপদ | مُصْبِبَةٌ |
| শান্তি, রহমত, বিপুল অনুগ্রহ | صَلَواتٌ |
| মকায় কাঁবার কাছে অবস্থিত | صَفَا وَ مَرْوَة |
| দুটি পাহাড়ের নাম | |
| নির্দেশসমূহ | (একবচন.:)شَعَائِيرٌ (শৈল:)شَعَاعٌ |
| হাজ্জ করল | حَجَّ |
| ‘উমরা করল | إِعْمَرَ |
| দোষ, পাপ | جَنَاحٌ |
| স্বেচ্ছায় করল, সেচ্ছায় কোন | طَطْوَعَ |
| সৎকাজ করা | |
| কৃতজ্ঞ, মূল্যাদানকারী | شَاكِرٌ |
| খুব অবহিত, সর্বজ্ঞ | عَلِيمٌ |
| সমগ্র, সকল | أَجْمَعِينَ |
| হালকা করল | خَفْقَةٌ |
| তাদের অবকাশ দেয়া হবে | يُنْظَرُونَ (ন ঘর) |
| কুরু - ২০ | |
| সৃষ্টি করা, সৃষ্টি | خَلْقٌ |
| পরিবর্তন | إِخْتِلَافٌ |
| রাত | (বহুবচন.:)لَيَالٍ (লাইলি:)لَيْلٌ |
| দিন | نَهَارٌ |
| নৌযানসমূহ | فَانٌ |
| চলাচল করে | تَجْرِي |
| সমুদ্র | بَحْرٌ |
| ছাড়িয়ে দিয়েছেন | بَثَّ |
| জীব-জন্ম | (বহুবচন.:)دَابَّةٌ (ডোব:)دَآبٌ |
| প্রবাহ নিয়ন্ত্রণ | تَصْرِيفٌ |
| বাতাস | (একবচন.:)رَيْاحٌ (রিয়াখ:)رَيْحٌ |
| মেঘমালা | سَحَابٌ |
| আয়তাধীন | مُسْجَرٌ |
| মধ্যে | بَيْنَ |
| আল্লাহ ব্যক্তিত | دُونَ اللَّهِ |
| সমাঞ্চসম্পন্ন, সমতুল্য, | أَنْدَادًا |
| শরীক, অংশীদার | |
| ভালবাসা | حُبٌّ |
| অধিক | أَشَدٌ |
| প্রত্যাখ্যান করল, মৃত্যুতা | ثَبَرًا (ব র ম) |
| ঘোষণা করল, অধীকার করল | أَوْفَادَ |
| যাদের অনুসরণ করা হল, | أَتَبْعُوا |
| অনুসরণ করা হত | |
| তারা অনুসরণ করল | (ت ب ع) التَّبَعُوا |
| বিচ্ছিন্ন হয়ে গেল | (ق ط ع) تَقْطَعُ |
| সকল উপায় উপকরণ, সম্পর্ক | أَسْبَابٌ |
| আমাদের জন্য যদি (এমন | لَوْ أَنْ لَنَا |
| হত) | |
| আরেকবার, দ্বিতীয়বার | كَرَّةٌ |
| পরিষ্ঠাপ, ভীষণ অনুভাপ | حَسَرَاتٌ |
| উদ্বারণাপ্ত, যারা বের হয়ে | خَارِجِينَ |
| আসে | |
| আগ্নে | نَارٌ |
| কুরু - ২১ | |
| পবিত্র | طَيِّبَاتٌ |
| পদার্থক্ষেত্র (প্রদর্শিত পথ) | (একবচন.:)خَطُوطٌ (খট্টো:)خَطْوَةٌ |
| পাপ কাজ | سُوءٌ |
| অঙ্গীলতা | فَحْشَاءٌ |
| আমরা পেয়েছিলাম, আমরা | أَفْيَيْنَا |
| পেয়েছি | |
| যদিও কি | أَوْلَوْ |
| চিংকার করা, ডাকা | تَعْقِي |
| ডাকা, আহবান করা, প্রার্থনা | دُعَاءٌ |
| করা, ঢাওয়া ইত্যাদি | |
| চিংকার করা, ডাকা | دِنَاءَ |
| শুধু তাঁকেই | إِيَاهُ |
| হারাম করেছেন, নিষিদ্ধ | حَرَمٌ |
| করেছেন | |
| মৃত (জন্ম) | مَيَّةٌ |
| রক্ত | دَمٌ |
| গোশত | لَحْمٌ |
| শুকর | خَزِيرٌ |
| উৎসর্গীকৃত, নাম দেয়া হয়েছে | أَهْلٌ |
| নিকায় হয়ে পড়ে | أَضْطَرٌ |
| বিদ্রোহী, অমান্যকারী | بَاغٌ |
| সীমালঞ্জনকারী | عَادٌ |
| পাপ | (বহুবচন.:)إِثْمٌ (আথাম:)إِثْمٌ |
| প্রেসম্যুহ | (একবচন.:)بَطْنٌ (বিপুন:)بَطْنٌ |
| তাহলে তারা কত দুসাহসী? | فَمَا أَصْبَرَهُمْ |
| তাহলে তারা কত | |
| ধৈর্যধারকারী? | |
| জেদ, বিরুদ্ধতা, মতভেদ | شِقَاقٌ |
| দূর | بَعْدٌ |
| কুরু - ২২ | |
| নাই, না | لَيْسَ |
| সংকর্ম | بِرٌّ |
| দিকে | قِبَلٌ |
| দান করল | (ভাববিশেষ:)إِيتَاءٌ |
| আত্মায়-স্বজন, নিকটাত্মীয় | (ডু ফ্রেবি:)دُوِيِ الْفَرْبِيِّ |

| | | |
|---------------------------------|---------------------|-------------------------------|
| ইয়াতীম | يَتَامِيٌ (يَتِيمٌ) | (একবচন.:) |
| দরিদ্র, মিসকীন | مَسَاكِينٌ (مسكينٌ) | (একবচন.:) |
| পথিক | ابْنُ السَّبِيلِ | |
| সাহায্যপ্রার্থী, ভিক্ষুক | سَائِلِينَ | |
| ঘাড় (ক্রীতদাসদের ঘাড়) | رَقَابٌ (رقبة) | (একবচন : ঘাড়) |
| পূর্খকারী | مُوْقُونٌ | |
| বিপদাপদ, দৃঢ়থ-কষ্ট, | بَأْسَاءٌ | |
| অর্থসংকট | | |
| রোগ-ব্যথির কষ্ট | ضَرَاءٌ | |
| যুদ্ধের সময় | حِينَ الْبَاسِ | |
| সত্ত্বপ্রায়ণ, সত্ত্ব বলা | صَدَقًا (ص د ق) | |
| আল্লাহভীক, যারা আল্লাহকে | مُتَقْفُونَ | |
| ভয় করে | | |
| বিধিবদ্ধ করা হয়েছে, ফরয | كِتَابٌ | |
| করা হয়েছে | | |
| কিসাস, সমতা ও | قَصَاصٌ | |
| ন্যায়প্রায়ণতার আইন | | |
| নিহতগণ | فَتَّالٌ (فتيل) | (একবচন.:) |
| স্বাধীন ব্যক্তি | الْجَرِّ | |
| ক্রীতদাস | عَبْدٌ | |
| নারী | أَنْثِي | |
| ক্ষমাপ্রাপ্ত হয়, ক্ষমা করা হয় | عَفَى | |
| তার ভাই | أَخِيهُ | |
| অনুসরণ করা | إِبَاعَ | |
| প্রচলিত নিয়ম অনুযায়ী, | مَعْرُوفٌ | |
| সুন্দরভাবে | | |
| পরিশোধ করা | أَذَاءٌ | |
| দয়া, ভাল ব্যবহার | إِحْسَانٌ | |
| সহজপত্র, দক্ষহাস | تَحْفِيفٌ | |
| বাড়াবাড়ি করে | أَعْدَى | |
| জীবন | حَيَاةٌ | |
| বুদ্ধিমানগণ | أَوْلَى (أولى) | (একবচন.: মন, বুদ্ধিমত্তা لَبْ |
| | | (الآباء) |
| উপস্থিত হয় | حَضَرٌ | |
| ঝোঁঝ যায় | تَرَكَ (ت ر ك) | |
| ধন-সম্পদ | خَيرٌ | |
| ওসিয়ত করা | وَصِيَّةٌ | |
| সেশুন্ল | سَعَى (س م ع) | |
| পাপ | إِثْمٌ | |
| আশঙ্কা করল | خَافَ | |
| ওসিয়তকারী | مُوصِّرٌ | |
| পক্ষপাতিত্ব | جَتِقاً | |
| কর্কু- ২৩ | | |
| ঝোজা, সিয়াম | صَوْمٌ | (একবচন.:) |
| যেমন | كَمَا | |
| দিনগুলো | أَيَّامٌ (يَوْمٌ) | (একবচন.:) |
| নির্দিষ্ট সংখ্যক, গণনাকৃত | مَعْدُودَةٌ | |
| গণনা করা | عَدَةٌ | |
| তোমরা মহত্ত্ব বর্ণনা কর, | تَكْبِرُوا | |

| | | |
|------------------------------|---|---|
| বড়ছ ঘোষণা কর | | |
| প্রশ্ন করল, জিজ্ঞাসা করল | سَأَلَ (سُؤَالٌ) | (ভাববিশেষ.:) |
| আমার সম্পর্কে | عَنْ (عْنٌ + ي) | |
| আমি জবাব দেই | أَجِيبُ | |
| প্রার্থনা, ডাক | دُعَةٌ | |
| প্রার্থনাকারী | دَاعٌ (دَعَّا ، يَدْعُو ، دَعْوَةٌ) | |
| আমাকে ডাকে, আমার কাছে | دَعَانٌ (টাইল মূল শব্দ عَنْيٰ কিন্তু এখানে শেষের য সারিয়ে দিয়ে এর ছেটকপ ব্যবহৃত হয়েছে) | (টাইল মূল শব্দ عَنْيٰ কিন্তু এখানে শেষের য সারিয়ে দিয়ে এর ছেটকপ ব্যবহৃত হয়েছে) |
| প্রার্থনা করে | فَلِيسْجِيُونَا (ج و ب) | |
| সুতরাং তারা আমার ডাকে | | |
| সাড়া দিক | لِي | |
| আমার জন্য | رَسَدٌ | |
| সঠিক পথে পরিচালিত , | | |
| সত্ত্বের সন্ধান পাওয়া | | |
| হালাল করা হয়েছে, অনুমতি | أَحْلٌ | |
| দেয়া হয়েছে | | |
| তোজার রাত | لِيْلَةُ الصِّيَامِ | |
| দাক্ষতা র্ধম পালন, স্বী মিলন | رَفِقٌ | |
| তোমাদের স্বীরা | نِسَاءُكُمْ | |
| তারা (মহিলা) | هُنَّ | |
| পোশাক | لِيْبَاسٌ | |
| তোমরা যে | أَنْكُمْ | |
| তোমরা বিশ্বাসঘাতকতা কর, | تَحْتَلُونَ (خ و ن) | |
| থিয়ানত কর | | |
| ক্ষমা করলেন | عَفَا | |
| এখন | أَنْنَ | |
| সহবাস কর, মিলিত হও | بَاشِرُوا (مِباشَرَةٌ) | (ভাববিশেষ.:) |
| অনুসন্ধান কর | إِبْتَلُوا | |
| সুতা, ঝেখা | حَيْطٌ | |
| সাদা | أَبْيَضٌ | |
| কালো | أَسْوَدٌ | |
| উপস্থাপন কর, জানাও, পেশ | تَدْلُوا (د ل ي) | |
| কর | | |
| কর্কু- ২৪ | | |
| নতুন চাঁদ | أَهْلَةٌ | |
| চিহ্ন, সময় নির্দেশক, সময় | مَوَاقِفٌ (مِيقَاتٌ) | (একবচন.:) |
| নির্দেশের উপায় | | |
| বাড়িগুলো | بَيْوْتٌ (بَيْتٌ) | (একবচন.:) |
| দরজাগুলো | أَبْوَابٌ (بَابٌ) | (একবচন.:) |
| যুদ্ধ কর | قَاتِلُوا | |
| পেল | تَفَقَّ | |
| তোমরা পেলে, তোমরা পাবে | تَقِيمُوا (ث ق ف) | |
| বা পাও | | |
| বিরত হয়, থামে | إِنْتَهَوْا (إِنْتَهَاءٌ) | (ভাববিশেষ.:) |
| জবরদস্তি, আক্রমণ, শক্রতা | عُدْوَانٌ | |
| সম্মানিত মাস | الشَّهْرُ الْحَرَامُ | |
| সম্মানিত বস্ত | حِرَمَاتٌ | |
| ধৰ্মস | تَهْكِيَةٌ | |
| বাধাপ্রাপ্ত হও | أَحْصِرْتُمْ (ح ص ر) | |

| | | | |
|---|---|--------------------------------|---------------------------------------|
| সহজপ্রাপ্য, যা সহজ হয় | إِسْتِيْسَر | দেরী করল, থাকল | تَأْفِرْ |
| উপহার, উৎসর্গ, কুরবানী | الْهُدْيٰ | চমৎকৃত করল, মুগ্ধ করল | عَجَبَ (ع ب) |
| চুল কামাবে না, কাটিবে না, মুঁজ করবে না | لَا تَحْلِفُوا (ح ل ق) | কথা | قَوْلٌ (أَفْوَلٌ) |
| মাথা | رُؤْسٌ (রাস) | সাংস্কৃতিক বাগড়াটে | أَذْنَ الْخِصَام |
| সৌঁষায় | بَيْلَغْ (ب ل غ) | প্রাধান্য লাভ করে, কর্তৃত পায় | تَوْلِي |
| এর গন্তব্যস্ত্রে | مَحْلَة | চেঁচাটা করে | سَعْيٌ (سَعْيٌ) |
| কষ্ট, যত্না, অসুখ | أَذْى | শস্যক্ষেত্র | حَرْثٌ |
| ইবাদাতের কাজ, কুরবানী, উৎসর্গ | سُبُّ | প্রাণ, জীবন্ত | الْحَسْنُ |
| তোমরা নিরাপত্তায় থাক | أَمْنٌ | অংকোর, প্রভাব | عَزَّ |
| লাভবান হয়, সুযোগ নেয় (একই সময় হজ্ঞা ও ওমরা এক সাথে দুই ইহরামে পালন করাকে হাজ্ঞে তামাতু বলে) | تَمْتَعْ (م ت ع) | যাঁকে | حَسْبٌ |
| তিন | ثَلَاثَة | ঠিকানা, আবাস | مَهْابَ |
| সাত | سَبْعَة | বিক্রি করে দেয় | بَشْرِي |
| দশ | عَشْرَة | প্রত্যাশা করে | إِبْتِيَاعٌ |
| তোমরা প্রত্যাবর্তন করলে | رَجَعْتُمْ (ر ج ع) | সন্তুষ্টি | مَرْضَاتٌ |
| পরিবার-পরিজন | أَهْلٌ | প্রবেশ করল | دَخْلٌ |
| বাসিন্দারা, উপস্থিত ব্যক্তিগণ | حَاضِرِينْ (এটাছিল কিন্তু যেহেতু এটা এখানে মিছাবে ব্যবহৃত হচ্ছে, তাই শেষ ন বাদ দেয়া হয়েছ.) | ইসলাম | السِّلْمُ |
| কঠার শাস্তিদাতা | شَدِيدُ الْعَقَابِ | পরিপূর্ণ | كَافِةً |
| কুকু- ২৫ | | পদস্থিতি হয় | زَلْلٌ |
| মাসগুলো | أَشْهُرْ (شَهْرٌ) | ছায়া, শামিয়ানা | ظَلَّ |
| সুবিদিত, ঝাত | مَعْلُومَاتٌ | মেঘমালা | عَمَامٌ |
| ফরয (বাধ্যতামূলক)করে | فَرَضَ | কাজ শেষ হয়ে গেছে | فَضْيَ الْأَمْرٌ |
| অন্যায় আচরণ | فَسْقٌ (একবচন.: ফস্কু) | কুকু- ২৬ | |
| বাগড়া-বিবাদ | جَدَالٌ | জিজ্ঞাসা কর | سَلْ |
| পাথেয় সংগ্রহ কর | تَرْوِدُوا (ز و د) | কত | كَمْ |
| সর্বোত্তম পাথেয় | خَيْرُ الرَّادِ | সুশোভিত করা হয়েছে | رَبِّينَ (رِبِّيْنَ) |
| আল্লাহর ভয় | الْفَوْرِي | উপহাস করেছিল | سَخَرَ (س خ ر) |
| ফিরে আসা | أَفَاضَ | এক | وَاحِدَةً |
| একটি ময়দানের নাম (যেখানে অবস্থান করাকে হাজ্ঞের মূল কাজ বলা হয়েছে) | عَرْفَاتٌ | পাঠালেন | بَعْثَ |
| মুজদালিফ নামক হৃন | الْمَشْعُرُ الْحَرَام | বিচার করে | يَحْكُمْ (ح ك) حَكْمٌ (ভাববিশেষে..: (|
| সম্পন্ন করেছে | قَضَيْتُمْ | |)(م) |
| হাজ্ঞের কাজগুলো | مَنْسَابٌ (মন্সাব) | তোমরা ধারণা করেছিলে | حَسِبْتُمْ (ح س ب) |
| আমাদেরকে দান কর | أَتَانَا | এখনও না | لَمَا |
| বক্ষ কর, বাঁচাও | ق (وَقَ, يَقِي, وَقَلَيْهَ) | অবহৃত, উদাহরণ | مَثَلٌ |
| আমাদের বক্ষ কর, বাঁচাও | قَنَا | স্পর্শ করেছিল | مَسْ |
| অংশ | نَصِيبٌ | তারা প্রকস্তিত হয়েছিল | رَازِلُوا (رِازِلَةً) (ভাববিশেষে..: |
| দ্রুত | سَرِيعٌ | কথন | مَتَّ |
| তাড়াচ্ছড়ো করল, তাড়াতাড়ি করল | تَعَجَّلَ | আল্লাহর সাহায্য | نَصْرُ اللَّهِ |
| দুইদিন | يَوْمَيْنِ | কি, কি পরিমাণ | مَادَا |

| | |
|---|---|
| তারা (তোমাদের) ফিরিয়ে দেয় | بِرْدَوْا (ر د) (استطاعة) |
| তারা করতে পারে, সক্ষম হয় | (ভাববিশেষ..: إسْتَطَاعَهُ |
| ফিরে যায়, মূরতাদ হয়ে যায় | (ভাববিশেষ , ধর্ম ত্যাগ করে, ارْتَدَادْ يَرْتَدْ |
| ব্যর্থ হল, বিনষ্ট হল | جَبْطٌ |
| হিজরত করেছিল | هَاجِرُوا (ج ر) |
| জিহাদ করেছিল | جَاهَدُوا (ج د) |
| প্রত্যাশা করে | يَرْجُونَ (ر ج و) |
| মদ, মাদকদ্রব্য | خَمْ |
| জ্ঞা | مَسِيرٌ |
| উদ্বৃত্ত, অঞ্চলের অতিরিক্ত | عَوْنَى |
| তোমরা চিষ্টা করে, তোমরা বুৰু | تَقْكِرُونَ |
| সংশোধন, সুব্যবহা করা, হিতসাধন করা | إِصْلَاحٌ |
| উত্তম | حَيْرٌ |
| মিলিয়ে নাও | تُخَالِطُوا |
| আনিষ্টকারী | مُفْسِدٌ |
| সংশোধনকারী, হিতকারী | مُصْلِحٌ |
| বিপদে ফেলা, জটিলতা | أَعْنَتْ |
| আঝোপ করা | |
| বিয়ে করবে না | لَا تَنكِحُوا |
| মুশৰিক নারী | مُشْرِكَاتٍ (مشتركة) (একবচন.: مُشْرِكَةٌ) |
| দাসী | أَمَةٌ |
| মুক্ত করল, ভালো লাগল | أَعْجَبَ (ع ج ب) |
| বিয়ে দিও না | لَا تَنكِحُوا (ن ك ح) |
| দাস | عَبْدٌ |
| আহবান করে, ডাকে | يَدْعُونَ |
| ক্ষমা | مَغْفِرَةٌ |
| তারা উপদেশ প্রহণ করে | يَتَذَكَّرُونَ |
| কুকু- ২৮ | |
| মাসিক, রক্তঃস্ত্রাব | مَحِيطٌ |
| অপবিত্রতা | أَذْى |
| তোমরা দূরে থাক | فَاعْتَرُلُوا (ع ز ل) |
| নারীগণ | نِسَاءٌ |
| তারা (মহিলা)পবিত্র হয় | يَطْهَرُنَ (ط ه ر) |
| তওবাকারীগণ, ক্ষমা প্রার্থীগণ | تَوَّابِينَ |
| পবিত্রতা অবলম্বনকারী | مُنَظَّهِينَ |
| ঙ্কেত | حَرْثٌ |
| যখন তোমরা ইচ্ছা কর, যেভাবে তোমরা চাও | أَئِ شَيْتُمْ |
| তোমরা আগামী দিনের ব্যবস্থা কর, তোমরা আগে পাঠাও | قَدِيمُوا |
| সাক্ষাত্কারী | مُنَاقِفُوا |
| তোমরা ব্যবহার কর না, তোমরা বানাবে না | لَا تَجْعَلُوا |
| প্রতিবন্ধক, অঙ্গুহাত | عَرْضَةٌ |
| শ্পথ | أَيْمَانٌ (يمين) (একবচন.: يَمِينٌ) |
| তোমরা সংকাজ করবে | تَبَرُّوا |

| | |
|---|--|
| অগ্রহীন , ইচ্ছা ছাড়া, অনর্থক কথা বা কাজ | لُغْوٌ |
| বড় সহিষ্ণু | حَلِيلٌ |
| তারা শপথ করে | يُوْلُونْ (إِلَاءٌ) (ভাববিশেষ..: إِلَاءٌ |
| অপেক্ষা করা | تَرْبِصٌ |
| চার মাস | أَرْبَعَةُ أَشْهُرٍ |
| তারা ফিরে আসে | فَاعْوُ |
| তারা ইচ্ছা করে , সকল করে | عَزْمُوا (ع ز م) (عزم) |
| তালাকপ্রাপ্তা নারীরা | مُطْلَقَاتٌ |
| তিনি | تَلَّاتٌ |
| মাসিক রক্তঃস্ত্রাবের পর্যায়কাল | فُرُوعٌ (فَرْعَعْ) (একবচন.: فَرْعَعْ) |
| জরাম, গর্ভ | أَرْحَامٌ (رَحْمٌ) (একবচন.: رَحْمٌ) |
| শামীগণ | بَعْوُلٌ (بَعْلٌ) (একবচন.: بَعْلٌ) |
| বেশী অধিকারী | أَحْقَقٌ |
| ফিরিয়ে নেয়া | رَدٌ |
| এর মধ্যে | فِي ذَلِكَ |
| প্রকৃষ্ণণ | رَجَالٌ (رَجْلٌ) (একবচন.: رَجْلٌ) |
| কুকু- ২৯ | |
| তালাক দেয়া, বিবাহবিচ্ছেদ ঘটানা | طَلاقٌ |
| দুইবার | مَرْتَبَانٌ |
| তালাক প্রত্যাহার করা, বন্ধনে রাখা | إِمْسَاكٌ |
| সৎ ভাবে, ঠিক, ভাল | مَعْرُوفٌ |
| মুক্ত করে দেয়া, অবসর দেয়া, বিদায় দেয়া | تَسْرِيعٌ |
| সম্মানের সাথে | إِحْسَانٌ |
| হালাল নয় | لَا يَحِلُّ |
| না যে | أَلَا (أَنْ + تا) |
| তারা দুজন (স্বামী ও স্ত্রী) | يَقِيمَا (اقامة) (يقيمة) (ভাববিশেষ..: إِقَامَةٌ) |
| বজায় রাখতে পারবে, তারা দুজন কানেক করতে পারবে | |
| আল্লাহর সীমাবেধ | حَدُودُ اللَّهِ |
| গনহ, পাপ | جَنَاحٌ |
| অতিক্রম করে, লঙ্ঘন করে | يَنْعَذُ |
| সে ছাড়া, অন্য ব্যক্তি | غَيْرَهُ |
| তারা পরম্পর আবার মিলিত হয়, তারা পরম্পরের কাছে ফিরে আসে | يَتَرَاجِعُ |
| তারা পোছে | يَلْقَنُ |
| সময়, ইদত, মেয়াদ | أَجْلٌ |
| বন্ধনে রাখ | أَمْسِكَوْا |
| মুক্ত কর, বিদায় করে দাও | سَرَحُوا |
| যত্রাং দেয়া, ক্ষতি করা | ضَرَارٌ |
| তিনি উপদেশ দান করেন | يَعْظِمُ (و ع) (يعظ) (ভাববিশেষ..: يَعْظِمُ) |
| কুকু- ৩০ | |
| (বিয়েতে) বাধা দিও না | لَا تَعْصِلُوا (ع ض ل) |
| শুধুমত পছ্ট | أَرْكَى |

| | |
|--|---------------------------------|
| অধিক পরিত্ব | أطهُرٌ |
| মাঝেরা | وَالدَّاتِ |
| দুধ পান করাবে | يُرْضِعُنَ (رَضِعْ) |
| দৃষ্টি বছর | حَوْلَيْنِ |
| দৃশ্য পরিপূর্ণ | كَامِلِينِ |
| দৃশ্য পান করান | الرَّضَاعَةُ |
| সত্তান, নবজাতক | مَوْلُودٌ |
| যার সত্তান (পিতা) | مَوْلُودٌ لَهُ |
| খাবার, ভরণ-শোষণ | رِزْقٌ |
| পোষাক | كَسْوَةٌ |
| কষ্ট দেয়া হয়না, কষ্ট দেয়া | لَا تَكْفُرْ |
| যাবেনা | |
| তার সামর্থ্য | نَفْسٌ وَسْعَهَا بِالْجِلْدِ |
| ক্ষতিগ্রস্ত করা যাবে না | لَا تُضَارَّ |
| মা | وَالدَّةُ |
| সত্তান | وَلَدٌ |
| এটার মতো বা অনুকরণ | مِثْلُ ذَلِكِ |
| দৃশ্য ছাড়ান | فَصَالًا |
| পরামর্শ | شَائُورٌ |
| তুমি কোন মহিলাকে (ধার্তী) বল (তোমার সত্তানকে) দুধ খাওয়াতে | سَتَرْضِعُوا |
| তুমি অপর্ণ কর | سَلْمَنْ |
| মারা যায় | يَتَوَفَّونَ |
| তারা রেখে যায়, ছেড়ে যায় | يَرْوَنَ |
| চার | أَرْبَعَةٌ |
| দশ | عَشْرًا |
| তোমরা কোন প্রস্তাব করলে (ইশারা-ইঙ্গিতে) | عَرَضْتُمْ |
| যেয়েদের বিয়ের প্রস্তাব | خَطْبَةُ النِّسَاءِ |
| তোমরা গোপন রাখ | أَكْتَسْتُمْ |
| গোপন, গোপন | سَرِّ |
| সংকলন করা | عَرْمٌ |
| বিবাহ বন্ধন, বিয়ে করা | عَهْدَةُ النِّكَاحِ |
| ভয় করা, সতর্ক থাকা | حَذَرٌ |
| ক্রকু- ৩১ | |
| স্পর্শ করা | مَسَّ |
| নির্ধারিত অংশ, দেনমোহর | فَرِيْضَةٌ |
| ধনী, সামর্থ্যবান | مُؤْسِعٌ |
| অভ্যবগত, সামর্থ্যহীন | مُفْتَرٌ |
| অর্থেক | نَصْفٌ |
| অনুগ্রহপ্রকাশ করা, ক্ষমা করা | عَفْوٌ |
| অধিক নিকটবর্তী | أَقْرَبٌ |
| আল্লাহতীরতা | تَقْوَىٰ |
| ভূলে যেও না | لَا تَسْسَوْا (نِسْي) |
| সহানুভূতি, উদারতা, | فَضْلٌ |

| | |
|---|--|
| সহানুভূতি | حَافِظُوا (حَفَظْ) |
| নামায, সালাত | صَلَوةً (صَلَوةً :) |
| মধ্যবর্তী নামায ("আসরের নামায) | الصَّلَاةُ الْوَسْطَىٰ |
| দাঙ্গাও | فَوْمُوا |
| বিনয় সহকারে, একান্ত বিনীতভাবে | قَاتِنِينَ |
| পদাতিক অবস্থায় | رَجَالًا |
| আরোহী অবস্থায় | رَكِبَاتًا |
| ভরণ পোষণ, জীবিকা ও যাবতীয় খরচপত্রের ব্যবস্থা | مَتَاعًا |
| বছর, এক বছর | الْحَوْلُ |
| (ঘর থেকে) বের না করে দিয়ে | غَيْرِ إِخْرَاجٍ (خَرَاجٌ) |
| ক্রকু- ৩২ | |
| তুমি কি দেখনি? | أَلَمْ تَرَ |
| হাজার হাজার | (একবচন.:) الْوَقْفُ (الْفَ) |
| মৃত্যুভয় | حَدَّرَ الْمَوْتُ |
| মরে যাও | مُوْتَوْ (مَوْتٌ) |
| এমন কে আছে যে | مَنْ ذَا الَّذِي |
| খণ দেবে | يُفْرَضُ |
| বহুগুণ | (একবচন.:) دِيْنَগুণ أَصْعَافًا (ضَعْفٌ) |
| অনেক | كَثِيرٌ |
| সংকুচিত করা, কম করা | قَبْضٌ |
| প্রশ্রূত করা, বেশী করা | بَسْطٌ |
| নেতৃত্বান্বীয় লোকেরা | مَلَأٌ |
| নির্ধারিত করা | إِبْعَثٌ |
| রাজা | مَلَكًا |
| কি? না তো? | هَلْ |
| তোমাদের পক্ষে সন্তুষ্ট, | عَسِيْمُ |
| তোমরা এমন হবে, তোমরা | |
| ভেবে দেখেছে বা তোমাদের | |
| এমন সন্তানবন্ন আছে | |
| যদি | إِنْ |
| যে না, কেন না | (أَنْ + لَا) |
| নিশ্চয়ই | قَدْ |
| আমরা বিভাগিত হয়েছি | أَخْرَجْنَا |
| সত্তান সংজ্ঞি, ছলে সন্ত | أَبْنَاءَ |
| নামহৃ | |
| তারা বিযুক্ত হল, তারা পিঠ ফেরাল | تَوَلَّوْا |
| নিযুক্ত করেছেন | بَعْثَ |
| তালুত (আঃ), দাউদ (আঃ) ও শামউন (আঃ)-এর সময়ের এক মুমিন নেতা, যদিও তিনি দরিদ্র ছিলেন, তাকে বানী ইসরাইলের রাজা হিসেবে নিযুক্ত করা হয়েছিল, কারণ তাকে আল্লাহ বৃদ্ধিমত্তা, | طَلَوْتٌ |

| | |
|-------------------------------|-------------------------------|
| বাস্তিত্ব ও যুদ্ধকৌশলের জ্ঞান | |
| দান করেছিলেন | |
| কোথায়, কিভাবে | أَنْتِي |
| হবে | يَكُونُ |
| তাকে দেয়া হয় | يُؤْتَ |
| প্রাচুর্য | سَعَةٌ |
| মনোনীত করেছেন | اصْطَفَى |
| বেশী দিয়েছেন | رَدَّ |
| প্রাচুর্য, করার মোগ্যতা | بَسْطَةٌ |
| সিদ্ধুক | ثَابُوتٌ |
| প্রশ়াস্তি, বিশ্বাসের শাস্তি, | سَكِينَةٌ |
| নির্ভরযোগ্যতার শাস্তি | |
| অবশিষ্ট | بَقِيَّةٌ |
| ছেড়ে দেছে | تَرَكَ |
| বহন করা | تَحْمِلُ |
| ফেরেশতাগণ | مَلَائِكَةٌ |
| ক্রকু- ৩৩ | |
| রাখনা হল, মের হল | فَصْلٌ |
| সৈন্যদল | جُنُودٌ |
| তোমাদের পরীক্ষা করবেন | مُبْتَكِّمٌ |
| পরীক্ষক | مُبْتَكِّيٌ |
| নদী | نَهْرٌ (أَنْهَارٌ) (বহুবচন.:) |
| পান করল | شَرَبَ |
| না | لَيْسَ |
| স্বাদ গ্রহণ করা, খাওয়া | طَعْمٌ |
| এক কোষ পানি | غُرْفَةٌ |
| হাত | يدٌ (أَيْدِيٌّ) (বহুবচন.:) |
| তারা পান করল | شَرِبُوا |
| পার হল, অত্রিম করল | جَاؤَزَ |
| এক মুশরিক রাজা, যাকে | جَالُوتٌ |
| দাউদ (আ:) হত্যা করেন | |
| যে তারা | أَنْهُمْ |
| যারা সাক্ষাৎ করবে | مُلْفَوْا |
| কত, এমন বহু | كَمْ |
| ক্ষুদ্র, সামান্য, ছোট | قَلِيلٌ |
| জরী হয়েছিল | غَلَبَ |
| দল, গোষ্ঠী | فِتْنَةٌ |
| তারা শক্তর সম্মুখীন হল, | بَرَزَوْا |
| তারা যুদ্ধক্ষেত্রে এলো | |
| বর্ণ কর, দালো | أَفْرَعُ (فَرَعَ) |
| সুদৃঢ় কর, স্থির কর | ثَبَّتْ (ثَبَّ ت) |
| পা, পদক্ষেপ | (একবচন.:) أَقْدَامٌ (قَدْمٌ) |
| সাহায্য করলেন | نَصَرَ |
| পরাজিত করল | هَزَمَ |
| প্রতিহত করলেন | دَفَعَ |
| বিপর্যস্ত হত, অশাস্তিপূর্ণ হত | فَسَدَتْ |
| পৃথিবী | أَرْضٌ |
| অনুগ্রহশীল, করুণাময় | دُوْ فَضْلٌ |
| এগুলো (প্রকৃতপক্ষে বোঝাচ্ছে | تِلْكَ |

| | |
|-----------------------------|-----------------------------------|
| এগুলো) | |
| নিশ্চয়ই তুমি | إِنْكَ |
| অবশ্যই অঙ্গর্ত | لَمْ |
| রসূলগণ | (একবচন.:) مُرْسِلٌ (একবচন.:) |
| রসূলগণ | رَسِّلٌ |
| কথা বলেছেন | كَلَمٌ |
| আমরা তাকে সাহায্য করেছি, | أَيْدِنَا |
| শক্তি দান করেছি | |
| পবিত্র আল্লা, জিবরাইল | رُوحُ الْفَدْسِ |
| (আঃ) | (آه) |
| তারা পরম্পর যুদ্ধ করল | إِقْتَلَ |
| করেন | يَقْعُلُ |
| তিনি ইচ্ছ করেন | يُرِيدُ (إِرَادَةٌ) (ভাববিশেষ..:) |
| ক্রকু- ৩৪ | |
| তোমরা ব্যয় কর, খরচ কর | أَنْفَقُوا |
| ক্রম-বিক্রিয় | بَيْعٌ |
| বন্ধুত্ব | خَلَةٌ |
| সুপারিশ | شَقَاعَةٌ |
| চিরঞ্জীব | الْحَيُّ |
| টিরহুয়ী | قَيْوُمٌ |
| তন্দ্রা | سِنَةٌ |
| নিম্ন | نَوْمٌ |
| কে আছে? | مَنْ ذَا |
| যে | الَّذِي |
| অনুমতি | إِذْنٌ |
| মধ্যে, সামনে | بَيْنَ |
| তাদের সামনে | بَيْنِ إِلَيْهِمْ |
| তারা আয়ত্ত করতে পারে না, | لَا يُحِيطُونَ (احاطة) |
| বেঠন করতে পারেনা | (ভাববিশেষ..:) |
| আসন | كُرْسِيٌّ |
| ক্রান্ত করা | أَوْدٌ |
| ক্রান্ত করেনা | لَا يَلْوَدُ |
| সর্বার্থ | عَلِيٌّ |
| জবরদস্তি | إِكْرَاهٌ |
| ধর্ম, জীবন্যাপনের পথ | الَّدِينُ |
| স্পষ্ট হয়েছে | بَيْنَ |
| ভূল, ব্রহ্মতা | عَيْ |
| মিথ্যা উপাস্য, আল্লাহ ছাড়া | طَاغُوتٌ |
| যারই ইবাদত করা হয় তা | |
| মজ্বুতভাবে ধারণ করল | إِسْتَهْسَنَ |
| হাতল, বজ্জু | عُرُوهَةٌ |
| সুস্থ, মজবুত, অব্যর্থ | وَثْقَى |
| ছিম হবার নয় | لَا افْصَامَ |
| অভিভাবক, বজ্র | وَلَيْ |
| (বহুবচন.:) অভিভাবক | (أَوْلَيَاءُ) |
| অক্ষকার | ظَلَمَاتٍ |
| আলো | نُورٌ |
| ক্রকু- ৩৫ | |
| বাদান্বাদ করেছে, তর্ক | حَاجَ |
| করেছে | |

| | |
|--------------------------------|-------------------------------------|
| জীবন দান করেন | يُحْيِي |
| মৃত্যু দান করেন | يُبَيِّنُ |
| আমি | أَنَا |
| সূর্য | شَمْسٌ |
| হতভয় হওয়ে গেল | بُهْتٌ |
| অথবা | أَوْ |
| অনুরূপ | كَ |
| অতিক্রম করেছিল | (ভাববিশেষ..: مرّ (مرور) (مرور) |
| শহর, জনপদ, বসতি | (বহুবচন..: فَرِيَةٌ (فرى) |
| তা, সে (ক্রীলিঙ্গ), তিনি | هُيَ |
| উদ্ভৃত হওয়ে ফাসে পড়েছিল | خَوِيَّةٌ |
| ছান্দঙ্গলো | عُرْوَشٌ |
| এটা | هَذِهِ |
| মৃত্যু দান করালেন | أَمَاتَ |
| একশ | مِائَةٌ |
| বছর | عَامٌ |
| তুমি (এভাবে) অবস্থান করেছ | لَبِثْتَ |
| খাদ্য | طَعَامٌ |
| পানীয় | شَرَابٌ |
| পচেনি, বিকৃত হয়নি | لَمْ يَسْتَهِنْ |
| দেখ | أَنْظَرَ |
| গাধা | جَمَارٌ |
| হাড়সমূহ | عِظَامٌ |
| কিভাবে | كَيْفٌ |
| আমরা সংযোজিত করি | نَشَرْ (ন ش ر) |
| আমরা আবৃত করি | نَكْسُوا |
| মাঝে, গোশত | لَحْمًا |
| আমাকে দেখাও | أَرْنِي |
| তুমি কি তাহলে (বিশ্বাস) করনি? | أَوْلَمْ تُؤْمِنْ |
| পরিত্পন্ত হবার জন্য, প্রশান্তি | يَطْمِينَ |
| লাভ করার জন্য | |
| আমার হাদয় | قَلْبٌ (قَلْب: هَادِي) |
| ধরে নাও | خُذْ |
| চার | أَرْبَعَةٌ |
| পাখি | (বহুবচন..: طَيْرٌ (طَيْরَ) |
| পোষ মানিয়ে নাও, বশীভৃত কর | صَرْ |
| পাহাড় | (বহুবচন..: جَبَلٌ (جبال: جَبَل) |
| অশ, টুকরো, খড় | جزءٌ |
| দোড়িয়ে | سَعِيًّا |
| ক্রকু - ৩৬ | |
| শস্যকণা, বীজ | حَبَّةٌ |
| উৎপন্ন হয় | (ভাববিশেষ..: أَبْتَتْ (ابْتَاتْ) |
| সাত | سَيْفٌ |
| শীষঙ্গলো | (একবচন..: سَابِلٌ (سابلة: سَابِلَة) |
| বছঙ্গল বর্দিত করেন | يُضَاعِفُ (مُضَاعِفة) |
| ব্যয় করে | (ভাববিশেষ..: يُفْفَوْنُ (إنفاقٌ) |

| | |
|------------------------------|---|
| ধন-সম্পদ | أَمْوَال (مال) |
| অনুসরণ করেনা, পরে আসেনা | لَا يُبَيِّنُونَ (إِبْيَاعٌ) (ভাববিশেষ..: (أَبْيَاعٌ |
| অনুগ্রহ করার খোটা, | مَنْ |
| অনুগ্রহের কথা মনে করিয়ে | |
| দিয়ে কষ্ট দেয়া | |
| কষ্ট | أَدْهِي |
| ভাল কথা, দয়ার কথা | قَوْنٌ مَعْرُوفٌ |
| ক্ষমা | مَغْفِرَةٌ |
| দান | صَدَقَةٌ |
| সম্পদশালী, অভাবমুক্ত, | غَيْرِي |
| মুখাপেক্ষীহীন | |
| পরম সহিষ্ণু | حَلِيمٌ |
| বাতিল করনা, নষ্ট করনা | لَا يُبَطِّلُونَ |
| সেই বক্তির মত | كَذَلِيٌّ |
| লোক দেখানোর জন্য (কোন | رَئَاءٌ |
| কাজ করা) | |
| কঠিন, মসৃণ পাথর | صَفْوانٌ |
| মাটি | ثُرَابٌ |
| বর্ষিত হল | أَصَابَ |
| প্রবল বৃষ্টি | وَابِلٌ |
| পরিষ্কার, মসৃণ | صَلَادًا |
| তারা ক্ষমতা রাখে না | لَا يَقْدِرُونَ |
| উদ্দেশ্যে, চেয়ে | إِبْعَادٌ |
| আল্লাহর সম্মতুষ্টি | مَرْضَاتِ اللَّهِ |
| প্রতিষ্ঠা লাভ করা, সুস্থ করা | شَيْبَيْتًا |
| বাগান, উদ্যান | (বহুবচন..: جَنَّةٌ (جناتٌ |
| উচু ভূমি | رَبْوَةٌ |
| ফলমূল, খাদ্যবস্তু | أَكْلٌ |
| বিষণ্ন | ضِعِيقَيْنِ |
| সামান বৃষ্টি, পিশির | طَلٌ |
| চাওয়া, পছন্দ করা | وَدٌ |
| তোমাদের কেউ | أَحَدُكُمْ |
| থেজুর | نَخْيَلٌ |
| আঙ্গুর | (একবচন..: أَعْنَابٌ (عنبٌ |
| বার্ষিক | كَبَرٌ |
| সত্ত্বামস্তুতি | ذَرَيْةٌ |
| দুর্বল | (একবচন..: ضَعِيفٌ (ضعفٌ |
| ঘৰ্মিবায়ু, বড় | إِعْصَارٌ |
| ভয়িভৃত হল | احْتَرَقْتُ (ح ر ق) |
| তোমরা যেন চিত্তাভাবনা কর | شَقَّرُونَ |
| ক্রকু - ৩৭ | |
| পরিত্র বস্তু | طَبِيعَةٌ |
| তোমরা সকলে করনা | لَا تَيْمَوَا |
| নিকৃষ্ট বস্তুগুলো | حَبِيبٌ |
| তোমরা নও, তোমরা করবে | لَسْتُمْ |
| না | |
| গ্রহকারী | أَخْذِيٌّ |
| তোমরা তাখ বক্ষ করে নাও | نَعْمَضُوا |

| | |
|--|--|
| ڈاکھ بند کرنا | عَمْضٌ |
| پ्रسنسیٹ | حَمْدٌ |
| دائریڈر | فَقْرٌ |
| অল্লালতা | فَحْشَاءُ |
| دان کرنے | يُونَى |
| জ্ঞান, বুদ্ধিমত্তা | حِكْمَةٌ |
| উপদেশ গ্রহণ করে | يَذْكُرُ |
| দান, খরচ, ব্যয় | نَفْقَةٌ |
| তোমরা মানত কর | نَهْرُتُمْ |
| যদি | إِنْ |
| প্রকাশ কর | بَيْدُواً (ب د و) |
| উভয় | نَعَمَا |
| দরিদ্রগণ | فُقَرَاءُ |
| দূর করে দেবেন | بَكْفُرٌ |
| পাপগুলো | سَيِّئَاتٍ (সৈন্নাত) (একবচন.: سَيِّئَةٌ) |
| না | لَيْسَ |
| কিন্তু | لَكِنْ |
| আল্লাহর সন্তুষ্টি | وَجْهُ اللَّهِ |
| পুরোপুরি প্রদত্ত হবে, পূর্ণ দেয়া হবে | يُوفَّ |
| আবদ্ধ হয়েছে, অবরুদ্ধ রয়েছে | أَحْسِرُوا (ح ص ر) |
| চলাকেরা করা অর্থাৎ জীবিকা অর্জনের জন্য কোথাও যাত্যাত করা | ضَرَبُوا |
| ধারণা করে, মনে করে | يَحْسَبُ (ح س ب) |
| ধনী | أَغْنِيَاءُ (غَنِيٰ) (একবচন.: أَغْنِيٰ) |
| বিরত থাকা (চাওয়া থেকে), ভদ্রতা | تَعْفُفٌ |
| তোমরা চিনবে | تَعْرِفُ (ع ر ف) |
| লক্ষণ, চিহ্ন | سِيمَا |
| কাবুতি-মিনতি করে নাছেড় | إِحْافَا |
| হয়ে ডিক্ষা চাওয়া | |
| ক্রকু - ৩৮ | |
| গোপনৈ | سِرَا |
| প্রকাশে | عَلَانِيَةٌ |
| সূদ | الرَّبَا |
| তারা দাঁড়াবেনা | لَيَقُومُونَ |
| যেমন | كَمَا |
| পাগল করেছে, মোহবিষ্ট করেছে | يَخْبَطُ |
| স্পৰ্শ | مَسْ |
| ক্রয়-বিক্রয়, ব্যবসা | بَيْعٌ |
| আসলো | جَاءَ |
| উপদেশ, সতর্কবণ্ণী | مُؤْعَظَةٌ |
| বিরত হল | إِنْتَهَى |
| অতীত হল | سَلْفٌ |
| পুরোগৃহি করল | عَادَ (عَوْدَ) (ভাববিশেষ.: عَادَ) |
| নির্মল করা, মিটিয়ে দেয়া | مَحْقُّ |
| বর্ধিত করা | يُرْبِي |

| | |
|---|---------------------------------|
| অবিশ্বাসী, অকৃতজ্ঞ | كَفَّارٌ (কাফীর) |
| পাপী | أَثِيمٌ |
| তোমরা পরিত্যাগ কর, ছেড়ে দাও | ذَرُوا |
| যা বাকী রয়েছে | بَقِيٌّ |
| ঈমানদারগণ | مُؤْمِنُونَ |
| তবে তোমরা ঘোষণা শুনে নাও, জেনে রাখ | فَإِذْنُوا |
| যুদ্ধ | حَرْبٌ |
| যদি | إِنْ |
| তোমরা তওবা কর | تَبَّاعِمٌ |
| মূলখন | رُؤُوسٌ |
| অধিকারী | دُوْ |
| অভাব, দারিদ্র্য | عُسْرَةٌ |
| অবকাশ দেয়া, সময় দেয়া | نَظَرٌ |
| স্বচ্ছতা | مَيْسَرٌ |
| যে | أَنْ |
| তোমরা সে খণ্ডকমা করে দাও, দান করে দাও | تَصَدَّقُوا |
| তোমরা ফিরে যাবে, তোমরা প্রত্যাবর্তি হবে | تَرْجَعُونَ |
| পরিশূর্প্রদান করা হবে | ثُوَفَّى |
| ক্রকু - ৩৯ | |
| তোমরা প্রস্তুত খণ্ডের লেনদেন কর | تَدَابِّيْمٌ |
| ধার, খণ্ড | دَيْنٌ |
| নির্দিষ্ট মেয়াদ | أَجْلٌ مَسْمَى |
| এবং তার লিখে রাখা উচিত, এবং সে যেন লিখে | وَلِيَّكَبْ |
| লেখক | كَاتِبٌ |
| ন্যায়নির্ণয়িত, ন্যায়সংস্কৃত | عَدْلٌ |
| অশীকার করা উচিত না | لَا يَأْبَ |
| সে লেখায়, সে যেন লিখে, কর্ম বস্তু বলে দেয় | لِيُمَلِّ |
| কর্ম করবে না | بَيْخَسٌ |
| নির্বাচিত | سَفَقِهَا |
| দুর্বল | ضَعِيقًا |
| অভিভাবক | وَلِيٰ |
| তোমরা সাক্ষী রাখ | إِسْتَشْهِدُوا |
| দুইজন সাক্ষী | شَهِيدَيْنِ |
| পুরুষগণ | رَجَلٌ (রَجْلٌ) (একবচন.: امرأة) |
| দুইজন মহিলা | امْرَأَتَيْنِ |
| তোমরা পছন্দ কর | تَرْضَوْنَ |
| সাক্ষীগণ | شَهَادَةٌ |
| ভুলে যায় | تَضَلُّ |
| তাদের দুজনের একজন | إِحْدَاهُمَا |
| বিশ্বাস করে, আস্থা রাখে | أَمِنٌ |
| ফেরত দেয়, পরিশোধ করে | يُوَرِّي |

| | |
|--|---------------------------|
| পাপী | أَنْمَمْ |
| মনে করিয়ে দিবে (অপরজনকে) | تَذَكَّرُ |
| অন্য একজন, অপরজন | أَخْرَى |
| যথন তাদের ডাকা হয় | إِذَا مَا دُعُواْ |
| তোমরা বিরক্তি বোধ করবে না, শৈথিল্য করবে না, উপক্ষা করবে না | لَا تَسْتَهْمُواْ |
| বিরক্তি বোধ করা, উপক্ষা করা, শৈথিল্য করা | سَامْ |
| ছেট | صَغِيرًا |
| বড় | كَبِيرًا |
| অধিকতর ন্যায়সঙ্গত, সুবিচারকে অধিক কায়েম রাখে | أَفْسَطْ |
| সুদৃঢ়, অধিক সুষ্ঠু | أَقْوَمْ |
| সাক্ষা | شَهَادَة |
| অধিক নিকটবর্তী | أَدْنَى |
| তোমরা (যেন) সন্দেহ না কর | لَا تَرْتَابُواْ (رَيْبٌ) |
| নগদ, হাতে হাতে | حَاضِرَة |
| তোমরা আদান প্রদান কর, সম্পত্তি কর | تَدْيِرُونَ (دَوْر) |
| কোন ক্ষতি হতে দিবে না | لَا يَضَارَ (ضَر) |
| গাপ, সীমালজ্জন | فَسْوَقْ |
| তিনি শিক্ষা দেন | يُعَلِّمُ |
| বক্ষক রাখ | رَهَانْ |
| অধিকারযোগ্য, হস্তগত হওয়া | مَفْوَضَة |
| ক্রকু-৪০ | |
| তোমরা প্রকাশ কর | تَبَدُّواْ |
| হিসাব নেবেন | يُحَاسِبُ (ح س ب) |
| আমরা শুনলাম | سَمِعْنَا |
| আমরা আনুগত্য করলাম, আমরা মানলাম | أَطْعَمْنَا |
| আমাদের ক্ষমা কর | غُفرَانَك |
| প্রত্যাবর্তন, প্রত্যাবর্তন স্থান | مَصْبِرْ |
| কার্যভার দেন না | لَا يَكْفُفُ (ك ل ف) |
| আমরা ভুলে যাই | تَسْتَيْنَا |
| আমরা ভুল করে বসি | أَخْطَلْنَا |
| এবং ক্ষমা কর | وَاعْفْ |
| আমাদের রক্ষাকারী, আমাদের প্রতিপালক | مَوْلَانَا |



| ক্রকু-১ | |
|--------------------------------------|--------------------------------------|
| তিনি অবর্তীণ করেছেন, নাযিল করেছেন | نَزَّلَ |
| সত্যায়নকারী, সত্যতা প্রতিপাদনকারী | مُصَدَّقاً |
| পূর্ববর্তী, তার পূর্বে | بَيْنَ يَدَيْهِ |
| প্রতিশোধ গ্রহণকারী | دُوْ أَنْتَقام |
| গোপন থাকে না | لَا يَخْفَى |
| আকৃতি গঠন করেন | يُصَوَّرُ (ص و ر) |
| মাত্গৰ্ভগুলো | أَرْحَامُ |
| কেমন, যেমন | كَيْفَ |
| সুস্পষ্ট, মৌলিক, মজবুত | مُحْكَمَاتٍ |
| কিতাবের আসল অর্থ, কিতাবের | أَمَّ الْكِتَابِ |
| বুনিয়াদ | أَهْرَ |
| অন্যগুলো | مُشَابِهَاتٍ |
| অস্পষ্ট, কৃপক | رَبْعٌ |
| কুটিলতা, বক্রতা | إِبْغَاءٌ |
| অনুস্মান করা | فَتَّةٌ |
| ফিতনা, সংশয় | تَاوِيلٌ |
| ব্যাখ্যা | رَأْسِخُونَ (র س خ) |
| সুপ্রতিষ্ঠিত, সুগভীর | لَا تَرْغَ (ز ي خ) |
| কুটিলতা, বক্রতা সৃষ্টি করে দিও না | هَبْ |
| দাও | مِنْ لَذْنَكِ |
| তোমার নিকট থেকে | وَهَابْ |
| মহাদাতা | جَامِعٌ |
| সমবেতকারী | مِيعَادٌ |
| প্রতিজ্ঞা, ওয়াদা | كَوْفُودٌ |
| ক্রকু-২ | |
| ইঞ্চি, জ্বালানী | أَثْ |
| অনুকূপ, ন্যায় | دَأْبٌ |
| প্রকৃতি, ব্যব | نَوْبَ (নَبْ) |
| পাপ, গুনাহ | (একবচন.: دَأْبٌ) |
| বড় কঠোর | شَدِيدٌ |
| শাস্তিদানে | عِقَابٌ |
| তোমাদের প্রার্থুত করা হবে | تَعْلِبُونَ |
| আবাসস্থল | مَهَادٌ |
| দুই দল | فِتَّنَ (فِتَّة:) (একবচন.: فِتَّنَ) |
| উভয়ে সম্মুখীন হয়েছিল | إِلْتَقَتا (ل ق ي) |
| যুদ্ধ করছিল | قَاتِلٌ (ق ت ل) |
| অপর, দ্বিতীয় | أَخْرَى |
| কাফির, অবিশ্বাসী | كَافِرَة |
| তারা দেখে | بَرَوْنَ |

| তাদের বিষণ্ণ | مَثِيلُهُمْ |
|--|--|
| দেখা | رَأَيْ |
| জাখ | عَيْنٌ |
| শক্তিশালী করেন | يُوَدِّ |
| সাহায্য | نَصْرٌ |
| দ্রষ্টব্য, শিক্ষা | عِبْرَةٌ |
| অধিকারী, যাদের আছে | أُولَئِكَ |
| অন্তর্গতি | أَبْصَارٌ |
| সুশাস্ত্রিত করা হয়েছে | زَيْنٌ |
| ভালবাসা | حُبٌّ |
| কামনা-বাসনা | (شَهْوَةٌ :) একবচন.. |
| নারীরা | نِسَاءٌ |
| সম্ভান-সন্ততি | بَنِينَ |
| স্তৰ্প | قَاطِرٌ |
| রাশী-কৃত | مَفْتَرَةٌ |
| ষৰ্প | دَهْبٌ |
| ঝোপ্য | فِضَّةٌ |
| ঘোড়া | خَلْلٌ |
| চিহ্নিত | مُسَوَّمةٌ |
| গবাদি পশু | أَنْعَامٌ |
| কৃষি-জমি | حَرْثٌ |
| উভয় আশ্রয়স্থল | حُسْنُ الْمَاب |
| ঞ্চীরা | أَرْوَاجٌ |
| পবিত্র (মলমূত্র, খতুনাব ইত্যাদি অপবিত্রতা থেকে মুক্ত) | مُطْهَرٌ |
| সমষ্টি | رَضْوَانٌ |
| দর্শক, লক্ষ্যকারী | (بَصَارَةٌ :) ভাববিশ্যে.. |
| বাস্তা | عَبَادٌ |
| আমাদের রক্ষা কর | (রক্ষা কর: ق ; আমাদের: ت) قَاتِلٌ |
| সত্যপন্থী, সত্যবাদী | صَادِقِينَ |
| অনুগত ব্যক্তিরা | قَانِيْنَ |
| অনুগত | قَانِتٌ |
| দানবীল, খরচকারী | مُنْفَقِنٌ |
| ক্ষমাপ্রার্থী | مُسْتَغْفِرُونَ |
| রাতের শেষ ভাগে | أَسْحَارٌ |
| সাক্ষাৎ দিলেন | شَهِدٌ |
| যে, তিনি | أَنْهُ |
| জ্ঞানীগণ | أُولُو الْعِلْمٍ |
| প্রতিষ্ঠিত, দস্তায়মান | قَائِمٌ |
| ন্যায়নীতি, সুবিচার | قِسْطٌ |
| পরাক্রমশালী | عَزِيزٌ |
| প্রজ্ঞাময়, মহাবিজ্ঞ | حَكِيمٌ |
| দ্রুত হিসাব প্রণালীকারী, হিসাব নিতে তৎপর | سَرِيعُ الْحِسَابٍ |
| আমি আত্মসমর্পন করেছি | أَسْلَمْتُ |
| আমার নিজেকে, আমার মুখ | وَجْهِي |
| যারা আমাকে অনুসরণ করল | مَنْ أَتَبْعَنَ |
| তারা মুখ ঘুরিয়ে নিল | تَوَلَّا |

| প্রচার করা, পৌঁছিয়ে দেয়া | بَلَاغٌ |
|--|--------------------------|
| রক্ক- ৩ | |
| যারা নির্দেশ দেয় | يَأْمُرُونَ |
| বিষ্ট হয়েছে | جَبْطَ (ح ب ط) |
| থেকে দিয়েছে, প্রতারিত করেছে | غَرَّ |
| তারা যা কিছু মিথ্যা উভাবন করে | مَا كَانُوا يَقْرُونَ |
| কেমন | كَيْفَ |
| পূর্ণ দেয়া হবে | وَقْيَتٌ |
| হে আল্লাহ | اللَّهُ |
| মালিক | مَالِكٌ |
| রাজ্য | مَلْكٌ |
| তুমি ইচ্ছ কর | شَاءَ |
| কেড়ে নাও | تَزَرَّعَ (ن ز ع) |
| অপমানিত কর, লাঞ্ছিত কর | تَذَلَّ |
| হাত | يَدٌ |
| নিশ্চয়ই তুমি | إِنْكَ |
| তুমি প্রবেশ করাও, পরিবর্তিত কর, পরিষ্ঠিত কর | تُولِجُ (و ل ج) |
| রাত | لَيْلٌ |
| দিন | نَهَارٌ |
| বন্ধু, অভিভাবকগণ | أَوْلَيَاءُ |
| ব্যতীত, ছাড়া | دُونَ |
| কোন বিষয়ে | فِيْ شَيْءٍ |
| আত্মরক্ষা হিসেবে | نَفَّاهَةٌ |
| তয় প্রদর্শন করেন, সাবধান করেন | يُبَحِّرُ (ح ذ ر) |
| তাঁর নিজের সম্পর্কে | نَفْسَهُ |
| বিদ্যমান, উপস্থিত | مُحْسِرًا |
| সুদূর ব্যবধান | أَمَدًا بَعْدَهَا |
| ঝেহশীল, দয়ালু | رَوْفٌ |
| রক্ক- ৪ | |
| বংশধর, সংস্থানসন্ততি | دُرَيَّة (دُرَيَّات :) |
| ঙ্গী | إِمْرَأَةٌ |
| পেট, এখানে অর্থ হবে গর্ভ | بَطْنٌ |
| মুক্ত, উৎসর্গীকৃত | مُحَرَّرًا |
| সে-প্রসব করল | وَضَعَتْ |
| প্রসব করা | وَضَعٌ |
| পুরুষ, এখানে অর্থ হবে ছেলে | الذَّكَرُ |
| মহিলা, এখানে অর্থ হবে মেয়ে | النِّسْيَ |
| আমিনাম রাখলাম | سَمِيتَ (س م و) |
| আমি আশ্রয় চাইছি | أَعْنَدَ (ع و ذ) |
| গড়ে তুললেন, বর্ধিত করলেন | أَبْتَ |
| বর্ধন | بَنَاتَا |
| তত্ত্ববাধায়ক নিযুক্ত করলেন | كَفَلٌ |
| প্রকোষ্ঠ, মসজিদ সংলগ্ন প্রকোষ্ঠ যা ইমাম, মুয়াজ্জিন বা খাদিমের জন্য | مِحْرَابٌ |
| নির্মাণ করা হয় | |
| কোথা থেকে | أَنْيَ |
| সেখানেই | هَنَالِكٌ |
| ডাকল, প্রার্থনা করল | دَعَاعًا |

| দাও | হে | لکھ کرল, উপলক্ষি করল | أحسنَ |
|---|--------------------------|--|--------------------------|
| তোমার নিকট থেকে | مِنْ لَدُنْكَ | সাহায্যকারী | أَصْسَارٌ |
| সত্যায়নকারী | مُصَدِّقاً | শিষ্য, সাহায্যকারী, এখানে হ্যরত | حَوَارِيُونْ |
| শব্দ, বাণী, এখানে অর্থ হবে আল্লাহর বাণী, নির্দেশ | كَلِمَةٌ | ঈসা (আঃ) এর সাহাবীগণকে বুঝান হয়েছে | |
| নেতা | سَيِّدا | আমরা | نَحْنُ |
| নিষ্পাপ, নিষ্ফলক, গুনাহ থেকে দূরে | حَصُورًا | ষড়যন্ত্র | مَكْرٌ |
| থাকে | | ক্রকু- ৬ | |
| ছেলে | (বছরচন.: غَلَامٌ) | আমি তোমাকে গ্রহণ করব, প্রতিগ্রহণ | مُتَوَقِّيٌّ |
| বার্ষিক্য | كِبْرٌ | করব | |
| বক্তা | عَافِرٌ | যে তুলে নেয়, যে উপরে উঠিয়ে নেয় | رَافِعٌ |
| এই মেনা | (آں + لা) | পরিশূর্ম দেয় | بُوقِيٌّ |
| ইশারা, ইঙ্গিত | رَمْزاً | পূরম্বার, প্রতিফল | أَجْوَرٌ |
| পবিত্রতা ঘোষণা করা বা বর্ণনা করা, তাসবীহ করা | سَيِّعٌ | মাটি | ثَرَابٌ |
| সজ্ঞা | عَشِيٌّ | আমরা বিনীতভাবে প্রার্থনা করি | بِتْهَالٌ |
| সকাল | إِبْكَارٌ | বিনীতভাবে প্রার্থনা করা | بِتْهَالٌ (ب + ل) |
| ক্রকু- ৫ | | ঘটনা, বৃদ্ধান্তগুলি | (قصَّ, يَقْصَ, قَصَّةٌ) |
| তুমি অনুগত হও | أَفْتَنِي | ক্রকু- ৭ | |
| থবর, সংবাদ | (একবচন.: بَنْ) أَبْيَاعُ | তোমরা আস | تَعَالَوْا |
| আমরা ওহীরপে প্রেরণ করি, আমি ওহী করি | نُوحِيٌّ | সমান | سَوَاءٌ |
| তুমি ছিলে না | مَا كُنْتَ | প্রত্ৰ, রব, উপাস্য | أَرْبَابًا (رَبٌّ :) |
| তাদের কাছে | لَدُبْهُمْ | তোমরাই তো | هَا أَنْتُمْ |
| নিকটে, কাছে | لَدِيٌّ | এসব লোক, এসব লোক (যারা) | هَاوْلَاءُ |
| যথন তারা নিষ্কেপ করল | إِذْ يُلْقُونَ | তোমরা বিতক করলে, বগড়া করলে | حَاجِجُمْ |
| কলমগুলো | (একবচন.: قَلْمَنْ) | নিকটতম, লোকদের মধ্যে (ঘনিষ্ঠ) | أُولَى النَّاسِ |
| তাদের মধ্যে কে? | أَبْيَهُمْ | হ্বার) অঞ্চাকারী | |
| কে? | أَيْ | ক্রকু- ৮ | |
| তারা বগড়া করল | يَخْصِمُونَ | একদল | طَافِةٌ |
| সম্মানিত | وَجِيهًا | পূর্বাহ্ন, দিনের প্রথম ভাগে | وَجْهَ النَّهَارِ |
| নিকটতম, সাম্রাজ্যপ্রাপ্তগণ | مَقْرِبِينَ | তিনি বাছাই করেন | يَخْصُّ |
| দোলনা, মাঝের কোল | مَهْ | তরসা কর, আমানত রাখ | تَأْمَنْ |
| পরিগত বয়স, পূর্ণ বয়স্ক | كَهْلًا | ধনরাশি | قِطَار |
| মানুষ | بَشَرٌ | ফেরত দিবে, প্রত্যাবর্তন করবে | يُوَدِّ |
| ইচ্ছা করলেন, সিদ্ধান্ত নিলেন | فَضْنِي | তুমি থাক | دُمْتَ |
| কাজ | أَمْرًا | দণ্ডযমান, দাঁড়ান | قَائِمًا |
| আমি সৃষ্টি করি | أَخْقَقُ | পথ, দায়িত্ব | سَيِّئَنْ (سَيِّئَنْ :) |
| মাটি | طِينٌ | পূর্ণ করল | أَوْفَى |
| আকৃতির মত | كَهْبَيَّةٌ | শপথ | أَيمَانٌ |
| পাখি | (বছরচন.: طَيْরُ) | অশে | خَلَاقٌ |
| ফুক দেয়া | نَفْعٌ | বাঁকিয়ে দেয়, কৃষ্ণিত করে, উল্টে | يَلْوَونَ |
| আল্লাহর আদেশ | إِنَّ اللَّهَ | পাল্টে দেয় | |
| আমি সুস্থ করে তুলি, নিরাময় করি, | أَبْرَئُ | তাদের জিভগুলো | أَسْتَتَهُمْ (إِسَانٌ :) |
| মুক্ত করি | | আল্লাহর বিশ্বস্ত বান্দা, আল্লাহওয়ালা | رَبَّانِيَنْ |
| জন্মান্ত | أَنْمَةٌ | তোমরা শিক্ষা দাও | تَعْلِمُونَ |
| কুষ্ঠ ঝোগী | أَبْرَصٌ | তোমরা পড় | تَدْرِسُونَ |
| মৃত | مَوْتَىٰ | ক্রকু- ৯ | |
| তোমরা জমা করে রাখ | تَذْخِرُونَ | আমার বোা (অঙ্গীকারের), দায়িত্বভার | إِصْرِيٌّ |

| | |
|------------------------------------|---------------------------------|
| তারা চায় | يَبْغُونْ |
| স্বেচ্ছায়, নিজ ইচ্ছায় | طُوعًا |
| অনিচ্ছায় | كُرْهًا |
| যে চায় | يَبْتَغِي |
| এসেছে | جَاءَ |
| হালকা করা হবে না, প্রশ্মিত হবে না | لَا يُخْفَفُ |
| তারা সংশোধিত হয় | أَصْلَحُوا |
| তারা পরিবর্তিত করল | إِزْدَادُوا |
| পৃথিবী পরিমাণ, পৃথিবী পূর্ণ | مِلْءُ الْأَرْضِ |
| সোনা | ذَهَبًا |
| মুক্তিপণ প্রদান করল, বিনিময় দিল | إِفْنَدِي |
| যত্ননাদয়ক | الْيَمِّ |
| ক্রকু-১০ | |
| কখনো না | لَنْ |
| তুমি লাভ করবে, পাবে | تَنَالُوا |
| পাওয়া | تَيْلَ |
| কল্পণ, তাকওয়া | الْبَرَ |
| খাদ্য | طَعَامٌ |
| হালাল, বৈধ | حَلَّ |
| হারাম করল, অবৈধ করল | (ভাববিশেষ..) حَرَمْ (تَحْرِيمْ) |
| মিথ্যারূপ করে | إِفْرَارِي |
| মিথ্যা | كَذَبٌ |
| সত্য বললেন | صَدَقَ |
| সুন্দর, একনিষ্ঠাবাবে, সত্য ধর্মের | حَيْفَا |
| অনুসারী | |
| তৈরী করা হয়েছে | وَضْعٌ |
| যা অবশ্যই | لِلَّذِي |
| মকা | بَكَةٌ |
| মাকামে ইবরাহীম, একটি প্রসিদ্ধ | مَقَامٌ إِبْرَاهِيمٌ |
| স্থান, স্থানের ইন্দ্রাণীয় (আঃ)-এর | |
| দাঁড়াবার স্থান | |
| নিরাপদ, শান্তিপ্রাপ্ত | آمِنًا |
| (কোবা) ঘরের হাঙ্গু করা | حَجَّ الْبَيْتِ |
| সামার্থ্য রাখে | إِسْتَطَاعَ |
| কেন | لَمْ |
| তোমরা বাধা দাও | (ভাববিশেষ..) تَصْدُونْ (صَدَّ) |
| তোমরা অনুসূক্ষান কর | تَبْعُونْ |
| কুটিলতা, বক্রতা | عِوْجًا |
| ফিরিয়ে নিবে, প্রত্যাবর্তিত করবে | (ভাববিশেষ..) يَرْدُوْا (رَدَّ) |
| পাঠ করা হয় | شَنِي |
| দৃঢ়ভাবে ধারণ করে | يَعْصِمُ |
| দৃঢ়ভাবে ধারণ করা | إِعْصَامٍ |
| ক্রকু-১১ | |
| রঞ্জু, রশি, তার | جَبْلٌ |
| একযোগে, সমবেতভাবে | جَمِيعًا |
| শক্র | أَعْدَاءُ |
| বগুড় করিয়ে দিয়েছেন, মিলিয়ে | فَ |
| দিয়েছেন, সংযুক্ত করেছেন | |

| | |
|---------------------------------------|------------------------------|
| তোমরা হয়ে গেলে | أَصْبَحْتُمْ |
| ভাই ভাই | (একবচন..) إِخْوَانًا (أَخْ) |
| কিনারে, ধারে | شَفَّا |
| গর্ত, এখানে অর্থ হবে অগ্নিকুণ্ড | حُفْرَةٌ |
| উদ্বার করলেন | أَنْفَ |
| এবং অবশ্যই থাকতে হবে | وَلْكَنْ |
| একটি দল | أَمَّةٌ |
| উজ্জল হবে, সাদা হবে | تَبَيْضَ (بِ يَضْ) |
| মুখমণ্ডল | (একবচন..) وَجْهٌ (وجه) |
| কালো হবে | سَوْدَ |
| প্রত্যাবর্তিত হয়, ফেরানো হয় | تَرْجَعَ |
| সব বিষয় | الْأَمْوَارُ |
| ক্রকু-১২ | |
| সর্বোত্তম উন্নত, সর্বদ্রুষ্ট জাতি | خَيْرٌ أَمَّةٌ |
| উক্তব ঘটানো হয়েছে, সৃষ্টি করা হয়েছে | أَخْرَجَتْ |
| তোমরা বাধা দাও | تَهْوَنَ |
| অন্যায় কাজ | مُنْكَرٌ |
| সামান কষ্ট, দুঃখ | أَذْى |
| পিঠ, পিছন | (একবচন..) أَذْبَارٌ (دَبَرٌ) |
| অধিকারী হয়েছে, আক্রান্ত | بَاءَ |
| হয়েছে, মেরা পড়েছে | |
| তারা অবাধ্যতা করল, তারা অবাধ্য | عَصَوْا |
| হল | |
| সীমালংঘন করত | كَانُوا يَعْتَذِونَ |
| সীমালংঘন করা | إِعْنَدَاءُ |
| তারা নয় | لَيْسُوا |
| সমান | سَوَاءٌ |
| সময় | أَنَاءٌ |
| তারা সাধ্যমত চেষ্টা করে, তারা তৎপর | يُسَارِعُونَ |
| হয় | |
| সংবাজ | خَيْرَاتٌ |
| সংকম্পিল | (একবচন..) صَالِحٌ (صالح) |
| কখনও ব্যর্থ হবে না, কখনও অশীকার | لَنْ يَكْفُرُوا |
| করা হবে না | |
| কখনও কাজে আসবে না | لَنْ تَعْلَمُ |
| বাতাস, হাওয়া | (বহুবচন..) رَيْحٌ |
| ভীষণ গঠন | صِرْ |
| শস্যক্ষেত | حُرْثٌ |
| অঙ্গরঙ বন্ধ | بَطَانَةٌ |
| তারা সুযোগ ছাড়বে না, ত্রুটি করবে | لَا يَأْلُونَ |
| না | (ভাববিশেষ..) أَلَوْ : |
| ক্ষতিগ্রস্ত করা, অনিষ্ট সাধন | خَبَالٌ |
| কামনা করে, ভালবাসে | وَدَوْا |
| তোমরা বিপন্ন হও, অস্বিধায় পড় | عَنْمٌ (عَنْ ت) |
| থ্রাক্ষ পেয়েছে | بَدَّتْ |
| শক্রতা, হিংসা, বিদ্রো | بَصْصَاءُ |
| মুখগুলো | (একবচন..) أَفْوَاهٌ (فُوه..) |
| তোমরাই তো তারা | هَا أَنْتُمْ أَلَا |
| তারা কামড়ায় | عَصَوْا |

| کامڈانو | عُضْ | غِیظ |
|--|------------------------|------------------------|
| آঙلولو | أَنْمَل | غَافِنْ |
| آڈکش، ڈرکش | غِيظ | فاحشة |
| مارے یا و | مُونِوا | دُنوب (دُنْبٌ :) |
| مانے ر کथا، مانے ر تھرے ر اور جھا | بَدَات الصَّدُور | لَمْ |
| تمادے ر کے سپر کرے | تَمْسِكْ (م س س) | يُصْرُوا |
| تا دے ر خارا پ لائے | تَسْوُمٌ | نَعْمَ |
| آنند کرے | فَرْحَ | عَاملِينَ |
| چکرات | كَيد | سَنْ |
| کلک - ۱۳ | | سِبْرُوا |
| آپنی سکالے رے ر ہلن | غَوْت (غ د و) | عَاقِبة |
| آپنی سخان نیرکا ر کرے | تَبُوئِ | بَيَان |
| سخان نیرکا ر کرے | بُوا | مُؤْعِظَة |
| سخٹ، سخان، بسار جایگا غلی | مَقَاعِد (مَقْعَدٌ) | لَا تَهُوا |
| یوکھ، لڈاٹ | قِتَال | أَعْلَوْن (أَعْلَى :) |
| سکھل کر ل، سیدھا ت نیل | هَم | فَرْحَ |
| دُھی دل | طَافِقَان | مَسَ |
| دُھی دل ساہس ہارا، ٹیکت ا پ کا ش کرے، دُورلٹا ا پ کا ش کرے | تَفَشِّلًا | أَيَام |
| ساہس ہارا، ٹیکت ا پ کا ش کرے، دُورلٹا ا پ کا ش کرے | فَشْل | ذَنَاوْل (ذَنْوْلٌ :) |
| بادرے ر یوکھ | بَدْر | يُمحِصُ |
| خُوکھ دُورل، نگاش | أَذْلَة (ذَلِيلٌ) | تَمْحِصَ |
| نہ کی? | أَنْ | مَحْقَ |
| سماہی کرے | يَمِد | تَمَنُونَ |
| تین ہاجار | ثَلَاثَة الْأَفَاف | أَ |
| ا ب ت چ | مُنْزَلِينَ | فَ |
| ہا، بار، کمن نیا? | بَأَيِ | إِنْ |
| تختہ، ہتھ، ٹریت گتی تے | فُور | أَفَانْ |
| پاچ | خَمْسَة | مَاتَ |
| ٹھیت | مُسَوَّمِينَ | أَنْقَلَبَتْ |
| سُوسَباد | بُسْرَى | أَعْقَاب (عَقْبٌ :) |
| آسٹھن ہے | تَطْمِينَ | كِتابَامُوجَلا |
| کاٹا، کے تے فل ل، ہجس کرے دے یا | قطع | كَانِ |
| اکٹی اش، دل بیشے | طَرَفًا | رَبِيُونَ |
| لَا خیت کرے، لَا خیت کر ل | كَبَت | وَهْنَ |
| تا را فی رے یا ي | يَنْقِبُوا (انقلاب :) | (أَمَا) لَمَا |
| بَرْ | خَابِيَنَ | أَصَابَ |
| کلک - ۱۴ | | ضُعْفَ |
| دیگر، بھر گن | أَصْعَافَا | مَا سُكَّانُوا |
| ک او رک گن، چک بڑی ہارے | مَضَاعِفة | إِسْرَافٌ |
| پرست کر را ہوئے | أَعْدَتْ | بَيْتَ |
| چھوٹے یا و، ہاریت ہو، ہر کت آس | سَارَعُوا (س ر ع) | حُسْنَ |
| پرسا راتا، پر شتتا | عَرْضٌ | |
| سچل تا یا | سَرَاءُ | |
| آ ب ا ر، دو را بس یا | ضَرَاءُ | |
| یا را س ب را کرے، یا را دم ن کرے، ہج م کرے | كَاظِمِينَ | |

| নিকৃষ্ট | بنس |
|---|---|
| আবাসস্থল | مَثْوَى |
| তোমরা হত্তা করলে | (ভাববিশেষ..: حَسْنٌ) حَسْنُونَ |
| তোমরা কাপুরুষতা প্রদর্শন করলে | فَشِلْمٌ (فِ شِ لِ) |
| তোমরা মতবিরোধ করলে | تَازَّ عَمْ |
| তোমরা অবাধ্য হলে | (ভাববিশেষ..: مَعْصِيَةٌ) مَعْصِيَةٌ (عَصِيَانٌ) |
| ফেরালেন, বিরত করলেন, পশ্চাদ্বর্তী করা | صَرْفَ |
| তোমরা আরোহন করছিলে | صَعْدُونَ (صِ عِ دِ) |
| তোমরা ফিরে দেখছিলে না | لَا تَلَوْنَ |
| যেন না কর | لَكُنْلَا |
| অতিক্রান্ত হল, হাত হতে ফসকে | فَات |
| গোল, হারাল | |
| তন্দ্রা | نَعَاسًا |
| আচ্ছাদ করা | يَعْشِي (غِ شِ يِ) |
| আমাদের (জন্য)কি আছে? অর্থাৎ | هَلْ لَنَا |
| আমাদের কি কোন অধিকার আছে? | |
| এখানে | هَاهُنْ |
| বের হয়ে এল | بَرَزَ |
| শোয়ার জায়গা, এখানে অর্থ হবে | مَضَاجِعَ |
| নিহত হবার স্থান | |
| সম্মুখীন হল | الْقَنْقِي |
| দূর্দল | جَمْعَانَ |
| প্রতিরিত করেছিল, পদস্থলন | إِسْتَرْلَ |
| ঘটিয়েছিল | |
| ক্ষমা করলেন | عَفَا |
| কর্কু-১৭ | |
| প্রমণ করল, অন্য স্থানে প্রথার করার অর্থে ব্যবহৃত হয়েছে | ضَرَبُوا |
| যোদ্ধা, জিহাদে অংশ এবং কর্তৃতা | غَزِي (غَزِي:) |
| অনুত্তীপ | حَسْرَةٌ |
| অবশ্য | لَ |
| তোমাদেরকে একত্রিত করা হবে | ثُخْشُونَ (حِ شِ رِ) |
| বন্ধনৎক কারণে, অতএব | فِيمَا |
| তুমি কোমলচিত্ত হয়েছে, তুমি নরম হয়েছে | لَنْتَ (لَنَّ; يَلِنْ) |
| রাচ, কর্কশভাষ্য | فَطَّا |
| কঠিন হাদয় | غَلِظَ الْقَلْب |
| তারা বিচ্ছিন্ন হয়ে যেত, তারা সরে | أَنْفَضُوا |
| যেত | |
| তোমার নিকট | حَوْكَ |
| পরামর্শ কর | (ভাববিশেষ..: مَشَائِرَةٌ) شَائِرْ (مَشَائِرَةٌ) |
| তুমি সিদ্ধান্ত নিয়েছ, দৃঢ় সংকল্পবন্ধ হও | عَزْمٌ |
| নির্ভরশীলগণ, ভরসাকারীগণ | مُتَوَكِّلُونَ |
| পরিত্যাগ করা | خَذَلَ |
| খিয়ানত করে, গোপন করে | يَعْلَمَ |
| খিয়ানত করল, গোপন করল | عَلَمَ |
| পরিপূর্ণভাবে প্রদান করা হবে | تُوفِّي |

| স্থখ | অসমষ্টি, ক্রোধ |
|---------------------------------|-------------------------------------|
| مَأْوَى | ঠিকানা, বাসস্থান |
| بَسْ | নিকৃষ্ট |
| مَصِيرٌ | গতবস্থান, প্রত্যাবর্তন স্থান |
| مَنْ | অন্যহ করেছেন |
| بَعْثَ | পাঠিয়েছেন |
| أَ | কি |
| وَ | এবং |
| لَمَّا | যখন |
| مَئِيْ | বিগুণ |
| أَلَّى | কোথা হতে |
| نَافِقُوا | তারা মুনাফিক হয়ে গেল |
| تَعَالَوْا | তোমরা আস |
| قَاتِلُوا | তোমরা যুদ্ধ কর |
| إِدْعَوْا | প্রতিহত কর, প্রতিরক্ষা কর, বাধা দাও |
| يَوْمَنْ | সে দিন |
| أَقْرَبَ | বেশী নিকটবর্তী |
| قَعْدُوا | তারা বসে থাকলো |
| لَوْ | যদি |
| أَطْاعُوا | তারা কথা শুনতো, আনুগত্য করত |
| فَادْرُوْوا | তোমরা তাহলে দূরে সরাও |
| لَتَحْسِبَنَّ | কখনো ধারণা করলা, মনে কর না |
| بِرْزَقُونَ | তারা জীবিকাপ্রাপ্ত হয় |
| فَرِحَنَّ | তারা পরিষৃত, তারা খৃষ্টী হয়েছে |
| بَسْتَشِرُونَ | তারা সুসমবাদ জেনে আনন্দিত হয় |
| لَمْ يَلْحَقُوا | তারা মিলিত হয়নি |
| إِسْتَجَابُوا | কর্কু-১৮ |
| حَسْبُنَا | তারা সাড়া দিল, তারা জবাব দিল |
| نَعْمَ الْوَكِيلُ | আমাদের জন্য যথেষ্ট |
| إِنْقَلِبُوا | উত্তম অভিভাবক, চমৎকার কার্যনির্বাহক |
| دُوْفَضَل | তারা ফিরে আসল, ফিরে গোল |
| بِيَخَوَفَ | অন্যহস্তীল |
| أُولَيَاء | ভয়প্রদর্শন করে |
| نَعْمَ الْخَافِقُ : ؛ خَافِقُوا | ব্রহ্মা |
| ن | আমাকে |
| يُسَارِعُونَ | দ্রুত ধাবিত হয়, তৎপর হয় |
| حَظَا | কোন অংশ |
| نَعْلَمْي | আমরা অবকাশ দেই, সুযোগ দেই |
| مُهِينَ | অবমাননাকর |
| يَدَر | পরিভ্যাগ করে |
| يَمِيزَ | পৃথক করে |
| خَيْبَ | অপবিত্র, ধারাপ, নিকৃষ্ট |
| طَبِ | পবিত্র, ভাল, উৎকৃষ্ট |
| يُطْلَعَ | সংবাদ দেয় |
| يَجْتَبِيَ | মনোনীত করেন, বাছাই করেন |
| يُبَخْلُونَ (بِ خَلَ) | তারা কার্পণ্য করে |
| يُطْوَقُونَ | তাদের (গলায়)বেড়ি পরান হবে |

| | |
|---------------------------------|-------------------------------|
| কুকু-১৯ | |
| শুলেন | سَمْعٌ |
| দরিদ্র | فَقِيرٌ |
| আমরা | نُحْنُ |
| ধনী | (একবচন.: أَغْنِيَاءُ (غَنِيٰ) |
| স্বাদ গ্রহণ কর, আস্থাদন কর | دُوْقُواً |
| জ্বলন্ত আগুন, দহন | حَرِيقٌ |
| অতাচারী, অধিক অতাচারী | ظَلَمٌ |
| বাস্তা, দাস | عَبْدٌ (عَبْدٌ) |
| কুরবানী, উৎসর্গ | قُرْبَانٌ |
| আস করে, খেঁজে ফেলে | تَأْكِلُ |
| তবে কেন | فَلِمْ |
| অস্থির কৃত হয়েছিল | كَدْبٌ |
| আলোকদানকারী, যা প্রতিফলিত | مُنْبِرٌ (ন و ر) |
| আলো দেয় | |
| স্বাদ গ্রহনকারী, আস্থাদনকারী | ذَانِقَةٌ |
| তোমাদের পূর্ণ দেয়া হবে | تُوْفُونْ |
| প্রতিদান, পুরস্কার | أَجْرٌ (একবচন.: أَجْرٌ) |
| দূরে রাখা হয় | زُحْرَخٌ |
| সফল হল | فَازَ (ফুর্জ: فُورْزٌ) |
| সম্পদ, সামঞ্জি, আরাম, ভোগ-বিলাস | مَنَاعٌ |
| ধৈঁকা, প্রতারণা | غُرُورٌ |
| দৃঢ় সংকলনের বিষয় | عَزْمُ الْمُؤْرٍ |
| নিষেপ করল | نَبْدٌ |
| পিছনে | وَرَاءٌ |
| পিঠ | ظَهُورٌ (ঝেঁহুর: ظَهُورٌ) |
| তারা করেছে, তারা এসেছে | أَتَوْاً |
| তাদের প্রশংসা করা হোক, | يَحْمَدُوْا (হ: ح) |
| প্রশংসন্ধারী | |
| নিরাপদ হওয়া, সফল হওয়া | مَفَازٌ |
| কুকু-২০ | |
| অধিকারী, যাদের আছে | أَوْلَى |
| জ্ঞান, অস্তদৃষ্টি | أَلْبَابٌ (লব: أَلْبَابٌ) |
| দাঁড়িয়ে | قِيَامًا |
| বসে, বসা অবস্থায় | فُوْدَاً |
| পার্শ্বদেশ, শুয়ে | جُنْوبٌ (জঁব: جُنْوبٌ) |
| চিষ্টা করে, গবেষণা করে | يَتَفَرَّقُونْ |
| অন্যথক, বৃথা, অর্থহীন | بَاطِلًا |
| তুমি পবিত্র | سَبْحَانَكَ |
| তুমি লাভিত করলে | أَخْرِيَتْ (খ যি) |
| আহবানকারী | مَنْادِيًّا |
| দ্র কর | كَفَرٌ |
| দোষ ক্রটি | سَيِّئَاتٌ |
| আমাদের মৃত্যু দাও | تَوْقَنًا |
| সাথে | مَعَ |
| প্র্যাবান | أَبْرَارٌ |
| পুরুষ | ذَكَرٌ |
| নারী | أَنْثَى |
| নিয়ন্তিত হয়েছে | أَوْدُواً |

| | |
|------------------------------|-------------------|
| (দৃষ্টপূর্ণ) চলাফেরা | تَقْبَلْ |
| শহর, দেশ | (একবচন.: بَلَادٌ) |
| ঠিকানা, প্রত্যাবর্তন স্থান | مَأْوَى |
| বিশ্বামিত্তল | مَهَادٌ |
| অভ্যন্তরীণ উপহার, মেহমানদারী | نَزْلًا |
| বিনয়ী, অবনত | خَاشِعِينَ |
| সবর কর, ধৈর্য ধর | إِصْرِرُوا |
| ঘৈর্য দৃঢ় থাক | صَابِرُوا |



| | |
|---|---|
| কুকু-১ | |
| বিস্তাৱ কৱেছেন, ছড়িয়ে দিয়েছেন | بَشَّ |
| অনেক পুরুষ | (একবচন.: رَجَالٌ) |
| তোমারা পুরম্পরে (হক) দাবী কর, একে অপরের নিকট জিজ্ঞাসা কৰ, একে অপরের নিকট চাও | تَسْأَعُونَ |
| নিকট আঞ্চলীয়, আঞ্চলীয়তার সম্পর্ক | أَرْحَامٌ |
| তত্ত্ববিধানকারী, দৃষ্টিবান | رَقِيبًا |
| ইয়াতীম মেয়েরা | يَتَامَى |
| অপরাধ | حُوْبِيَا |
| গুরুতর | كَبِيرًا |
| সুবিচার, ইনসাফ | قِسْطٌ |
| পছন্দমত | طَبَ |
| দৃষ্টি | مَثْنَى |
| তিনটি | ثَلَاثٌ |
| চারটি | رَبَاعٌ |
| ন্যায়বিচার | عَدْلٌ |
| মালিক হয়েছে, শ্বাস যুক্তবদী নারী এবং ক্রীতদাসীদের জন্য ব্যবহার কৰা হয়ে থাকে | مَلْكٌ |
| ডান হাতসমূহ | (ভাববিশেষ.: أَيْمَانٌ (যুবিন: أَيْمَانٌ)) |
| নিকটবর্তী | أَذْنِي |
| যে তোমরা অবিচার কৰবে না, পক্ষপাতিত কৰবে না | أَلَا تَعُولُوا |

| | |
|---|---|
| মাহুর, ইসলামী শরীয়ত অনুযায়ী বিয়ে করার জন্য স্বামীরা জীবের যে উপহার দেয় নগদ টাকায় বা অনুকূপ কিছুতে। | صَدَقَاتْ (صُدُاقْ) (একবচন.: صَدَقَةٌ) |
| খুশিমনে, সন্তুষ্টিতে | نِحْلَةٌ |
| তৃষ্ণি সহকারে | هَنِيَا |
| স্বাচ্ছন্দে, পরিষ্পত হয়ে | مَرِيَّنَا |
| (জীবিকা) প্রতিষ্ঠার (জন্য), জীবন্যাত্তার অবলম্বন | قِيَامًا |
| পোশাক পরাও | أَكْسُوا |
| পোশাক | كَسْوَةٌ |
| পরীক্ষা কর, বিশেষ ভাবে নজর রাখ | إِبْتَلَوْا |
| যখন পৌঁছে যায় | بَلَغُوا |
| অনুমান কর, দেখ | أَسْنَ |
| বিচারের জন্য, বিবেকবৃক্ষি | رُشِداً |
| সমর্পণ কর | إِذْفَعُوا |
| অপর্যায় | إِسْرَافًا |
| আড়াতাড়ি করে | بَدَارًا |
| বিরত থাকবে | لِيَسْتَعْفَفَ |
| তোমরা সমর্পণ কর | دَفَعْتُمْ |
| অশ্র | نَصِيبٌ |
| পিতা-মাতা | وَالَّدَانِ |
| আত্মীয়-স্বজন | أَفْرِيُونْ |
| কম | قَلْ |
| বেশী | كَثَرَ |
| নির্ধারিত | مَفْرُوضًا |
| বন্টন করা | فَسْمَةٌ |
| দূর সম্পর্কীয় | أُولُوا الْقُرْبَى |
| আত্মীয়-স্বজন | |
| ভয় করে | لِيَخْشَ |
| সঠিক, কোমল | سَدِيدًا |
| অগ্রি-শিখা | سَعِيرًا |
| ক্রকু-২ | |
| অশ্র | حَظٌ |
| দূজন নারী | إِنْثَيْنِ |
| দুই-তৃতীয়াংশ | ثَلَاثَةٌ |
| অর্ধাংশ | نَصْفٌ |
| বর্ধাংশ | سَدُّسٌ |
| এক-তৃতীয়াংশ | ثُلَاثَةٌ |
| ভাইগণ | إِخْوَةٌ |

| | |
|---------------------|-----------------------------------|
| খণ্ড | دِيْنُ (দিন : بহুবচন.: دِيْنٌ) |
| তোমরা জান না | لَا تَذَرُونَ |
| সন্তান | وَلَدٌ |
| এক-চতুর্থাংশ | رُبْعٌ |
| এক-অষ্টমাংশ | ثَمَنٌ |
| পিতা-মাতা ও সন্ত | كَالَّة |
| নাহীন মৃত ব্যক্তি | |
| ভাই | أَخٌ |
| বোন | أَخْتٌ |
| প্রত্যেকে | كُلُّ وَاحِدٍ |
| অংশীদারগণ | شَرَكَاءُ |
| কারো ক্ষতি না করে | غَيْرَ مُضَارٌ |
| আল্লাহর নিধারিত | حُدُودُ اللَّهِ |
| সীমান্তে | |
| সীমান্ত অতিক্রম করে | يَتَعَدَّ |
| ক্রকু-৩ | |
| যে নারীরা | النَّاتِيَّ |
| চার (জন) | أَرْبَعَةٌ |
| আবদ্ধ করে রাখ | أَمْسِكُوا |
| যে দুইজন লোক | الْأَذَان |
| শাস্তি প্রদান কর | أَدْوَا |
| উপেক্ষা কর, শাস্তি | أَعْرَضُوا |
| প্রদানে বিরত হও | |
| তত্ত্ব কবুলকারী, | تَوَابًا رَحِيمًا |
| দয়ালু | |
| অজ্ঞতা | جَهَالَةٌ |
| জেরপূর্বক | كَرْهًا |
| আটক করে রাখবে | لَا تَعْضِلُوا (ع ض ل) |
| না | نَأْنَ |
| আদায় করার জন্য | لَتَدْهِبُوا |
| প্রকাশ | مُبَيِّنَةٌ |
| জীবন্যাপন কর, | عَاشِرُوا |
| অবস্থান কর | |
| হয়ত, সংষ্টব্য | عَسِي |
| পরিবর্তন করা | إِسْتِبْدَال |
| হান | مَكَانٌ |
| অগাধ সম্পদ | قَنْطَارٌ |
| সান্ধি লাভ করেছ | أَفْضَى |
| (শ্রী মিলনের) | |
| অঙ্গীকার | مِيَنْتَاقٌ |
| সুস্থ | غَيْلَاطَا |
| বিগত হয়েছে | سَلَفٌ |
| বড়ই অকৃতিকর, | مَقْتَلًا |
| ঘৃণিত, দ্রোধের | |
| কারণ | |
| ক্রকু-৪ | |
| মাঝেরা | أَمْهَات (أَمْ : (একবচন.: أَمْ |
| মেঝেরা, কন্যারা | بَنَات (بَنْتٌ : (একবচন.: بَنَاتٌ |

| | | |
|--------------------------|--|-----------------------|
| বোনেরা | أَخْوَاتِ (أَخْتٌ) (একবচন.: أَخْتٌ) | বাড়াবাড়ি স্বরূপ |
| ফুফুরা | عَمَّاتٍ (عَمَّة) (একবচন.: عَمَّة) | আমরা তাকে নিষেক করব |
| বোনের মেয়েরা | بَنَاتُ الْأَخْتِ أَرْضُعُونَ | পরিহার কর, বেঁচ চল |
| দুধ পান করিয়েছে | أَرْضُعُونَ | জ্ঞানিয়া (চান্দা :) |
| দুধ পান করানোতে | أَخْوَاتُكُمْ مِنَ الرَّضَاعَةِ | কীবার (কীবা :) |
| সম্পর্কিত বোনেরা, | | |
| দুধ বোনেরা, | | |
| নিজের ঝীর প্রথম | رَبَابٌ | |
| স্বামীর মেয়েরা, | | |
| কন্যারা | | |
| কোল, লালন- | حُجْرَة | |
| পালন, তত্ত্ববধান | | |
| তোমাদের ঘরে | فِي حُجْرَتِكُمْ | ত্রৈয়েন |
| লালিতা-পালিতা | | |
| ঝীরা | خَالِلٌ (خَالِلَةٌ) (একবচন.: خَالِلٌ) | ক্রিমা |
| উরসজাত | أَصْلَابٌ (صَلْبٌ) (একবচন.: أَصْلَابٌ) | ক্রিমা |
| দুইবোন | أَخْتَيْنِ (أَخْتٌ) মুহসিন | ক্রিমা |
| স্বাধীন মুসলিম | | |
| নারীরা যারা অন্য | | |
| কাজো বিবাহযীন | | |
| রয়েছে | | |
| বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ | مُحْسِنِينَ | |
| সৎ পুরুষ | | |
| ব্যভিচারী হিসেবে | مُسَافِحِينَ | |
| মাহর | أَجْوَرٌ | |
| সামর্থ্যাকা | طَوْلًا | |
| স্বাধীন মুসলিম | مُحْسِنِات | |
| নারীরা | | |
| মালিকানা ভুক্ত | فَتَيَاتٌ (فَتَاهٌ) (একবচন.: فَتَاهٌ) | |
| ঝীতদাসীরা | | |
| সঙ্গী, সচরিত্রা | مُحْسِنَاتٍ (مُحْسِنَاتٍ) থেকে উদ্বাগত শব্দ অর্থ দুর্গে প্রবেশ করা) | |
| ব্যভিচারিণী নয় | غَيْرِ مُسَافِحَاتٍ | |
| গোপন সম্পর্ক | أَخْذَانٍ | |
| স্থাপন করা | | |
| বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ | أَحْصَنٌ | |
| হয় | | |
| তারা করে, লিঙ্গ হয় | أَئِنْ | |
| ব্যভিচার | عَنْ | |
| ক্রকু-৫ | | |
| আদর্শসমূহ, গ্রাহিনীতি | سَنَنٌ (سَنَة) (একবচন.: سَنَة) | পার্বতী সহচর |
| কামনা-বাসনা, | شَهْوَاتٍ | পথিক, মুসাফির |
| কৃপ্তবৃত্তি | | |
| বিপথগামী হওয়া, | مَيْلٌ | |
| বুকা | | |
| প্রম্পর সম্পত্তিরে | عَنْ تَرَاضِ | |
| , সঙ্গের ভিত্তিতে | | |
| সীমা লংঘন করা, | عَدْوَانٌ | |

| | |
|---|---------------------------|
| হয় | شئ |
| তার পক্ষ থেকে | منْ لَدْنَةٍ |
| আনব, উপস্থিত করব | جِنَّا |
| তারা | هُوَلَاءُ |
| সমতল হয়, সমান হয়ে যায়, মিশিয়ে দেয়া হয় | شَوَّى |
| কথা, বিষয় | حَدِيْثًا |
| ক্রু- ৭ | |
| নিকটবর্তী হবে না, ধারে কাছেও যাবে না | لَا تَقْرِبُوا (فِي رَبْ) |
| নেশগতি | سُكَارِيٌّ |
| গোসল ফরয ইওয়া অবস্থায়, অপবিত্র অবস্থায় | جَنْبًا |
| মুসাফির, অতিক্রমকারী | عَابِرٍ |
| গোসল করেনাও | تَغْسِلُوا (غِسْل) |
| অসুস্থ | مَرْضٍ (مَرِيْضٌ :) |
| প্রস্তা-ব-পায়খানা করার স্থান | غَاطٍ |
| তোমরা স্পর্শ করেছ, সহবাস করেছ | لَامَسْتُمْ |
| তায়ামূম কর | تَيْمُومًا |
| মাটি | صَعِيدًا |
| পবিত্র | طَيْبًا |
| মাসাহ কর | إِمْسَحُوا |
| মুখমণ্ডল | وْجُوهٍ |
| মার্জনাকারী | عُفُوٰ |
| পরিবর্তন করে, বিকৃত করে | يُرَقْوَنْ |
| স্থানসমূহ (মূল অর্থ থেকে) | مَوَاضِعٍ (مَوْضِعٌ) |
| আমরা আমান করলাম, আমরা অবাধ হলাম, | عَصَيْنَا |
| শুনুন | إِسْمَعْ |
| না শোনার মত, শোনা বাতীত | غَيْرَ مَسْمَعٍ |
| বাঁকানো, বিকৃত করা | لَيْأَ |
| জিহ্বাগুলো | السِّنَةُ |
| দোষারোপ করে, তাচ্ছিল্য করে | طَعْنًا |
| সুসঙ্গত, সঠিক | أَقْوَمٌ |
| আমরা মুছে দিব, বিকৃত করে দিব | نَطَمِسُ (طِمِس) |
| মুরিয়ে দিব, উল্টিয়ে দিব | نَرْدَ (رِنْد) |

| পৃষ্ঠদেশ | أَدْبَار (دَبَر :) : একবচন. |
|--|------------------------------|
| শনিবারের সীমালঞ্চনকারী ব্যক্তিরা | أَصْحَابُ السَّبْتِ |
| কার্যকরী | مَفْعُولًا |
| সে রচনা করল, নিম্ন পর্যায়ের অপবাদ আঙোপ করল | إِفْرَارِي |
| সূতা পরিমাণ | فَتِيلًا |
| ক্রু- ৮ | |
| প্রতিমা, কাল্পনিক বস্তু | جِبْتٌ |
| তৃচ্ছ বস্তু, খেজুরের বীচির মধ্যথানে যে পাতলা সূতা থাকে | تَقْبِيرًا |
| ছালে যাবে | ضَبَّاجٌ |
| চামড়গুলি | جَلْوَدْ (جلْد :) |
| চিরকাল | أَبْدًا |
| ছয়া | ظَلَّا |
| ঘন ছয়া | ظَلِيلًا |
| অর্পন কর, সৌজ্ঞ দাও | تَوَدَّدًا |
| সৎ, উত্তম | نِعَمًا |
| দায়িত্বশীলরা, নির্দেশের অধিকারীরা | أَوْلَى الْأَمْرِ |
| পরিসমাপ্তি, পরিণতি | تَأْوِيلًا |
| ক্রু- ৯ | |
| ধারণা করে, দাবী করে | يَزْعُمُونَ (زِعْمَ) |
| তারা বিচারপ্রার্থী হয় | يَتَحَاكِمُوا |
| পাশ কাটানো, সরে যাওয়া | صَدُودًا |
| তারা শপথ করে বলে | يَخْلُفُونَ |
| না | إِنْ |
| সম্মেলন, সম্প্রৱীতি | شَوْفِيقًا |
| উপেক্ষা কর | أَعْرَضْ |
| উপদেশ দাও | عَظِ |
| হায়স্পর্তি কথা | قُولًا بِلْيَعًا |
| অতএব না তোমার | فَلَا وَرِبَكَ |
| পালনকর্তার শপথ | |
| মতভেদ করে | شَجَرَ |
| সংকীর্ণতা, কুর্তাবোধ | حَرَجًا |
| তুমি সিদ্ধান্ত দিয়েছ | قَضَيْتَ |
| তারা মেনে নিবে | سُلَمُوا |
| পূর্ণ আত্মসমর্পণ সহ | تَسْلِيمًا |
| সুদৃঢ়ভাবে, সুপ্রতিষ্ঠিতভাবে | تَبْيَانًا |
| সিদ্ধীকরণ, সত্ত্বপ্রাপ্তীগণ | صَدِيقَيْنَ |

| سماحتی، بندو | رَفِيقاً |
|---|--|
| کُلْكُ - ۱۰ | |
| اَنْهَىٰ كَر، اَبْلَغَنَ | خُذُوا |
| اَنْهَىٰ رَكْسَارَ الْبَحْثَ، نِرَاپَتَارَ الْجَنْ | حَذَرْ |
| سَرْتَكْتَامُلَكَ الْبَحْثَ | |
| بَرَ هَمْزَهَ پَدْ | إِنْفِرُوا (ن ف ر) |
| پُخْتَكَ پُخْتَكَ دَلْ | ثَبَاتْ |
| بَلَسْ بَلَسْ | يُبَلَّنْ |
| بَلَسْ بَلَسْ | ثَبَطْلَة |
| اَمَارَالْأَرْضِ | عَلِيٌّ |
| مِنْتَرَاتَا، کُونْ | مَوَدَّة |
| سَمْسَكْ، تَلَوَاسَا | |
| ہَمْ آفْسُوس | يَالِيْتَنِي |
| آمَارَ | |
| سَافَلَ | فَوْزْ |
| بَيْكِيْ کَرَنِ | يَشْرُونْ |
| تَوَمَادَرَ کِيْ هَلْ | مَا لَكْمْ |
| دُورْلَ لَوْکَرَا | مُسْتَضْعَفْنِ |
| شِنْزَرَا | وَلَدَانْ |
| تاَرَ اَخِيَّا سَرِّا | أَهْلَهَا |
| تَوَمَارَ پَكْ خَرَکَ | مِنْ لَذَكْ |
| کَوْلَلَ، چَرْکَسْ | كَيدْ |
| کُلْكُ - ۱۱ | |
| سَهْتَ رَأْخَ | كُفُوا |
| تَمْ | خَشْبَيَة |
| کَوْنَ نَمْ | لَوْلَا |
| اَبَكَاشَ، کِيْتُوكَال | أَجْلْ |
| سُوتَا پَرِيمَاَن | قَتِيلَا |
| يَخَانَمَهِ | أَيْمَا |
| پَمْجَے یَارِ، نَاغَال | يَدْرُكْ (د ر ک) |
| پَارِے | |
| دُرْ | بَرُوجْ |
| پَاكَا، سُودَچ | مَشْيَة |
| اَتَهَبَ کِيْ هَلْ | فَمَال |
| اَکَے یَارِئِیْ نَا، | لَا يَكَادُونْ |
| نِيكَتَبَرْتَیْ ہَنْ نَا | |
| تاَرَا بَوَارِے | يَفْقَهُونْ (فِقْهَةٌ : بَأْبَرِيشَيَةٌ) |
| سَمْ آنَغَتَ کَرَل | طَاعَة |
| رَأَتَرَ بَلَلَ پَرَامَرْ | بَيَتْ |
| کَرَا، گَوَانَنَ | |
| پَرَامَرْ کَرَا | |
| تاَرَا رَأَتَرَ بَلَلَ | بَيَتَنْ |
| پَرَامَرْ کَرَرَ | |
| صِنْتَبَانَانَا کَرَرَ | يَتَدَرُونْ |
| تاَرَا اَبَشَیْتَ پَتَ | لَوْجَدُوا |

| اَذَاعُوا | تَارَا رَاتِنِيَهَ دَهَرَ، تَارَا اَضَارَ کَرَرَ |
|----------------------------|---|
| يَسْتَبْطُونْ | تَهْ ثَهْ اَنْسَكَانَ کَرَرَ دَهَرَ |
| حَرَضْ | تَهْ سَاهِيَهَ کَرَرَ |
| عَسَى | |
| يَكْفَ | |
| اَشَدْ | |
| بَاسْ | |
| تَكِيلَا | |
| كَفْ | |
| تَحِيَة | |
| أَرْكَسْ | کُلْكُ - ۱۲ |
| يَصْلُونْ | عَذِيرَهَ دَهَرَ |
| حَصَرَتْ | سَنْكُوتَیْتَ هَمْزَهَ، اَنِيزْكُوكَ |
| سَلَطْ | پَرَبَلَ کَرَرَ دَلِلَنَ، شَكْتِشَالَیَهَ کَرَلِلَنَ، چَالِيَهَ دَلِلَنَ |
| تَحْرِيرْ | کُلْكُ - ۱۳ |
| رَقَبَة | مَعَذَّبَ، اَخَانَهَ اَرْثَ هَرَهَ ڈَرِیَتَادَسَ |
| دِيَة | رَكْبَلَ مُلْيَ، يَهَ كَشْتِپُورَنَ هِسَهَهَ نِيزَهَرَ اَنْزَلَیَهَ کَهَ دِيَهَهَ هَيَ |
| مُسْلَمَة | سَمَرْپَتَ هَبَهَ، پَرَدَنَ ، دِيَهَهَ هَبَهَ |
| شَهْرَينَ (شَهْرَ :) | دُوَى مَاسَ (اَكَبَانَهَ :) |
| مُتَابِعَيْنَ | لَاهَاتَارَ ، کَرَمَاجَتَ |
| مُتَعَدِّدا | اَيَّهَهَ کَتَبَ |
| ضَرِبَمْ | بَهَرَ هَنَ، سَكَرَ کَرَرَ |
| الْقَى | نِيسْكَهَ کَرَرَ، سَالَامَ دَهَرَ |
| لَسْتَ | تُوْمِنَوَ |
| عَرَضْ | سَمَضَدَ |
| مَغَانِمَ | يَعْدَلَکَ سَمَضَدَ |
| لَا يَسْتَوِي | سَمَانَ نَمَ |
| عِيْرُ اَوْلَيَ الْضَّرَرَ | اَكَمَمَ بَكْتِيَهَ ٹَهَهَ |
| | کُلْكُ - ۱۴ |
| تَوْقَى | جَانَ کَبَيَ کَرَلَ، مَعْتَلَهَ ٹَهَهَلَ |
| فِيمَا | کِيْ اَبَهَشَيَ |
| حِيلَة | تَوَاضَعَ، اَبَلَغَنَ |
| مُرَاعِمَا | سَمَحَلَاتَا، اَسْمَاعِيلَلَ |
| دَرُكْ | پَاهَهَا |

| | |
|---|--------------------------|
| অবধারিত হল, প্রতিত হল | وَقْعَ |
| করু- ১৫ | |
| হাস করবে, কম করবে, কসর করবে | تَفَصِّرُوا (فِي صَرِيف) |
| উত্তৃষ্ঠ করবে, বিপদে ফেলবে | يَقْتَنِ (فِي تَنِ) |
| তুমি থাক, তুমি হও | كُنْ |
| যেন দাঁড়ায়, দাঁড়াবে | نَهُمْ |
| হাতিয়ার, অস্ত্র | أَسْتِحْلَةٌ |
| যেন আসে | ثَاتٍ |
| আত্মরক্ষার ব্যবস্থা, নিরাপত্তার জন্য | حَذَرٌ |
| সর্তক-মূলক ব্যবস্থা | |
| তোমাদের দ্রুব্য | أَمْعَنَّكُمْ |
| সম্ভার, সাজ-সরঞ্জাম | |
| আক্রমণ করা, ঝুকে পড়া | مَيْلَةٌ |
| আকশ্মিকভাবে, একযোগে, হঠাৎ | وَاحِدَةٌ |
| বৃষ্টি | مَطْرٌ |
| ঠেখে দাও, পরিত্যাগ কর | أَنْ تَضْعُوا |
| তোমরা বিপদমুক্ত হও | إِطْمَانَنِّمْ |
| তোমরা যত্নপা পেঁয়ে থাকো | تَالْمُونَ (الْمْ) |
| তোমরা আশা কর | تَرْجُونَ |
| করু- ১৬ | |
| দেখিয়েছেন, শিখিয়েছেন | أَرَ |
| থিয়ানতকারীরা, বিশ্বাসঘাতকেরা | خَانِينَ |
| বিতর্ককারী | خَصِّيَا |
| বিতর্ক করনা | لَا تُجَابِلْ |
| থিয়ানত করে | يَخْتَلُونَ |
| থিয়ানতকারী, বিশ্বাসঘাতক | خَوَانِا |
| পাপী, গুনাহগার | أَنِيْمَا |
| তারা লুকাতে চায়, আত্মোপন করে | يَسْتَخْفُونَ |
| তারা রাতে শোপন পরামর্শ করে | بَيْتُونَ |
| অপৰাদ দেয়, দোষারোপ করে | بِرْ |
| নিরপরাধ | بَرِيْتَا |
| বহন করল | إِحْمَلٌ |
| করু- ১৭ | |
| সংকল্প করল | هَمَتْ |

| | |
|--|---------------------------------|
| শিক্ষা দিল | عِلْمٌ |
| গোপন পরামর্শ | نُجُوْيٌ |
| বিকুঢ়াচারণ করে | بِشَاقِقٌ |
| তাকে প্রবেশ করাবে, তাকে নিষ্কেপ করবে | نَصْلِهِ |
| করু- ১৮ | |
| এ ছাড়া যা (আছে) | مَادُونْ دَلِك |
| নারী জাতীয় বস্তু, মূর্তিসমূহ, দেবীরা | إِنَّا |
| অবাধ্য, বিদ্রোহী | مَرِيدًا |
| তারা ছেদ করবে, কেটে ফেলবে | بِيَتَنَ |
| কানগুলো | (إِذَانْ) (أَذْنٌ) : (একবচন.) |
| গবাদি পশু, মেষপাল | (أَنْعَامٌ) (نَعْمٌ) : (একবচন.) |
| প্রতারণা, ধোঁকা | غَرْوَرَا |
| পালাবার জায়গা | مَحِيْصَا |
| অধিক সত্ত্ববাদী | أَصْدَقٌ |
| বাক্য, কথা | قَيْلَاءٌ |
| থেজুরকণা, তিল | نَقِيرَا |
| পরিমাণ | |
| বন্ধু | خَلِيلًا |
| করু- ১৯ | |
| ফাত্তওয়া চাচ্ছে, ব্যবস্থা জিজ্ঞাসা করে | يَسْتَفْتَنُونَ |
| তোমরা আশা কর | ثَرْغُونَ |
| স্বামী | بَعْلٌ |
| বিদ্যমান | أَحْضَرَتْ |
| লোভ, কার্পণ্য | الشَّحْ |
| তোমরা আকাঞ্চা কর | حَرَصَمٌ |
| দোদুল্যমান, বুলন্ত অবস্থায় | مَعْلَفَةٌ |
| তোমাদেরকেও | إِيَّاكُمْ |
| প্রশ়্ণসিত | حَيْدَدَا |
| আনবেন | يَاتِ |
| করু- ২০ | |
| নিকটতর, সবচেয়ে বেশী অধিকারী, বেশী শুভকাঞ্চী | أَوْنَى |
| প্রযুক্তি, কামনা- বাসনা | الْهَوَى |
| ঘূরিয়ে কথা বল, মন রাখ কথা বল | تَلُوْ |
| পরিবর্থিত হয়েছে, অগ্রগামী হয়েছে | إِزْدَادُوا |
| তারা আলোচনা করে | يَخْوَصُوا |
| কথা | (বহুবচন.) حَدِيثٌ (أَحَادِيثٌ) |
| অপেক্ষা করে | يَرْبَصُونَ |
| আমরা ধিরে রাখি, | نَسْتَحْوِنَ |

| | |
|--|--|
| আমরা হিফাজত করি | |
| আমরা তোমাদেরকে রক্ষা করি | نَمْنَعُكُمْ (م ن ع) |
| কুকু- ২১ | |
| শিখিলভাবে, অলসভাবে | كُسَالِي |
| দোন্ত্যামান | مُذَبِّهِنْ |
| প্রভৃতি, দলিল | سُلْطَانْ |
| সুস্পষ্ট প্রমাণ, সুস্পষ্ট দলিল | سُلْطَانًا مَيْبَرًا |
| স্তর | الدَّرْكُ |
| সর্বনিম্ন | أَسْفَلُ |
| একনিষ্ঠভাবেগ্রহণ করে | أَخْصُوصًا |
| কি করবেন? | مَا يَفْعَلُ (টিকাঃ একই ক্রিয়ার বিভিন্ন অর্থ হয় জায়গাভেদে, পাঠকদের বিভিন্ন অর্থের সাথে পরিচিত করার জন্য আমরা এই লুগাতে শব্দগুলোর পুনরাবৃত্তি ঘটিয়েছি) |
| প্রকাশ করা | جَهْرٌ |
| মহ শক্তিশালী | قَبِيرًا |
| যথার্থ | حَقًا |
| কুকু- ২২ | |
| প্রকাশ্যভাবে | جَهْرَةً |
| বঙ্গপাত | صَاعِقَةً |
| আমরা ক্ষমা করেছিলাম | عَفْوَنَا |
| সীমালংঘন কর না | لَا تَعْدُوا |
| শুলে ঢানো | صَلْبٌ |
| বিলম্ব হয়েছিল, সংশয়াক্ষী করা হয়েছিল | شَبَّهَ (ش ب د) |
| প্রদানকারী | مُؤْتَوْنٌ |
| কুকু- ২৩ | |
| যাবুর, দাউদ (আঃ)- এর উপর অবস্থার কিতাব | زَبُورٌ |
| বর্ণনা করেছি | فَصَصَنَا (ف ص ص) |
| কথা বলা | تَكَلِّمًا |
| সুস্বাদ দাতা | مُبَشِّرُونْ |
| ভয প্রদর্শনকারী, সতর্ককারী | مُنْذِرُونْ |
| যুক্তি,বিতর্ক, অবকাশ, অজুহাত | حَجَةٌ |
| পথ | طَرِيقٌ |
| সহজ | يَسِيرًا |
| বাড়াবাড়ি কর না | لَا تَثْلِيلًا |
| হৃকুম, বাণী, নির্দেশ | كَلْمَةً |
| প্রেরণ করেন | أَلْفِي |

| তিনি | ثَلَاثَةٌ |
|--|--|
| তোমরা বিরত থাক | إِنْتَهُوا |
| কুকু- ২৪ | |
| কখনও অব্যৌকার করবে না, কখনও লজ্জাবোধ করবে না, কখনও সংকোচ করবে না | لَنْ يَسْتَكِفَ (ن ك ف) |
| অব্যৌকার করা, লজ্জা করা | إِسْتَكَافٌ |
| প্রমাণ,দলিল | بُرْهَانٌ |
| ফাতওয়া জনতে চায়, সমাধান চায় | يَسْقُنُونْ |
| দুই তৃতীয়াংশ | (এক- তৃতীয়াংশ বা ১/৩ :) ثَلَاثَةٌ |



| | |
|--|----------------------------|
| কুকু-১ | |
| (অঙ্গীকারের) বন্ধনসমূহ, চুক্ষিসমূহ | (একবচন.: عُوْدُ (عَدْ)) |
| চতুর্পদী জন্মতু | بَهِيَةٌ |
| গৃহপালিত চতুর্পদী জন্মতু | أَنْعَامٌ |
| বৈধ নয়, হালাল নয় | غَيْرِ مُحْلِيٌ |
| শিকার | صَيْدٌ |
| ইহরাম অবস্থায় | حَرَمٌ |
| তোমরা অবমাননা কর না | لَا تُحِلُّوا |
| নির্দর্শনাবলী | شَعَانِ |
| কোন সম্মানিত মাস, ইরাম মাস | الشَّهْرُ الْحَرَامُ |
| কুরবানীর পশু, যেগুলো মকায় পাঠান হত | الْهَدَى |
| যে কুরবানীর পশুগুলির গলায় কর্তবরণ পরান হয়েছে | قَاتِدٌ |
| যাত্রীরা, যারা মেতে ইচ্ছুক | أَمِينٌ |
| সম্মানিত ঘর, বাহুল্যাহ শরীফ (কাঁবাহ) | الْبَيْتُ الْحَرَامُ |
| তোমরা ইহরাম মুক্ত হবে | حَلَّمٌ |
| শিকার | اصْطَلَادُوا |
| শিকার করা | اصْطَدَادٌ (ص د) (د) |
| তোমাদের (যেন) উত্তেজিত না করে | لَا يَجْرِمَنَّ |
| শক্রতা, বিদ্রে | شَنَانٌ |
| তোমরা সহযোগিতা কর | تَعَاوَنُوا |
| জুলুম, বাড়াবাড়ি, সীমালংঘন | عَوْانٌ |
| মৃত (পশু পাথী) | مِيتَةٌ |
| (প্রবাহিত) রক্ত | دَمٌ |
| মাস | لَحْمٌ |

| শুকর | خنزير | تفصيل |
|--|----------------------|-------------------------------|
| যার উপর কাজো নাম নেয়া হয়েছে, যাকে কাজো নামে যবাই করা হয়েছে, যাকে কাজো নামে উৎসর্গ করা হয়েছে | أهْل | প্রতিনিধি, পর্যবেক্ষক |
| যাকে গলা টিপে বা শ্বাসরোধে হত্যা করা হয়েছে | مُنْذَقَةٌ | تَوْمِيَّةٌ |
| প্রহার নিহত পশু | مُوقَدَةٌ | نَفْضٌ |
| উচ্চ জায়গা থেকে পড়ে নিহত | مُرَدِّيَّةٌ | لَا تَرَالٌ |
| শিশের আঘাতে নিহত | نَطِحَةٌ | نَطْلَعُ |
| হিস্ত পশু | السَّبَعُ | اصْفَحُ |
| তোমরা পবিত্র করলে (যাকে জীবিত অবস্থায় পেয়ে আল্লাহর নাম নিয়ে যবাই করে হালাল করলে) | ذَكَّيْمٌ | أَغْرِيَّتَا |
| যবাইকৃত | دُبَحٌ | سَوْقٌ |
| পূজার মন্ডপ, দেব-দেবীর আস্তানা, বেদী | نُصْبٌ | بَصَّعُونٌ |
| তোমরা ভাগ্যনির্ণয় কর | تَسْتَقْسِمُوا | (একবচন.: স্বিল্‌) |
| জ্যো অথবা লটারীর তীর, আধুনিক যুগের লটারীও এর অর্থভূক্ত | أَزْلَامٌ | سَلَامٌ |
| নিরাশ হয়েছে | يَسِّ | مَنْ يَمْلِكُ |
| নিরুপায় হয়ে পড়ে, বাধ্য হয় (খেতে) | أَضْطَرٌ | بُهْلَكٌ |
| প্রবল ক্ষুধা | مَحْصَصَةٌ | نَحْنُ |
| যার আসঙ্গি আছে, যে ইচ্ছাকৃতভাবে ঝুঁকে পড়ে | مَنْجَافٌ | (একবচন.: أَبْنَاءُ (ابنٌ) |
| শিকারী পশু পারী | جَوَارِحٌ | أَحَبَّوْ |
| প্রশংসণপ্রাপ্ত শিকারী জন্মতু | مُكْلِبِينَ | فَلَمْ |
| তারা ধরে আনল | أَمْسَكَنَ | بَشَرٌ |
| সৎ চরিত্রা নরীরা | مُحْصَنَاتٌ | فَتْرَةٌ |
| গ্রহকারী | مَنْذُدِيٌّ () | لَمْ يُوتِ |
| | আসলে এটা ছিল | مَقْدَسٌ |
| | মُنْذُدِينَ , কিন্তু | لَا تَرَنَّوْا |
| | যেহেতু এটা | تَنْقِلُبُوا |
| | মُصَافَ , শেষ ন | جَهَارِيْنَ |
| | বাদ দেয়া হয়) | رَجَانٌ |
| কক্ষ- ২ | قُنْمَ | الْبَابُ |
| তোমরা দাঢ়াও, প্রস্তুত হও | (একবচন: রঞ্জ রঞ্জ | أَبْدَا |
| হাতগুলো | أَيْدِي | مَآ ذَاهُوا |
| কনুই | مَرَاقِفٌ | إِذْهَبٌ |
| মাথা | رَعْسٌ | قَاتِلًا |
| পাঞ্চলো | (একবচন: কুবিন | هَاهُنَا |
| গোড়ালিঙ্গলো, উভয় গোড়ালী | جَنْبَانِ | لَا أَمْلَكُ |
| বীর্যপাত বা যৌন সংস্কারের কারণে অপবিত্র অবস্থা, বীর্যপাত বা যৌন সংস্কারের কারণে যার গোসলের | | نَفْسِيٌّ |
| প্রয়োজন | | أَخْيَ |
| মলমৃত্য আগের স্থান | غَانِطٌ | أَفْرَقٌ |
| তোমরা যৌন সংস্কার করলে, স্পর্শ করলে | لَمَسْتُمْ | مُحْرَمَةٌ |
| তিনি অঙ্গীকারাবদ্ধ হলেন, গ্রহণ করলেন, শক্ত করলেন | وَأَنْتَ | أَرْبَعِينَ |
| দোজখ, অগ্নিস্তুপ | جَحِيمٌ | سَنَةٌ |
| উদ্যত হয়েছিল | هَمٌ | يَتَهْوَنٌ |
| প্রসারিত করে, বিস্তার করে | بِسْطَوْا | لَا تَأسِ |
| প্রতিহত করলেন, ফিরিয়ে রাখলেন | كَفَ | لَا تَأْشِلٌ |
| কক্ষ- ৩ | | (বহুবচন.: لَبَا (أَبْنَاءُ |
| বার (জন) | إِنْثِي عَشَرَ | (একবচন.: إِبْنٌ (|

| | |
|--|---------------------------------|
| তারা দুর্ভজন নেকট্য লাভের জন্য পেশ করল, নিবেদন করল | فَرِبَا |
| কুরবানী | فُرْبَا |
| কবুল করা হল, গৃহিত হল | نَفْلَ |
| তুমি প্রসারিত করলে | بَسْطَ |
| আমার দিকে | إِلَيْ |
| তোমার হাত | يَدَكَ |
| সম্প্রসারণকারী | بَاسِطٌ |
| তুমি অর্জন কর, তুমি বহন কর | نَبْوَءَ |
| তুমি হয়ে যাবে | نَكْوَنْ |
| প্রৱাচিত করল, উত্থন করল | طَوْعَتْ |
| সে হয়ে গেল | أَصْبَحَ |
| পাঠাল | بَعْثَ |
| কাক | غَرَابَ |
| সে গর্ত খনন করে, সে মাটি খোঁচায় | يَبْخُثُ |
| সে লুকাবে, ঢাকবে | بُوَارِيْ |
| লাশ, মরদেহ | سَوَاهٌ |
| হয়! আমার আফসোস | يَاوَيْتَى |
| আমি কি অক্ষম হলাম? | أَعْجَزْتُ |
| আমি হব | أَكُونْ |
| আমি গোপন করি, আমি লুকাতে পারি, ঢাকতে পারি | أَوَارِيْ |
| অনুত্পক্ষকারীগণ | (একবচন.: নাদিমিন) (نَادِمْ) |
| এ কারণে | أَجْلُ ذَلِكَ |
| যেন | كَلَّمَا |
| সীমা অতিক্রমকারী | مُسْرِفُونْ |
| তারা যুদ্ধ করে, সংগ্রাম করে | يُحَارِبُونْ (حَرْ (ب) |
| চেষ্টা করে, সচেষ্ট হয় | يَسْعُونْ |
| শূলবিন্দি করা হয় | يُصْلِبُونْ |
| কেটে দেয়া হয়, কেটে দেয়া হবে | نَقْطَعَ (قَطْع) |
| বিপরীত দিক | خَلَافَ |
| নির্বাসিত করা হয় | يُنْفَوْنْ |
| তোমরা সক্ষম হও | تَفِيرُوا |
| কুকু- ৬ | |
| নেকট্য লাভের উপায়, উপায়, ওয়াসীলা, মাধ্যম | وَسِيلَةٌ |
| চার | سَارِقٌ |
| মহিলা চার | سَارِقَةٌ |
| দ্রষ্টান্তমূলক শাস্তি | نَفَالًا |
| যুখসায়ুথ | (একবচন.: أَفْوَاهُ (فُوهَهَ) |
| শুনতে বেশী আগ্রহী, শুষ্ঠুচর বৃত্তির জন্য শুনে, অধিক শ্রবণকারীগণ | سَمَاعُونْ |
| অন্যান্য (যারা) | أَخْرِينْ |
| অধিক ভক্ষণকারী | أَكْلَوْنْ (اَكْل) |
| হারাম বস্তু, অবৈধ বস্তু | سَحْتَ |
| তারা বিচারক নিয়োগ করবে | يُحَكِّمُونْ |
| কুকু- ৭ | |
| ফর্কীহগণ | أَخْبَارٌ |

| | |
|--|------------------------------|
| চার্থ | عِينٌ |
| নাক | أَنْفٌ |
| কান | أَذْنَانْ |
| দাঁত | سِنَانْ |
| জখম | جُرُوحٌ |
| ন্যায়সঙ্গত প্রতিশেধ, কিসাস, সমতার বিধান | قِصَاصٌ |
| গুনাহের কাফকারা, ক্ষতিপূরণ | كَفَارَةٌ |
| ধারাবাহিকভাবে পাঠালাম, পিছনে পাঠালাম | قَيْلَنَا |
| পদাংক, পদচিহ্ন | أَثَارٌ |
| সংরক্ষক, রক্ষণাবেক্ষণকারী | مُهِيمَنًا |
| দীন, (শরীয়তের) বিধান | شِرْعَةٌ |
| কর্মগৃহ | مِهْاجَأٌ |
| কল্যাণকর কাজ | خَيْرَاتٌ |
| কুকু- ৮ | |
| বন্ধুত্ব করে, ফেরে (বন্ধুত্বের জন্য) | يَتَوَلَّ |
| ভাগ্যের বিপর্যয়, ঘূর্ণন, চক্র | دَائِرَةٌ |
| তারা শপথ করল | أَفْسَمُوا |
| সুদৃঢ়, দৃঢ়ভাবে | جَهَدٌ |
| তাদের শপথগুলো | أَيْمَانُهُمْ |
| ফিরে যাবে | بَرَدَتْ |
| বিনয়ী, নরম | أَذْلَةٌ |
| কঠোর, পরাক্রান্ত | أَعْزَةٌ |
| তিরক্ষার | لَوْمَةٌ |
| তিরক্ষারকারী | لَامٍ |
| দল, জামায়াত, সম্প্রদায় | (বছবচন.: حزْب) (أَهْرَاب) |
| কুকু- ৯ | |
| খেলা, খেলার বস্তু | لَعِبًا |
| তোমরা আহ্বান কর, ডাক | نَادِيْتُمْ |
| তোমরা ক্রটি লক্ষ্য করছ, প্রতিশেধ নিছ | تَنْقِمُونْ |
| আমি কি তোমাদের সংবাদ দিব? | هَلْ أَبْنَكْمْ (ن) (ء) |
| প্রতিদান, সাওয়াব | مَوْبِيْةٌ |
| বানর | (একবচন.: قرْد) (قَرْدَة) |
| শুকর | خَازِيرٌ |
| মর্যাদায় নির্দৃষ্ট, নির্দৃষ্ট বাসস্থান | شَرَّ مَكَانًا |
| সর্বাধিক পথপ্রদ্রষ্ট | أَضْلَلَ |
| কেন না | لَوْلَا |
| আল্লাহওয়ালা | رَبَّابِيْونْ |
| আলিম, ফর্কীহগণ | أَحْبَارٌ |
| অবরুদ্ধ, ক্রপণ | مَعْلُوْمَةٌ |
| প্রকৃতপক্ষে অবরুদ্ধ হল, সংকীর্ণ করা হল | غَلَتْ |
| উদার উন্মুক্ত, প্রশংস্ত, প্রসারিত | مَبْسُوطَانِ |
| আমরা সংগ্রহিত করেছি, সৃষ্টি করেছি | الْفَيْنَا |
| তারা প্রজ্ঞালিত করল | أَوْقَدُوا |
| যুদ্ধ | حَرْبٌ |
| নিভিয়ে দিলেন | أَطْفَأَ |
| দূর করে দেই, মাফ করে দেই | كَفَرْتَا |

| | |
|--|------------------------------------|
| مخدومپڑا ابولیحی، سنجپٹھی | مُقْتَصِّدَةٌ |
| نیکٹ | سَاءَ |
| رکو - ۱۰ | |
| رسکا کرولے | (ہابیشے) : عِصْمَهُ يَعْصِمُ |
| تومرا نও | لَسْتُمْ |
| تومرا پرستیت کر | تَقْبِيْمُوا |
| آفسوس کرنا، بیشم ہونے | لَنَاسٌ |
| ইহুদী হয়েছে | هَادُوا |
| নক্ত উপাসক, সাবী | صَابُونْ |
| চায় না, অনভিপ্রেত, পছন্দ করেনা | لَا تَهْوِي |
| তারা ধারণা করল | حَسِبُوا |
| অঙ্গ হয়ে থাকল | عَمُوا |
| বধির হয়ে থাকল | صَمُوا |
| তিনজনের মধ্যে একজন বা তিনজনের মধ্যে তৃতীয়জন, তৃতীয়ত্বাদ, তিন মাবুদে বিশ্বাসী | ثَالِثٌ ثَالِثَةٌ |
| সত্যনিষ্ঠা, পবিত্রা | صَدِيقَةٌ |
| তারা দুজনেই খাদ্যের করত | كَاتِنَانِ |
| দেখ, লক্ষ্য কর | أَنْظَرْ |
| তারা সত্য থেকে ভুল পথে পরিচালিত হয়, তাদের সত্য থেকে ফিরিয়ে দেয়া হয় | يُوْقَنُونْ |
| رکو - ۱۱ | |
| অভিসম্পাদ করা হয়েছে | لَعْنَ |
| ভাষায় | عَلَى لَسَانٍ |
| অবাধ্যচরণ করেছিল | عَصَوْا |
| সীমান্তিক্রম করে, সীমালঞ্জন করে | يَعْلَمُونْ |
| সীমান্তিক্রম করা, সীমালঞ্জন করা | إِعْتِدَاءٌ |
| তারা পরম্পরার নিয়ে করত না | لَا يَتَاهُنْ |
| নিশ্চয়ই নিকৃষ্ট | لَيْسَ |
| তুমি দেখছ | ئَرْ |
| তারা বন্ধুত্ব করছে, বন্ধুত্ব করে | يَوْلُونْ |
| আগে পাঠিয়েছে | فَدَمْتَ |
| অসম্ভূট হলেন | سَخَطٌ |
| অবশ্যই তুমি পাবে | لَتَجِدُنَّ |
| বন্ধুত্ব | مَوَدَّةٌ |
| শিক্ষিত, বিদ্঵ান, ইবাদতকারী আলিম, শ্রীষ্টিয় পদ্মী বা ধর্মগতক | فَسِيْسِيْسِينْ |
| দুনিয়া তাগী সাধু | رَهْبَانِ |
| শুনল | سَمِعُوا |
| তাদের চার্থ | أَعْيُّنُهُمْ |
| প্রবাহিত হয় | تَفْيِضُ فِي (ض) |
| অঙ্গ | دَمْعٌ |
| সাওয়াব দান করলেন, প্রতিদান দিলেন | أَثَابَ |
| رکو - ۱۲ | |
| হারাম মনে করবে না, হারাম বলে ঘোষণা করবে না | لَا تَحْرِمُوا |
| পবিত্র জিনিস | طَبِيَّاتٍ |
| অনর্থক, অসত্য | لَغْوٌ |

| | |
|---|---------------------|
| کسماں، شپथ | أَيْمَانٌ |
| تومرا دৃঢ়ভাবে করলে | عَقْدَتْ |
| খবার খাওয়ান | إِطْعَامٌ |
| মধ্যম | أَوْسَطٌ |
| تومরা কসম খেলে | حَلْفَتْ |
| মৃত্য, পূজার বেদী | أَنْصَابٌ |
| অপবিত্রতা | رَجْسٌ |
| সংরক্ষিত করবে, ঘটাবে, সংষ্টিত করবে | يُوقَعُ |
| কি? | هَلْ |
| যারা বিরত থাকে, যারা নিবৃত্ত হয় | مُنْتَهُونْ |
| তোমরা বিমুখ হলে | تَوَيَّبْتُمْ |
| رکو - ۱۳ | |
| শিকার | صَيْدٌ |
| পৌঁছানো, দেয়া, ধরা | تَنَالَ |
| বর্ণ | رَمَاحٌ |
| গৃহপালিত পশু, চতুর্পদী জন্মতু | نَعْمٌ |
| দুইজন ন্যায়পরায়ণ ব্যক্তি | ذَوَاعْدُلٌ |
| কাবায় পৌঁছাতে হবে | بَالِغُ الْكَعْبَةِ |
| অশুভ পরিণাম ভোগ করা | وَبَالٌ |
| পুনরাবৃষ্টি করল, ফিরে আসল | عَادَ |
| মুসাফির, কাফেলা | سَيَارَةٌ |
| স্থলভাগের শিকার | صَيْدُ الْبَرِّ |
| পবিত্র গৃহ, সমানিত ঘর, কাবা শরীফ | البيتُ الْحَرَامُ |
| رکو - ۱۴ | |
| ঐ উটনী যাকে ৫টি শাবক (এবং শেষবারে পুরুষ শাবক) | بَحِيرَةٌ |
| প্রসব করার কারণে কান চিরে দেব-দেবীর সম্মানে ছেড়ে দেয়া হয় | |
| ঐ উটনী যাকে ১০ টি মাসী শাবক প্রসব করার কারণে | سَائِنِيَّة |
| দেব-দেবীর সম্মানে ছেড়ে দেয়া হয় | |
| ঐ উটনী যাকে প্রথম বয়সে পর পর ২টি বাচ্চা প্রসব করার কারণে দেব-দেবীর সম্মানে ছেড়ে দেয়া হয় | وَصِيلَةٌ |
| ঐ উট যার ওরসে ১০ টি বাচ্চা জন্মানোর কারণে দেব-দেবীর সম্মানে ছেড়ে দেয়া হয় | حَامٌ |
| আমাদের জন্য যথেষ্ট | حَسْبَنَا |
| আমরা পেয়েছি | وَجَدْنَا |
| দুইজন | إِثْنَانِ |
| তোমা অবরুদ্ধ করবে, অপেক্ষমান রাখবে | تَحْبِسُونْ |
| তোমরা সন্দেহ করলে | إِرْتَبَّتْمُ |
| গুনাহগার ব্যক্তিবর্গ, পাপী | الْثَّمِينُ |
| প্রকাশ পায় | عَزَّرٌ |
| তারা দুইজন অধিকারী হল, অপরাধী হল | إِسْتَحْفَقَا |
| নিকটবর্তী দুইজন | أَوْلَيَانِ |
| নিকটবর্তী | أَنْتَيِ |
| প্রত্যাখান করা হবে, ফিরিয়ে দেয়া হবে | ثَرَدَ |
| رکو - ۱۵ | |
| কি? | مَاذَا |
| তোমাদের উত্তর দেয়া হয়েছিল | أَجِبْتُمْ |
| দোলনা, শৈশবকাল, কোল | مَهْدٌ |
| পরিষত বয়স | كَهْلًا |

| مَاتِ | طِينٌ |
|--------------------------|-----------|
| آکُتی سدْع | کَهْبَةٌ |
| تُومی فُوك دیتے | تَفْخُّ |
| تُومی نیرامی کراتے | تُبْرِیٰ |
| جننماڑ | أَكْمَةٌ |
| کُٹرگی | أَبْرَصٌ |
| آمی نیبُوت کرلما | كَفْتُ |
| خادپُور پاڑ، خادپُور ڈیل | مَائِدَةٌ |
| کُنکو - ۱۶ | |
| آمی بُلینی | مَاقْتُ |
| جتکش آمی ہیلما | مَادْمُتْ |
| رُسک، تُسکا بُدھا یک | رَقْبَ |
| ساہلی | فُوزٌ |



| کُنکو - ۱ | |
|--|-------------------------|
| سَدْعُ سُتْرِ کرلنے، سَمَكَكْ دَأْدُ کرلما (آنچاندے) | يَعْلَوْنَ |
| نِدْدِی سَمَی، نِدَارِیت مَیَاد | أَجْلٌ مَسَسَّیٌ |
| تَوْمَرَا سَدِھَ کرچ | تَمَرُونَ |
| يَارَا مُحْمَدُ فِرِیوِے نَئِی، يَارَا بِیْمُخُ هَمِی خَاکِ | مُعْرِضِیْنَ |
| اُتْرِیْسِ، شِیْسِ | سَوْفَ |
| سَبَادَسْمُحَ | أَبْنَاءُ |
| مَانَبَوَوَشَیِ، یُوگ، اَکَھِی یُوگِرِ لَوَک، ۳۰ اَخْرَی ۸۰ بَھَرِرِ سَمَی | قُنْ |
| آمَرَا پَرِتِیْتِ کَرلِھِلَام، آمَرَا شِکِی دِیْلِھِلَام | مَكْنَا |
| تِنِی پَرِتِیْتِ کَرلِھِنِ، شِکِی دِیْلِھِنِ، سَھَانِ دِیْلِھِنِ، آپُرِی دِیْلِھِنِ | مَكْنَنَ |
| مُعْلَمَدَارِے بُشتِ، پَرَلَبُشتِ بَرَسَکَارِیِ مَےْلَمُجَزِ | مَدْرَارَا |
| نَدِیِ وَ بَشَارِسْمُحَ | أَنْهَارٌ |
| پَارَمَارِشِ | ذُلُوبُ |
| آمَرَا سُتِی کَرلِھِی، ڈِیْلِھِی | أَنْشَانَا |
| کَارَاج | قَرْطَاسُ |
| سَسَرْ کَرالا، سَسَرْ کَرل | لَمَسَ |
| کَرِرِشَتَا | (بَھَرَنِ: مَلَائِکَةٌ) |
| آمَرَا سَنْسَیا چَنِنِ کَرلما، آمَرَا بِیْدَرَت کَرلما | لَبِسَنَا |
| آرَا بِیْدَرَتِ کَرلِ (نِیچِنِدِر) | يَلِبِسُونَ |
| پَرِرِئِنِ کَرل | حَاقَ |
| ہَسِی-تَامَاشا کَرل، ٹَائِٹا کَرل، بِیْکِپ کَرل | سَخْرُواً |

| کُنکو - ۲ | |
|--|-------------------------------------|
| بَرَمَ کَر | سِبِرْوَا |
| پَرِلِگَام، شَرِے پَرِلِگَام | عَاقِبَةٌ |
| سَجَ اَمَانَکَارِیِرَا، مِيْخَابَدِیِرَا | مَكْبِنِیں |
| کَارِ جَنِی؟، کَارِ (مَالِکَانَیِی؟) | لِمَنْ |
| تِیْتِ لَادَ کَرِل، بَاسَ کَرِل، اَبَسْلَمَ کَرِل | سَكَنَ |
| سَحْشِ | فَاطِرَ |
| تِنِی خَاوَیَان | بَطْعَمَ |
| تَاکِے خَاوَیَانِ هَمِی نَا | لَا يَطْعَمُ |
| آمِی اَدِسِتِ ہَمِی ہِی | أَمْرَتْ |
| رِهَسْتِ پَل | يُصْرَفُ |
| سَدِنِ | يَوْمَنْدَ |
| اَپَسَرَنَگَارِیِرَا | كَاشِفَ |
| بِیْجَیِیِ، پَرَاكِمَشَنِیِ | فَاهِرَ |
| تِپَرِلِ | فُوقَ |
| کَوَنِ، کِی جِنِیِس | أَيِّ |
| کُنکو - ۳ | |
| رَثَنَا کَرِل، بَانَال، اَپَبَادِ دِلِلِ، اَسَتَّا گَرِلَوَپَ کَرِل | إِفْتَرَى |
| کَوَخَایِی? | أَيْنَ |
| تَوْمَرَا ہَارِلَا کَرَاتِ، دَارِیَکَرَاتِ | تَزْعُمُونَ |
| خَاکِبَنِ نَا | لِمْ تَكْنَ |
| تَادِرِی فِتِنَا | فِتْنَهُمْ |
| آَلَلَهَرِ شَپَدِ | وَاللهُ |
| آَمَرَا ہَلِلَامِ نَا | مَكْنَا |
| کَانِ پَتِے رَاخِهِ، سِے کَانِ پَتِے شَوَنِے | يَسْتَمِعُ |
| پَرَّا | أَكْنَةٌ |
| اَنْبُخَابَنِ کَرَا، بَوَّا ہَا | فَقَةٌ |
| وَجَنِ، بَخِرَتَا | وَقَرَا |
| تَارَا بِتِرَکَ کَرِل | يُجَادَلُونَ |
| کَاهِنِیِ، عَوَکَثَاسِمُحَ | أَسَاطِيرُ |
| پَرَبَکَالِنِ، پَرَبَکَتِیْلِگَانِ | أَوْلَيْنَ |
| تَارَا نِیَدَهِ کَرِل | يَبْهَوْنَ |
| تَارَا بِرِتَ خَاکِ، دُرِلِ خَاکِ | يَسْتَوْنَ |
| تَادِرِ دَأْدُ کَرَانِ هَبِرِے | وَقْفُوا |
| هَمِی آمَادِرِ اَفَسَوَسِ | يَالِبَتَنَا |
| يَدِی اَمَادِرِ اَفَارَ کَرِل | ثُرَدَ |
| آمَرَا ہَتَامِ | نَكْوَنَ |
| پَرِکَشِتِ ہَلِ | (بَرَمَانِ کَالِ: بَدَا (بَيْدَوْ)) |
| اَبَشَای پُونَرَبُعِتِ کَرَبِے | لَعَادَوَا |
| يَارَا پُونَرَکِھِیتِ ہَبِرِے | مَبْعَوْنَیْنَ |
| نَیِ کِی? | أَلِیْسَ |
| کُنکو - ۴ | |
| کِیَمَاٹِ، ہَدِیِ، ہَنَٹَا، مُھَرْتَ | سَاعَةٌ |
| اَکَسَمَاءِ، هَتَاءِ | بَشَّةٌ |
| هَمِی آفَسَوَسِ اَمَادِرِ جَنِ | يَاحَسَرَتَنَا |
| آمَرَا بُلِ کَرلِھِی | فَرَطَنَا |
| بَهَنِ کَرَبِے | يَحْلَوْنَ |
| بَوَّا سَمُحَ، گُنَاهَسِمُحَ | (اَکَبَنِ: اوْزَارُ (وَزَرَ)) |

| پرچم لے | ظہور |
|--|------------------------------|
| یا تارا بہن کرائے | مَأْيُزِرُونْ |
| کوئی توک، تاماشا | لُهُو |
| مانگتے اسیکار کرائے | يَجْحَدُونْ |
| �اری، کستکر، بड | كَبَرٌ |
| تُرمی سماں ہو، سکھم ہو | إِسْطَعَتْ |
| تُرمی انہوں کام کر | تَبْتَغِي |
| کوئی سوڈک | نَفْقَا |
| سینڈی | سَلَمَا |
| بیچوں شیل جست | ذَآبَةٌ |
| پاہی | طَافِيرٌ |
| ٹردے | بَطِيرٌ |
| تاڑا دھیڈنے کا | جَاهِيَهٌ |
| دل، عزم، جاتی اور جاتی | (اَمَّ مَأْمَ) (اَمَّ اَمَّ) |
| آٹھاہ یا کے چان یا یا کے ایسے کرنے | مَنْ يَشَاءُ اللَّهُ |
| تاکے شد | إِيَاهٌ |
| تینی دڑ کرنے | يُكْشِفُ |
| کرکو-۵ | |
| نہتر پرکاش کرنے، بینوں کے ساتھ پر ایڈن | يَتَضَرَّعُونْ |
| کرنے | |
| کہننا | لُوْلَا |
| آمادے کے شاہی | بَاسْنَا |
| سُوشیت کرنے ہیل، سُوشیت کرنا ہوئے | رُزَيْنَ |
| تاڑا بُولے گل | نَسْوَا |
| تاڑے کے عوامی دے یا ہوئے ہیل | مَا نَذَرُوا |
| تاڑا ٹھسیت ہل، احمدیکا یا ملے ٹھل | فَرَحُوا |
| نیروں ہوئے گل | مُبِيسُونْ |
| کے ٹے دے یا ہل | فَطَعَ |
| مُل، شکڈ | دَابِرٌ |
| سرو یا یا، بیوی یا یا | يَصْدُفُونْ |
| آٹھاہر ہن تاڈا رام ہو | خَازِنُ اللَّهِ |
| آمی جانی نا | لَأَعْلَم |
| گوپن جنیس، ادھی | غَيْبٌ |
| آمی بولنی نا | لَأَقْوَلُ |
| سمان ہوئے کی? | هُلْ يَسْتَوِي |
| اک | أَعْسَى |
| چکھاں، دارک | بَصِيرٌ |
| کرکو-۶ | |
| تُرمی سوتکر کر | أَنْذَرٌ |
| درے ساری دیو نا | لَأَنْتَرُ |
| سکال | عَذَوَهُ |
| سکلا | عَشَيْ |
| تاڑ سمنٹی | وَجْهَهُ |
| تاڑا ٹپر نی | مَاعَلَكَ |
| آمرا پریکھا کرنے | فَتَّا |
| سُوپٹ بابے پرکاشیت ہو | تَسْبِيْنَ |
| کرکو-۷ | |
| آمکے نیوہ کرنا ہوئے | نَهِيَتٌ |
| تاڑا تاڈا تاڈی چاہیز ہا کرائے | شَسْتِيجَلُونْ |

| إن الحكْمُ |
|------------------------------------|
| فَهُمْ سَالَارُونَ الْمُهَاجِرُونَ |
| سُرْبِیَّا، سُرْبِیَّا |
| أَنْتَمُ الْفَاصِلُونَ |
| مَقْتَاحٌ |
| مَقْتَاحٌ |
| مَأْسَطٌ |
| وَرْقَةٌ |
| رَطْبٌ |
| يَابِسٌ |
| جَرَحْتُمْ |
| حَفَظَةٌ |
| لَا يُفَرِّطُونَ |
| أَسْرَعَ |
| تَضَرَّعًا |
| خُلْقٌ |
| كَرْبٌ |
| يَلِسٌ |
| شَيْعًا |
| لَذْقٌ |
| لَسْتَ |
| يَحْوُصُونَ |
| إِمَّا |
| يُسْبِيْكَ |
| لَقَدْ |
| بَعْدَ النِّكْرَى |
| دَرْ |
| غَرَّتْ |
| أَنْ تُبْشِلَ |
| شَكْيَّ |
| تَشَدَّلَ |
| كُلَّ عَذَلٍ |
| أَبْسِلُوا |
| شَرَابٌ |
| حَبِيمٌ |
| أَلْيَمٌ |
| أَنْدُعَوا |
| تَرَدَّ |
| أَعْقَابٌ |
| إِسْتَهْوِيَّةٌ |
| حِيرَانٌ |
| أَصْحَابٌ |
| إِنْتَنَا |
| كَنْ |
| فَيْكُونَ |
| لَيْفَخُ |
| صُورٌ |

| | |
|---|---------------------|
| আয়ার, হ্যারত ইবরাহীম (আঃ)-এর বাবার | أَبِّ |
| নাম | أَصْنَامًا |
| মৃত্যুলো | أَرَاثَ |
| আপনাকে দেখছি | أَرَأَتُ |
| আমরা দেখাই | أَرَيْ |
| সাম্রাজ্য | مَلْكُوت |
| সম্মান হল | جَنْ |
| দেখল | رَا |
| একটি তারা (উজ্জ্বল) | كَوْبَابًا |
| অস্তিত্ব হল | أَفَ |
| অস্তগামীগণ | أَفِيلِينَ |
| চাঁদ | قَمَرٌ |
| উদীয়মান (উজ্জ্বল) | بَازْ عَا |
| সূর্য | شَمْسٌ |
| আমি মুখ ফিরালাম | وَجْهٌ |
| একনিষ্ঠভাবে, সুস্থভাবে, একাগ্রচিত্তে | حَنْقَا |
| কুকু- ১০ | فَرِيقِينَ |
| অধিক মোগা, অধিক দাবীদার | أَحْقَ |
| নিরাপত্তা, শান্তি | أَمْنٌ |
| মিশ্রিত করে না | لَمْ يَلْبِسُوا |
| কুকু- ১১ | |
| তারা শিরক করল, অংশীদার সাব্যস্ত করল | أَسْرَكُوا |
| আমরা দায়িত্ব অর্পণ করলাম, নির্দিষ্ট | وَكَانَا |
| করলাম | |
| অনুসরণ কর, ইকত্তিদা কর | إِقْتَدَه |
| কুকু- ১১ | |
| তারা যথার্থ মর্যাদা দিল না, তারা সম্মান | مَاقِرُوا |
| করল না | |
| কাগজসমূহ | قَرَاطِيسٌ |
| অর্থহীন আলোচনা, বিতর্ক | خُوضٌ |
| সত্ত্ব প্রমাণকারী | مُصْدِقٌ |
| পূর্ববর্তী, তার পূর্বে ছিল | بَيْنَ يَدِيْ |
| তুমি সতর্ক কর | تُنذِرُ |
| জনপদসমূহের কেন্দ্র, মকাবাসী | أَمُّ الْفَرَارِ |
| আশে-পাশে | حَوْلٌ |
| যজ্ঞ, কর্তৃতা | عُمَرَاتٌ |
| প্রসারিত করে | بَاسِطُوا |
| অবমাননাকর | هُونَ |
| আমাদের কাছে তোমরাও এসেছ, তোমরা | جِئْتُمُونَا |
| আমাদের কাছে এসেছ | |
| নিঃঙঙ্গ, একাকী | فَرَادَى |
| প্রথম বার | أَوْلَ مَرَةٍ |
| আমরা দিয়েছি | خَوَلَا |
| তোমরা ধারণা করতে | رَعَمْتُمْ (رَعَمْ) |
| কুকু- ১২ | |
| (তিনিটি) বিদীর্ঘকারী | فَالِقُ |
| বীজ, ঝাঁটি | الثُّوى |
| ভোরের আলো, প্রভাত | إِصْبَاحٌ |

| | |
|---|------------------------------------|
| শান্তি, আরাম | سَكَنًا |
| হিসাব নির্দেশক | حُسْنًا |
| নির্ধারিত পরিমাণ | تَقْبِيرٌ |
| নক্ষত্রাজি | (একবচন.:) نُجُومٌ (نَجْمٌ) |
| সৃষ্টি করলেন | أَنْشَأَ |
| আবাসস্থল | مُسْنَقَرٌ |
| সংরক্ষণাগার | مُسْتَوْدَعٌ |
| উড়ি | نَبَاتٌ |
| সবুজ (ক্ষেত ও বৃক্ষ) | خَضْرًا |
| শস্যদানা, বীজ | (বহুবচন..:) حَبَّا (حَبْبٌ) |
| ঘনসন্ধিষ্ঠিত | مُتَرَابِيًّا |
| থেজুর | نَحْلٌ |
| থেজুর গাছের মোচ | طَلْعٌ |
| ফলের গুচ্ছ, থেজুর থোকা | فَلْوَانٌ |
| নুঘে থাকে, নিকটবর্তী | دَائِنَةٌ |
| আঙুর | أَعْبَابٌ |
| যাইতুন ফল | (একবচন:) زَيْنُونٌ (زَيْنَوْنَةٌ) |
| আনার, ডালিম, বেদানা | رَمَانٌ |
| সদৃশ | مُشَتَّبِهَا |
| ফল | ثَمَرٌ |
| ফলবর্তী হল, ফল জন্মে | أَثْمَرٌ |
| তা পাকে | يَنْعِعٌ |
| পাকা | بَعْ |
| তারা সাব্যস্ত করল, তারা রচনা করল | خَرْفَوْا |
| ছেলে | بَنِينَ |
| মেয়ে | بَنَاتٌ |
| সমূন্ত, উচ্চ | تَعَالَى |
| (তা) হতে যা | عَمَّا |
| তারা বর্ণনা করে, তারা রচনা করে | يَصْفُونَ (و ص ف) |
| কুকু- ১৩ | |
| আবিষ্কারক, স্মৃষ্টা | بَدِيعٌ |
| কিভাবে | أَنَّى |
| নাই | لَمْ تَكُنْ |
| সঙ্গনী, স্ত্রী | صَاحِبَةٌ |
| এই (হচ্ছেন) | ذَلِكُمْ |
| সম্পাদনকারী, কার্যনির্বাহক, তত্ত্বাবধায়ক | وَكِيلٌ |
| তাকে পেতে পারে না | لَا تَدْرِكُ |
| পাওয়া | إِدْرَاكٌ |
| চোখ | أَبْصَارٌ |
| সুস্ফুর্দ্র | لَطِيفٌ |
| তুমি পড়লে, পড়া শিখলে | دَرَسْتَ |
| বিশ্ব হও, উপেক্ষা কর | أَعْرَضْ |
| দুর্বার্য বল না, গাল-মন্দ কর না | لَا تَسْبُوا |
| কি তোমাদের বোধগম্য করাবে? | مَا يُشَعِّرُكُمْ |
| পালিয়ে দিবে, পরিবর্তন করে দেবে, | نَقْبَلُ |
| ক্ষিরঝে দেবে | |
| অস্তরগুলো | أَفْدَدَةٌ |
| প্রথম বার | أَوْلَ مَرَةٍ |

| | |
|----------------------------------|------------------------------|
| বিদ্রোহিতা, অবাধ্যতা | طغيان |
| তারা উদ্ভাস্ত হয়ে ফিরবে | يَعْمَهُونَ |
| ক্লকু- ১৪ | |
| সামনাসামনি | فِيلًا |
| মুর্বতা দেখায় | بِجَهَلٍ |
| শক্র | (বৃহত্বল.: أَعْدَاءُ عَدُواً |
| ষর্ষ, লোভনীয়, চাকচিক্যময় | رُخْرُفٌ |
| ধোকা, অতারণা | غُرُورًا |
| ছেড়ে দাও | ذَرْ |
| অনুবৃত্ত হয়, আকৃষ্ট হয় | تَصْنَى |
| তারা অপকর্ম উপার্জন করে | يَقْتَرِفُونَا |
| দুষ্কৃতিকারী, অপকর্ম উপার্জনকারী | مُقْتَرِفُونَ |
| আমি অনুসন্ধান করব | أَبْتَغِي |
| আদেশদাতা, বিচারক | حَكَمًا |
| সুত্পষ্ঠ, বিস্তারিত | مُفْصَلًا |
| পরিপূর্ণ হয়েছে | تَمَّتْ |
| কথাশূলো | كَلْمَة |
| সত্তা | صِدْقًا |
| সুবিচার, ন্যায়পরায়নতা | عَدْلًا |
| পরিবর্তনকারী | مُبْدِلٌ |
| অনুমান করছে | يَخْرُصُونَ |
| স্মরণ করা হল, নাম নেয়া হল | ذَكَرْ |
| বিশদরাপে বর্ণনা করেছেন | فَصَلٌ |
| প্রয়োচনা দেয় | يُوْحُونَ |
| ক্লকু- ১৫ | |
| সে চলে | يَمْشِي |
| বড়, প্রধানগণ | أَكَبِيرٌ |
| অপরাধীগণ | مُجْرِمِيهَا |
| আমাদেরকে দেয়া হবে | نُؤْتِي |
| অধিক জ্ঞাত, খুব জানেন | أَعْلَم |
| অপমান, অধঃপতন, লাঞ্ছনা | صَفَارٌ |
| খুলো দেন, প্রসারিত করে দেন | يَسْرَاحُ |
| হানয়, বক্ষ | صَدْرٌ |
| সংকীর্ণ | ضَيْقَا |
| সংকীর্ণ, কষ্ট, ক্লদ | حَرْجٌ |
| যেন | كَائِمًا |
| সে আঝোহন করছে | يَصْنَعُ |
| অপবিত্রতা | رَجْسٌ |
| শাস্তির ঘর | دَارُ السَّلَامِ |
| হে দল, সম্প্রদায়, সমাজ | يَامَشَشِرٌ |
| আস্থাদন করল | إِسْتَمْتَعْ |
| আমরা পৌঁছেছি | بَلَقْنَا |
| তুমি নিশ্চারিত করেছিলে | أَجْتَ |
| ঠিকানা, বাসস্থান | مَثْوَى |
| ক্লকু- ১৬ | |
| তোমাদের কাছে আসবে | يَأْتِكُمْ |
| বর্ণনা করত | يَقْصُونَ |
| আমরা সাক্ষাৎ দিচ্ছি | شَهَدْنَا |

| | |
|--|-------------------------|
| ধর্মসকারী | مُهَاجِك |
| করুণাময় | دُوْ الرَّحْمَة |
| স্থলাভিষিঞ্চ করতে পারেন, প্রতিনিধি করবেন | يَسْتَخْلِفُ |
| নিশ্চয়ই আগমনকারী, অবশ্যই আসবে | نَاتٌ |
| পৌঁছে | يَصِيلُ |
| তারা ধর্মস করে | يَرْدُو |
| দুর্বোধ্য করে দিচ্ছে, তেজাল করছে, মিলাচ্ছে | يَلِيسْوَا |
| নিষিদ্ধ, সুরক্ষিত | حِجْرٌ |
| তারা মিথ্যা রচনা করে | إِفْرَاءٌ |
| পুরুষগণ | ذُكُورٌ (ذَكَرٌ): একবচন |
| বর্ণনা করা, বিশ্বেষণ, গুণ, বিশেষণ | وَصْفٌ |
| নির্বৃক্ষিত, মোকামী | سَقْفًا |
| ক্লকু- ১৭ | |
| মাচার উপর উঠান লাতা বা গুল্ম | مَعْرُوشَاتٌ |
| ফসল কাটা, ফসল সংগ্রহ করা | حَصَادٌ |
| ভারবাহী জন্ম | حَوْلَةٌ |
| ছেট জাতের জন্ম | فَرَشاً |
| আট | ثَمَانِيَةٌ |
| জোড়া, দম্পত্তি, প্রকার | أَزْوَاجٌ |
| ভেড়া, মেষ (শ্রীর) | ضَلٌّ |
| ছাগল (শ্রীর) | مَعْرٌ |
| দুটি পুরুষ পশু | ذَكَرِيْن |
| দুটি মাদী পশু | أَثْثَيْن |
| বহন করে আছে, ধারণ করেছে | إِشْتَمَلَ |
| মিলিত হল | مَلِلَ |
| গর্ভসমূহ (অর্থাৎ বাচ্চা) | أَرْحَامٌ |
| উট (শ্রীর) | إِبْلٌ |
| ক্লকু- ১৮ | |
| আমি পাইনি | لَا أَجِدُ |
| যা হারাম করা হয়েছে, নিষিদ্ধ, হারামকৃত, | مُحَرَّماً |
| নিষিদ্ধকৃত | |
| খাদ্য গ্রহণকারীর উপর | عَلَى طَاعِمٍ |
| রক্ত | دَمًا |
| প্রবাহিত | مَسْفُوحًا |
| অবিভক্ত খুরবিশিষ্ট পশু, নথরবিশিষ্ট পশু | لَوْيٌ ظَفَرٌ |
| ছাগল | غَنْمٌ |
| চর্বি | شَحْوُمٌ |
| অৱ্র, নাড়ী-ভুঁড়ি | حَوَابِيَا |
| সংযুক্ত হয়, মিলিত হয়ে থাকে | إِخْتَلَطٌ |
| হাড় | عَظْمٌ |
| সুস্থিত ও ব্যাপক | وَاسِعَةٌ |
| তোমরা মিথ্যা রচনা কর, কল্পনা কর | تَخْرُصُونَ |
| পরিপূর্ণ ও চূড়ান্ত যুক্তিপ্রমাণ | الْحُجَّةُ الْبَالِغَةُ |
| উপর্যুক্ত কর, আন, নিয়ে আস | هَلْمٌ |
| ক্লকু- ১৯ | |
| দারিদ্র্যনির্মজ্জিত হবার ভয়, দারিদ্র্য | إِمْلَاقٌ |

| তাদেরকেও | إِيَّاهُمْ |
|--|--------------------|
| যা প্রকাশ | مَظْهَرٌ |
| যা অপ্রকাশ, গোপন | مَبْطَنٌ |
| বয়়স্থান্ত হওয়া, পূর্ণ শক্তি ও সামর্থ্যের বয়স | أَشْدَدٌ |
| পূর্ণ দাও | أَوْفُوا |
| পরিমাপ, পাত্রের মাপ বিশেষ | كِيلٌ |
| ওজন, পাল্লা | مِيزَانٌ |
| ন্যায়পরায়ণতা | قِسْطٌ |
| ক্রকু- ২০ | |
| তোমরা যেন না বল | أَنْ تَقُولُواْ |
| অধ্যয়ন, পঠন ও পাঠন | دِرَاسَةٌ |
| অধিক হিদায়াত প্রাপ্তি | أَهْدِيٌ |
| অধিকতর যাত্রিম | أَظْلَمٌ |
| দূরে সরে গেল, অমান্য করল, বিমুখ হল | صَدَفٌ |
| তারা পাশ কেটে যায়, তারা মুখ ফেরায় | يَصْنُدُونَ |
| তুমি নও | لَسْتَ |
| সৎ কর্ম, ভাল কাজ, নেকী | حَسْنَةٌ |
| দশ গুণ (সাওয়াব) | عَشْرُ أَمْتَالٍ |
| সুপ্রতিষ্ঠিত ধীন | دِيَنًا قِيمًا |
| কুরবানী, ইবাদতের পদ্ধতি, আত্মত্যাগ | سُكْنَى |
| আমার জীবন | مَحْيَايٍ |
| আমার মরণ | مَمَاتِيٍّ |
| বোবা বহন করবে না | لَا تَثْرِزْ |
| বোবা বহনকারী | وَازْرَةٌ |
| বোবা | وزْرٌ |
| প্রত্যাবর্তন | مَرْجِعٌ |
| প্রতিনিধি, খলিফা | خَلِيفَةٌ |
| সত্ত্বের শাস্তি প্রদানকারী, শাস্তিদানে তৎপর | سَرِيعُ الْعِقَابٍ |

| জীবিকা নির্বাহের উপায়গুলো | معايش |
|---|---------------------|
| ক্রকু- ২ | |
| অধম, অপমানিত, নিচ | صَاغِرِينَ |
| অবকাশ দিন | أَنْظَرْ |
| তাদেরকে পুনরুদ্ধিত করা হবে, উঠানে হবে | يَبْعَثُونَ |
| যারা অবকাশপ্রাপ্ত | مُنْظَرِينَ |
| পথস্ত করেছেন | أَسْوَيَتْ |
| আমি অবশ্যই ওৎ পেতে বসে | أَقْعَدْ |
| থাকব | |
| ডান দিক | أَيْمَانٌ |
| বামদিক | شَمَائِلٌ |
| আপনি পাবেন না | لَا تَجِدُ |
| লাহুত, ধৃত | مَدْعُومًا |
| বিতাড়িত | مَدْحُورًا |
| আমি পূর্ণ করব | أَمْلَأْنَ |
| গোপনীয় করা হয়েছিল, আবৃত ছিল | وُرْيٌ |
| লজ্জাহান, দেহের যে অংশগুলো আবৃত থাকা উচিত | سُوَاتْ |
| শপথ করল | قَاسِمَ |
| অথপতন ঘটাল, প্রতারিত করল | ذَلِي |
| প্রকাশ পেল | بَدَتْ |
| তারা আবৃত করে, জোড়া দেয় | يَحْصِفَانَ |
| পাতা | وَرْقٌ |
| ক্রকু- ৩ | |
| শোভা বর্ধন করলে | رِيشَةً |
| আলাহভীকৃতার পোশাক, তাকওয়ার পোশাক | لِبَاسُ التَّقْوَىٰ |
| সে (শয়তান) যেন তোমাদের প্রতারিত করতে না পাই, সে (শয়তান) যেন তোমাদের ফিতনায় ফেলতে না পাই | لَا يَقْبَلُوكُمْ |
| খুলে ফেলে | يُنْزَعُ |
| তার দলবল, তার বৎশ | قَبِيلَهُ |
| ছির রাখ, প্রতিষ্ঠিত কর | أَقْبِيْوُا |
| প্রত্যেক মসজিদ | كُلَّ مَسْجِدٍ |
| তোমরা (তেমনি) আবার ফিরে আসবে | تَعُودُونَ |
| ক্রকু- ৪ | |
| তারা বিলম্বিত করতে পারবে না | لَا يَسْتَأْخِرُونَ |
| তারা ত্বরান্বিত করতে পারবে না | لَا يَسْتَقْدِمُونَ |
| তারা পালিয়ে গেছে, তারা লুকিয়ে গেছে | ضَلَّوْا |
| তার সম (দল), তার স্বজাতি | أَخْتَهَا |
| তারা সম্মিলিত হল, তারা পরম্পরাকে অনুসরণ করল | إِذَارَكُوْا |
| ক্রকু- ৫ | |



| ক্রকু-১ | |
|---|------------|
| (যেন) না হয়, না থাকে | لَا يَكُنْ |
| কোন সংকীর্ণতা, কষ্ট, সংকোচ, অসুবিধা | حَرَجٌ |
| আমাদের শাস্তি | بَاسْنَةٌ |
| রাতের বেলায় | بَيَّنَّا |
| দুপুরে বিশ্বামগ্রহণকারী, দিবা নিদ্রায় বিভোর | قَاتِلُونَ |
| সে দিন | يَوْمَنِ |
| ভারী হল | ثَقْتَ |
| (নেকীর) পাল্লা | مَوَازِينَ |
| হালকা হল | خَفْتَ |

| | |
|---|---------------------|
| সে (শয়তান) যেন তোমাদের প্রতারিত করতে না পাই, সে (শয়তান) যেন তোমাদের ফিতনায় ফেলতে না পাই | لَا يَسْتَأْخِرُونَ |
| খুলে ফেলে | يُنْزَعُ |
| তার দলবল, তার বৎশ | قَبِيلَهُ |
| ছির রাখ, প্রতিষ্ঠিত কর | أَقْبِيْوُا |
| প্রত্যেক মসজিদ | كُلَّ مَسْجِدٍ |
| তোমরা (তেমনি) আবার ফিরে আসবে | تَعُودُونَ |
| ক্রকু- ৪ | |
| তারা বিলম্বিত করতে পারবে না | لَا يَسْتَأْخِرُونَ |
| তারা ত্বরান্বিত করতে পারবে না | لَا يَسْتَقْدِمُونَ |
| তারা পালিয়ে গেছে, তারা লুকিয়ে গেছে | ضَلَّوْا |
| তার সম (দল), তার স্বজাতি | أَخْتَهَا |
| তারা সম্মিলিত হল, তারা পরম্পরাকে অনুসরণ করল | إِذَارَكُوْا |
| ক্রকু- ৫ | |

| | | |
|---|------------------|-------------------------|
| খোলা হবে না | لَ تُفْتَحُ | سَقَاهُ |
| প্রবেশ করে | يَأْتِي | بَلِّ مَيْتٍ |
| উট | جَمْلٌ | الْبَلَدُ الطَّيِّبُ |
| সুঁচের ছিদ্র | سَمَّ الْخَيَاطِ | نَبَاتٌ |
| পর্দা, চাদর, আচ্ছাদনসমূহ | غَوَاشٌ | نَكِدًا |
| আমরা দূর করে দিলাম | نَرَعْنَا | رَسَالَةٌ (رسَالَةٌ) |
| বিদ্রে, দীর্ঘ | غَلٌ | أَصْحَاحٌ (نَصِيْحَةٌ) |
| তাদের ডাকা হবে, তাদের ডেকে বলা হবে | نُودُوا | عَجِيْبٌ |
| ডাকল, ডেকে বলল | نَادَى | قَوْمًا عَمِيْنِ |
| হ্যা | نَعْمٌ | عَادٌ |
| যোক্ষণ করবে | أَذْنَ | مَلَّا |
| এক ঘোষক | مُؤَذِّنٌ | سَقَاهَةٌ |
| বক্রতা | عَوَاجًا | نَظَنٌ |
| পর্দা | حِجَابٌ | نَاصِحٌ |
| উচ্চ স্থান, জান্মাত ও জাহানাম পৃথককারী উচ্চ স্থানগুলি। যাদের ভাল কাজ ও খারাপ কাজ সমান হবে তারা এই স্থানগুলিতে এক নির্দিষ্ট সময়ের জন্য অবস্থান করবে। | أَعْرَافٌ | سَمَيْنُوا (سَمَيْنَةٌ) |
| চিহ্ন | سِيمَا | أَسْنَاءُ (إِسْمٌ) |
| তারা আকাঞ্চা করে বা করবে | يَطْمَعُونَ | سَمَيْنُوا (سَمَيْنَةٌ) |
| ফিরান হয় | صَرْفَتْ | دَابِرٌ |
| দিকে | تِلْفَاءٌ | أَلَاءٌ |
| ক্রকু- ৬ | | وَقْعٌ |
| কাজে আসল না | مَا أَعْنَى | رَجْسٌ |
| সৌজন্যে না | لَا يَنْالُ | أَسْنَاءُ (إِسْمٌ) |
| তোমরা ঢেলে দাও | أَفْيَضُوا | تَحْسِنُونَ |
| আমরা ভুলে যাব, উপেক্ষা করব | نَسْسَى | قُصُورٌ (قُصْرٌ) |
| আমাদের জন্য কি কেউ আছে? | هُلْ لَنَا | تَحْسِنُونَ |
| আমাদের আবার ফিরিয়ে পাঠান হয়, পুনঃপ্রেরিত হই | رُزْدَ | جَبَلٌ (جَبَلٌ) |
| ক্রকু- ৭ | | بَيْوتٌ (بَيْتٌ) |
| ছয় দিন/ সময়ের নির্দিষ্ট বিভাগ/ কালের একটি অধ্যায় | سِنَّةُ أَيَّامٍ | لَ تَعْنُوا |
| তিনি আচ্ছাদিত করেন | يُعْشِنِي | أَسْتَصْفِعُوا |
| সে অনুসরণ করে, সে খোঁজে | يَطْلَبُ | مُرْسِلٌ |
| দ্রুতগতিতে, তাড়াতাড়ি | حَتَّيْنَا | عَفْرَوْا |
| অধীনস্থ করেছেন | مُسْخَرَاتٍ | عَنْوَا |
| অপরিসীম বরকতময় | تَبَارَكٌ | إِنْتَنَا (ب) |
| বিনোত্তরাবে, বিনয়ের সাথে | تَصْرَعًا | ثَعِيدٌ |
| গোপনে | خَفْيَة | مُرْسِلِينَ |
| আশার (সাথে) | طَمَعًا | رَجْفَةٌ |
| বায়ুবাশি | رِيَاحٌ | جَائِمِينَ |
| সুস্বাদ স্বরপ | بَشَرًا | |
| বহন করল | أَقْتَ | |
| মেঘমালা | سَحَابًا | |
| ভারী | تَفَلًا | |

| | |
|--|----------------|
| বা অধোমুখী হয়ে পড়ে থাকল | |
| সে মুখ ফিরিয়ে নিল | تَوَلَّ |
| তোমরা কর | ثَأْنُونَ |
| পূর্ব করেনি | مَا سَبَقَ |
| কেউ | مِنْ أَحَدٍ |
| লোক | أَنَاسٌ |
| যারা অতি পবিত্র থাকতে চায় | يَنْطَهِرُونَ |
| পক্ষাদবর্তীগণ, পিছনে | غَابِرِينَ |
| অবস্থানকারীগণ | |
| আমরা বৃষ্টি বর্ষণ করেছিলাম | أَمْطَرْنَا |
| (পাখ)বৃষ্টি | مَطْرٌ |
| ক্রকু-১১ | |
| মাদ্যইয়ান, একটি জায়গার নাম যেখানে শুয়াইব (আঃ)-কে পাঠানো হয়েছিল | مَدِينٌ |
| কম দিও না, ঠিকও না | لَا تَبْخُسُوا |
| (প্রাপ্ত) দ্রব্য | أَشْبَاعٌ |
| তোমরা শুভ পেতে বসে থাকবে না, তোমরা বসবে না | لَا تَعْدُونَا |
| তোমরা ভয় দেখাও, ওয়াদা কর | تُوْعِدُونَ |
| তোমরা বাধা দাও | تَصْدُونَ |
| পরিবর্ধিত করেছেন, আধিক্য দিয়েছেন | كَثُرٌ |
| তোমরা অবশ্য ফিরে আসবে | لَتَعُودُنَّ |
| শূন্যকারী, অপচল্দকারী | كَارِهِينَ |
| আমরা মিথ্যা অপবাদ দিলাম | إِفْرِيَّنَا |
| আমরা ফিরে আসলাম | عَدْنَا |
| তারা কথনও বসবাস করেনাই | لَمْ يَغْنُوا |
| আফসোস করব, দুঃখ করব, আক্ষেপ করব | أَسَى |
| ক্রকু-১২ | |
| তারা পরিবর্ধিত হল, তারা প্রাচুর্য লাভ করল | عَفْوًا |
| নিঃশক্ত হল, নির্ভয় হল, নিরাপদ হল | أَمْنٌ |
| নিপ্তি, ঘূষ্ট | نَاتِمُونَ |
| দিনের প্রথম প্রহর | ضُحْيٌ |
| কৌশল | مَكْرٌ |
| ক্রকু-১৩ | |
| যার জন্য এটা (বলা) সঠিক, বাস্তব | حَقِيقٌ |
| নিষ্কেপ করল | أَقْتَلَ |
| অঙ্গর | تُعْبَانَ |
| টেনে বের করল | نَزَعَ |
| শুন্দোজ্জল | بِيَضَاءُ |
| ক্রকু-১৪ | |
| কি? | مَاذَا |
| তাকে অবকাশ দাও | أَرْجَةً |

| مَدَائِن | حَاسِرِينَ (ح ش ر) |
|---|--------------------|
| শহরগুলো | حَاسِرِينَ |
| সঞ্চকারীগণ, যোবকগণ, সমবেতকারীগণ | (ح ش ر) |
| যাদুকর | سَاحِرٌ |
| সুদৃঢ়, অভিজ্ঞ | عَلِيمٌ |
| যাদুকররা | سَحَرَةٌ |
| কিংবা, অথবা | إِمَّا |
| যে | أَنْ |
| তুমি নিষ্কেপ কর | تَلْقَى |
| নিষ্কেপকারী | مَلْقُونَ |
| তোমরা নিষ্কেপ করল | الْفُوا |
| যাদু করল, সম্মোহিত করল | سَحَرَوْا |
| চাখসমূহ | أَعْيُنٌ |
| আত্মকিত করল | إِسْتَرْهَوْا |
| উপস্থিত করল, নিয়ে আসল | جَاعِوْا |
| নিষ্কেপ কর | أَلْقَ |
| গিলে ফেলে | تَلْقَفَ |
| তারা ক্রতিম সৃষ্টি করল, তারা অলীকতা সৃষ্টি করল | يَافِونَ |
| বৰ্ষ, মিথ্যা প্রমাণিত হল | بَطْلٌ |
| তারা প্রার্জিত হল | غَلِيُّوا |
| সেখানে | هَنَالِكٌ |
| নিপত্তি হল, নুইয়ে দিল | الْقَيْ |
| আমি অনুমতি দেই | إِنْ |
| কাটৰ | أَقْطَعَنَ |
| আমি শুলবিন্দু করব | أَصْلَيْنَ |
| প্রত্যাবর্তনকারী | مُنْقَلِبُونَ |
| তুমি প্রতিশোধ গ্রহণ কর, হিংসা | تَنَقْ (ن ق م) |
| পোষণ কর | |
| বৰ্ষন কর, ঢেলে দাও | أَفْرَغ |
| ক্রকু-১৫ | |
| তুমি ছেড়ে দিবে | تَذْرٌ |
| আমরা হত্যা করব | تُقْتَلَ |
| আমরা জীবিত রাখব | نُسْتَحْيٌ |
| পরামুরশালী, কঠোর শাস্তিদাতা | فَاهْرُونَ |
| আমরা নির্যাতিত হয়েছি | أَوْذِيَّنَا |
| ক্রকু-১৬ | |
| দুর্ভিক্ষ | سِنْنٌ |
| ক্ষতি | نَفْصٌ |
| এটা আমাদের জন্য | لَنَا هَذِهِ |
| তারা মন্দভাগ্যের দোষ চাপায় | يَطِيرُوا |
| মন্দভাগ্য | طَابِرٌ |
| যে কোন রকম, যা কিছুই | مَهْمَا |
| পদ্মপাল | جَرَادٌ |
| উকুন | فَمَلٌ |
| ব্যাঙ | ضَفَارَعٌ |
| শাস্তি | رَجْزٌ |
| খুলে দেয়া, সরিয়ে দেয়া | كَشْفٌ |
| পোঁছানো নির্ধারিত ছিল, আসন্ন | بِالْغُوا |

| প্রতিজ্ঞা ভঙ্গ করে | يَنْكُنُونَ | خِيرُ الْغَافِرِينَ |
|---|---------------------------------------|---------------------------|
| সম্ভু, নদী | بَهْ | هَذِهِ |
| পূর্ব দিকগুলোতে | مَشَارِقُ | أَصْبَابُ |
| পশ্চিম দিকগুলোতে | مَغَارِبُ | أَشَاءُ |
| আমরা ধৰণ কৰলাম | دَمْرَنَا | أَعْمَى |
| তারা গৃহ নির্মাণ কৰে, তারা উঁচু কৰে (প্রাসাদ) | يَعْرِشُونَ | يَضْعَ (عَنْ) |
| আমরা পার কৰিয়ে দিলাম | جَاؤزْنَا | إِصْرٌ |
| তারা ইবাদতে লেগে থাকে | يَعْكُفُونَ | أَغْلَالُ |
| যে ধৰ্মস্থাপ্ত হতে যাচ্ছে | مُتَبَرِّ | عَرَرَ |
| কুকু-১৭ | | |
| ত্রিশ | ثَلَاثَيْنَ | إِلْثَمَّةُ عَشَرَ |
| নির্দিষ্ট সময় | مِيقَاتٍ | أَسْبَاطًا |
| চল্লিশ | أَرْبَعُونَ | إِنْجَسْتُ |
| আমার প্রতিনিধিত্ব কৰ | أَخْفَيْنِ | عَيْنًا |
| সংশোধন কৰ | أَصْلَحَ | |
| আমাকে দেখাও | أَرْنِي | |
| তুমি কখনও আমাকে দেখতে পারবে না | لَنْ تَرَانِي | |
| জ্যোতি প্রকাশ কৰলেন | تَبَطَّى | |
| চূর্ণ বৰ্চু | دَكَّا | |
| পড়ে গেল | خَرَّ | |
| অজ্ঞান | صَعِقًا | |
| জ্ঞান ফিরে আসল | أَفَاقَ | |
| ফলকগুলো | (একবচন.:) الْوَاحْ (لَوْحٌ) | حِيَّنَ (حُوتٌ) (একবচন.:) |
| দেখাবে | أُورِي | شَرْعًا |
| দূরে নিষ্কেপ কৰবে, ঘূরিয়ে দিবে, ফিরিয়ে দিবে | أَصْرَفَ | تَعْطُونُ |
| সুপথ, সঠিক | رَشْدٌ | مَعْذِرَةً |
| শ্রান্ত পথ, ভুল | غَيْ | |
| কুকু-১৮ | | |
| অলংকারগুলো | حَلَّيَ | |
| অবযব (সম্পন্ন) | جَسَداً | |
| গৰুর মত আওয়াজ, হাস্বা ধ্বনি | خَوَارِ | |
| ভাঙ্গল, পড়ে গেল | سَقْطٌ | |
| রাগাখিত, ঝুঁক | عَضْبَانٌ | |
| অনুত্পন্ন, দুর্ঘিত | أَسْفَا | |
| আকৰ্ষণ কৱল, টানল | بَرْ | |
| মাঝের ছেলে, ভাই, সহেদৱ | ابْنَ أَمَّ | |
| সম্ভূষ্ট কৰনা, হাসতে দিওনা | لَ ثَشْمَتٌ | |
| কুকু-১৯ | | |
| ঠান্ডা হল, অপসৃত হল, প্রশমিত হল | سَكَّتَ | |
| পৃষ্ঠক, লিখিত বস্তু, লিপি | سُسْخَةٌ | |
| ভয় কঢ়ে | بَرْهَبُونَ | |
| মনোনীত কৱল, বেছেনিল | (ভাৰবিশেষ.:) اخْتَيَارٌ (إِخْتِيَارٌ) | |
| সম্ভুর | سَبْعِينَ | |
| আমাকেও | إِلَيْيَ | |
| আপনার পরীক্ষা মাত্ৰ | فَتْنَةٌ | |
| | | |

| | |
|---|-----------------------|
| তুমি বোঝা চাপাও | تَحْمِلُ |
| জিহবা বের করে হাঁপাতে থাকে | يَلْهَثُ |
| সুপথগামী , হেদয়াতপ্রাপ্ত | مُهْتَدٍ |
| আমরা সৃষ্টি করেছি | ذَرَانَا |
| অধিক বিদ্রোহ | أَضْلَلُ |
| সুন্দর | حَسْنَى |
| কর্কু- ২৩ | |
| ক্রমাগতে (বর্ষদের দিকে)নিয়ে যাব, আঙ্গে আঙ্গে টেনে নিব | تَسْتَدْرِجُ |
| অবকাশ দেই | أَمْلَى |
| নিয়ন্ত্রণ, কৌশল | كَيْدٌ |
| মজবুত , সুদৃঢ় | مَتَّعْنٌ |
| উন্নাদ | جَهَّةٌ |
| নিকটে এসে গেছে | اقْرَبَ |
| কোন কথা | أَىٰ حَدِيثٍ |
| পথপ্রদর্শক | هَادِيٌ |
| কথম, করে | أَيَّانٌ |
| জাহাজের নোঙ্র করা, সংঘটিত হওয়া | مُرْسَاهَا |
| তিনি প্রকাশ করেন না | لَا يَجْلِي |
| ভারী হবে | تَقْفَتْ |
| অকস্মাত, হঠাৎ | بَعْثَةٌ |
| তুম যেন | كَائِنٌ |
| পরিজ্ঞাত, অব্যবহৃত | خَفِيٌّ |
| আমি অধিকারী নই, আমি ক্ষমতা রাখিনা | لَا أَمْكَنْ |
| আমার নিজের জন্য | لِنَفْسِيٍّ |
| যদি আমি হতাম | لَوْكَتْ |
| অদৃশ বিষয় পরিজ্ঞাত | أَعْلَمُ الْغَيْبِ |
| আমি অধিক সংবোধ করে নিতাম | اسْتَخْرَجْتَ |
| কর্কু- ২৪ | |
| সে প্রশান্তি প্রহণ করে, বিশ্রাম নেয় | يَسْكُنْ |
| আবৃত করে, আচ্ছাদিত করে | تَعْشِيٌ |
| গর্ভবতী হল | حَلَّتْ |
| বোঝা, গভ | حَلَّ |
| হালকা | خَفِيقًا |
| সে চলাচল করে | مَرَّتْ |
| ভারী হয় | أَثْقَاتْ |
| দ্রুজন্বয় প্রার্থনা করে | دَعَوْا |
| সুস্তান, সুস্থ, পূর্ণাঙ্গ | صَالِحًا |
| নিশ্চয়ই আমরা হব | لَنَكُونَنَّ |
| তারা সামর্থ্য রাখে না | لَا يَسْتَطِيُونَ |
| নীরবতা অবলম্বনকারী হও | صَامِئُونَ |
| তারা চলে | يَمْشُونَ |
| তারা ধরতে পারে, তারা ধরছে বা ধরবে | يَبْطِسُونَ (بِ طَشٍ) |
| আমার বিকক্ষে কৌশল কর | كَيْدُونَ |

| | |
|------------------------------|-----------------|
| যিতোকি | يَتَوَكِّلُ |
| বন্ধুত্ব | عَرْفٌ |
| রাখেন, সাহায্য করেন | نَزْعٌ |
| কল্যাণ, ভাল কাজ | إِسْتَعْدَادٌ |
| প্রোচনা, কুমক্রণা, | طَابِفٌ |
| ওয়াসেওয়াসা | يَمْدُونَ |
| আশ্রম প্রার্থনা করা | لَا يَقْبِرُونَ |
| কৃতিতা | جَبْبَيْتٌ |
| আকর্ষণ করে, টেনে নেয় | فَرِيٌّ |
| তারা বিরত হয় না, ত্রুটি করে | إِسْتَعْوِدُوا |
| না | أَنْصَبُوا |
| তুমি সংঘটন করলে, তুমি বেছে | دُونَ الْجَهَرٍ |
| নিলে | غَوْ |
| পাঠ করা হয় | أَصَالٌ |



| | |
|--|------------------|
| কর্কু-১ | أَنْفَال |
| যুদ্ধের ধনসম্পদ, ইসলামী যুদ্ধে শক্ত পক্ষের ধনসম্পদ যা মুসলিমদের হস্তগত হয় | ذَاتَ بَيْتَكُمْ |
| তোমাদের মধ্যকার অবস্থা | كَمَا |
| কেঁপে উঠে | يُجَادِلُونَ |
| যেমন, কিরাপ | تَبَيَّنَ |
| তারা বিতর্ক করে | كَائِنًا |
| সুস্পষ্ট হল | يُسَافِرُونَ |
| যেন | إِحْدَى |
| তারা চালিত হচ্ছে, তাদেরকে শিছন দিক হতে হাঁকিয়ে নিয়ে যাওয়া হবে | أَنْهَا لَكُمْ |
| কোন একটি | أَنْهَا لَكُمْ |
| যে তা (আওতাধীন হবে)তোমাদের জন্য | تَوَذَّعُونَ |
| তোমরা ঢেয়েছিলে | غَيْرُ |
| ব্যক্তি, নয় | |

| | |
|---|-------------------|
| শক্তিমান, অস্ত্রধারী (দলটি) | ذٰاتُ الشَّوْكَةِ |
| সত্যে পরিণত করতে | يُحَقِّ |
| বাতিলে পরিণত করেন, মিথ্যায় পরিণত করেন, মিটিয়ে দেন | يُبَطِّلُ |
| তোমরা সাহায্য চেয়েছিলে | تَسْعَيْتُونَ |
| সাহায্যকারী | مُهْدٌ |
| একের পর এক আগত | مُرْدِفِينَ |
| রুক্মি- ২ | |
| তদ্বা, ঘূমের ঘোরে চুলতে থাকা | نُعَاسٌ |
| সুদৃঢ় করে | يَرْبِطُ |
| ঘাড়গুলো | أَعْلَاقٌ (عَقْ) |
| প্রত্যেক আঙুলের অঞ্চলগুলি | كُلَّ بَنَانٍ |
| তারা বিরোধিতা করেছিল | شَاقُواْ |
| যুক্তিক্ষেত্রে, সেনাবাহিনী হিসেবে, সম্মুখ যুদ্ধেরত সেনাবাহিনী হিসেবে | زَحْفًا |
| রণকৌশল | مَهْرَفًا |
| মিলিত হবার জন্য(মুসলিম পক্ষের অন্য কোন দলের সাথে) | مُتَحِيزًا |
| তুমি নিষ্কেপ করেছিলে | رَمِيتَ |
| তিনি (আল্লাহ) নিষ্কেপ করেছিলেন | رَمَى |
| তিনি (আল্লাহ) পরীক্ষা করেন | يَبْلِي |
| পরীক্ষা | بَلَاءً |
| ব্যর্থকারী, যিনি অন্যদের দুর্বল করে দেন | مُوْهِنٌ |
| তোমরা পুনরাবৃত্তি কর | تَعْوِدُونَا |
| আমরা পুনরাবৃত্তি করব | تَعْدُ |
| রুক্মি- ৩ | |
| তোমরা মুখ ফিরিও না | لَا تَوَلُواْ |
| নিষ্ঠিতম জন্তু | شَرَ الدَّوَابَ |
| তোমরা ডাকে সাড়া | إِسْتَجِيْبُواْ |

| | |
|--|----------------------|
| দাও | |
| অস্ত্রায় হয়ে থাকেন | يَحْوِلُ |
| বিশেষভাবে, কেবলমাত্র | خَاصَّةً |
| নিশ্চিহ্ন করে ফেলে, ছিন্নে নেয়, বলপূর্বক নিয়ে যায় | يَتَخْفِفُ |
| আশ্রম দান করলেন | أَوْيٰ |
| তোমরা খিয়ানত করোনা, তোমরা বিশ্বাস ভঙ্গ করোনা | لَا تَخْوِنُوا |
| রুক্মি- ৪ | |
| তারা বন্দী করে | يُبَيْتُوا (ث ب ت) |
| বর্ষণ কর | أَمْطَرُ |
| তত্ত্ববাদ্যকগণ | أُولَئِيْءَ (وَلِيْ) |
| শিস দেয় | مَكَاءً |
| করতালি বাজায় | تَصْدِيْرَةً |
| পথক করেন | يَمْبَرُ |
| তিনি একত্রিত করবেন | يَرْكَمُ |
| রুক্মি- ৫ | |
| যদি তারা বিরত হয় | إِنْ يَتَّهِوْا |
| অতীত হয়েছে | سَلَفَ |
| তারা পুনরাবৃত্তি করে | يَعُودُونَا |
| বিগত হয়েছে | مَضَتْ |
| অভিভাবক, পৃষ্ঠপোষক | مَوْلَى |
| জেনে রাখ | إِعْمَمُوا |
| তোমরা যুক্তিলক্ষ ধনসম্পদ পেয়েছ | غَمِمْ |
| এক-পঞ্চমাশ | خَمْسٌ |
| নিকটবর্তী উপত্যকার প্রান্তে | عَدْوَةُ الدُّنْيَا |
| দূরবর্তী উপত্যকার প্রান্তে | عَدْوَةُ الْفَصْوَى |
| যাত্রীদল, উত্তরাধী দল, কাফেলা | الرَّكْبُ |
| নিচে, নিম্নভূমিতে | أَسْفَلَ |
| তোমরা পরম্পর (যুদ্ধ) নির্ধারণ করতে, প্রতিজ্ঞাবদ্ধ হতে | تَوَاعَدْتُمْ |
| তোমার স্বপ্ন | مَنَامَكَ |
| তোমরা কাপুরুষতা দেখাতে, তোমরা সাহস হারাতে | فَشَلَّتُمْ (ف ش ل) |
| রক্ষা করেছিলেন | سَلَمٌ |
| কম করে দেখালেন | يُقْلِلُ (قَلِيلٌ) |
| রুক্মি- ৬ | |

| | |
|---|-----------------------------|
| বিলুপ্ত হবে, চলে যাবে | تَدْهِبَ |
| তোমাদের শক্তি, তোমাদের প্রভাব | رِيْحَمْ |
| স্বদর্শ, দন্তভরে | (ভাববিশেষ.: بَطْرٌ) بَطْرًا |
| প্রতিবেশী, পৃষ্ঠাপোক | جَارٌ |
| সে সরে পড়ল | نَكَصَ |
| কর্কু- ৭ | |
| প্রজ্ঞালিত অগ্নি, দহন | حَرِيقٌ |
| অত্যাচারী, জুলুমকারী | ظَلَامٌ |
| আচরণ, নিয়ম | ذَابٌ |
| ছিলেন না | لَمْ يَكُنْ |
| পরিবর্তনকারী | مُغَيِّرٌ |
| প্রত্যেকবার | كُلَّ مَرَّةٍ |
| তোমরা আয়তে পাও | تَقْفَنَ |
| যুদ্ধ | حَرْبٌ |
| বিখ্যন্ত কর, তাড়িয়ে দাও, ভয় জাগাও | شَرَدَ |
| ভয় কর, আশংকা কর | تَخَافُنَ |
| নিষ্কেপ কর | أَنْبَدَ |
| কর্কু- ৮ | |
| যোড়ার (যুদ্ধের) সাজ-সরঞ্জাম, বাঁধা যোড়া | رِبَاطُ الْخَيْلِ |
| ভয় প্রদর্শন কর, সম্ভৃত কর | تُرْهِبُونَ |
| বুকে পড়ে, আকৃষ্ট হয় | جَنِحُوا (ج ن ح) |
| ভালবাসা স্থাপন করেছেন | أَفَ |
| কর্কু- ৯ | |
| উদ্বিগ্নিত কর, উত্তুন্দ কর | حَرَضٌ |
| বিশজ্ঞ | عَشْرُونَ |
| তারা বিজয়ী হবে | يَغْلِبُوا |
| দুইশ (জনের উপর) | مِائَتَيْنِ |
| একশজ্ঞ | مِائَةٌ |
| এক হাজার (জনের উপর) | أَلْفٌ |
| এখন | آتَانَ |
| হালকা করে দিয়েছেন | خَفَقَ |
| দ্রব্যতা | ضَعْفًا |
| দুই হাজার(জনের উপর) | الْفَيْنِ |
| যুদ্ধবন্দীরা | (একবচন.: أَسْرَى) أَسْرَى |
| শক্রবাহিনীর প্রচুর রক্ত প্রবাহিত করে, | يُلْخَنَ |

| | |
|--|-----------------------|
| শক্রবাহিনীর প্রচুর প্রাণহনি ঘটায় | |
| যদি না হত | لَوْلَا |
| আগে থেকেই | سَبِقَ |
| কর্কু- ১০ | أَمْكَنْ |
| শক্তিশালী করে দিয়েছেন, আয়তে এনে দিয়েছেন | |
| আশ্রয় দান করেছে | أَوْاً |
| অভিভিক্তের দায়- দায়িত্ব, সম্পর্ক | وَلَيْةٌ |
| তারা সাহায্য চায় | إِسْتَصْرَوْا |
| আত্মায়-স্বজন | أَوْلَوْا التَّرْحَام |
| বেশী অধিকার পাবার যোগ্য, অধিক হকদার | أَوْلَى |



| | |
|--|----------------------------------|
| কর্কু-১ | |
| সম্পর্ক ছিল করার ঘোষনা, মুক্তি ঘোষণা করা | بَرَاءَةٌ |
| বিচরণ কর, চলাফেরা কর | (ভাববিশেষ.: سِيَاحَةٌ) سِيَاحُوا |
| চার মাস | أَرْبَعَةُ أَشْهُرٍ |
| অক্ষম করতে পারবে না, পরাভূত করতে পারবে না | غَيْرُ مُعْجزٍ |
| অবমাননাকারী | مُخْرِيٌّ |
| সাধারণ ঘোষনা | أَذَانٌ |
| ক্রটি করেনি (ক্রটি রক্ষায়) | لَمْ يَنْكُسُوا (ن ق ص) |
| বিগত হয়, অতিবাহিত হয় | إِنْسَلَحَ |
| নিষিদ্ধ মাস, পবিত্র মাসগুলো, স্বামানিত মাসগুলো | الْأَشْهُرُ الْحَرَمُ |
| অবরোধ কর, ঘেরাও কর | أَحْصَرُوا |
| তোমরা বস | أَقْعُدُوا |
| ঘাঁটি স্থল | مَرْصَدٌ |
| মুক্ত করে দাও, ছেড়ে দাও | خَلُوْ |
| কেউ | أَحَدٌ |
| তোমার কাছে আশ্রয় প্রার্থনা করে | إِسْتَجَارَك |
| আশ্রয় দাও | أَجْرٌ |
| নিরাপদ স্থান | مَامَنَ |
| কর্কু- ২ | |
| পরাক্রান্ত হয়, বিজয়ী হয় | يَظْهَرُوا |

| | | |
|-------------------------------------|--------------------------|-------------------------|
| তারা রক্ষা করেনা, তারা সম্মান করেনা | لَا يَرْفِعُوا (رَقْ بَ) | يُضَاهِنُونَ |
| আলীয়তা | إِلَيْهِ | أَحْبَارٌ |
| প্রতিশ্রুতির দায়িত্ব | ذَمَّةٌ | رُهْبَانٌ |
| অস্থীকার করে | تَأْبِي | يُطْفَنُوا (اطفاء : .) |
| ভদ্র করে | نَكْوَا (نَكْ ثَ) | دِيَرِ |
| নেতৃত্বদের (বিরক্তি) | (একবচন.: إِمَامٌ) | أَنْهَى |
| সকলের করেছিল | هَمْوَا | يَأْبَى |
| অধিকতর যোগ্য | أَحَقٌ | يُظْهَرُ |
| আরোগ্য করবেন, শাস্তি করবেন | يَسْفِ | يَكْزُونُ (كَ نَ زَ) |
| ঙ্গোত্ত, ক্রোধ | غَيْطٌ | ذَهَبٌ |
| তোমাদের ছেড়ে দেয়া হবে | شَرْكُوا | فِصَّةٌ |
| অন্তরঙ্গ, বৰু হিসেবে | وَلِيْجَةٌ | يُحْمِي |
| ক্রকু- ৩ | | ثُكُويٌ |
| যোগ নয়, (এমন হতে পারে না) | مَا كَانَ | جِبَاهُ (جَبَاهَ) |
| তারা রক্ষণাবেক্ষণ করে | يَعْرُفُوا (عَرْفَ) | جَنْوبُ (جَبْ) |
| হাজ্বীদের পানি সরবরাহ করা | سِقَايَةُ الْحَاجِ | كَنْ |
| রক্ষণাবেক্ষণ করা | عِمَارَةٌ | عِدَّةٌ |
| তারা সমান নয় | لَا يَسْتَوُونَ | أَرْبَعَةٌ |
| মহান, অনেক বড় | أَعْظَمٌ | حَرْمٌ |
| সফলকাম | فَائِرُونْ | كَافَةٌ |
| শান্তি, নিয়ামত | سُلَيْمٌ | السَّيْسِ |
| হায়ী | مَقْيُومٌ | پُرَجَّ |
| তারা বেশী ভালবাসে | اسْتَحْبُوا | يُوَاطِئُوا |
| স্বজন, গোত্র | عَشْبِرَةٌ | إِنْفَرُوا |
| তোমরা উপার্জন করেছ | إِقْرَفَ | إِنْأَلْثَمْ (ثَ قَ لَ) |
| বাজার মন্দা হওয়া, নষ্ট হওয়া | كَسَادٌ | ثَانِيَ التَّيْنِ |
| বাসগ্রহ | مَسَاكِنٌ (مَسْكُنٌ) | سَقْلِيٌ |
| অধিক প্রিয়, বেশী ভালবাসার হয় | أَحَبٌ | عَلِيَا |
| অপেক্ষা কর | تَرَبَصُوا | خَفَاقًا |
| ক্রকু- ৪ | | ثِقَالًا |
| হল, ক্ষেত্রে, জায়গায় | مَوَاطِنٌ | عَرَضًا |
| ভূনাইন, ভূনাইন যুদ্ধ | حَبْنِين | قَاصِدًا |
| সংকীর্ণ হয়েছিল | ضَافٌ | بَعْدَتْ |
| প্রশ়ঠ ছিল | رَجْبٌ | شَقَّةٌ |
| পৃষ্ঠ প্রদর্শনকারী, পশ্চাদগামী | مُدْبِرِينْ | أَنْتَ |
| প্রশান্তি | سَكِيْمَةٌ | يَسْتَأْذِنُ |
| সেনাবাহিনী | جَوْدًا | اِرْتَابَتْ |
| অপ্রিয়, নাপাক | نَجْسٌ | |
| বছর | عَامٌ | |
| দারিদ্র্য | عَلَمَةٌ | |
| এক প্রকার কর | جَزِيَّةٌ | |
| স্বহস্তে | عَنْ يَدِ | |
| অধীনতা স্থীকারকারী, ছেট (হঞ্চ থাকে) | صَاغِرُونْ | |
| ক্রকু- ৫ | | |

| | |
|--|-------------------|
| তারা দ্বিধান্ত হচ্ছে, | يَتَرَدَّدُونَ |
| দোদুল্যমান রয়েছে | |
| বের হয় | خُرُوجٌ |
| প্রস্তুতি নিত, সরঞ্জাম প্রস্তুতি করত | أَعْدَوْا |
| প্রস্তুতি | عَدَةٌ |
| বহির্ভূমন, অভিযাত্রা | إِبْعَاثٍ |
| অনিষ্ট, বিশৃঙ্খলা, বিভাস্তি | خَلَالٌ |
| তারা ঘোড়া দৌড়াত, এদিক ওদিক ছাটাছুটি করত | لَاوَضَعُوا |
| তোমাদের মধ্যে | خَالَكُمْ |
| কর্মপাতকারী, গুপ্তচর | سَمَاعُونَ |
| উল্লেপাল্টা করেছে | قَلْبُوا |
| অব্যহতি দাও | إِنْدَنْ |
| তারা পড়েছে | سَقَطُوا |
| খারাপ লাগে, অসম্ভুষ্ট হয় | سُسُوا |
| খুশী হয় | فَرَحٌ |
| একটি, কোন একটি | إِحْدَى |
| দুটি কল্যাণ (শাহাদাত বা বিজয়) | حَسْنَيْنِ |
| ইচ্ছায়, সম্মুষ্টিতে, স্বেচ্ছায় | طَوْعًا |
| অনিচ্ছায়, অসম্মুষ্টি | كَرْهًا |
| ব্যয়, খরচ, অর্থ সাহায্য | نَفَقَاتٍ |
| অলসতা | كُسَالِي |
| নিষ্ঠাস্ত হয়, শেষ হয়ে যায় | تَرْهَقٌ |
| ভয় করে | يَفْرَقُونَ |
| আশ্রয় স্থল | مَلْجَأٌ |
| গুহা | مَغَارَاتٍ |
| চুকে বসার জায়গা | مَذْلَأٌ |
| লাগাম ছেড়া সম্ভব ঘোড়ার মত দৌড়িয়ে যায় | يَجْمُونَ |
| দোষারোপ করে | يَلْمَزُ |
| প্রদান করা হয় | أَعْطَوْا |
| অসম্ভষ্ট হয়ে যায়, বিশুদ্ধ হয় | يَسْخَلُونَ |
| আমাদের জন্য যথেষ্ট হবে | حَسْبَنَا |
| আবৃষ্ট, আশাস্তি, দৃষ্টি নিবন্ধ করাই | رَاغِبُونَ |
| ক্রকু- ৮ | |
| যাকাত আদায়কারী কর্মচারীগণ | عَامِلِيْنَ |
| আবৃষ্ট করতে (বিনোদনের প্রতি) | مُوَافِةٌ |
| দাস-মূক্তি | رَقَابٌ |
| ঝণ্ডবংশগণ | غَارِمِيْنَ |
| পথিক (পথে বিপদ্ধস্থ হলে) | ابْنُ السَّيْئَلِ |
| কষ্ট দেয় | يُؤْذَوْنَ |
| কান (কথা শুনে), কর্মপাতকারী | أَذْنَ |
| বিরোধিতা করে, মোকাবেলা করে | يُحَادِّ |

| | |
|--|-------------------|
| বিতর্ক করাচিলাম | خُوضٌ |
| ক্রীড়া-কোতুক | لَعْبٌ |
| তোমরা অজুহাত দেখিও না | لَا تَعْتَرِرُوا |
| ক্রকু- ৯ | |
| ভাগ, অংশ | خَلَاقٌ |
| তোমরা বিতর্ক করেছ | خُضْتُمْ |
| উল্টিয়ে দেয়া জনপদসমূহ | مُوَتَّكَاتٍ |
| এসেছিল | أَتَتْ |
| চিরহামী বেহেশত | جَنَّاتٍ عَدْنٍ |
| ক্রকু- ১০ | |
| কঠোর হও | أَعْلَظٌ |
| ক্রটি লক্ষ্য করল, বিকুঢ়াচারণ করল ও বিরূপ সমালোচনা করল, তারা বদলা নিল | نَقَمٌ |
| হবে | يَكُنْ |
| তিনি শাস্তি দিলেন | أَعْقَبَ |
| লংঘন করল, ভঙ্গ করল | أَخْلَقُوا |
| অত্যানুরাগীগণ, যারা স্বতঃস্ফূর্তভাবে দান করে | مُطْعَعِينَ |
| পরিশ্রম, প্রচেষ্টা | جَهَدٌ |
| সতর | سَبْعِينَ |
| ক্রকু- ১১ | |
| পিছনে থেকে যাওয়া লোকেরা | مُخْلَفُونَ |
| বিকুঢ়াচারণ করা, পিছনে | خَلَافٌ |
| বসার জায়গা, বসে থাকা | مَقْدَدٌ |
| গরম, উত্তোল | حَرَّ |
| তারা হাস্কু, তাদের হাসা উচিত | لِيَضْحَكُوا |
| তাদের কাঁদা উচিত | لِيَبْكُوا |
| পিছনে পড়ে থাকা লোকেরা | خَالِفِينَ |
| শক্তি-সামর্থবান লোকেরা | أَوْلُو الطَّوْلِ |
| যারা (নৈরাতী)পিছনে পড়ে থাকে যখন তাদের শামীরা চলে যায় (যুদ্ধে) | خَوَافِ |
| ক্রকু- ১২ | |
| অজুহাত পেশকারীরা, ছলনাকারীরা | مُعْدِرُونَ |
| বেদুইন লোকেরা | أَعْرَابٌ |
| আঙ্গরিকতা পোষণ | نَصْحُونَ |
| করে, তারা কল্যাণ কামনা করে | |
| আমি আরোহন করাই | أَحْمَلُ |
| অঙ্গ | نَمْعُ |
| পথ | سَبِيلٌ |
| সম্পদশালীরা | أَغْنِيَاءٌ |
| অজুহাত পেশ করতে থাকবে | يَعْتَرِرُونَ |
| ওজৰ আপাতি পেশ করা | إِعْتَدَارٌ |
| খবরসমূহ, সংবাদসমূহ | أَخْبَارٌ |

| অধিক যোগ | أَجْدَرُ |
|---------------------------------------|---------------------|
| জরিমানা স্বরূপ | مَعْرِمًا |
| কালের আবর্তন (অর্থাৎ অমঙ্গল) | دَوَائِرُ |
| দুর্দিন, কালের আবর্তন (অর্থাৎ অমঙ্গল) | دَائِرَةٌ |
| নৈকট্যের মাধ্যম স্বরূপ | فُرَبَاتٍ |
| দোয়ার (মাধ্যম হিসেবে) | صَلْوَاتٍ |
| নৈকট্যের মাধ্যম | فُرْبَةٌ |
| রুক্তি-১৩ | |
| অগ্রগামীগণ, পূর্ববর্তীগণ | سَابِقُونَ |
| তোমাদের চারপাশে | حَوْلَكُمْ |
| সীমা অতিক্রম করল, | مَرَدُوا |
| কঠোরতা অবলম্বন করল | |
| তারা স্থাকার করেছে | إِعْتَرَفُوا |
| তারা স্থিতিশীত করেছে | خَلَطُوا |
| দোয়া কর | صَلِّ |
| প্রশাস্তি | سَكَنٌ |
| অবকাশ প্রদান করা, | مُرْجَوْنٌ |
| হ্রাসিত (যাদের ব্যাপার) | |
| অবকাশ প্রদান করা (কিছুক্ষণের জন্য) | إِرْجَاءٌ |
| ঘাটি হিসেবে | إِرْصَادٌ |
| যুদ্ধ করল | حَارَبَ |
| দাঁড়াবে না, অর্থাৎ স্লাত | لَا تَفْ |
| আদায় করবে না | |
| ভিত্তি রাখল | أَسَسَ |
| ইমারত, গৃহ | بَيْتٌ |
| তৌর, কিনারা | شَفَاعًا |
| গুহা, গহবর, অস্তঃসারশূন্য | جُرْفٌ |
| তৌর | |
| ধর্মসোন্মুখ | هَارٌ |
| তাকে সহ নিয়ে পড়ল | إِنْهَارَ بِهِ |
| বিদ্যুত হবে না, চিরস্থায়ী | لَا يَزَال |
| হয়ে থাকবে | |
| নির্মাণ করেছে | بَوْأٌ |
| সম্ভেদ | رَبِيَّةٌ |
| রুক্তি-১৪ | |
| (আল্লাহর) প্রসংসাকারী | حَامِدُونَ |
| (আল্লাহর রাস্তায়) | سَائِعُونَ |
| পরিম্পরাগকারী | |
| নিষেধকারী | نَاهُونَ |
| কোমল হাদয় | أَوَّاهٌ |
| সহনশীল | حَلِيمٌ |
| সংকটকাল, কঠিন মুহূর্ত | سَاعَةُ الْعُسْرَةِ |
| তিন | ثَلَاثَةٌ |
| পিছনে থেকে গিয়েছিল | خَلِفُوا |
| সংকুচিত হয়ে গেল | ضَاقَتْ |
| বিস্তৃত হয়ে গেল | رَحِبَتْ |

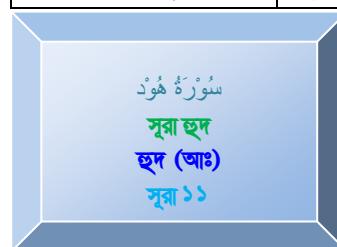
| রুক্তি-১৫ | |
|----------------------------------|----------------------|
| ত্রুটি | ظَمَّا |
| ক্ষুধা | نَصْبٌ |
| পদক্ষেপ নেয় | مَخْصَصَةٌ |
| পদক্ষেপ | يَطْبُونْ |
| মোকাবেলা | مَوْطَأً |
| প্রাঞ্চ, উপত্যকা | نَيْلًا |
| রুক্তি-১৬ | وَادِيًّا |
| তোমাদের নিকটে আছে | يَلْوَنْتُمْ |
| কঠোরতা | غَلَاظَةٌ |
| বিপর্যস্ত হয়, পরীক্ষায় নিষিদ্ধ | يَقْتَنُونْ |
| হয় | |
| প্রতি বছর | كُلَّ عَالَمٍ |
| ফিরিয়ে দিয়েছেন | صَرَفٌ |
| কষ্টদায়ক, দুঃসহ | عَزِيزٌ |
| তোমরা বিপদাপন্ন হও | عَنْتَمْ |
| মেহলী, সহানুভূতিশীল | رَعُوفٌ |
| আমার জন্য যথেষ্ট | حَسْبِيٌّ |
| মহান আরশ | الْعَرْشُ الْعَظِيمُ |



| রুক্তি-১ | قَدْمَ صِدْقٍ |
|-----------------------------|-----------------------------|
| সত্য এবং সঠিক পদক্ষেপ, | |
| সত্ত্বিকার পদ (মর্যাদা) | بِيَدَوْ |
| প্রথমবার সৃষ্টি করেন, প্রথম | |
| অঙ্গিত্তে আনেন, সূচনাকারী | خَلَقَ |
| সৃষ্টীৰ, সৃষ্টি | |
| বিত্তিয়বার সৃষ্টি করেন বা | يُعِيدُ |
| করবেন | |
| আলোকবিশিষ্ট, উজ্জ্বল | ضَيَّاءٌ |
| নির্দিষ্ট করে দিয়েছেন, হির | قَدْرٌ |
| করেছেন | |
| অবস্থানগুলো, মঞ্জিলগুলো | (একবচন.: مَنْزَلٌ) (Manzil) |
| গণনা, সংখ্যা | عَدَدٌ |
| বছরগুলো | (একবচন.: سَنَةٌ) (Sana) |
| আশা রাখে না | لَا يَرْجُونَ |
| দোয়া, প্রার্থনা, ধর্মনি | ذَعْوَى |
| অভিবাদন, সালাম | تَحْيَةٌ |
| রুক্তি-২ | |
| তাড়াতাড়ি করতেন, হারিত | يَعْجِلُ |
| করতেন | |
| শীঘ্ৰ কামনা করা, হুরিত চায় | إِسْتَعْجَلَ |

| | |
|--|-----------------------------|
| তার পার্শ্ব | جنبهٗ |
| সীমালংবনকারীরা | مسرِفينْ |
| নিয়ে আস | أَتَ |
| এটা ছাড়া (অন্যকিছি) | غَيْرَ هَذَا |
| পরিবর্তন কর | بَلْ |
| তিনি তোমাদের অবহিত করতেন | أَدْرَكَمْ |
| আমি ছিলাম, অভিবাহিত করেছি | لَبَثْتَ |
| বয়সের এক অংশ, দীর্ঘ সময় | عُمْراً |
| রুক্মু- ৩ | |
| সেগুলো চলে | جَرِينْ |
| বাড়ো বাতাস | عَاصِفٌ |
| বিরুদ্ধাচারণ করে | بِيَقْوُنْ |
| উচ্চি, উদ্গত হওয়া | نَبَاتٌ |
| সুর্বারূপ, ভূষণ, চাক-চিক্কি | رُخْرِفْ |
| কর্তৃত ফসল, ফসল কাটার পর | حَصِيدًا |
| ফ্রেটের রূপ | |
| আচ্ছন্ন করবে না | لَا يَرْهَقُ (رَهْق) |
| আচ্ছন্ন হওয়া বা করা | رَهْقٌ |
| কালিমা, মালিনতা | قُتْرٌ |
| রক্ষাকারী | عَاصِمٌ |
| ডেকে দেয়া হয়েছে, আবৃত করা | أَعْشَيْتَ |
| হয়েছে | |
| টুকরা, অংশ | (একবচন.: قِطْعَةٌ) قِطْعَةً |
| অঙ্ককার | مُظْلِمًا |
| তোমাদের জায়গায় অবস্থান কর | مَكَانَكُمْ |
| বিচ্ছিন্ন করল, সরিয়ে দিল | رَيْلَ |
| আমাদেরকে | إِيَّاَنَا |
| সেখানে | هَنَالِكَ |
| যাচাই করে নিতে পারবে | ثَبَلُوا |
| অতীতে করেছে | أَسْلَفَتْ |
| রুক্মু- ৪ | |
| অথবা কে? | أَمْ |
| সত্য প্রমাণিত হয়েছে, | حَقٌّ |
| সত্যায়িত হয়েছে | |
| সঠিক পথ প্রাপ্ত হয় না | لَا يَنْهَا |
| রুক্মু- ৫ | |
| তারা অবস্থান করেনি | لَمْ يَلْبِسُوا |
| দিনের এক ঘৃহৃত, দিনের এক দন্ত (মাত্র) | سَاعَةٌ مِنَ النَّهَار |
| তারা পরম্পরাটি নিতে পারবে | يَتَعَارَفُونْ |
| কখন(বাস্তবায়িত হবে) | مَتَى |
| রাতারাতি, রাতে | بِيَّاَنَا |
| কি (কোর্ক আছে), কোনটি | مَادًا |
| তারা জানতে চায়, তারা সংবাদ জিজ্ঞাসা করে | يَسْتَبِلُونْ |
| হ্যাঁ | إِي |
| আমার রবের শপথ | وَرَبِّي |

| | |
|--------------------------------|--------------------------|
| রুক্মু- ৬ | |
| অনুত্প | نَدَامَةٌ |
| সতর্ক হও, সাবধান (শুনে রাখ) | أَلَا |
| আল্লাহ অনুমতি দিয়েছেন কি? | اللَّهُ أَذْنَ |
| রুক্মু- ৭ | |
| তুমি মেঢ়াবে থাক | مَاتَكُونْ |
| (যে কোন) অবস্থা | شَانْ |
| তোমরা আত্মানিয়োগ কর | تَفْصِيُونْ |
| জোপন থাকেনা | مَايْعَزْبُ |
| ছেট, ক্ষুদ্রতর | أَصْغَرٌ |
| মিথ্যা অনুমান করে | يَخْرُصُونْ |
| রুক্মু- ৮ | |
| আমার অবস্থান | مَقَامِي |
| আমার উপদেশ দান | نَذِيرٌ |
| দৃঢ়-কষ্ট, সন্দেহ-সংশয়পূর্ণ | عَمَّةٌ |
| যারা সতর্ক করে | مَنْذَرِيْنْ |
| যাদের সতর্ক করা হয় | مَنْذَرِيْنْ |
| বিচুত করা | تَلْفِتَ (لِفْتَ) |
| প্রাধান্য ও কর্তৃত্ব | كِبْرِيَاءُ |
| রুক্মু- ৯ | |
| হেছচারী, অতি উদ্বিত | عَلٌ |
| তোমরা দুজন নির্ধারণ কর, | تَبَوَا |
| তোমরা দুজন স্থাপন কর | |
| বিলীন কর | اطِّمسْ (طِمْسْ) |
| কঠিন কর, কঠোর কর, মোহর করে দাও | أَشَدَّ |
| গৃহীত হল | أَحِبْبَتْ |
| কখনও অনুসরণ কর না | لَا تَتَبَعَّنْ |
| পেয়ে গেল, উপক্রম হল | أَدْرَكَ |
| শরীর, দেহ (লাশ) | بَدْنٌ |
| রুক্মু- ১০ | |
| বাস্থন, আবাসভূমি | مُبَوَا |
| তারা পাঠ করে | يَقْرَءُونْ |
| উপকারে আসেনি | مَانْغَنِي |
| সতর্ক-করণ, ভীতি-প্রদর্শন | (একবচন.: نَذْرٌ (نَذِيرٌ |
| রুক্মু- ১১ | |
| প্রতিরোধকারী, রাহিতকারী | رَآدٌ |



| | |
|---------------------------------|-------------|
| রুক্মু- ১ | |
| সুস্থ ও সুপ্রতিষ্ঠিত করা হয়েছে | أَحْكَمَتْ |
| বিস্তারিতভাবে বর্ণিত হয়েছে | فَصَلَّتْ |
| পক্ষ হতে | مَنْ لَدَنْ |

| | |
|--|-------------------------------|
| দান করবেন | يُوْتِ |
| দুই ভাঁজ করে, সংকুচিত করে, ঘুরিয়ে দেয় | يَسْوُنْ |
| তারা আবৃত করে (নিজেদেরকে) | يَسْتَشْسُونْ |
| কাপড় | ثِيَاب (تُوبْ : একবচন.) |
| আমি বিলহিত করি | أَخْرَبْ |
| একটি নির্দিষ্ট সময় | أَمْةٌ مَعْدُودَةٌ |
| কিম্বে আটকে রেখেছে | مَأْبِيسْ |
| (তাদের হতে) ফেরানো যাবে না | لِيْسَ مَصْرُوفًا |
| কুকু-২ | |
| নিরাশ | يَنْوُسْ |
| অকৃতজ্ঞ | كَفُورٌ |
| অনুগ্রহগ্রাহী, সম্পদ, আরাম, নিয়মামত | نَعْمَاء |
| উৎফুল্ল | فَرْحٌ |
| অহকারী | فَخُورٌ |
| পরিভ্যাগকারী | ثَارِكٌ |
| সংকুচিত কারী | ضَانِقٌ |
| স্বরচিত, মন গড়া | مُفْتَرِيَاتٍ |
| আমরা পূর্ণফল প্রদান করব | نُوفَّ |
| কম দেয়া হবে না | لَا يَبْخُسُونَ (بِخَسْ) |
| তারা সংগঠিত করছে, তারা বানিয়েছে | صَنَعُوا (صَنَعَ) |
| দল, জামায়াত | أَهْرَابٌ (حَزْبٌ : একবচন.) |
| তুমি হয়ে না | لَا |
| সন্দেহ | مَرْيَةٌ |
| হাজির করা হবে, সম্মুখীন করা হবে | يُعْرضُونَ (عِرضٌ) |
| সাক্ষীরা | أَشْهَادٌ (شَهِيدٌ : একবচন.) |
| কোন সন্দেহ নেই | لَا جَرْمٌ |
| সর্বাধিক ক্ষতিগ্রস্ত | الْأَخْسَرُونَ |
| তারা বিনষ্টি হয়েছে | أَخْبَوْا |
| সমান হয়, উভয়ে সমান | يَسْتَوْيَانَ |
| কুকু-৩ | |
| ইন, নীচ (লোক) | أَرَادُنْ |
| মতের অপরিপক্ষ, অপরিপক্ষ মত পোষণকারী | بَادِيَ الرَّأْيِ |
| অপ্রকাশিত রাখা হল, অক্ষত ছেয়ে দেল, অক্ষ করা হল | عَيْتٌ |
| বাধ্য করতে পারি | لَزْمٌ |
| বিতাড়নকারী | طَارِدٌ |
| বিতাড়িত করা, তাড়িয়ে দেয়া | طَرَدٌ |
| নীচু মনে করে | تَرْدِيٌّ |
| অপরাধ | إِجْرَامٌ |
| আমার অপরাধ | إِجْرَاميٌّ |
| কুকু-৪ | |
| তুমি বিমর্শ হওয়া না | لَا تَبْتَسِيسْ |
| নির্মাণ কর | صَنْعٌ (صَنَعَ : নির্মাণ করা) |
| আমাদের পর্যবেক্ষণে | أَعْيَتْنَا |

| | |
|---|---------------------|
| কিছু বল না | لَا تَخَاطِبْ |
| আপত্তি হবে | يَحْلَ |
| উচ্চসিত হয়ে উঠল, উঠলিয়ে উঠল | فَارَ |
| চুলা, ভূমির উপরি ভাগ | تَنْورٌ |
| আরোহণ কর | إِرْكُبُوا (رَكْبَ) |
| এর চলা, এর গতি | مَجْرِها |
| এর স্থিতি | مُرْسَاهَا |
| দূরবর্তী স্থান | مَعْزِلٌ |
| আশ্রয় নিব | أَوْيٌ |
| অন্তরায় হল, আড়ল করল | حَالٌ |
| গিলে ফেল | إِلْبَعِيٌّ |
| ক্ষান্ত হও | أَقْبَعِيٌّ |
| শুয়ে দেয়া হল, শুকিয়ে দেল | غَيْضٌ |
| স্থির হল, এসে ভিড়ল (নৌযান) | إِسْتَوَتْ |
| ‘জুনী’ একটি পাহাড়ের নাম | جُونِيٌّ |
| ধৰ্ম হোক, নিপাত যাক, দূর হোক | بُعْدًا |
| উপদেশ দিচ্ছি | أَعِظَّ (وَعِظَّ) |
| অবরুণ কর | إِهْبَطٌ |
| কুকু-৫ | |
| ‘আদ’ জাতি, হৃদ (আঃ) এর জাতি | عَادٌ |
| পরিভ্যাগকারী | ثَارِكٌ |
| আবিষ্ট করেছে, আঘাত করেছে | اعْتَراً |
| কপাল, সামনের চুলের গোছ | نَاصِيَةٌ |
| অযোকার করল | جَدَّ |
| স্বৈরাচারী | عَنْدِ |
| তারা অনুসুরণ করেছিল | أَنْبَوُا |
| কুকু-৬ | |
| বসবাস করিয়েছেন | إِسْتَعْمَرٌ |
| যিনি প্রার্থনার জবাব দেন, দেয়া | مُجِيبٌ |
| কবুলকারী | مَرْجُوا |
| আশাস্থল | تَحْسِيرٌ |
| অধিক ক্ষতি, অনিষ্ট | عَقْرُوا |
| তার পা কেটে দিল, হত্যা করল | مِثْيَةٌ |
| মিথ্যা হবার নয় | غَيْرِ مَكْوُبٍ |
| প্রচন্ড শব্দ, ভয়করে গর্জন | صَيْحَةٌ |
| উপুড় হয়ে পড়া, অধোমুখে নিপত্তি, (নিষ্পত্তি, নির্জীব) | جَاثِمَيْنَ |
| বসবাস করেনি, কখনো ছিল না | لَمْ يَعْتَوْا |
| কুকু-৭ | |
| অন্তিমিলয়ে, অল্লাসপ্তের মধ্যে, দেরি হল না | مَالِبَتْ |
| তেলে ভাজা, কখানো | حَنِيْفٌ |
| সংযুক্ত হচ্ছে না, প্রস্থারিত হচ্ছে না, পৌছে না | لَا تَصِلٌ |
| অগ্রিমত মনে করল, সন্ধিপ্র | نَكَرٌ |

| | |
|---------------------------------------|-------------------------|
| হল | |
| মনে মনে, মনে সঞ্চার হল | أوجسَنْ |
| ভয় | خِفَةٌ |
| সে হসল | صَحَّتْ |
| পরে | وَرَاءُ |
| হয় আফসোস | يَاوِيلَتِي |
| আমি কি সত্ত্বন প্রসব করব? | عَالَدْ |
| ব্দু। | عَجَزْ |
| আমার স্বামী | بَعْلِي |
| ব্দু | شَيْخًا |
| (হেইবাইমের) পরিবার, গৃহস্থী | أهْلُ الْبَيْتِ |
| গেল, দূর হল | ذَهَبَ |
| আত্মক, ভয় | الرَّوْعُ |
| (আল্লাহ) অভিমুখী, প্রজ্ঞাবর্তনকারী | مُنْبِّهٌ |
| অনিবার্য, প্রতিহত হ্বার নয় | غَيْرَ مَرْدُودٍ |
| সে দৃষ্টিগ্রস্ত হল, দৃষ্টিত হল | سَيِّنَ |
| সংকুচিত হল | ضَاقَ |
| অন্তর, বাহু | ذِرْعًا |
| কঠিন, ভয়ানক | عَصِيبٌ |
| দ্রুত দৌড়িয়ে আসল | يُهْرَعُونَ |
| আমার মেহমান | ضَيْفِي |
| সঠিক (চিষ্টা ধারার) কোন | رَجُلٌ رَّشِيدٌ |
| মানুষ, সভ্য লোক | |
| আমারা চাই | تُرِيدُ |
| সুদৃঢ়, উন্নত,কোন শক্তিশালী | رُكْنٌ شَدِيدٌ |
| আশুয়, সুদৃঢ় আশুয় | |
| কথনও পৌছতে পারবে না | لَنْ يَصِلُوا |
| রাতের এক অংশ | قِطْعَةً مِنَ الظَّلَلِ |
| পিছনে তাকাবে না , ফিরে | لَا يَلْتَفِتُ |
| তাকাবে না | |
| তার উদ্বাঙ্গ | عَالِيَّهَا |
| তার নিমাংশ | سَاقِيَهَا |
| কংকর | سَجِيلٌ |
| স্তরে স্তরে, ক্রমাগত | مَنْصُونَد |
| (প্রতোক্তের জন্ম) চিহ্নিত | مُسَوَّمَةٌ |
| বহুবে | بَعِيدٌ |
| ক্রকু- ৮ | |
| যিনি খুব ভালবাসেন, প্রেময় | وَذُوَّدْ (وَدْ :..) |
| আমরা বুঝি না | مَانِفَةٌ |
| তোমরা স্বজনবর্গ, তোমার দল | رَهْطٌ |
| প্রস্তরাঘাতে হত্যা করতাম | رَجَمْنَا |
| স্বজনবর্গ, দল, জামাত | رَهْطٌ |
| অধিক প্রভাবশালী | أَعْزَزٌ |
| তাচ্ছল্য করে | ظَهَرِيَا |
| প্রতিক্ষা কর | إِرْتَقِبَا |
| প্রতিক্ষাকারী | رَقِيبٌ |
| ক্রকু- ৯ | |

| | |
|--|------------------------------------|
| পৌঁছিয়ে দিবে, উপস্থিত করবে | أَوْرَدَ |
| উপস্থিত স্থান | وَرْدَ |
| যেখানে তারা উপস্থিত হবে | مَوْرُودَ |
| পূরুষার, দান, বখশিশ | رَقْدَ |
| (যা তাদের) পূরুষার দেয়া হবে | مَرْفُودَ |
| শিকড় কেটে দেয়া হয়েছে | حَصِيدَ |
| ধৰ্ম, বিপর্যয় | تَثْبِيْبٌ |
| হাজিরের দিন | يَوْمٌ مَشْهُودٌ |
| হতভাগ্য | شَقِيقٌ (أشْقِيَاءٌ : (বঙ্গবচন..:) |
| সৌভাগ্যবান | سَعِيدٌ (سَعَدَاءٌ : (বঙ্গবচন..:) |
| আর্তনাদ | رَفِيرَ |
| চিৎকার | شَهِيقٌ |
| যতক্ষণ বিদ্যমান থাকবে, যত | مَا دَامَتْ |
| দিন থাকে | |
| খুব সম্পাদনকারী, করতে পারেন | فَعَلَ |
| পূরুষার, দান, বখশিশ | عَطَاءٌ |
| অবারিত, নিরবিচ্ছিন্ন | غَيْرَ مَجْدُوذٌ |
| তুমি হয়ে না | لَا تَكَ |
| সম্দেহ | مَرْبِيَةٌ |
| কম হবে না, কম করা ব্যাতীত | غَيْرَ مَفْوَصٌ |
| ক্রকু- ১০ | |
| তোমরা সীমালংঘন করনা | لَا تَطْغُوا |
| তোমরা বুঁকবে না, অনুরক্ত হবে | لَا تَرْكُلُوا |
| না | |
| দুই প্রাত | طَرْفِيٌّ |
| রাতের প্রাতভাগ, রাতের (নিকট) | رَلْفَا مِنَ اللَّيلِ |
| অংশ | |
| সংকাজ | حَسَنَاتٌ |
| মন্দকাজ | سَيِّنَاتٍ |
| সংকম্পিল ব্যক্তিরা, জ্ঞানবান লোকেরা | أَوْلَوْا بَقِيَةٌ |
| সম্পদ প্রদত্ত হয়েছিল, সাচ্ছন্দ দেয়া হয়েছিল | أَثْرَفُوا |
| আমরা সুদৃঢ় করছি | تَثْبِتُ |
| তোমার অস্তর | فُوَادِكَ |



| | |
|--|--------------------------|
| ক্রকু- ১ | |
| এগারোটি | أَحَدَ عَشَرَ |
| স্বপ্ন | رُغْبَيَا |
| বাণীসমূহের গুঢ় তত্ত্ব, কথা ও বৃত্তান্তের তত্ত্ব ও ব্যাখ্যা, সব ব্যাপার অনুধাবন | تَأْوِيلُ الْأَحَادِيْنِ |

| | | |
|--|-----------------------------|--|
| করার শিক্ষা, স্পন্দের ব্যাখ্যার জ্ঞান | | |
| কর্কু- ২ | | |
| এক মজবুত দল, একদল ভূক্ত, একটি পুরো দল | عَصْبَةٌ | |
| ফেলে আস | إِطْرَحُ | |
| নিবিট হবে, প্রযুক্ত হবে | يَقْنُ | |
| (অক্ষকার) তলদেশে, গভীর | غَيْبَتِ | |
| কৃষ্ণ | جَبَّ | |
| তুলে নেবে | يَلْتَقِطُ | |
| কোন কাফেলা, কোন পথিক | بَعْضُ السَّيَّارَةِ | |
| আগামী কাল | غَدًا | |
| তৃষ্ণিসহ খাবে, সে ফল খাবে | يَرْتَعِ | |
| নেকড়ে বাঘ | ذِئْبٌ | |
| সম্ভাকালে, রাতের বেলা | عَشَاءً | |
| কাঁদতে কাঁদতে | يَبْكُونَ | |
| দোড় প্রতিযোগিতা করছিলাম | تَسْتَقِيْ | |
| সাজিয়ে দিয়েছে, কথা বানিয়েছে | سَوْكَتْ | |
| উভয় | جَمِيلٌ | |
| সাহায্যকারী, যার কাছে সাহায্য কামনা | مُسْتَغْنَ | |
| করা হয় | | |
| তোমরা বর্ণনা করছ | تَصْفِيْنَ | |
| পানি সংগ্রহকারী, অগ্রগামী দল | وَارِدٌ | |
| ফেলল, ঝুলাল, নিষ্কেপ করল | أَدْلَى | |
| বালতি | دَلْوَ | |
| বাঃ, কি আনন্দ!, কি খুশীর ব্যাপার | يَا بَشْرِي | |
| ছেলে, কিশোর | غَلَامٌ (غِلَامٌ : ছেলেরা) | |
| প্রাদুর্য হিসেবে, মূলধন | بَصَاعَةٌ | |
| সামান্য, নিকৃষ্ট মূল্য, কম মূল্যে | بَخْسٌ | |
| দিরহাম | دَرَاهِمٌ | |
| নিরাসক্তগণ | رَاهِدِينَ | |
| কর্কু- ৩ | | |
| সম্মানজনক ব্যবস্থা কর, সমস্মানে রাখ | أَكْرَمِي | |
| আকৃষ্ট করতে চেষ্টা করল, ফুসলাতে লাগল | رَاوَدَتْ | |
| বক্ত করে দিল | غَفَّتْ | |
| দরজাগুলো | أَبْوَابٍ | |
| চলে আস (আমি)তোমার জন্য, তোমাকে বলছি | هَيْتَ لَكَ | |
| আল্লাহর আশ্রয় চাই, আল্লাহ রক্ষা করুন | مَعَاذَ اللَّهِ | |
| (টেনে)ছিঁড়ে ফেলল | قَتَّ | |
| তার জামা | قَيْصِمَةٌ | |
| উভয় পেল | الْفَيَا | |
| ঐ মহিলার স্বামীকে | سَيِّدَهَا | |
| কাছে | لَدَّا | |
| কি শাস্তি (হতে পাবে) | مَاجْزَاءٌ | |
| বন্দী করা হবে, কারাগারে পাঠান হবে | يُسْجَنَ (سَجَنٌ) | |
| ছেড়া হয়েছে | فَقَ | |
| সামনের দিক | فَقْل | |
| পিছনের দিক | دُبْر | |
| কর্কু- ৪ | | |
| নারীগণ | نِسْوَةٌ | |
| ফুসলাতে চেষ্টাইল, আকৃষ্ট করতে চেষ্টা করেছিল | رَأَوَدُ | |
| যুবক (ক্রীতদাস) | فَتَى | |
| উন্মাদ করে দিয়েছে, উন্মাদ হয়েছে | شَفَقٌ | |
| (হেলান দিল্লি)বসার আসন, যে মাহফিলে বালিশ দেয়া থাকে, হেলান দেয়ার বস্ত, সোফা | مَكَّةٌ | |
| একটি করে ছুরি (ফল কেটে খেতে) | سَكِيْفَا | |
| অভিভূত হল, মনে করল | أَكْبَرْنَ | |
| আল্লাহর কি মহত্ত্ব, সুবহনাল্লাহ | حَاشَ اللَّهُ | |
| তোমরা আমাকে তিরক্ষার করেছ | لَمْتَنِي | |
| নিজেকে সংহত রেখেছে, নিজেকে নিষ্পাপ রেখেছে | إِسْعَصَمْ (عَصَمْ) | |
| কর্কু- ৫ | | |
| কারাগার | سِجْنٌ | |
| দুজন যুবক | فَتَيَانٌ | |
| আমি নিখতে বের করাই | أَعْصَرُ (عَصَرُ) | |
| কুটি | خَبِرَا | |
| বিভিন্ন, পৃথক পৃথক (রব) | مَقْرَفَوْنَ | |
| শুলিবিদ্ধ হবে | يُصْلِبُ (صَلَبَ : শূল) | |
| মুক্তি পাবে, ছাড়া পাবে | نَاجٌ | |
| করেক বছর (পূর্ণ) | بَضْعَ سِنِّينَ | |
| কর্কু- ৬ | | |
| গাতী স্মহ | بَقْرَةٌ (بَقْرَةً : একবচন) | |
| মোটা তাজা | سِمَانٌ (سِمَانٌ : সেমিন) | |
| সাতটি | سِبْعَ | |
| জীর্ণ-শীর্ণ, কৃশকায় | عِجَافٌ | |
| শুষ্ক | يَاسِيَاتٍ | |
| তোমরা ব্যাখ্যা করতে পার, বর্ণনা করতে | تَعْبُرُونَ | |
| সক্ষম হও | | |
| অব্যৱহিন স্বপ্ন, কল্পনা প্রসূত স্বপ্ন | أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ | |
| স্মরণ করল (ইউসুফের কথা) | إِذْكَرَ | |
| দীর্ঘকাল পর | بَعْدَ أَمَةٍ | |
| তোমরা চাষাবাদ করবে | تَرَعَّونَ | |
| ক্রমাগতভাবে, একাধাৰে | دَابِّا | |
| অতঃপর তোমরা যে ফসল কাটিবে | فَمَا حَصَدَتِمْ | |
| তোমরা সংরক্ষণ করবে, সঁওয়ে করবে | تُحْصِلُونَ | |
| রাখবে | | |
| বৃষ্টিপাত হবে | بَعَاثٌ | |
| তারা ফেলের রস নিংড়াবে | يَعْصِرُونَ | |
| কর্কু- ৭ | | |
| কি ব্যাপার ছিল?, কি অবস্থা? | مَا بَلَّ | |
| প্রকাশ পেয়েছে | حَصْبَصَ | |
| আমি বিশ্বাসঘাতকতা করিনি, আমি ধিয়ানত করিনি | لَمْ أَخْنَ | |
| আমি নিজেকে নির্দেশ মনে করিনা | مَا أَبْرَئُ | |
| আদেশকারী, নির্দেশ দেয় | أَمَارَةً (أَمَرَ) | |

| | |
|---|---------------------------|
| আমি বিশেষভাবে গ্রহণকরব, মনোনীত করব | أَسْتُخْصِصُ |
| সম্মানিত, মর্যাদাসম্পন্ন | مَكِينٌ |
| বিশ্বস্ত | أَمِينٌ |
| দেশের ধনভান্ডার, রাজভান্ডার | خَزَائِنُ الْأَرْضِ |
| ক্রকু- ৮ | |
| দ্রুয় সংগ্রহ প্রস্তুত করে দিল | جَهْرٌ |
| খাদ্যসামগ্রী | جَهَارٌ |
| মেহমান সমাদরকারী, অতিথিপরায়ণ | مُنْزَلِيْنَ |
| ভৃত্যগণ, সিপাহীগণ | فَقِيَانٌ |
| তাদের পণ্যমূল্য | بِضَاعُهُمْ |
| রসদ-পত্র, উটের পিঠে মালামাল বহনের খলে বা ভাস্তু, এখানে অর্থ হবে মালামাল | رَحَالٌ |
| আমরা ওজন করে আনতে পারি, পূর্ণ বরাদ্দ পাই | نَكْلٌ |
| আমরা আর কি চাই? | مَا نَبْغِيْ |
| আমরা খাদ্য-শস্য আনব | نَمِيرٌ |
| এক উটের বহন পরিমাণ খাদ্য-শস্য | كَيْلٌ بَعْثَرٌ |
| প্রতিশ্রুতি, অঙ্গীকার | مَوْتَقًا |
| আমি তোমাদের জন্য কোন কাজে আসব না | مَا أَغْنِيْ عَنْ |
| ইচ্ছা, বাসনা, খটকা | حَاجَةٌ |
| ক্রকু- ৯ | |
| সে স্থান দিল, আশ্রয় দিল | اُولَى |
| (নিজের) পান পাত্র | سِقَايَةٌ |
| উটের পিঠে মালামাল বহন করার পাত্র | رَحْلٌ |
| কে কাফেলার লোকেরা, তে যাত্রী দল | أَيْتَهَا الْعِبْرُ |
| চার | سَارَفُونْ (স র ক) |
| এগিয়ে এল, অভিমুখী হল | أَفْبَلُوا |
| কি | مَادَا |
| তোমরা হারিয়েছি | تَفَقَّدُونَ |
| আমরা হারিয়েছি | نَفَقَ |
| গ্রাস, পানি পান করার পাত্র | صُوَاعٌ |
| এক উটের বোৰা পরিমাণ খাদ্য শস্য | حَمْلٌ بَعْثَرٌ |
| জমিন, দায়িত্বশীল | رَعِيمٌ |
| আর্থ করল (তল্লাসী) | بَدَا |
| থলে, মালপত্র | (একবচন.: وَعَاءٌ) অৱুৈয়া |
| আমরা কৌশল শিক্ষা দেই | كَدَنَا |
| বাদশাহৰ আইন, রাজ-বিধান | بِلْدِنَ الْمَلِكِ |
| ক্রকু- ১০ | |
| নির্জনে বসল, একান্তে বসল | خَلْصَوْا |
| পরামর্শ | نَحْيَا |
| আমি কখনো ত্যাগ করব না (এ দেশ) | لَنْ أَبْرَحَ |
| তোমরা অন্যায় করোচ | فَرَطَّمْ |
| কাফেলা | عَبْرٌ |
| সাজিয়ে দিয়েছে, কথা বানিয়েছে | سَوَّتْ |
| মুখ ফিরিয়ে নিল (তাদের থেকে) | ثَوَّلَ عَنْ |
| হয় আকসোস! হয় আমার দুঃখ! | يَا أَسْفَى |

| | |
|----------------------------------|---------------------|
| সাদা হয়ে গেল | إِبْيَاضٌ |
| আপনি স্মরণ থেকে ক্ষাত হবেন না, | تَفْتَأِيْ تَنْكَرٌ |
| আপনি স্মরণ ত্যাগ করবেন না | |
| মরণাপন্ন হওয়া, মৃত্যু | حَرَضًا |
| আমি অভিযোগ করছি, আমি নিবেদন করছি | إِشْكَوْا |
| আমার দুঃখ | بَيْيٌ |
| তোমরা অনুসর্জন কর | تَحْسِسُوا |
| আল্লাহর রহমত | رَوْحُ اللَّهِ |
| সামাজ পরিমাণ | مَرْجَاهٌ |
| দান করুন | تَصْدِيقٌ |
| তোমাকে প্রাধান্য দিয়েছেন | اِثْرَاقٌ |
| কোন অভিযোগ নেই | لَا شَرْبٌ |
| ক্রকু- ১১ | |
| তোমরা আমাকে বিদ্রোহ মনে কর, | تُفَقِّدُونَ |
| অপ্রকৃতিস্থ মনে কর | |
| সিংহাসন | عَرْشٌ |
| মরুভূমি, পল্লী-প্রান্তর | بَدْوٌ |
| সম্মিলিত কর | أَلْحَقٌ |
| তাদের সাথে | لَدِيْهِمْ |
| তুমি আকাঞ্চা কর | حَرَصٌ |
| ক্রকু- ১২ | |
| আচল্লাকারী, পরিবেষ্টনকারী | غَاشِيَةٌ |
| পুরুষ, এখানে অর্থ হবে মানুষ | رَجَالٌ |



| | |
|---|--|
| ক্রকু- ১ | |
| তৃষ্ণ, নির্ভর | عَمَدٌ (عَمَادٌ) (একবচন.: عَمَدْ) (Emad) |
| বিশ্বস্ত করেছেন, সম্প্রসারিত করেছেন | مَدَ |
| ভৃত্য, অর্থাৎ জমিনের বিভিন্ন অংশ | قِطْعَ |
| পাশপাশি, পরম্পর সলগু | مُجَاوِرَاتٍ |
| শাখ-প্রশাখাযুক্ত, এক শিকড় হতে | صِبْوَانٌ |
| জন্মানো অনেকগুলো খেজুর গাছ | |
| শাখ-প্রশাখ বিহুন, নিজ নিজ | غَيْرِ صِبْوَانٌ |
| শিকড় হতে জন্মানো খেজুর গাছ | |
| লোহ শূর্খল, জিঞ্জির | أَغْلَالٌ |
| গলদেশ | أَعْنَاقٌ |
| দৃষ্টিস্মূলক শান্তি, শিক্ষামূলক দৃষ্টিত | مُنْلَاتٌ |
| সমৃহ | |
| ক্রকু- ২ | |
| আস করে | تَغْصِبٌ |
| সর্বোচ্চ (মর্যাদাবান), সমুন্নত | مُعْلَمٌ |
| আত্মগোপনকারী, লুকায়িত | مُسْتَخْفٌ |

| | |
|--------------------------------------|-------------------------|
| বিচ্ছন্নকারী | سَارِبٌ (س ر ب) |
| প্রহরীরা, অনুসরণকারী | مُعْقِباتٍ |
| সাহায্যকারী, অভিভাবক | وَالْ |
| উদ্ধিত করেন, উৎপাদন করেন | يُّشْتَرِي |
| মেঘ | سَحَابٌ |
| ঘন, ভারী (পানিভরা) | ثَقَالٌ |
| মেঘের গর্জন, বজ্রখনি | الرَّعْدُ |
| প্রবল শক্তিশালী | شَدِيدُ الْمِحَالٍ |
| প্রসারণকারী, প্রশস্তকারী | بَاسِطٌ (ب س ط) |
| তার দুই হাত | كَفَيْهِ |
| মুখ | فَ، فُو ، فِي |
| ছায়া | ظِلٌّ |
| প্রবাহিত হয়, প্রাপ্তি হয় | سَالَتْ |
| উপত্কাসমূহ, নদী-নালা | أَوْدِيَةٌ |
| বহন করে, উপরে আনে | إِحْتَمَلَ |
| প্রাপ্ত, প্রাপ্তধারা | سَلَلٌ |
| ফেনারাশি | زَبَدًا |
| উপরিভাগে | رَأْبِيَا |
| তারা প্রজ্ঞালিত করে, উত্পন্ন করে | يُوقِّدونَ |
| অলংকার | حَلِيلٌ |
| অবেজো হয়ে, বৰ্থ, বিনষ্ট | جَفَاءٌ |
| স্থিতি পায়, অবশিষ্ট থাকে, থেমে যায় | يَمْكُثُ |
| ক্রকু- ৩ | |
| তারা সম্প্রিলিত রাখে, অক্ষুন্ন রাখে | بَصِيلُونَ |
| তারা প্রতিগ্রাহ করে, দূরীভূত করে | يَدْرِءُ (دَرَاءٌ) وَنْ |
| পরকালের ঘর, পরকাল | عَبْنِ الدَّارِ |
| উত্তম, চমৎকার | نَعْمٌ |
| ভঙ্গ করে | يُنْقَضُونَ |
| ক্রকু- ৪ | |
| শাস্তি লাভ করে, পরিত্পত্তি হয় | تَطْمِنَنٌ |
| কল্যাণসমূহ, আনন্দ | طَوْبِيٌّ |
| গতিশীল করা যেত | سَيِّرَتْ |
| খত্তিত করা যেত | فَطَعَتْ |
| কথা বলান যেত | كَلَمٌ |
| নেমে আসবে, অবস্থিত হবে | ثَلَّ |
| কঠিন বিপদ | قَارِعَةٌ |
| ক্রকু- ৫ | |
| অবকাশ দিয়েছি | أَمْلِيَّتْ |
| নাম বল | سَمْوَا |
| কঠোরতর | أَسْقَنَ |
| রক্ষাকারী | وَاقٍ |
| ফলসমূহ | أَكْلٌ |
| চিরস্মী | ذَانِمٌ |
| পরিমাম | عَفْبِيٌّ |
| আনন্দিত হচ্ছে | يُفْرَحُونَ |
| ক্রকু- ৬ | |
| নিশ্চিহ্ন করেন, বিল্পন্ত করেন | يُمْحِوُا |
| মূল কিতাব, মূল গ্রন্থ | أَمَّ الْكِتَابِ |

| | |
|---|--------------|
| সংকুচিত করছি | نَصْ |
| প্রাপ্তসমূহ, পার্বতসমূহ | أَطْرَافٌ |
| কোন প্রতিগ্রাহকারী নাই, কোন রদকারী নাই | لَا مُعْقِبٌ |



| | |
|------------------------------------|--------------------------------------|
| ক্রকু- ১ | |
| আঞ্চলিক দিনসমূহ | أَيَّامُ اللَّهِ |
| ক্রকু- ২ | |
| আমাদের পথসমূহ | سَبِّلَنَا (سَبِيلٌ) : (একবচন.) |
| তোমরা আমাদের কষ্ট ও পীড়ন দিছ | أَدِينُونَا (ادِينُونَا) |
| ক্রকু- ৩ | |
| ব্যর্থ হল | خَابَ |
| স্বেচ্ছারী, হটকারী, সত্তের শক্ত | عَنِيدٌ |
| পান করান হবে | يُسْقَى |
| গলিত পুঁজ | صَدِيدٌ |
| ঢাক গিলে পান করবে | يَتَجَرَّعُ (جَرَعَةً) : (ভাববিশেষ.) |
| সমর্থ হবে না | لَا يَكَادُ |
| গলথকরণ করা, গিলে ফেলা | يُسْبِغُ |
| ছাই, ভস্ম | رَمَادٌ |
| কঠিন হল, প্রচন্ড চলে | إِشْتَدَّتْ |
| বটিকাপূর্ণ দিন, বন্ধুকাপূর্ণ দিন | بَوْمٌ عَاصِفٌ |
| উপস্থিত হবে, উন্মোচিত হবে, | بَرَزَوْا |
| সম্মুখীন হবে | |
| অধীন, অনুসারী | تَبَعًا |
| রক্ষাকারী, উপকারী হবে | مُعَفَّونَ |
| আমরা ধৈর্যচূত হই, আহাজারী করি | جَزْعًا |
| পালানোর জায়গা, রেহাই, মুক্তি | مَحْيَصٌ |
| ক্রকু- ৪ | |
| ফরিয়াদে সাড়াদানকারী, বিপদে | مُصْرِخٌ |
| উদ্ধারকারী | |
| শিকড় | أَصْلٌ |
| সুপ্রতিষ্ঠিত, সুদৃঢ় | ثَابِتٌ |
| শাথা | فَرْعُ |
| উপড়ে নেয়া হয়েছে | إِجْتَسَتْ |
| ক্রকু- ৫ | |
| নিষ্কেপ করেছে, নামিয়ে এনেছে, | أَحْلَوا |
| নিপত্তি করেছে | |
| ধরসের ঘরে অর্থাৎ জাহান্মামে | دَارَالْبَوَارِ |
| বন্ধুত | خَلَلٌ |
| সদা-প্রমণশীল, অবিরাম চলমান | دَائِبِينَ |
| গুণে শ্রেষ্ঠ করতে পারবে না, সংখ্যা | لَا تُحْصُوْا |

| | |
|---|---------------------|
| নির্মায় করতে পারবে না | |
| কুকু- ৬ | |
| আমাকে দূরে রাখ বসবাস করিওছি, আবাদ করেছে | أَجْبَنَيْ |
| প্রাস্তর, উপত্যকা | أَسْكَنَتْ |
| চাষাবাদের মোগ্য নয়, শস্য- ফসলবিহীন, অনুর্বর | وَادٍ |
| পবিত্র, মহাসমানিত | مُحَرَّمٌ |
| আকৃষ্ট হয়, অনুরক্ত হয় | تَهْوِيْ |
| বার্ষিক্য | كَبَرٌ |
| কুকু- ৭ | |
| বিফেরিত হবে, ছ্রি হবে | شَخْصٌ |
| দোড়তে থাকবে | مُهْطِئِينَ |
| উচু করে, উর্ধ্বাসে, উত্তেলনকারী হয়ে | مُفْعِيٌّ |
| দৃষ্টি, পলক | طَرْفٌ |
| অন্তরঙ্গলো | أَفِدَّةٌ (فُوَادٌ) |
| উদাস, উজ্জ্বল, (আশা) শৃঙ্গ | هَوَاءٌ |
| পরিত্তি করা হবে, বদলে যাবে | تَبَدَّلٌ |
| জড়ানো, এক সাথে আবক্ষ | مُقْرَبِينَ |
| শৃথলগুলো | أَصْفَادٌ |
| পোশাকগুলো | سَرَابِيلٌ |
| আলকাতরা, গঢ়ক | قَطْرَانٌ |



| | |
|--|----------------------------------|
| কুকু-১ | |
| বার বার, প্রায়ই, (যখন) সময় | رِبَّا |
| আসবে | |
| মোহাচ্ছন্ন রাখে | (ভাববিশেষ.:) يَلِهُ (إِلَهَاءُ) |
| কেন না? | لَوْمًا |
| সম্প্রদায়সমূহ, জাতিগুলো | شَيْبٌ |
| সঞ্চারিত করি, প্রবিত্ত করি | سُلْكٌ (س ل ك) |
| হয়ে যাও, তারা থাকত | ظَلَّوا |
| আরোহণ করে | بَرْجُونَ |
| সম্মোহিত করা হয়েছে, দৃষ্টি বিশ্রাট ঘটান হয়েছে | سَكَرَّتْ |
| যাদুগ্রস্থ | مَسْخُورُونَ |
| কুকু- ২ | |
| সুদৃঢ় দুর্গুলো, বিশাল তারকারাজি | بُرُوجًا |
| সংগোপনে, চুরি করে, লুকিয়ে | اسْتَرَقَ (س ر ق) |
| সমুজ্জ্বল অগ্নিশিখা | شَهَابٌ |
| আমরা বিশ্রূত করেছি, সম্প্রসারিত করেছি | مَدَّنَا |

| | |
|---|----------------------------------|
| পর্বতমালা | رَوَاسِيَ |
| সুপরিমিতভাবে | مَوْزُونٌ |
| পূর্ণকলায়ক, বৃষ্টি | لَوَاقِحٌ |
| কুকু- ৩ | |
| শুষ্ক ঠন্ঠনে মাটি | صَلَصالٌ |
| পচা কাদামাটি | حَمَاءٌ مَسْتَوْنٌ |
| উত্তপ্ত বায়ু, লু-হাওয়া | سَمْوُمٌ |
| অংশ, দল | (বছবচন.:) جَزْءٌ (أَجْزَاءٌ) |
| কুকু- ৪ | |
| নিরাপদে | آمِينَ |
| ঈর্ষা, ঝোঁক, বিশ্রামতা | غَلٌ |
| আসনঙ্গলো | (একবচন.:) سَرِيرٌ |
| পরম্পর মূখ্যায়িভাবে, সামনা- সামনি | مُنْقَابِلِينَ |
| ক্ষম্বতি, অবসাদ | نَصَبٌ |
| জনিয়ে দাও | نَبَّىٰ |
| ভীত | وَجْلُونَ |
| ভয় পাওয়া, ঘাবড়িয়ে যাওয়া | وَجْلٌ |
| তবে কিসের? অতএব কি ধরণের? | فَبِمَ |
| নিরাশ, আশাহত, হতাশ | قَاتِلِينَ |
| নৈরাশ্য, হতাশা | قَطٌّ |
| উদ্দেশ্য কি? | مَأْخَطٌ |
| পিছে থেকে যাওয়া লোকেরা, পশ্চাদবর্তীগণ | غَبِرِينَ |
| কুকু- ৫ | |
| অপরিচিত লোক | قَوْمٌ مُنْكَرُونَ |
| তারা সম্ভেদ করত | يَمْتَرُونَ |
| চলে যাও, নিয়ে যাও | أَسْرٌ |
| তোমরা চলে যাও | أَمْصُوا |
| সম্মুলে বিনাশ করে দেয়া হবে | مَقْطُوعٌ |
| আমাকে লঙ্ঘিত ও লাঙ্কিত করনা | لَا تَقْضُحُونَ |
| তোমার জীবনের শপথ | لَعْنَكَ |
| সূর্যোদয়ের সময় | مُشْرِقِينَ |
| তিয়ালীলগণ, অঞ্চলী-সম্প্রলাগণ | مُؤْسِسِينَ |
| সাধারণ চলাচলের পথগুলো, বিদ্যমান পথগুলো | سَيِّئِلْ مَقِيمٌ |
| আইকা অধিবাসীগণ, বনের অধিবাসীগণ | أَصْحَابُ الْلَّاِيْكَةِ |
| প্রকাশ স্থান, প্রকাশ পথ | إِمَامٌ مَبِينٌ |
| কুকু- ৬ | |
| থেদাই করত, পাথর কেটে ঘর তৈরী করত | يَنْحُونَ (ن ح ت) |
| বার বার পঠিতব্য, পুনঃপুন আবৃত্তি যোগ্য | مَثَانِيٌ |
| কখনও প্রসারিত করনা | لَا تَمَدَّنَ |
| অবনমিত কর | إِخْفِضْ |
| বাহ | (বছবচন.:) جَنَاحٌ (أَجْنَاحَةٌ) |
| বিভক্তকারী | مَفْسِمِينَ |
| খন্দ খন্দ | عِصْبِينَ |

| | |
|---------------------------------------|---------|
| প্রকাশ্যে প্রচার কর | اصْدَعْ |
| মৃত্যু, দৃঢ় বিশ্বাস, নিশ্চিত বিশ্বাস | يَقِينٌ |



| ক্রকু-১ | |
|---|--------------------------|
| শুক্র বিন্দু, বীর্য | نُطْفَةٌ |
| বগড়টো, বিরক্ষাচারী | خَصِيمٌ |
| শীত বন্ধের উপকরণ, শীত নিবারক উপকরণ | دِفْءٌ |
| সম্ভায় তোমরা চারণ ক্ষেত্র থেকে আন | ثَرِيْخُونَ (إِرَاحَةً) |
| সকালে তোমরা চারণ ক্ষেত্রে নিম্নে যাও | شَرِحُونَ |
| ঘোড়া | خَيلٌ |
| খচর | بَغَالٌ (بَغْلٌ) |
| গাধা | (একবচন.: حَمَارٌ) (حمار) |
| সরূল পথ প্রদর্শন | قَصْدُ السَّبِيلِ |
| বক্র পথ, ভুলপথ | جَانِرٌ |
| ক্রকু-২ | |
| পশু চারণ করাও | تُسْبِيْمُونَ |
| রং সমূহ | أَلْوَانٌ (لُونٌ) |
| তাজা | طَرِيْا |
| তোমরা বের করতে পার, আহরণ কর | تَسْتَخْرُجُوا |
| অলংকার, সৌন্দর্য শোভা, মণি-মুক্তা | حَلِيةٌ |
| পানি বিদীর্ঘকারী | مَوَاطِرٌ |
| (এমন না হয়) যেন | أَنْ |
| আলোড়িত হয়, আন্দোলিত হয়, হেলে যায় | تَمَيِّدٌ |
| চিহ্নসমূহ | عَلَامَاتٌ |
| কখন, কবে | أَيَّانٌ |
| ক্রকু-৩ | |
| সজাবিমুখ, অগ্রাহকারী | مُنْكِرَةٌ |
| সন্দেহ নাই, নিশ্চিত | لَا جَرْمٌ |
| কান্তীসমূহ, উপকথাসমূহ | أَسَاطِيرٌ |
| বোবা, পাপ | أَوْزَارٌ (ওর্জুর) |
| ক্রকু-৪ | |
| ইহারত | بَيْتَانٌ |
| ভিত্তিমূল | (একবচন.: قَاعِدَةٌ) |
| ধর্মে পড়ল, নিপত্তি হল | خَرٌ |
| ছাদ | سَقْفٌ |

| | |
|---|-----------------------|
| তোমরা বাগড়া করছিলে, তোমরা বিতর্ক করছিলে | شَاقُونَ |
| যুলুমকারী অবস্থায়, অত্যাচারী অবস্থায় | ظَالِمٌ |
| পবিত্র থাকা অবস্থায় | طَيِّبٌ |
| পরিবেষ্টন করেছিল, আপত্তি হয়েছিল | حَاقٌ |
| ক্রকু-৫ | |
| সুদৃঢ় শপথ, কড়া কসম | جَهْدٌ أَيْمَانٌ |
| ক্রকু-৬ | |
| (ঢেশি) জানসম্পন্নরা, শ্মরণকারীগণ | أَهْلُ الذِّكْرِ |
| কুরআনের পূর্বেকার কিতাবসমূহ | رِبْرَ |
| ধর্মিয়ে দিবেন | يَخْسِفُ |
| চলাফেরা | تَقْلِبٌ |
| ভীতি সম্মত (অবস্থায়) | تَحْوِفٌ |
| ফিরে আসে | يَقْرِيْبَا |
| বিনীত | دَاخِرُونَ |
| ক্রকু-৭ | |
| সর্বদা, সার্বক্ষণিক, শাশ্বত চিরাচরিত | وَاصِبًا |
| তোমরা ফরিয়াদ কর, তোমরা কানাকাটি কর | تَجْرِيْنَ |
| কালো, কালিমা মণ্ডিত | مُسْوَدَا |
| উদ্দেজনা প্রশংসনকারী, বিষম | كَاظِيمٌ |
| আত্মগোপন করে | يَتَوَارِي |
| থাকতে দিবে, সংরক্ষণ করবে | يُمْسِكُ |
| অপমান, হীনতা | هُونٌ |
| পুঁতে ফেলবে | يَدْسٌ |
| মাটি | ثَرَابٌ |
| ক্রকু-৮ | |
| বর্ণনা করে, গুণ বর্ণনা কর | صَفٌ |
| জিহবা সমূহ | السِّنَة (لِسَانٌ) |
| সর্বপ্রথম প্রেরিত হবে, সম্মুখীন করা হবে, সর্বাঙ্গ হেচড়ে দেয়া হবে | (একবচন.: مُفْرَطُونَ) |
| ক্রকু-৯ | |
| জোবর | فَرْتٌ |
| দুধ | لَبَّا |
| উপায়ে, তৃষ্ণিকর | سَابِعًا |
| মাদক দ্রব্য | سَكَرٌ |
| মৌমাছি | نَحْلٌ (نَحْلَةً) |
| সহজ সরলভাবে, অনায়েসে | ذَلَّا |
| অকর্ম্য, নিকৃষ্টতা | أَرْتَلٌ |
| যেন না | لِكِيْ لَا |
| ক্রকু-১০ | |
| শ্রেষ্ঠত দান করা হয়েছে | فَضْلَوْا |
| ফিরিয়েদেয়া, প্রদান করা, প্রত্যাবর্তন করা | رَادَيْ |
| পুত্রসমূহ | بَنِينٌ |
| পোত্রসমূহ | حَفَدَة (حَفِيدَة) |

| | |
|---|-------------------------------|
| তোমরা বর্ণনা করোনা, সাব্যস্ত করবে | لَا تَضْرِبُوا (ض ر ب) |
| না | عَدًّا مَمْلُوكًا |
| পরাধীন গোলাম, মালিকানাধীন গোলাম | |
| বোৰা | (বহুবচন..) بَعْكُمْ (بَعْكُمْ |
| বোৰা | كُلْ |
| তাকে মেদিকেই পাঠান হয় | أَيْنَمَا يُوجِهُهُ |
| কুকু-১১ | |
| (যেমন) চাথের এক পলক, যে সময়ের মধ্যে চাথের এক পলক পড়ে | لَمْحُ الْبَصَرِ |
| মহাশূণ্য, আসমান-জগন্নামের মধ্যবর্তী স্থান, শূণ্য গর্ভ | جَوْ |
| আবাসস্থল | سَكَنًا |
| চামড়া | جلود (جلد) |
| তোমরা লঘু বোধ কর, তোমরা হালকা মনে কর | تَسْتَخْفَفُونَ |
| সফর | ظَعْنَ |
| পশম | أَصْوَافَ (صُوفَ) |
| উটের পশম, লোম | أَوْبَارٌ (وَبَرْ) |
| বকরীর পশম, চুল | أَشْعَلُر (شَعْرُ) |
| আসবাব পত্র, গৃহ সামগ্ৰী | أَثْاثًا |
| আত্মাগোপনের স্থান, আশ্রয়স্থল, নিভৃত স্থান | أَكْنَانًا |
| কুকু-১২ | |
| আপনি গৃহীত হয়, সন্তুষ্টি লাভের সুযোগ দেয়া হবে | يُسْتَعْبُونَ |
| সুস্পষ্ট বর্ণনা করা | تَبْيَانًا |
| কুকু-১৩ | |
| সুদৃঢ় করা | تَوْكِيدٌ |
| জামিন | كَفِيلًا |
| সূতা | غَزْلٌ |
| খন্দ বিখন্দ (করে ফেলেছে) | أَنْكَأَ |
| অধিক লাভবান | أَرْبَى |
| স্বল্পিত হবে | تَنْزَلٌ |
| নিঃশেষ হয়ে যাবে | يَنْقَدُ (ن ف د) |
| নিঃশেষ হবে না, বাকী থাকবে, তা হ্যামী | بَاقٍ |
| কুকু-১৪ | |
| আজমী, অনারব | أَعْجَمِيٌّ |
| যাকে বাধ করা হয়েছে, যার উপর বলপ্রয়োগ করা হয়েছে | أَنْكَرَهُ |
| প্রাথান্য দিয়েছে, প্রিয় মনে করেছে | إِسْتَحْبَوْا |
| নিয়তিত লোকেরা | فَقَوْا |
| কুকু-১৫ | |
| ক্ষুধার আচ্ছাদন | لِبَاسُ الْجُوعِ |
| কুকু-১৬ | |
| ছিল না, হয় নাই | لَمْ يَكُنْ |
| তোমরা প্রতিশোধ গ্রহণ কর | عَافَبْتُمْ |
| তোমরা কষ্টপ্রাপ্ত হয়েছে, তোমাদের | عَوْقَبْتُمْ |

| | |
|-------------------|--|
| কষ্ট দেয়া হয়েছে | |
|-------------------|--|



| | |
|---|---------------------------------------|
| কুকু-১ | |
| প্রমণ করালেন, পরিদ্রোগ করালেন | (أَسْرَى؛ يُسْرِي؛ إِسْرَاءً) أَسْرَى |
| বায়তুল্লাহ (মসজিদে হারাম), কাবা শরীফ | الْمَسْجِدُ الْحَرَامُ |
| বায়তুল মুকাদ্দাস (মসজিদে আকসা) | الْمَسْجِدُ الْأَقْصَى |
| দুর্ধর্ম মোকাদ্দা, অতিশয় শক্তিসম্পন্ন | بَاسْ شَدِيدٌ |
| তারা ঢুকে ছারখার করল, অনুপ্রবেশ করল, ছাড়িয়ে পড়ল | جَاسِوْا |
| দেশের মধ্যে, গৃহ - অভ্যন্তর | خِلَالَ الدِّيَارِ |
| বিজয় লাভ, পালা | كَرَةٌ |
| দল, জামায়াত, বাহিনী | تَفْيِيرًا |
| অপকার করেছে, মন্দ করেছে | أَسَأْتُمْ |
| ধৰ্মস-সাধন করে, মন্দ কাজ করে | يَتَبَرَّوْا |
| থাকে | |
| পরিপূর্ণ রাপে ধৰ্মস করা, বিচান করে | تَشْبِيرًا |
| দেয়া | |
| তোমরা পুনরাবৃত্তি করব, প্রত্যাবর্তন | (عَادَ؛ يَعْوَدُ؛ عَوْدَا) عَادُمْ |
| কর | |
| আমরা পুনরাবৃত্তি করব, প্রত্যাবর্তিত হবে | عَدْنَا |
| কয়েদখানা, কারাগার | حَصِيرًا |
| কুকু-২ | |
| আমরা নিষ্পত্ত করেছি, অপসারিত করেছি, ঢেকে দিয়েছি, মুছে দিয়েছি | مَحْوَنَا |
| আমরা বুলিয়ে দিয়েছি, সংযুক্ত করে | الْزَمَنَا |
| দিয়েছি | |
| আমেলনামা, কৃতকর্ম | طَابِرٌ |
| থোলা অবস্থায়, অনাবৃত, উন্মুক্ত | مَنْشُورًا |
| আমরা আদেশ করি, হকুম দেই | أَمْرَنَا |
| সে ধৰ্মস করেছে, ধৰ্মস করি | دَمْرَ |
| পরিপূর্ণ রাপে ধৰ্মস করা, ধৰ্মস | تَنْمِيرًا |
| স্থারাবিত, তাড়াতাড়ি, দুনিয়া | عَاجِلَةٌ |
| (পার্থিব সুৰ্য) | |
| নিষিদ্ধ, ধৰ্মসিত, ধৰ্মস | مَدْمُومًا |
| (রহমত থেকে) বিতাড়িত, | مَدْحُورًا |
| পরিদ্রোগ, শীকৃত অবস্থায় | |
| শীকৃত, প্রশংসিত | مَشْكُورًا |
| নিষিদ্ধ, বক্ষ-অবকুল, প্রতিবন্ধি | مَحْظُورًا |
| শ্রেষ্ঠ, বৃজুর্ণী, ফয়লত | نَفْضِيلًا |

| | | |
|--|--|--|
| অপমানিত, লাধিত, অসহায় | مَذْنُواً | |
| ক্রকু- ৩ | | |
| আদেশ করেছেন, হৃকুম দিয়েছেন, ফয়সালা করে দিয়েছেন | قَضَى | |
| একমাত্র তাঁকেই, শুধু তাঁকেই | إِيَاهُ | |
| তারা উভয়েই | كُلَا هُمَا | |
| ধর্মক দিবেনা | لَا تَتَهَرَّ | |
| সমানসূচক | كَرِيمًا | |
| বিনোত নম্রভাবে, নম্রতা | دُلْ | |
| তারা উভয়ে আমাকে লালন পালন করেছে | رَبِّيَّانِ | |
| শৈশব, ছেট বেলায়, বাল্যবয়স্য | صَغِيرًا | |
| প্রত্যাবর্তনকারী, তওবাকারী, অভিমুখী | أَوَابِينَ | |
| দাও, প্রদান কর, দিবে | أَتِ | |
| অপব্যয় করনা | لَا تُبَدِّرْ | |
| অপব্যয় | تَبَدِّيرًا | |
| অপব্যয়কারীরা | مُبَدِّرِينَ | |
| তুমি আশা কর | تَرْجُوا | |
| সহজভাবে, নম্রভাবে | مُسِيْرُورَا | |
| আবদ্ধ | مَغْلُوْتَةً | |
| তিরস্ত, লাহিত | مَلَوْمًا | |
| অনুস্ত, পরাজিত, অক্ষম অবস্থায় | مَحْسُورًا | |
| ক্রকু- ৪ | | |
| দারিদ্র, অভাব | إِمْلَاقٍ | |
| পাপ, অপরাধ | خَطَا | |
| সাহায্যপ্রাপ্ত | مَصْوُرًا | |
| দোড়িপাল্লা, সঠিক ওজনের পাল্লা | قِسْطَاسٌ | |
| অনুসরণ করনা, পিছনে পড়া না | لَا تَنْقُفْ | |
| পদচারণা করনা, চলাফেরা করনা | لَا تَمْشِ | |
| সদর্শে, দম্পত্তি ভরে | مَرَحًا | |
| উচ্চতা | طَوْلًا | |
| অপচন্দনীয় | مَكْرُوهًا | |
| অন্য উপাস্য, অন্য মাবুদ, অন্য ইলাহ | إِلَهًا أَخْرَ | |
| তুমি নিষ্ক্রিয় হবে | تَلْقَى | |
| নির্বাচিত করে দিয়েছেন, ধন্য করেছেন | أَصْفَى | |
| ক্রকু- ৫ | | |
| লুকায়িত, আবৃত, আড়াল করা | مَسْتَوْرًا | |
| আবরণ, পর্দা | أَكْثَةٌ | |
| বধিরতা, ছিপি | وَقْرًا | |
| হাড় | عَظَامًا (عَظْمٌ) (একবচন.: عَظَمٌ) | |
| পচা-গলা, চুর্ণ-বিচুর্ণ(মাটি) | رُفَاتٌ | |
| নতুন | جَدِيدٌ | |
| মাথা নাড়ানো, কটাক্ষ করা | (ভাব বিশেষ..:) (أَنْغَاضٌ) يُنْخَضُونَ | |
| ক্রকু- ৬ | | |
| কুম্ভণা দেয়, সংঘর্ষ বাধায়, উষ্ণানি দেয় | يَنْزَعُ | |
| তোমরা দাবী কর, তোমরা মনে কর | رَعَمْتُمْ | |
| পরিবর্তন করা | تَحْوِيلًا | |
| ভয়াবহ, ভীতিপ্রদ, ভয় করার মত | مَحْذُورًا | |
| লিখিত, লিপিবদ্ধ | مَسْطُورًا | |
| ভীতিপ্রদর্শন করা, ভয় স্থুরণ | تَحْوِيقًا | |
| অভিশপ্ত | مَلْعُونَةً | |
| ক্রকু- ৭ | | |
| উচ্চ মর্যাদা দিয়েছেন, সমানিত করেছেন | كَرْمَتَ | |
| অবকাশ দিন | أَخْرَتْ | |
| অবশ্যই পরীক্ষা করব, বশীভৃত করব, মূলোৎপাটিত করব | أَحْتَكَنَ (ح ن ك) | |
| পরিপূর্ণ | مَوْفُورًا | |
| বিদ্রোহ কর, পদস্থলিত কর | إِسْتَفْرَزَ | |
| আক্রমণ কর, তুমি টান, হাঁকাও | أَجْلِبْ | |
| অশ্বারোহী বাহিনী | خَلْيَةً | |
| পদাতিক বাহিনী | رَجْلَةً | |
| শরীক হয়ে যাও, সহযোগী কর | شَارِكَ | |
| প্রতিষ্ঠিত দাও | عَدِ | |
| পরিচালনা করেন | يُرْجِي | |
| পুনরায়, অন্য একবার | ثَارَةً أَخْرَى | |
| বন্ধা, বাষ্প, প্রচল বাটিকা | قَاصِفًا | |
| অনুগামী, সাহায্যকারী, জিজ্ঞাসাকারী | تَبِيعًا | |
| ক্রকু- ৮ | | |
| নিকটবর্তী হয়েছিল, প্রায় | كَدْتَ | |
| তুমি ঝুঁকে পড়তে | تَرْكَنَ | |
| আমরা আস্থাদন করাতাম | أَدْقَنَا (ذ و ق) | |
| বিষণ্ণ | ضِعْفٌ | |
| ক্রকু- ৯ | | |
| সূর্য দলে পড়ার সময় থেকে | دُلُوكِ الشَّمْسِ | |
| ঘন অঙ্গকার | غَسَقَ | |
| তাহজ্জুদ আদায় কর, জেগে উঠ, রাতে উঠে সালাত আদায় কর | تَهْجِدَ | |
| অতিরিক্ত, নফল | نَافِلَةً | |
| প্রশংসিত স্থান | مَقَامًا مَحْمُودًا | |
| বিলুপ্ত হয়েছে | رَهْقَ | |
| বিলুপ্ত হওয়ার | رَهْقَةً | |
| দূর করে নেয়া | نَأَى | |
| পার্বদেশ | جَانِبٌ | |
| প্রকৃতি, নিয়ম, পথ | شَاكِلَةً | |
| ক্রকু- ১০ | | |
| সাহায্যকারী | ظَاهِيرًا | |
| বর্ণ | بَيْبُونَعًا | |
| খুব প্রবাহিত করা, জারী করা | تَفْيِيرًا | |
| নিষ্কেপ কর | تَسْقَط (س ق ط) | |
| খস্ত, টুকরা | كِسْفَا () (একবচন: كِسْفَة) | |

| | |
|--|--------------------|
| সামনে, মুখোমুখি | قِبْلَة |
| স্বর্গ | رُحْفَة |
| তুমি আঝোহণ কর | تَرْقَى |
| আঝোহণ | رَقَّى |
| ক্রকু- ১১ | |
| নিরাপদে, স্বাচ্ছন্দে, নিশ্চিতে | مُطْمَئِنٌ |
| মানুষ | بَشَرٌ |
| নির্বাপিত হওয়ার উপক্রম হয়, স্থির মিত হবে | حَبْتَ |
| অগ্নিশিখা | سَعِيرًا |
| বড়ই কৃপণ, সংকীর্ণমনা | فَتْرَا |
| ক্রকু- ১২ | |
| হতভাগ্য (ধৰ্মস্কৃত) | مَتْبُورًا |
| তাদেরকে উচ্ছেদ করবে | يَسْتَغْرِفُهُمْ |
| সমবেত করে, জড়ো করে | لَفِيفًا |
| আমরা পৃথক পৃথক করেছি, আমরা খন্দ খন্দ করেছি | فَرْقَنَا |
| ক্রমশঃ, ধীরে ধীরে, অল্প অল্প করে | مُكْثِرًا |
| তারা লুটিয়ে পড়ে, পতিত হয় | يَخْرُونَ |
| সিজদা অবস্থায়, সিজদায় | سَجَدًا |
| চিবুক, এখানে অর্থ হবে মন্তক বা মাথা | أَذْقَانٍ |
| তারা কাঁদতে থাকে | يَبْكُونَ (بِكَيْ) |
| মে নামেই, মে | أَيَّاتٍ |
| উচ্চ শব্দ কর না, খুব উচ্চ শব্দ কর না | لَا تَجْهَرْ |
| নিঃশব্দেও না, খুব নিচু শব্দ কর না | لَا تُخَافِتْ |
| মধ্যম, মাঝে, মাঝামাঝি | بَيْنَ |
| এর | ذُلِكَ |
| পথ, পথা, মধ্যবর্তী পথ | سَيِّلًا |

| | |
|--|------------------|
| কর, ফলপ্রসূ কর | |
| দুই দল, উভয় দল | حَرْبَيْنَ |
| হিসাব করেছিল, অধিক গণনাকারী | أَحْصَى |
| তারা অবস্থান করেছিল | لَبْثُوا |
| সময়, কাল | أَمْدَا |
| ক্রকু- ২ | |
| দৃঢ় করেছিলাম | رَبَطْنَا |
| গর্হিত, অন্যায় | شَطَطْنَا |
| তোমরা পৃথক হলে, তোমরা পরিভ্রান্ত করলে, তোমরা বিচ্ছিন্ন হলে | إِعْرَلَمْ |
| পৃথক হওয়া, পরিভ্রান্ত হওয়া | إِعْزَلْ |
| তাহলে আশ্রয় গ্রহণ কর, স্থান গ্রহণ কর | فَاؤْ |
| ফলপ্রসূ করবেন, ঠিক করবেন, তৈরী করে দিবেন | يُهْبِيْ |
| ফলপ্রসূ, সহজবোধ্য, আরামদায়ক | مَرْفَقًا |
| উদয় হয় | طَلَعَتْ |
| সরে যায়, পাশ কেটে যায়, ফিরে যায় | تَزَأَوْرَ |
| ডান দিকে, ডান পাশে | ذَاتَ الْيَمِينِ |
| অন্ত যায় | غَرِبَتْ |
| পাশ কেটে যায়, তা অতিক্রম করে | تَفَرَضَ |
| বাম দিকে, বাম পাশে | ذَاتَ الشَّمَالِ |
| ময়দান, প্রশস্ত স্থান, প্রশস্ত চতুর | فِجُوَّةً |
| পথ প্রদর্শনকারী | مُرْشِداً |
| ক্রকু- ৩ | |
| জাগ্রত অবস্থায় | أَيْقَاظًا |
| নিন্দিত, ঘুমন্ত অবস্থায় থাকা | رُفُودًا |
| পার্শ্ব পরিবর্তন করাই, পাশ বদলাতাম | تُقلِّبَ |
| প্রসারিত করে | بَاسِطَ |
| তার দুই হাত | بِرَاعِيهِ |
| গুহার দ্বার, গর্তের মুখ | وَصِيدَ |
| তুমি উঁকি দিয়ে দেখতে | إِطْلَعْتَ |
| তুমি পিঠ ফিরাতে | وَلَيْتَ |
| পালাতে | فِرارًا |
| তুমি পরিপূর্ণ হয়ে যেতে, সংঘার হত | مَلِيْتَ |
| ঝোপ মুদ্রা, দিরহাম ইত্যাদি | وَرْق |



| | |
|--|------------------|
| ক্রকু-১ | |
| অবস্থানকারী হবে, বসন্তাসকারী হবে | مَاكِثِينَ |
| বিনাশকারী হবে, নিপাত করবে, বিনষ্ট করবে | بَاخْ |
| পিছন | أَثَارٍ |
| উত্তিদশুণ্য মৃত্তিকা | صَعِيدًا جُزُرًا |
| গুহ | الْكَهْفُ |
| বিখ্যাদিত, শ্মারকলিপি | رَقِيمٌ |
| যুবকরা | فِتْيَةٌ |
| গড়ে দাও, পরিচালিত | هَيْبَةٌ |

| | | |
|---|----------------|--|
| সতর্কতা অবলম্বন | لِيَتَطَافِ | অধিক মানুষ, দল |
| করক, সূক্ষ্ম তদবীর অবলম্বন করক, ন্যূনতাবে চলুক | | أَنْ تَبَدَّ |
| টের পেতে দেয়, জ্ঞাপন করে, জানিয়ে দেয় | يُشَعِّرُنَ | শুল্কতর, কম |
| আমরা অবগত করালাম | أَعْثَرْنَا | হ্রস্ব, বিপদ, বিপর্যয় |
| বিতর্ক করো না | لَا تُمَارِ | উচ্চিদন্ত্য মাটি, শুন্ধা ময়দান, খালি মাঠ |
| আলোচনা, বিতর্ক | مِرَاءَ | صَعِيدًا زَلْفًا |
| ক্লকু- ৪ | | শুষ্ক, গভীরতা |
| আশ্রয়স্থল | مُلْحَدًا | غُورًا |
| আমরা অমনোযোগী করে দিয়েছি | أَعْفَنَا | অধিকার, ক্ষমতা, ইখতিয়ার |
| সীমা লঘন মূলক, সীমা অতিক্রম করা | فُرْطًا | ক্লকু- ৬ |
| আবরণ, পর্দা, চাদেয়ার ন্যায় শিখা | سُرَاقِ | চূর্ণ-বিচূর্ণ, ভূবি |
| তারা ফরিয়াদ করে, সাহায্য করে, তারা পানীয় চায় | يَسْتَغْفِيُوا | আশা-আকাশ্বা হিসেবে |
| সাহায্য করা হবে, পানি দেয়া হবে | يُغَاثُوا | উন্মুক্ত |
| গলিত তামা, তেলের গাদ | مُهْلٌ | আমরা কাউকে ছাড়ব না, বাদ দিব না |
| বলসিয়ে দিবে, ভাজা- ভাজা করে দেবে | يَسْوِيْ | لَمْ يَغَادِرْ |
| অবস্থানস্থল | مُرْفَقًا | তীত-সন্ধান্ত, আতর্কিত |
| তাদের অলংকৃত করা হবে | يُطَوْنَ | مُسْفِقِينَ |
| কংকন, চুড়ি বিশেষ | أَسَاورَ | বাদ দেয় নাই, ছাড়েনি |
| কাপড়, বস্ত্র | ثِيَابًا | ক্লকু- ৭ |
| চিকন, পাতলা, মিহি রেশের কাপড় | سَنْدَسْ | সাহায্যকারী ক্লপে |
| মোটা রেশের কাপড় | إسْبِرَق | ধৰ্মস হান (গহৰ) |
| সিংহাসন, উঁচু মসনদ | أَرَانِك | প্রতিত হবে |
| ক্লকু- ৫ | | مُوْقَعُوا |
| পরিবেষ্টিত করেছিলাম | حَفَقًا | ক্লকু- ৮ |
| উভয়, অর্থাৎ বাগান দুটি | كُلَّتَا | বগড়াটে, তক্কিয় |
| উভয়ের মধ্যস্থলে, তাদের দুটির ফাঁকে ফাঁকে | خَالَهُمَا | ব্যর্থকরতে পারে |
| আলোচনা করছিল, অশেক্ষা করছিল, কথোপকথন করছিল | يَحَاوِرُ | আশ্রয়স্থল, পালানোর জায়গা |
| অধিক শক্তিশালী, প্রাক্রিক্ত, শ্রেষ্ঠ | أَعْزَ | ক্লকু- ৯ |
| জনশক্তি, জনপদ, | نَفْرَا | আমি থামবো না, আমরা সফর শেষ করব না |
| | | দুই নদীর মিলনস্থল |
| | | চলতে থাকবে |
| | | যগ যগ ধরে |
| | | মাছ |
| | | সুড়ঙ্ক করে, ছিদ্র পথ করে |
| | | আমরা আশ্রয় নিয়েছিলাম |
| | | পাথর |
| | | পদাত্তি অনুসরণে, অনুসরণ করে |
| | | ক্লকু- ১০ |
| | | গুরুতর, ভারি মন্দ |
| | | প্রয়োগ কর না, আরোপ কর না |

| | |
|---|-----------------------------------|
| উভয়ে চলতে লাগল | أَنْطَلَقَ |
| গুরুতর কাজ, মন্দ কাজ | شَيْئًا إِمْرًا |
| ভীষণ অন্যায় কাজ | شَيْئًا تَكْرًا |
| তুমি কখনোই সক্ষম হবে না | لَنْ تَسْتُطِعْ |
| উভয়ে [অর্থাৎ হয়রত ধিয়ির (আঃ) ও মুসা (আঃ)] খাদ্য প্রার্থনা করল | إِسْتَطَعْمَا (طَعْ م) |
| তারা অব্যাক্তির করে | أَبْوَا |
| মেহমানদারী করে | يُضَيْفُوا |
| দেয়াল | جَذَار |
| জোরপূর্বক, বল প্রয়োগ করে | غَصْبًا |
| প্রভাবাবিত করা, কষ্ট দেয়া | رَهْقٌ |
| ক্রকু- ১১ | |
| পথ, বিষয় সম্পদ, উপকরণ, কার্যাপকরণ | سَبَبًا |
| কাদামাটি, পক্ষিল | حَمَّةً |
| দৃষ্টান্তমূলক, অনাকার্থিত অন্যায়, সাংঘাতিক | تَكْرًا |
| আড়াল, পর্দা | سِرْثًا |
| তার সাথে ছিল | لَدْبَهُ |
| দুই পর্বত, দুই প্রটোর | سَدَيْنَ |
| দুইটি বৰ্বর জাতির নাম | يَاجُوجَ وَ مَاجُوجَ |
| কর | خَرْجًا |
| প্রটোর | سَدَا |
| সাহায্য কর | أَعِينُوا (اعانة) (ভাব বিশেষ): |
| সুদুর প্রাচীর, মজবুত দেয়াল | رَدْمًا |
| লোহার পাত, টুকরা | زِيرَ الْحَدِيدِ |
| সমান হয়ে গেল | سَوَّا |
| পর্বতব্রহ্মের দুই চূড়া | صَدَقَيْنِ |
| তোমরা ফুক দাও | أَنْفَخُوا (ن ف خ) |
| গলিত তামা | قِطْرًا |
| তারা পারত না | مَا اسْطَأْتُوْ |
| তারা সক্ষম হত না | مَا اسْتَطَعْتُوْ |
| ছিদ্র | نَفْأًا |
| তরঙ্গের মত পড়বে, তরঙ্গাহিত হবে, ঢেউ খেলবে | يَمْوَجُ |
| উপস্থিত করা, পেশ করা (যথা যথ) | عَرْضًا |
| আবরণ, পর্দা | غِطَاء |
| ক্রকু- ১২ | |
| অভ্যর্থনা, মেহমানদারী | نَزْلًا |

| الأخضرین | الأخضرین |
|--------------------|-----------|
| কাজ | صُنْعًا |
| জান্নাতুল ফিরদৌস | فِرْدُوسٌ |
| স্থান পরিবর্তন করা | حَوْلًا |
| কালি | مِدَادًا |
| নিষেধিত হবে | نَفْدًا |



| | |
|---|--------------------|
| ক্রকু- ১ | |
| সংগোপনে, নিভৃতে | خَفْيَا |
| দুর্বল হয়েছে, শিথিল হয়েছে | وَهَنَ |
| সমুজ্জল হয়েছে, শুদ্র হয়ে গেছে, চুল পেকে গেছে | إِشْتَعَلَ |
| মাথা | رَأْسٌ |
| বার্ষিক | سَبَبًا |
| ব্যর্থকাম, হতভাগা, বদনসীব | شَقِيقًا |
| আমার জাতিবর্গ, ওয়ারিস, | مَوَالِي |
| উত্তরাধিকারী | |
| বন্ধা | عَاقِرًا |
| নামবিশিষ্ট | سَمَيْا |
| শেষ পর্যায়ে, সীমাহীন, চৰম পর্যায়ে | عَيْيَا |
| সহজ | هَيْنَ |
| তুমি ছিলে না | لَمْ تَكُ |
| শৈশব, বাল্যকাল | صَبَبًا |
| ক্রকু- ২ | |
| সে পৃথক হয়ে গেল, অপসারিত হল | إِنْتَبَدَ |
| আকৃতি ধারণ করল | ثَمَلَ |
| দূরে, পৃথক | قَصِيبًا |
| প্রসব-বেদনা | مَحَاضٌ |
| খেজুর গাছের গুড়ি, খেজুর গাছের | جَذْعُ النَّخْلَةِ |
| কান্ত | |
| স্মৃতি বিলুপ্ত, বিস্মৃত | سَيْيَا مَسْسِيَا |
| ঝর্ণা, নির্বর | سَرَيَا |
| নাড়া দাও, ঝাঁকুনি দাও | هَرَّيْ (دَزَز) |
| সুপুক তাজা খেজুর | رَطْبَا جَنْيَا |
| পরিতৃপ্তি কর | قَرَيْ |
| লোক, মানুষ | إِنسِيَا |
| পাপ, পাপের কাজ, জঘন্য | فَرِيَا |
| দোলনা, মাঝের কোল | مَهْدَ |
| আমি যতদিন পর্যন্ত থাকি | مَا دَمْتُ |
| হক আদায়কারী, দায়িত্ববান, | بَرَا |
| সম্বুদ্ধার | |
| সাক্ষাত, উপস্থিতি | مَشْهَدٌ |

| | |
|----------------------------------|------------------|
| সুস্পষ্ট শ্রবণকারী | أَسْمَعْ |
| সুস্পষ্ট প্রত্যক্ষকারী | أَبْصِرْ |
| ক্রকু- ৩ | |
| চিরতরে, দীর্ঘদিন | مُلْتَبِي |
| অনুগ্রহশীল, অঞ্চলশীল | حَفِيَّاً |
| পরিত্যাগ করছি, পৃথক হচ্ছি | أَعْتَزَلْ |
| ক্রকু- ৪ | |
| তারা নষ্ট করল | أَضَاعُوا |
| শাস্তি, গোমরাই | عَيَا |
| অবশ্যানকারী, আগমনকারী | مَاتِيَا (ا ت ي) |
| ভুলে যান, প্রাপ্ত | نَسِيَا |
| ধৈয়শীল হও | اصطَبِرْ (ص ب ر) |
| ক্রকু- ৫ | |
| নতজানু অবস্থায় | جَنِيَا |
| অধিকতর উপযুক্ত | أَوْلَى |
| নিষিদ্ধ হওয়া, প্রজ্ঞালিত হওয়া, | صَلِيَا |
| প্রবেশের জন্য | |
| অনিবার্য, চূড়ান্ত | حَمْمَا |
| সংসর্গ, মাহফিল, মজলিস | نَدِيَا |
| প্রদাননি, লোক দেখান, জাঁকজামক, | |
| বাহ্যদৃষ্টিতে (চাকচিঙে) | رَعْبَا |
| ফিরে আসা, প্রতিদান হিসেবে | مَرَدَا |
| একাকী | فَرَدَا |
| বিপক্ষ, শতুতা, (তাদের দাবীর) | ضَدَا |
| বিজয়ী | |
| ক্রকু- ৬ | |
| উত্তেজিত করা, প্রলুক করা, (বেশী | أَزَا |
| বেশী) উদ্বৃক্ত | |
| মেহমান অবস্থায় | وَقْدَا |
| পিপাসার্ত অবস্থায় | وَرْدَا |
| অতি সাংঘাতিক, গুরুতর, বীভৎস | إِدَا |
| চুরুবিচুর্ণ হওয়া | هَذَا |
| প্রেম, ভালবাসা | وَدَا |
| কলহপরায়ণ, বিত্তন্ধৰণ ও জেনৌ | لَدَا |
| ক্ষীণতম আওয়াজ, শব্দ | رَكْزَا |



| | |
|---------------------------------------|-------------|
| କ୍ରମ-୧ | |
| ତୁମି କଷ୍ଟ ପାଓ | تَسْفِيَ |
| ସମୁଚ୍ଛ, ଉଠୁ | عَلَىٰ |
| ସିନ୍ତ ମୃତିକା, ନିଚୁ ଜମି, ମାଟିର ଗତେ | ثُرِيٰ |
| ଡୋମରା ଅବସ୍ଥାନ କର, ଡୋମରା ଅପେକ୍ଷା କର | أَمْكَنْوَا |

| | |
|---|--------------------------------------|
| আমি অবলোকন করেছি, আমি দেখেছি | اَنْسَتْ |
| অগ্নি শিথা | قَبْسٌ |
| উন্মোচন কর, খুলে ফেল | اَخْلَعْ |
| জুতা জোড়া | نَعْلَىٰ |
| একটি মুকাদ্দাস উপত্যকার নাম, যেখানে হ্যারত মুসা (আও) এর প্রতি ওহী নাযিল হয় | طَوْيٌ |
| আমি মনোনীত করেছি | (ভাব বিশেষ: اِخْتِيَارٌ) اَخْرَتْ |
| রাখতে চাই | أَكَادْ |
| গোপন | أَخْفَىٰ |
| তুমি ধৰ্ম হয়ে যাও | تَرْدِيٰ |
| আমি ভর দেই | أَوْكُوا |
| গাছের পাতা ঝাড়ি | أَهْشَّ |
| আমার ছাগলপাল | غَنْمٌ |
| কাজ, প্রয়োজনীয়তা | مَأْرَبْ |
| সাপ | حَيَّةٌ |
| অবস্থা | سَيِّرَةٌ |
| সংলগ্ন কর, মিলিয়ে দাও, ঢেপে ধর | أَصْمَمْ |
| শুন্দ, সাদা, উজ্জ্বল | بِيَضَاءٍ |
| কুকু- ২ | |
| প্রশংস্ত কর | إِشْرَحْ |
| খুলে দাও, দূর করে দাও, উন্মোচন কর | أَهْلَنْ |
| জড়তা, এন্টি, গিরা | عَفْدَةٌ |
| মজবুত কর, শক্তিশালী কর | أَشْدَدْ |
| আমার কোমর, পিঠ, শক্তি | أَزْرِيٰ |
| শরীক কর, সহযোগী বানিয়ে দাও | أَشْرَكْ |
| যেন | كَيْ |
| নিষ্কেপ কর, ভাসিয়ে দাও | (اقْفَيْ فَذْفَ) |
| তুমি প্রতিপালিত হও, পরিবর্ধিত হও | تُصْلَعْ |
| আমার দৃষ্টি, আমার চার্খ | عَيْنِيٰ |
| আমি খোঁজ দিব, বলে দিব? | أَذْلَ |
| শীতল হয় | تَقْرَ |
| পরিষ্কা | فَتْوَنَا |
| মনোনীত করেছি | اصْطَبَعْتَ |
| আমার নিজের জন্য | لِنَفْسِيٰ |
| তোমরা দুজন আলস্য কর না, শৈথিল্য কর না | لَا تَبَنَا |
| বাড়াবাড়ি করে, জুলুম করে, দুর্ব্যবহার করে | يَفْرَطْ |
| দান করেছেন | أَعْطَيْ |
| কি অবস্থা? | مَابَالْ |
| বিভিন্ন, নানাবিধি | شَنَّىٰ |
| চারণ কর, চৰাও | إِرْعَوْا |
| বিবেকবান, বুদ্ধিমান | أَوْلَىٰ السُّهْيِ |
| কুকু- ৩ | |
| পুনরায়, দ্বিতীয়বার, আরেকবার | ثَارَةٌ اَخْرَىٰ |

| | |
|---|---------------------|
| প্রশ়্ন স্থান, সমতল প্রাত্তর, সুবিধাজনক | مکان سوئی |
| উৎসবের দিন | يَوْمُ الْرَّيْتَةِ |
| পূর্বাহ্ন, দিনের প্রথম ভাগ, চাশতের সময় | ضُحْنٌ |
| ধৰ্মস করে দিবেন, বিধবস্ত করবেন | يُسْجِتْ |
| ব্যর্থকাম হয়েছে, বিফল হয়েছে | خَابَ |
| উৎকৃষ্ট, আদর্শ | مُثْلٍ |
| পরাজিত হবে, জয়ী হবে, প্রাধান্ত বিজ্ঞার করবে | إسْتَعْلَى |
| বশিষ্ঠলো | حَبَالٌ (حَبْلٌ) |
| লাঠিষ্ঠলো | عَصَيْ (عَصَّا) |
| অনুমিত হল, মনে হল | يُخَيِّلُ |
| (ভীতি) অনুভব করল | أُوجَسَ |
| কুকু-৪ | |
| শুষ্ক পথ | بَيْسَا |
| ধূত হয়, ধূরা পড়া | دَرَكًا |
| সে ধৰ্মস হয়ে যাবে | هَوَى |
| আমার পিছনে, আমার অনুসরণে | أَثْرِي |
| মূসা(আঃ) এর যুগের একজন | سَامِرِيٌّ |
| লোকের নাম | |
| দীর্ঘ হয়েছে, উত্তীর্ণ হয়েছে | طَلَّ |
| দেহ, আবৃত্তিবিশিষ্ট, অবয়ব | جَسَداً |
| শব্দ, গুরু উগলের ডাকের শব্দ | خُوازْ |
| কুকু-৫ | |
| হে আমার মাঝের ছেলে, অর্থাৎ হে আমার ভাই | يَابْنُومَ |
| শাশু, দাঢ়ি | لِحْيَةٌ |
| তুমি অপেক্ষা কর নাই, তুমি মূল্য দাওনি | لَمْ تَرْفَبْ |
| মুষ্টি ভোজ নিয়েছে, এহ্ব করেছে | قَبْضَتْ |
| এক মুষ্টি | قَبْضَةٌ |
| স্পর্শ করবে না | لَا مِسَاسٌ |
| তুমি হলে, তুমি হয়েছিলে, সারা দিন কাটালে | ظَلَّ |
| উপরিটি, অনুরূপ, সংযুক্তভূত | عَاكِفًا |
| আমি জ্ঞালিয়ে দিব | نُحْرَقْ (ح ر ق) |
| উড়িয়ে দেয়া, বিক্ষিপ্ত করা | تَسْفَا |
| দৃষ্টিহীন অবস্থায়, নীল-চোখ, প্রস্ত রূপ | رُرْفَا |
| তারা পরম্পরার চুপি চুপি বলাবলি করবে | يَتَّخَفَّونَ |
| উত্তম, উৎকৃষ্টপট্টীগণ | أَمْلَى |
| কুকু-৬ | |
| ময়দান, সমতল | فَاعِ |
| মস্থ, পরিষ্কার, পরিত্যক্ত, কুক্ষ ধূসর ময়দান | صَفَصَّفَ |
| উচুনিচি, টিলা, অসমান | أَمْتَأْ |
| মনু গুঞ্জন, অস্পষ্ট ধৰণি | فَمْسَا |

| | |
|---|------------------------|
| বিনত হবে, অবনমিত হবে | عَنْ |
| বেইনসাফী, জুলুম, অভাবগ্রস্ত হওয়া, হক নষ্ট হওয়া | مُصْمًا |
| সে সৃষ্টি করে, নতুন আবিষ্কার করে | يُحْدِثُ |
| দৃঢ় সঙ্কলনতা | عَزْمًا |
| কুকু-৭ | |
| ক্ষুধার্ত হবে না | لَا تَجُوعُ (ج و ع) |
| বৰ্ষাচীন হবে না, অনাবৃত হবে না | لَا تَغْرِي (ع ر ي) |
| পিপাসার্ত হবে না | لَا تَنْظَمُوا (ظ م ء) |
| ঝোদ্রপ্ত হবে না | لَا تَضْحِي |
| সংকীর্ণ, সঙ্কুচিত | ضَنْقاً |
| কুকু-৮ | |
| অবশ্যাবী, সাবস্ত হওয়া | لِزَاماً |
| সৌন্দর্য, জাঁকজমক | رَهْبَةٌ |
| পরীক্ষা করি | تَفْنِ |



| | |
|--|-----------------------------|
| কুকু-১ | |
| নতুন | مُحْدَثٌ |
| অমনোযোগী, অন্য চিন্তায় মশগুল | لَا هِيَةٌ |
| কুকু-২ | |
| আমরা ধৰ্মস করেছি, আমরা বিধবস্ত করেছি | قَصْمَنَا |
| তারা অনুভব করল, টের পেল | أَحْسَوْا |
| পালাতে লাগল, দিশেহারা হয়ে পালাতে লাগল | يَرْكَضُونَ (ر ك ض) |
| পালানো, দিশেহারা হয়ে পালানো | رَكْضٌ |
| চলতে থাকে, করতে থাকল, শেষ হয় নাই | مَازَالتْ |
| কর্তৃত ফসল | حَصِيدًا |
| অগ্নি নির্বাপিত ভয় | خَمِدِينْ |
| তারা পরিশ্রান্ত হয় না | لَا يَسْتَحْسِرُونَ (ح س ر) |
| তারা থামে না | لَا يَقْرُونَ |
| উভয়েই ধৰ্মস হয়ে যেত, উভয়ের মধ্যে অশান্তি বিরাজ করত | فَسَدَّنَا |
| আন, পোশ কর, দাও | هَأْتُوا |
| কুকু-৩ | |
| মিলিত অবস্থায়, বৰ্ষ, সংবক্ষ | رَتْفَا |
| পথক করে দিয়েছি, খুলে দিয়েছি, | فَنَفَّنَا |
| মুক্ত করেছি | |
| প্রশ়্ন | فَجَاجَا |
| ছাদ | سَقْفَا |
| বিচরণ করছে, পরিক্রমণ করছে, | يَسْبِحُونَ |

| | |
|--|---------------------|
| سُّلْطَانُ الرَّأْيِ | |
| تِرْكَوْنَاتِيُّ, أَنْتَ جَيْرَانِ, تِرْكَوْنَاتِيُّ | خَلْدٌ |
| يَدِي تُومِي مُعْتَدِلُ بَرَاجِ كَرِ | إِنْ مِتْ (م و ت) |
| تَارَا پُرْتِرِيَّا خَرَجَتِهِمْ كَرِ | لَيْكَفُونْ |
| هَتْرُوكِيُّ دَرَجَتِهِمْ كَرِ | تَبْهَتْ |
| هَتْرُوكِيُّ دَرَجَتِهِمْ كَرِ | بَهْتْ (ب ه ت) |
| كَرْكُوْ-٨ | |
| كَهْ فَهَاجَتِهِمْ كَرِ | مَنْ يَكَلُونْ |
| سَهْيَوْغِيْتَا دَهْيَا حَرَبِ, سَاهَيَا كَارِي | يُصْبِحُونْ |
| پَارِي | |
| كِيْچُوا تَرِ, اَكَوْ پَرِيمَاْنِ, یَاهَوْتَا | نَفَحَةٌ |
| سَارِيَا, شَسْ | خَرْدَلٌ |
| جَيْتِي, آلَوْ | ضَيْاءٌ |
| كَرْكُوْ-٩ | |
| پُرْتِيْمُوتِ, پُرْتِيْمَا | تَمَائِيلٌ (م ث ل) |
| بِيْرَمْ, تُوكَرِوْ تُوكَرِوْ | جَذَادًا |
| يُوْكَ | فَقَىٰ |
| كَثَا بَلَتِهِمْ پَارِي | يُنْطَفُونْ (ن ط ق) |
| أَبَنَامِيتِ هَلِ, أَبَنَاتِ كَرَلِ | نُسْسَوْ |
| دَنْخَ كَرِ, پُورِيْمِ دَأَوِ | حَرَقَوْ |
| هَوْ, هَوْيَا دَأَوِ | كُوبِيْ |
| شَيْتَلِ, ٹَيْبَا | بَرْدَا |
| كَرْكُوْ-٦ | |
| مَهَا سَنْكَوْ, بِيْدَهَنَا | كَرْبٌ |
| رَاهَتِهِمْ پَدَهَلِ, رَاهَتِهِمْ ڈَهِيْ | نَفَشَتْ |
| پَدَهَلِ | |
| حَاهَلَرِهِمْ پَالِ, مَيَّزِ | عَنْمٌ |
| آمِي بُوْيَيْهِ دِيْهَلِلِامِ | فَهَمَنْ |
| شِلِلِ, كَارِيْسِرِي | صَنْعَةٌ |
| بَرْمِ نِيْمَانِ | لَبُونْ |
| رَكْفَا كَرِتِهِمْ پَارِي | تَحْصِينٌ |
| پَرْبَلِ, كَتِنِ, تَيْرِ | عَاصِفَةٌ |
| دُوْبُرِيِّ كَاجِ كَرِتِ, دُوْبِ دِيْتِ | يُوْصُونْ |
| ماَهُوْيَا لَا (هَرَرَتِ إِنْلُوسِ آهِ) | دَا اللُّونْ |
| سَنْهَوْدَنِ كَرِ دِيْهَلِلِامِ, عَوَّمَوْجِي | أَصْلَحَنَا |
| كَرِ دِيْهَلِلِامِ | |
| سَرْهَكَنِ كَرِهِتِلِ | أَحْصَتْ |
| سَتِيْتِ, إِنْجَتِ, لَجَاجَهَانِ | فَرْجٌ |
| كَرْكُوْ-٧ | |
| أَغَاهَ حَرَبِ, أَسْهَيْرَتِ حَرَبِ | كُفَرَانْ |
| ٹُوْ بُومِ, سُوْئَچِ سَلَانِ | حَبَّ |
| دَرْتِ چُوْتَهَاسَبِهِ | يُسْلِيُونْ |
| بِيْكَهَارِتِ حَرَبِ | شَاحِنَةٌ |
| إِنْكَانِ | حَصَبٌ |
| تَوْنَيْتِ حَرَبِ, پَرِيشَكَارِيِّ حَرَبِ | وَارْدُونْ |
| تِرْكَانِ, كَانِ فَاتِاً آرْتَنَادِ | رَفِيرِ |
| دَرِيِّ خَابَهِ | مَعْدُونْ |

| | |
|--|---------------|
| شَهِيدَتِمْ شَدِ | حَسِيْسٌ |
| آرَاسِ, آرَاتِكِ | فَزَعٌ |
| آمِرَارِا گُوْتِيِّهِ فَلَلِرِ, بَاجِ كَرِ | نَطْويِ |
| رَاهَبَوِهِ | |
| গُটানো, بَاجِ كَرِ رَاهَبَوِهِ | طَيِّ |
| لِيْخِيْتِ كَاغَزِ, دَفَتَرِ, خَاتَهِ | سِجَلٌ |
| سَارِدَانِ كَرِ دِيْযَهِيِّ, جَانِيِّهِ | اَنْتَ |
| دِيْيَهِيِّ | |
| آمِي تَوِهِ مَنِيِّ كَرِ, إِছَادِا آمِي | إِنْ اَدْرِيِ |
| جَانِيِّنا | |



| | |
|--|--------------------|
| كَرْكُوْ-١ | |
| بِيْسَعِتِ هَرَبِ, بَلِلِهِ يَابِ | تَدَهَلٌ (ذ ه ل) |
| تَنْدَانِيَهِيِّ | مُرْصَعَةٌ |
| گَرْتَپَاتِ كَرِ | تَضَعُ |
| گَرْتَبَتِي | ذَاتِ حَمْلٌ |
| مَاتَالِ سَدْرَشِ, پَرِمَاتِ | سُكَارِيِّ |
| آرَادِخِ, نَافَرَمَانِ, دَعْدَتِ | مَرِيدٌ |
| بَدْرُ بَانَارِ, اَبِيْلَادِا بَانَارِ | تَوَلَا |
| رَكْتِ پِيْنِ | عَلْفَةٌ |
| مَاءِسِ پِيْنِ | مُضَنْعَةٌ |
| پُرْمَكْتِيْلِيْشِتِ, سَمْسُرْ پَرِسْتُوْتِ | مُخْلَفَةٌ |
| هِتِيْلِيِّلِ كَرِ, دِرَخِ دَهِيِّ, اَبَدَهَانِ | تَقْرَ |
| كَرِاَيِّ | |
| پِيْشَرَكَهِ | طِفَلٌ |
| أَكَرْمَغِ جَيْرَانِ, هَيْنَاتِمِ بَيَسِ, نِيْكُوْتِيْمِ جَيْرَانِ | أَرْدَلِ الْعُمْرِ |
| بِيْسَعِتِ, نِيْسَطِرِ | |
| سَتِيزِ جَهَّ, سَرَسِ جَهَّ | هَامِدَةٌ |
| شَفِيزِ جَهَّ, فَلِلِهِ ڈَرِتِ | إِهْزَرٌ |
| سَمْسُرْ ڈَنْدِلِ, مَانَوَرَمِ تَرْكِ-لَتَا, | رَبَّتٌ |
| سُونَدِرِ جَوَادِ | رَوْجَ بَهْيَجٌ |
| بَاكِ كَرِ, دَعْدَتِ كَرِ | |
| کَارِدِ, گَارِنِ | ثَانِيٌ |
| كَرْكُوْ-٢ | |
| دِيْيَا دَسْكِ جَدِيِّ, سَمْسَيَيْسِ, اَكَطَاهِ | حَرْفٌ |
| دَانِڈِيِّ | |
| رَاجِزِ, رَاشِ | سَبَبٌ |
| جيْرَانِ-جَسْتُ | (دَوَابَ) دَوَابٌ |
| دُوْيِ بَاغَدَارِتِ, بَاغَدَارِيِّ, بِيْوَدَمَانِ | حَصْمَانٌ |
| پَكْهَدَهِ | |
| بِيْرَكِ كَرِ, بَاغَدَارِ كَرِ, تَارَا بِيْوَادِ | اَخْتَصَمُوا |

| | |
|--|----------------------------------|
| করছে | |
| কেটে তৈরী করা হয়েছে, কেটে ফেলা হয়েছে, বিচ্ছিন্ন করা হয়েছে | فَطَعْتَ |
| কাপড় | ثِيَابٌ |
| চলে দেয়া হবে | يُصْبَ |
| বিগলিত করা হবে | يُصْهِرُ |
| হাতুড়ি, মুগ্ধ, গুর্জ, লোহদণ্ড | مَقَامِعٌ |
| লোহা | حَدِيدٌ |
| ক্রকু- ৩ | |
| মুক্তা | لُوْلُوٌ |
| রেশম | حَرِيرٌ |
| হানীয় অধিবাসী | غَاكِفٌ |
| বহিরাগত | بَادٌ |
| ধর্মব্রোহিতা, শিরক, পাপ কাজ, নাস্তি | إِلْهَادٌ |
| কতা | |
| ক্রকু- ৪ | |
| কৃষকায় উট, কৃষকায় উট, দুর্বল উট | ضَامِرٌ |
| দ্র-দ্রাস্ত পথ, দ্রবর্তী পথ, প্রত্যন্ত অধ্বল | فَجْ عَمِيقٌ |
| গৃহপালিত চতুর্পদী জন্মতু | بَهِيمَةُ الْأَنْعَامِ |
| তোমরা খাও | كُلُواً |
| খাওয়াও | أَطْعُمُوا |
| ক্ষুধার্ত, ভুখা, দুঃস্থ | الْبَاسِ |
| দ্রু করে, ঠিক করে | يَخْسُنُ |
| ময়লা, অপরিচ্ছন্নতা | نَفَّ |
| প্রাচীন গৃহ, সুসংরক্ষিত গৃহ, অর্থাৎ কাবা শরীফ | الْبَيْتُ الْعَيْنِ |
| জ্বে মেঝে নিয়ে যায় | تَحْلِفُ |
| নিক্ষেপ করে, উঠিয়ে নিয়ে যায় | تَهْوِي |
| দ্রুবর্তী স্থান, বহুদূর | سَحِيقٌ |
| ক্রকু- ৫ | |
| বিনয়ীগণ, নিষ্ঠাপূর্ণ আনুগতা এহশাকারী লোকেরা, (আল্লাহর হৃকুমের কাছে) অবনতকারী লোকেরা | مُخْبِتِينَ |
| কোরবারী উটগুলো | بُذْنٌ |
| সারিবদ্ধভাবে (দাঁড়ান অবস্থায়) | صَوَافٌ |
| ভূপাতিত হয়, পড়ে যায়, চলে পড়ে | وَجَبَتْ |
| ধৈর্ঘ্যশীল অভাবগত, পরিতৃষ্ঠ, সহিষ্ণু | قَانِعٌ |
| প্রার্থনাকারী অভাবগত | مُغْرِرٌ |
| মাধ্যম | (একবচন.: لَحْمٌ) لَحْمُ (لَحْمٌ) |
| বিশ্বাসঘাতক, অবিশাসী, খেয়ানতকারী | خَوَانٌ |
| ক্রকু- ৬ | |
| অনুমতি প্রদান করা হল | أَذِنٌ |
| নিহত হয়, মৃদ্ধ করা হচ্ছে | يُقَاتَلُونَ |
| বিধ্বন্ত করা হত, ধ্বনস্থাপ্ত হত | هَدَمْتُ |
| সংসার বিরাগীদের উপাসনালয়গুলো, সাধনা গৃহ | صَوَامِعٌ |
| ইসাইদের গীর্জা | بَيْعٌ |

| صَلَواتٌ | ইহুদীদের উপাসনালয়গুলো |
|---------------------------------|----------------------------------|
| أَمْلَتْ | অবকাশ দিইয়েছিলাম |
| نَكِيرٌ | আয়াব, শাস্তি |
| بَنْزٌ | ক্রপ |
| مَعْطَلَةٌ | পরিত্যক্ত, অকর্ম্য, বেকার |
| (বছৰচন.: فَصُورْ قَصْرٌ) | মহল, প্রাসাদ |
| مَشِيدٌ | সুউচ্চ, সজ্জিত, মজবুত |
| نَعْمَى | অক্ষ হয় |
| نَمَى | ক্রকু- ৭ |
| آكাঞ্চা করেছে, সে সংকল্প করেছে, | আকাঞ্চা করেছে, সে সংকল্প করেছে, |
| অভিলাষ করেছে | অভিলাষ করেছে |
| نَحْبَتْ | বিনত হয়, অবনমিত হয় |
| عَقِيمٌ | বক্ষা, বৰকতহীন, ধৰ্মসকারী, খারাপ |
| مَخْضَرَةٌ | ক্রকু- ৮ |
| بَسْطَوْنَ | হারিংবণ্ণ, সবুজ, শামল |
| نَبَاباً | ক্রকু- ৯ |
| بِسْلَبٌ | যেন পতিত হয় |
| لَا يَسْتَقْدُوا | আক্রমণ করবে, হামলা করবে |
| إِسْتِخَادٌ | ক্রকু- ১০ |



| | |
|------------------------|--|
| فُرْجٌ (فَرْجٌ) | ক্রকু- ১ |
| عَيْرُ مَلْمِيْنْ | গুপ্তাঙ্গ, লজ্জাস্থান, পবিত্রতা, সতীত্ব (একবচন.: গুপ্তাঙ্গ, লজ্জাস্থান, পবিত্রতা, সতীত্ব) |
| عَادُونْ | নিম্নোন্নয়ন, তিরস্কৃত হবে না, মন্দ বলা হয় নাই |
| رَاعُونْ | সীমা লংঘনকারী |
| سَلَالَة | সংরক্ষণকারী, খেয়াল রাখে, সতর্ক থাকে |
| كَسَوْنَا | সারাংশ, নির্যাস, নির্বাচিত আবৃত করেছি, পরিধান করিয়েছি, ঢেকে দিয়েছি |
| طَرَاقَ (طَرِيقَةٌ) | পথসমূহ (একবচন.: পথসমূহ) |
| دَهَاب | অপসারিত করা, নিয়ে যাওয়া |
| دُهْنٌ | তেল, পিছিল |
| صَبْعٌ | ব্যঙ্গন, আহার্য, রূ |
| إِسْتِوَيْتَ | ক্রকু- ২ |
| আরোহন করবে, সমান হওয়া | আরোহন করবে, সমান হওয়া |

| পরীক্ষাকারী | মৌলিন |
|--|-----------------------|
| ক্রকু- ৩ | |
| সুখ-সম্পদ দান করেছি, সাচ্ছন্দ দিয়েছি | أثْرَفَ |
| সুখী করা, সম্পদশালী করা, ধন দেয়া | أثْرَفَ |
| অসম্ভব, হতে পারে না, সুন্দর পরাহত | هُرْبَاتْ |
| আবর্জনা, চূর্ণ-বিচূর্ণ | غَنَّاءُ |
| একাদিক্রম, পর পর, ক্রমাগতভাবে | تَتْرَا |
| উচ্চ জয়গা, উচ্চ ভূমি | رَبْوَةٌ |
| ক্রকু- ৪ | |
| টুকরো টুকরো করে, খন্দ-বিখন্দ করে | زِبْرَا |
| বিলুষ্টি, অজ্ঞানতা, অমনোযোগিতা, অবহেলা | عَمَّرَةٌ |
| আর্তনাদ করা, ফরিয়াদ করা | جِرْرٌ |
| পশ্চাদপসরণ করতে, সন্মে যেতে, প্রত্যাবর্তিত হতে | تَكَصُّونَ (نَ كَ صَ) |
| গল্প গুরুবে মেতে উঠা, কেছু কাহিনী | سَامِرًا |
| বলা | |
| অথৈইন কথা বলতে | تَهْجُرُونَ |
| বিচুত, বিপথগামী | نَكَيْوَنَ (نَ كَ بَ) |
| লেগেই থাকবে | لَجَوَأْ |
| ক্রকু- ৫ | |
| বক্ষ করেন, আশ্রয় দান করেন | بَحِيرٌ |
| তাঁর মুকাবিলায় কেউ আশ্রয় দিতে পারবে না, তাঁর বিরক্তে কেউ রক্ষা করতে পারবে না | لَا يَجَارُ عَلَيْهِ |
| ক্রকু- ৬ | |
| কুপ্রোচনা, ওয়াসওয়াসা | هَمَّزَاتٍ |
| কথোপকথনকারী, বক্তা, উত্তিকারী | قَائِلٌ |
| আত্মায়তার বৰ্ধন | أَنْسَابٌ |
| বলসিয়ে দিবে, দন্ধ করবে | تَلْفَحُ |
| বিবর্ণ, বীভৎস, কু-আকৃতি | كَالْحُونَ |
| গণনাকারী, পরিসংখ্যানকারী | عَادِيْنَ |
| অনর্থক, নিষ্ফল | عَبْتَأْ |

| ক্রকু-১ | |
|----------------------------|-------------|
| তোমরা বেআঘাত কর, কোড়া মার | اجْلَدُوا |
| বেত, কোড়া | جَلْدَةٌ |
| মমতা, দয়া, অনুকূল্যা | رَأْفَةٌ |
| অপবাদ দেয় | يَرْمُونَ |
| আপি | ثَمَالِيْنَ |
| বাহিত হবে, বিদ্যুরিত হবে | يَدْرُوْا |
| ক্রকু- ২ | |

| মিথ্যা অপবাদ | إِفْ |
|--|------------------------------|
| জড়িয়ে পড়েছিলে, আরঞ্জ করেছিলে, চর্চ করেছিলে, আলোচনা করেছিলে | أَفْضَلْ |
| ছড়াছিলে | تَلَقْوَنَ |
| সাধারণ কথা, তুচ্ছ | هَيْنَا |
| প্রচারিত হয়, প্রসার লাভ করুক | تَشْعِيْعٌ |
| ক্রকু- ৩ | |
| (যেন) কসম না ধায়, (যেন) শপথ না করে | لَا يَأْتِي |
| কসম খাওয়া, শপথ করা | إِنْتَلِي |
| বিমুক্ত, সম্পর্কহীন, নিষ্পলংক | مِبْرَعْوَنَ |
| ক্রকু- ৪ | |
| তোমরা অনুমতি গ্রহণ কর | سَسْتَأْسِسُوا |
| বসবাসের স্থান নয়, অনাবাসিক, যে গৃহে কেউ বাস করে না | غَيْرَ مَسْكُونٌ |
| নত রাখা, অবনত করা, সংযত করা | غَضْ |
| প্রদর্শন না করে, প্রকাশন করে | لَا يَبْدِي |
| শ্বামীরা | بُعُولَةٌ (بَعْل.) |
| অথর্ব দাস, যৌনকামনামুক্ত দাস | غَيْرُ أُولَى الْأَرْبَةِ |
| বালক | طَفْلٌ |
| জোপন অঙ্গ, নারীগণের আবরণীয় | عُرْأَاتٌ |
| বিষয় | |
| অবিহিতগণ | أَيَامِي |
| দাসী | إِمَامَ (أَمَّةٌ) (একবচন.:) |
| দাসীগণ | فَتَيَّاتٌ |
| ব্যক্তিচার, বেশ্যাবৃত্তি | بَعْأَ |
| চরিত্রবৃত্তি হয়ে থাকা, সতীত সংরক্ষণ | تَحَصَّنَا |
| করা | |
| পার্থিব সম্পদ, ক্ষণঘন্যী সম্পদ, বৈশ্যিক স্বৰ্থ | عَرَضٌ |
| ক্রকু- ৫ | |
| দীপাধার, চৱাগ দানী, তাক, দেওয়ালের ছেট খোপ | مِشْكُوَةٌ |
| প্রদীপ | مِصْبَاحٌ |
| কাঁচপাত্র | رِجَاجَةٌ |
| নক্ষত্র, তারা | كَوْكَبٌ |
| উজ্জ্বল | ذَرَيٌ |
| তা আলোকিত করা হয়, তা প্রজ্জলিত করা হয় | يُوقَدٌ |
| তেল | زَيْتٌ |
| উজ্জ্বল আলো দিচ্ছে, স্বত্প্রজ্জলিত হয় | يُضِيْعُ |
| সম্মত করা হোক, সম্মান প্রদর্শন করা হোক | تُرْفَعُ |
| বিবর্তিত হবে, উল্টিয়ে যাবে | تَتَقْبَبُ |
| মরৌচিকা | سَرَابٌ |
| মরুভূমি, ময়দান | فَيْعَةٌ |
| পিপাসাত বাক্তি | ظَمَانٌ |
| গভীর | لَجَيٌّ |

سُورَةُ الْفُور
سূরা নূর
আলো
সূরা ২৪

| | |
|---|------------------|
| কাছেও নেই, সম্ভব নয়, আদৌ না | لَمْ يَكُنْ |
| রুকু- ৬ | |
| স্তরে স্তরে, উপরে নীচে, স্মৃতি কৃত, ঘনীভূত | رَكَاماً |
| বৃষ্টি ধারা | وَدْقٌ |
| অভ্যন্তর, মধ্য | خَلَان |
| ঠাণ্ডা, শীত, বরফ শিলা | بَرْدٌ |
| আলো, বিদ্যুৎ বলক | سَنَا |
| বিনীতভাবে | مُدْعِينْ |
| অবিচার করবেন | يَحِيفَ |
| রুকু- ৭ | |
| শাসন কর্তৃত্ব প্রদান করবেন, দান করবেন, খলিফা বানাবেন | يَسْتَخْلِفَنَ |
| অক্ষমকারী | مُعْجِزِينْ |
| রুকু- ৮ | |
| অনুমতি গ্রহণ করে | يَسْتَأْذِنُونَ |
| অনুমতি গ্রহণ করা | إِسْتِدَانُونَ |
| বালেগ হওয়া, প্রাপ্ত বয়স হওয়া, বুদ্ধির পরিপূর্কতা পর্যবেক্ষণ | حُمْ |
| (খুলো)রাখ, তোমরা (খুলো)রাখ | تَضَعُونَ |
| দ্বিপ্রবর, দুপুর | ظَهِيرَةً |
| বালকবালিকাগণ | أَطْفَالٍ |
| (যৌবন) অতিক্রমকারিনী, বর্ষায়সী, | فَوَاعِدٍ |
| বৃক্ষ | |
| সৌন্দর্য প্রদর্শনকারিনী | مُبَرَّجَاتٍ |
| পদ্মু | أَغْرَجٌ |
| চাচারা | أَعْمَامٍ |
| ফুফুরা | عَمَاتٍ (عَمَّة) |
| মামারা | أَخْوَالٍ |
| খালারা | خَالَاتٍ (خَلٌ) |
| ভিন্ন ভিন্ন ভাবে | أَشْتَانًا |
| রুকু- ৯ | |
| কাজ, ব্যাপার | شَانٌ |
| তারা গোপনে প্রস্থান করে, সরে পড়ে | يَسْلَلُونَ مِنْ |
| গোপনে প্রস্থান করা, সরে পড়া | سَلَلَ مِنْ |
| চুপিসারে, অগোচরে, গোপনে | لَوَادًا |

| | |
|---|---------|
| سُورَةُ الْفُرْقَان | |
| سুরা ফুরক্ত | |
| সত্য মিথ্যার মাপকাঠি | |
| সুরা ২৫ | |
| রুকু-১ | |
| পুনরুত্থান, পুনরজীবিত করা | شُورَا |
| সাহায্য করেছে | أَعْنَ |
| শোনানো হয়, পড়া হয়, লিপিবদ্ধ করা হয় | تُمْلِى |
| চলাফেরা করে | يَمْشِي |

| أَسْوَاقْ (سُوقْ) | (একবচন.:) |
|---|--------------------|
| فَصُورَا | রুকু-২ |
| مَهْلَكَة, প্রাসাদগুলো | غَيْظَا |
| ক্রেতের গর্জন, রাগ, রাগের | صَيْقَا |
| উন্ডেজনা | بَيْعَيْنَ |
| সংকীর্ণ | مُقْرَبَيْنَ |
| বাঁধা অবস্থায়, শৃঙ্খলিত অবস্থায় | مُثْوَرَا |
| মৃত্যু, ধৰ্মস | أَضْلَالُمْ |
| তোমরা বিশ্বাস্ত করেছিলে? | بُورَا |
| ধৰ্মস্পাষ্ট, ধৰ্মস | بُورَا |
| রুকু-৩ | |
| বাধা, প্রতিবন্ধকতা, আড়াল | حِجْرَا |
| ধুলিকণা | هَبَاءً |
| বিক্ষিপ্ত | مَنْتَهَرَا |
| দুপুরের বিশ্রামস্থল | مَقْيَلَا |
| মেঘমালা | عَمَامٌ |
| সে কামড়াবে | يَعْضُ |
| প্রতারক | خَذُولًا |
| পরিভ্রান্ত, বর্জিত, উপহাসের | مَهْجُورًا |
| গুরুত্বহীন বস্তু | تَرْتِيلِيَا |
| স্পষ্ট আবৃত্তি (স্পষ্টভাবে সাজানো), ক্রমে ক্রমে, বিরতি দিয়ে (এক বিশেষ ধারায় আলাদা আলাদা অংশে) | بَيْسِيرَا |
| ব্যাখ্যা (প্রদান করি), মূল কথাকে | |
| ব্যক্ত করে দিয়েছি | |
| রুকু-৪ | |
| ধৰ্মস করা | دَمَرٌ |
| কৃপের অধিবাসীগণ | أَصْنَابَ الرَّسَّ |
| ধৰ্মস করা (সম্পূর্ণরূপে) | تَبَيِّرَا |
| রুকু-৫ | |
| ঘায়া | ظَلٌ |
| দলীল, পথ প্রদর্শক | دَلِيلًا |
| বিশ্রাম স্বরূপ (মৃত্যুসম) | سُبَاثًا |
| সম্প্রিলিত করেছেন, মিলিয়ে প্রবাহিত করেছেন | مَرْجٌ |
| মিছি | عَنْبٌ |
| সুপেয়, ত্বক্ষ নিবারক | فَرَاتٌ |
| লবণাক্ত | مَلْحٌ |
| বিশ্বাদ, প্রদাহকারী | أَجَاجٌ |
| অস্তরায়, আড়াল | بَرْزَخٌ |
| বংশগত সম্পর্ক, বংশগত সম্পর্কের আত্মীয় | تَسْبِيَّ |
| বৈবাহিক সম্পর্ক, বৈবাহিক সম্পর্কের আত্মীয় | صَهْرَا |
| রুকু-৬ | |
| প্রদীপ অর্থাৎ সূর্য | سِرَاج |
| পর্যায়ক্রমে আগমনকারী, যারা একের পর এক আসে | خِفْفَةً |
| তারা চলাফেরা করে | يَمْشُونْ |

| | |
|------------------------------|-------------|
| ন্যৰতাবে, বিনীতভাবে | هُوَنَا |
| বাত কাটায় | يَبْتُونْ |
| প্রাণস্তকর, অনিবার্য | غَرَامًا |
| তারা কার্পণ করে | يَقْرُوا |
| মধ্যমপথী, দণ্ডয়মান | قَوَاماً |
| ঘৃণিত, লাঞ্ছিত, হীন অবস্থায় | مُهَانًا |
| সমুচ্চ কক্ষ, উচ্চতম মঞ্জিল | عُرْفَةٌ |
| আহ করেন না, পরোয়া করেন না | مَا يَعْبُو |
| অবশ্যভাবী, স্থায়ী অপরিহার্য | لِزَاماً |



| | |
|--|--------------|
| কুকু-১ | خاضعين |
| অবনমিতকারীগণ, বিনয়ীগণ | مَسْجُوبُينَ |
| কুকু-২ | |
| শিশু অবস্থায়, শৈশবে | وَلِيًّا |
| কারাকর্দগণ | حَادِرُونَ |
| সাপ, অজগর | ثَعَانٌ |
| কুকু-৩ | |
| অবকাশ দাও, তার (ব্যাপার) হ্রস্গিত | أَرْجُهْ |
| বাখ | |
| কোন ক্ষতিনাই | لَا ضَيْرٌ |
| কুকু-৪ | |
| দল, জামা'আত | شَرِّدَمَةٌ |
| জ্বর উদ্বিষ্টকারী | غَائِطُونَ |
| ভীতি প্রদর্শনকারী, সদাসতক | حَذَرُونَ |
| সূর্য-উদয়কালে | مُشْرِقُينَ |
| ধরা পড়ে গোলাম | مُذْرِكُونَ |
| কখনই নয় | كُلًا |
| বিদীর্ণ হল | إِنْفَاقٍ |
| পাহড় | طَوْدٌ |
| আমরা নিকটে আনলাম, নিকটতর করে দিয়েছিলাম | أَرْفَقَا |
| কুকু-৫ | |
| পূর্ববতীগণ | أَقْدَمُونَ |
| আমাকে পারীয় দান করেন | بَسْقِينَ |
| সন্মিলিত কর | الْحَقْ |
| নিকটে আনা হবে | أَزْلَفَ |
| প্রকাশ করা হবে, উন্মোচিত করা হবে | بُرَزَتْ |
| অধোমুখি করে নিক্ষেপ করা হবে, ঠেলে দেয়া হবে | كُبْكِيُونَ |
| বক্স | صَدِيقٌ |
| সুহাদয় বক্স | حَمِيمٌ |

| | |
|---|-------------------------------|
| কুকু-৬ | أرْذُونْ |
| নিকৃতম লোকেরা, অধম নিমজ্জাতের লোকেরা | مَرْجُومِينَ |
| বিভাড়নকারী | مَشْحُونْ |
| প্রত্যাখাতে নিহত ব্যক্তিবর্গ | مَرْجُونْ |
| বোৰাই, ভর্তি, পরিপূর্ণ, পূর্ণতা | مَرْجُونْ |
| কুকু-৭ | |
| তৈমুর নির্মাণ কর | تَبْنُونْ |
| উচ্চ স্থান | رِيعٌ |
| প্রাসাদ, অট্টালিকা সমূহ | (একবচন.: مَصْنَعٌ) صَانِعٌ |
| হস্তক্ষেপ কর, আঘাত হান | بَطْشَمٌ |
| নিয়ামত দিয়েছেন, সাহায্য করেছেন | أَمَّا |
| কুকু-৮ | |
| এইখান | هَاهُنَا |
| সুকোমল রসে ভরা, মঞ্জরিত, মুকুলিত | هَضِيمٌ |
| সানলে, অহংকার বশে, দম্ভভরে | فَارِهِينَ |
| কুকু-৯ | |
| পুরুষগণ | ذُكْرَانَ |
| বীতশুক, ঘৃণাকারী | قَالِينَ |
| এক বৃক্ষ | عَجُورٌ |
| কুকু-১০ | |
| বন, এক গাছের নাম | أَيْكَةٌ |
| বংশধরদের | جِيلَةٌ |
| নিক্ষেপ কর, ফেলো | أَسْقَطَ |
| কুকু-১১ | |
| প্রক্ষিট করেছে, সংখার করেছে | سَلَكْنَا |
| অপসূত হয়েছে, দূরে রাখা হয়েছে | مَعْرُولُونَ |
| প্রতিশেখ অহণ করে | الْتَّصْرُوا |
| গন্তব্যস্থান, প্রত্যাবর্তন স্থল | مَنْقَلٌ |



| | |
|--|-------------|
| কুকু-১ | ثَقِي |
| লাভ করছ, শিক্ষা দেয়া হয় | شَهَابٌ |
| জ্বলন্ত | قَبْسٌ |
| অংগুর | تَصْطَلُونَ |
| ভূমি আগ্নেন পোহাতে পার | بُورْكٌ |
| সে মোবারক (ধন), কল্যাণযুক্ত করা | |
| হয়েছে, তাতে কল্যাণ দেয়া হয়েছে | |
| নড়াচড়া করছে, ছাঁটাছুটি করছে, গড়িয়ে চলছে | ثَهْرَ |
| সাপ | جَانَ |

| | |
|---|-------------------------------|
| پیچنے فریل نا، مُخْ فِرِّیِّلَ نَاءِ دِخَلَ نَا | لَمْ يَعْقِبْ |
| বক্ষপাৰ্শ্ব, বগল | جَبْ |
| কক্ষ-২ | |
| ভাষা, বাক্য | مَنْطَقٌ |
| সমবেত করা হত, বিন্যস্ত করা হত | يُورْعَونْ |
| পিপীলিকার আস্তর, পিপীলিকার উপত্যকা | وَادِ النَّمْلٍ |
| পিপীলিকা | نَمْلَةٌ |
| নিষ্পেষিত না করে, পদদলিত না করে | لَا يَحْطِمْ |
| মুচকি হাসলেন | (ভাব বিশেষ.: بَسْمَ (تَبَسْمَ |
| হাসা | ضَاحِحًا |
| তাওফিক দাও, সামর্থদান কর | أُرْعَ |
| খেঁজ খবর নিলেন, পর্যবেক্ষণ করলেন, পেলেন না | تَفَقَّدَ |
| ভদ্রত্দ (পাখ বিশেষ) | هَذْهَ |
| ইয়ামেন অংশের একটি রাজ্যের নাম | سَبَا |
| গোপন বস্তু, গুপ্ত বিষয় | خَبْءٌ |
| নিক্ষেপ কর, অপ্রস কর | أَلْقَهُ |
| কক্ষ-৩ | |
| সিদ্ধান্ত গ্রহণ করা, ফয়সালা করা | قَاطِعَةٌ |
| উপটোকন, হাদিয়া | هَدِيَةٌ |
| শান্তিশালী জিন, সাহসী, বিশাল দেবী | عَفْرِيَّتٌ |
| ফিরে আসে, প্রত্যাবর্তিত হয় | يَرْتَدَ |
| জাতের পাতা, দৃষ্টি, পলক | طَرْفٌ |
| বিবর্তিত করে দাও, বদলিয়ে দাও | تَكْرُوا |
| এই ভাবে, এইরপ | هَكَّا |
| গভীর পানি, জলাশয় | لَجَةٌ |
| উন্মুক্ত করল, উঠাল | كَشَفَ |
| পাত্রের গোড়ালী | (একবচন.: سَاقٌ (سَاقٌ |
| বিমন্ডিত, নির্মিত | مُمَرَّدٌ |
| স্বচ্ছ কাঁচ | فَوَارِير |
| কক্ষ-৪ | |
| দলপতি, দল, জামাত | رَهْطٌ |
| শপথ করা, তারা শপথ করল | تَقَاسِمُوا |
| বাতে আক্রমণ করব | نَبِيَّنْ |
| ধর্মসের সময় | مَهْلِكٌ |
| কক্ষ-৫ | |
| মনোনীত করেছেন, চয়ন করেছেন | إِصْطَفَى |
| আল্লাহ কি?(হল) | عَالَهُ |
| বাগান, উদ্যানসমূহ | (একবচন.: حَدَائقٌ (حَدِيْقَةٌ |
| মনোরম, সুশোভিত | ذَاتَ بَهْجَةٍ |
| সুদূর পর্বতমালা | رَوَاسِيٌّ |
| অন্তরায়, আড়াল | حَاجِزًا |
| নিঃশেষ হয়ে গেছে, বিলুপ্ত হয়ে গেছে | إِذْارَكٌ |
| কক্ষ-৬ | |
| নিকটবর্তী, পশ্চাদানুসূরণ করবে, | رَدْفٌ |
| পিছনে এসে গেছে | |

| | |
|---|------------|
| لُوكায়িত আছে, গোপন করে রেখেছে | ثُكِّ |
| বিবৃত করছে, বর্ণনা করছে, ঘটনা বা কাহিনী বর্ণনা করছে | يَقْصَ |
| কক্ষ-৭ | |
| আর কি? অথবা কি? অন্য কিছু? | أَمَادَا |
| আত্মকিত হবে, ভীত বিহ্বল হয়ে পড়বে | فَرَعَ |
| বিসীতভাবে, বিনীত অবস্থায় | ذَاهِرِينْ |
| অচল, দৃঢ়মূল | جَامِدَةٌ |
| অধোমুখে নিষ্কিপ্ত হবে | كَبَّتْ |



| | |
|---|--------------------------|
| কক্ষ-১ | |
| ‘হামান’ ফিগাউলের উজীরের নাম | هَامَانٌ |
| দুখ পান করাও | أَرْضِعِي |
| তুলে নিয়েছিল | إِلْتَقطَ |
| কিলিত, অস্ত্র, শুন্য হয়ে যাওয়া | فَارِغًا |
| পিছনে পিছনে যাও, খবর নাও | فَصَنِي |
| দূর থেকে | عَنْ جَبْ |
| খবর দিব, সন্ধান দিব | أَذْلَ |
| কক্ষ-২ | |
| সাহায্য প্রার্থনা করল | إِسْتَغْاثَةٌ |
| ঘূর্মি মারল | وَكَرَ |
| সর্তকভাবে, শর্কিত অবস্থায়, গোপন খবর | يَتَرْفَبْ |
| গতকাল | أَمْسٌ |
| ঠিকার করে ডাকছে | يَسْتَصْرُخُ |
| ধরার জন্য হাত বাড়াল, শারেষ্ঠা করবে | يَبْنِطِشُ |
| এক প্রাত | أَفْصِي |
| দোড়াল, দোড়িয়ে | يَسْعِي |
| সিদ্ধান্ত নিছে, প্রার্থনা করছে | يَائِمِرُونْ |
| কক্ষ-৩ | |
| মুখ করল, ঢেহারা ফিরাল, রওনা দিল | تَوَجَّهَ |
| অভিমুখে, দিকে | تِلْقَاءٌ |
| দুই মহিলা দূরে সরিয়ে রাখছিল, দুজন আটকে রেখেছে (তাদের জন্মগুলোকে) | تَدْوِدان |
| সরে যায়, ফিরে যায় | يَصْدَرُ |
| রাখালরা | (একবচন.: رَاعِيٌّ (رَاعَ |
| সলজ্জভাবে, লজ্জা ও শালীনতার সাথে | إِسْتَحْيَاءٌ |
| চাকরী দিন, চাকর নিযুক্ত কর, শ্রমিক নিয়োজিত কর | إِسْتَأْجِرٌ |

| | |
|---|-----------------------------|
| কোন একজন | اَهْدِي |
| এই দুইজনের | هَاتِئُنْ |
| বছর সম্মত | حَجَّ (حَجَّة) (একবচন.:) |
| যে কোন একটি, যাচি | اَيْمَا |
| ক্রকু-৪ | |
| প্রস্থান করছিল, যাওয়া করল | سَارَ |
| অঙ্গার | جَلْوَة |
| প্রাণ, বিনারা | شَاطِئ |
| ভূখণ্ড, হ্যান | بَقْعَة |
| এই দুটি (দেয়া হল) | دَانِك |
| অধিক প্রাঞ্জল | أَفْصَح |
| সমর্থক, সাহায্যকারী, সহায়ক | رَدَا |
| মজবুত করব, শক্তিশালী করব | شَدَّ |
| বাছ | عَصْدًا |
| পৌছতে পারবে না (কষ্ট দিতে) | لَا يَصْلُونَ |
| আগুন ঝালাও অর্থাৎ ইট পোড়াবার প্রস্তুতি গ্রহণ কর | أَوْقَدْ |
| দুর্শয়হৃণ | مَقْبُوْحِينَ |
| ক্রকু-৫ | |
| অতিবাহিত হয়েছে, বর্ধিত হয়েছে, দীর্ঘ হয়েছে | طَوْلٍ |
| বিদ্যমান, ছিল না, অস্তভুক্ত ছিল না | ثَوَيْاً |
| ক্রকু-৬ | |
| উপর্যুক্তির পোছিয়াছি | وَصَلَّنَا |
| আমরা চাই না | لَا تَبْغِي |
| আমরা উচ্ছেদ হয়ে যাব, আমাদের উপাসিত করা হবে | تَنْخَطُّ |
| অহংকার করত, গর্বিত ছিল (তার অধিবাসীরা) | بَطَرَتْ |
| ক্রকু-৭ | |
| মনোনীত করেন, পছন্দ করেন | يَخْتَارُ |
| কোন এখতিয়ার, ক্ষমতা, ইচ্ছা, মন্তব্য | خِبَرَة |
| সুদীর্ঘ, চিরস্থায়ী | سَرْمَدًا |
| আলো | ضَيَاءً |
| ক্রকু-৮ | |
| কষ্টসাধ ছিল, দুর্বহ ছিল, বোৰা নুঁয়ে দেয় | تَنْوُعٌ |
| আমি খবিসিয়ে দিয়েছি, পুত্রে ফেলেছি | خَسْفَنَا |
| কি আশ্চর্য, বড়ই আফসোস | وَيْكَانٌ |
| ক্রকু-৯ | |
| ফরয় করেছেন, নির্ধারণ করেছেন | فَرَضَ |
| পৌছে দেবেন, যে যিনিয়ে দেয়, প্রজ্ঞাবর্তন করায় | رَأَدَ |
| প্রজ্ঞাবর্তনস্ত্রল, পরিণতি(কল্যাণকর) | مَعَاد |
| তুমি আশা কর | تَرْجُوا |



| | |
|--|--|
| ক্রকু-১ | |
| অবশ্যই আসবে, অবশ্যই সমাগত | لَاتِ |
| নিয়াতিত হয়েছে, কষ্ট দেয়া হয়েছে | أَوْذِيَ |
| ক্রকু-২ | |
| সৃষ্টি করবেন, সৃষ্টি করা | (ভাব বিশেষ..:) إِشَاءُ يُشْتَرِي |
| প্রজ্ঞাবর্তিত হবে, কিনিয়ে যাবে | تَثْلِبُونَ |
| ক্রকু-৩ | |
| অগ্নিদগ্ধ কর | حَرَقُوا |
| মজলিসগুলো, সভা | نَادِي |
| ক্রকু-৪ | |
| বিষ্ণু হলেন, দুর্খিত হলেন | سَيِّئِي |
| শক্তিতে অসহায় হল, মন, অস্তর, মনে, অস্তরে | دُرْعَا |
| ভূমিকম্প | رَجْفَة |
| দৃষ্টিশক্তিমান, ভুশিয়ার, বিচক্ষণ | مَسْتَبْصِرِينَ |
| বজ্রধনি, বিকট শব্দ | صَيْحَة |
| মাকড়সা | عَكْبُوتْ |
| দুর্বলতম, অধিকতর ভঙ্গুর, অধিক দুর্বল | أَوْهَنْ |
| ক্রকু-৫ | |
| বিক রাখে, নিয়েখ করে | تَهْيَى |
| তুমি শিখতে না | (ভাব বিশেষ..:) لَا تَنْهَى (نَهَى) |



| | |
|--|----------------------------|
| পরাজিত হয়েছে, পরাস্ত হয়েছে | غَلَبَتْ |
| নিকটবর্তী এলাকা, ভৃত্যের নিমত্তম | أَنْتَى الْأَرْضَ |
| হ্যান | |
| শীঘ্রই বিজয়ী হবে | سَيِّغْلِيُونَ |
| চাষ করত | أَثَارُوا |
| আবাদ করত | عَمَرُوا |
| বাগান, জান্নাত, বাগবাগিচা | رَوْضَة |
| আনন্দ করবে, সমাদৃত হবে, স্বাগত | بِحُبْرُونَ |
| জানান হবে | |
| তোমাদের সম্ভা হয় (খন মাগরিব হয়), তোমরা সম্ভা কর | مَسَاءً: (সম্ভা) مُمْسِونَ |

| | |
|---|---------------------------|
| তোমাদের মধ্যাহ্ন হয় (যখন যোহর হয়), তোমরা যোহর কর | ظَهَرْ (মধ্যাহ্ন: ظَهَرْ) |
| তোমরা চলাফেরা কর, সম্প্রসারিত হও, ছড়িয়ে পড়ছ | تَنَشِّرُونَ |
| অতি সহজ, সহজতর | أَهُونَ |
| প্রত্যাবর্তনকারী, অভিমুখী হয়ে | مُبِينٌ |
| আলাহর সম্মুষ্টি | وَجْهُ اللَّهِ |
| সূদ | رَبِّا |
| বৃদ্ধি পায় | يَرِبُّو |
| বৃদ্ধি পায়না | لَا يَرِبُّوا |
| তারা বিচ্ছিন্ন হয়ে যাবে, বিভক্ত হয়ে পড়বে | يَصْدَعُونَ |
| তারা (সুখ) শয্যা তৈরী করছে, (কল্যাণের পথ) পরিষ্কার করছে | يَهْمَدُونَ |
| উন্নেলিত করে, সঞ্চারিত করে | تَثْرِي |
| বৃষ্টিধারা, বৃষ্টির ফোটা | وَدْقٌ |
| হরিং-বর্ণ, হলদে বর্ণ | مُصْفَرًا |
| দুর্বলতা | ضُفْفٌ |
| বার্ধক্য | شِيَّةٌ |
| ক্ষমা চাইতে বলা হবে | يُسْتَغْفِبُونَ |
| বিচলিত করতে না পারে, তোমাকে যেন হালকা মনে না করে | لَا يَسْخَفُونَ |

| | |
|------------|-----------|
| করতে পাবে | |
| বৃষ্টিধারা | غَيْثٌ |
| আগামীকাল | غَدًا |
| জানে না | مَاتِرِيْ |



| | |
|--|------------|
| পৃথক থাকে, আলাদা থাকে | تَحْجَافِي |
| প্রবাহিত করি, পরিচালিত করি, শিখন দিক থেকে হাকিয়ে নিয়ে যাব | تَسْوُقُ |



| | |
|--|------------------------------------|
| ক্ষীড়া কৌতুককর বাক্য, মন ভুলানো কথা | لِهُوَ الْحَدِيثُ |
| স্তুষ্ট, খুঁটি | عَدْ |
| বাই, সরিয়া | خَرْدَل |
| শিলাখত | صَخْرَةٌ |
| দৃঢ় সংকেতের কাজগুলি, সৎ সাহসের কাজগুলি | عَرْمُ الْأَمْوَرْ |
| ফিরিয়ে নিও না | لَا تَنْصَرِ |
| গত, গাল, মুখ | خَذْ |
| গর্বিত, উক্ত | مُخْتَالٌ |
| মধ্যমপন্থ অবলম্বন কর | إِقْسِيدٌ |
| নিকৃষ্টতর, অধিক অঙ্গীতিকর | أَنْكَرٌ |
| আওয়াজ, শব্দ, শব্দ | صَوْتٌ (اصْوَاتٌ) (বহুবচন: صَوْتٌ) |
| পূর্ণ করেছেন, সম্পূর্ণ করে দিয়েছেন | أَسْبَعَ |
| মধ্যমপন্থ এহণ করে | مُفْقِدٌ |
| বিশ্বাসঘাতক, প্রতিক্রিতি ভঙ্গকারী, প্রবৃষ্ঠক | خَنَّار |
| বদলা দিবে, উপকারী, উপকার | جَازٌ |

| | |
|---|---|
| বক্ষভাস্তর, বক্ষপিণ্ডের, পেট, খালি জায়গা | جَوْفٌ |
| অধিক ঘনিষ্ঠ, অধিক হকদার, নিকটতম | أَوْلَى |
| লিখিত, লিপিবদ্ধ, লাইনকৃত | مَسْطُورًا (س ط ر) |
| মুখ, গলা, কর্ত | حَنَاجِرٌ |
| পরীক্ষা করা হয়েছিল | أَبْلَيْ |
| মদীনার পুরানো নাম | يَثْرَبٌ |
| চারিদিক | أَفْطَارٌ (فَطْرٌ) (একবচন: مَا تَلَبَّوْا |
| কৃষ্টাবোধ করত না, অবস্থান করত না, বিলম্ব করত না | مَا تَلَبَّوْا |
| প্রতিবন্ধক তা সৃষ্টিকারী | مُعَوَّقِينَ |
| আস, চলে আস | هَلَّمٌ |
| কার্পাকারী, কৃপনতা | أَشْحَةٌ |
| ঘুরায়, ঘুরে | تَنْوُرٌ |
| ধারালো, চলমান, তীক্ষ্ণ | جِدَادٌ |
| বাইরে অবস্থানকারী, জঙ্গলে | بَادُونَ (بَادَ sr.) |
| বসবাসকারী, মরুভূমিতে থাকত | أَعْرَابٌ |
| মরুবাসী, বেদুইন, বদু | مَأْنَاتٌ |
| গহৰ, ঘাঁটি, দুর্গতলো | صَلَّاصِيٌّ |
| ঢলে দিয়েছেন, সংঘার করলেন, সৃষ্টি করলেন | فَقَنَ |
| তোমরা পা রেখেছ, তোমরা পদ সংঘার কর | تَطْنُو |
| বিদায় | سَرَاحًا |

| | |
|--|-----------------|
| ساجنوج دېخانو، پردازش کردا، بېپەردە ھۆيى، خەلامەلە چىلا | تېرج |
| پردازىن (اتالاک دېئار) | وَطِرا |
| آمدا را بىۋاھ دىلىم | رَوْجُنا |
| مۇھ ئاكا پۇتى، سۆئىھ پۇتى | أَذْيَاءٌ |
| پىتا | اَبَاءٌ |
| رەھمەت بىرىغ كارەن | يَصْلِي |
| پەرەيىدا كىردا، ئۆلىپكى كىر | دَعْ |
| دىرىچەن، دان كارەچەن، گەپىمەت كارە | أَفَاءٌ |
| دىرىچەن، يە بىلما يۈچۈ دىرىچەن | |
| تۆماكە سۈرەگ دەيىھا ھۆيىچە، دۈرە راخاتە پار | تُرْجِي |
| تۇمى آپارىم داۋى، سۇان دىتە پار | تُنْويِ |
| تۇمى دۈرە سەرىنە داۋى، تۇمى دۈرە ئەخەتىلە | عَزَّلَتْ |
| پاھارا داۋار، دۇشتىباڭ | رَقِيبَا |
| (خابار) ئەسىتى | إِنَا |
| مەڭىلەن ھەزىز بىسا | مُسْتَأْسِيْنَ |
| رەھمەت پەرەن، دىركىد پاڭىن | يَصْلُونَ |
| دىركىد پاڭىن، سالات پاڭىن | صَلُوا |
| سالام پاڭىن | سَلِمُوا |
| انۇغان ھەزىز، سالام (اتى ئۆتىم) | سَلِيمَانَا |
| بۇلىقى دەيىھ، ئەنەن نەيە | يُنْدَيْنَ |
| چادىرسەمەت | جَلَابِبَ |
| اپپاراد پەتھاركەر، سۈزۈر | مَرْجُونَ |
| رەنچىكا رىيا | |
| نىرىۋاچىت كارەن، ئۆلىپىچىت كارەن، پەستىت كارەن | نَعْرَيْنَ |
| پەتھەنەشى ھەزىز ئەتكەن پارەن | لَا يَحَوْرُونْ |
| اپتىشىت، لانەن ئەڭ ئەشكىردا | مَلْعُونَيْنَ |
| تادەرپا ئەنەن ھەزىز | نَقْفُوا |
| ھەنە (نېردىن ئارە) | تَقْبِيلَا |
| تۇمى كى ئارە ئازانە؟ كىسە ئۆماكە ئازانە؟ | مَايِدَرِيكَ |
| آما دەرەن نەتەبۇند | سَادَتْنَا |
| آما دەرەن بىرگەن | كَبَاءَنَا |
| يەڭىرە، سەتىك | سَدِيدَا |

| | |
|--|--------------|
| لۇكايىت نەم | لَا يَغْرِبُ |
| بىزەنچىت، چۈر-بىزەنچى، ڭۈچ-بىزەنچى، تۈكۈرلە تۈكۈرلە كۈت | مَمْزَقٌ |
| تۇمى كېر، پەبىرتا بىرەنە كەر | أَوْبِيٌ |

| | |
|---|-------------------|
| سۈكۈملە كەرەتى، نارىم كەرەتى | النَّا |
| بىرم(نېڭىت) سەمەت | سَابِعَاتٌ |
| سەنھۇن كەردا، پەریماڭ رەڭىدا كەر | قَدْرٌ |
| كەڭى | سَرْدٌ |
| تارا پەتھەنەمەن | غَوْهَا |
| پەتھەنەت كەرەتى، بىگەلىت كەرەتى | رَوَاحْهَا |
| گەلىت ئاماڭ ئەپەر | أَسْلَنَا |
| دۇرمەلە، ئۇچْ ئۇچْ ئەمەرەت | عَيْنَ الْقَطْرِ |
| پەتھەنەت سەمەت (پەتھەنەت سەمەت) | مَحَارِبُ |
| تەمائىل (تەمائىل) | (اکبەن.: تەمائىل) |
| بەز پاڭى | جِفَانٌ |
| پۇكىر، ھۆزى | جَوَابٌ |
| بەزىدەن سەمەت | قَدْرٌ (قَدْرٌ) |
| دۈچىباپەن پەتھەنەت، پاھاد، سۇان ئەنەن أەمەيىز، رەڭىت | رَأْسِيَاتٍ |
| تارا لاتى | مَسَائِهٌ |
| بىنەتىدا بىنەن، پەبلى بىنەن، ئەبەر كەن | سَوْلَ الْعَرْمٌ |
| پەتھەن | |
| سەپىن، دۇچىتىشىت، ئەرخىن دۈزى باگان | دَوَائِيٌ |
| فەل-مۇل | أَكْلٌ |
| بىشىد، تىكى | حَمْطٌ |
| ۋاٹ ئەچ | أَثْلٌ |
| كۈل بىڭ | سَدْرٌ |
| تەۋ دۇر ھەزىز ئەنەن، ئەتىك ئەپسەرەت ھەنە | فَرَعٌ |
| تۆمەرە مەلىت ھەزىز | الْحَقْمٌ |
| دەنگ كاران ھەنە، دەنگ كارانو بىتىلەن | مَوْقُوفُونَ |
| سۇئىچە ئاساد | عَرْفَاتٌ |
| بىنەيىمەن دەنگ كارەن، پەتھەن دىرىيە خەكەن، تارا سۇلە دىرىيە خەكەن (آرە) | يُخْلِفٌ |
| اپكەن دەنگ كارەن، نەيىل كارەن، ئەغا تەت كەرەن (مېڭىز ئەپپەر) | مَعْشَلٌ |
| تىت ھەنە، تىت سەنگەن ھەنە، تىت بىتەل ھەنە | يَقْدِفٌ |
| پالاتە پارەن، ئەشكەن پارەن | فَرَعُوا |
| ناغال پاڭىدا (ئىمانەر) | لَا فُوتٌ |
| دەلگۇلە، آنۇسازى، سەتىرە، گەتسەمەت | نَّاوشٌ |
| | أَشْيَاعٌ |

| | |
|--|---|
| سُورَةُ سَيِّدَنَا سُورَةُ سَيِّدَنَا سَيِّدَنَا جَاتِي سَيِّدَنَا ۳۴ | سُورَةُ فَاطِر سُورَةُ فَاطِر سَيِّدَنَا سَيِّدَنَا ۳۵ |
| بەز باڭ ئەشكىردا، ئەن پاڭى | (اکبەن.: أَوْلَى (جَنَاحٌ أَجْنَاحٌ |

| | |
|--|----------------|
| আরোহন করে, পৌঁছে | يَصْعُدْ |
| বিনট হয়ে যাবে, ব্যর্থ হবে | بِيُور |
| সুমিট | عَذْبٌ |
| তৃষ্ণিকারক, ত্রুষ্ণ নিবারক | فَرَاتٌ |
| টাটকা, তাজা | طَرِيًّا |
| খেজুর আঁটির খোসা, অতি ক্ষুদ্র বস্তু, তুচ্ছতুচ্ছ বস্তু | قِطْمِيرْ |
| ভারাক্রস্ত, কোন মোকাবিস্ত বক্তি | مُنْقَلَةٌ |
| রৌদ্রতাপ | حَرُورٌ |
| অতিক্রম করেছে, আগমন করেছে | خَلَا |
| অংশ, পথ, গিরিপথ, রেখাপথ | جَدَدٌ |
| সাদা | بَيْضٌ |
| লাল, লোহিত বর্ণ | حَمْرٌ |
| গাঢ়, ঘোরকালো | غَارِيبٌ |
| কালো | سَوْدٌ |
| কখনো ধৰ্মস হবেনা, যার কখনও লোকসান হবেনা | لَنْ تَبُورَ |
| ক্রান্তি | لَعْبٌ |
| তারা চীৎকার করে বলবে | يَصْطَرُخُونَ |
| অস্ত্রুষ্টি, ক্রেত | مَفَّتًا |
| যেন তা বিচলিত না হয়, যেন তা টলে না যায় | أَنْ تَرْوُلَا |
| উভয় বিচলিত হয়, টলে যায় | رَالَتَا |

| | |
|---|---------------|
| সাহায্যকারী, ফরিয়াদ শ্রোতা | صَرِيخٌ |
| তারা বাক-বিতভা করতে থাকবে | يَصْصَمُونَ |
| গুস্মাইত করা | تَوْصِيهَةٌ |
| কবরসমূহ | أَجْدَاثٌ |
| ছুটে আসবে, উত্তভাবে, দ্রুত বের হয়ে আসবে | يَنْسِلُونَ |
| নিম্নস্থল, কবর | مَرْقَدٌ |
| কাজে-কর্মে, কাজের মধ্যে (মজার), মশগুল | فِيْ شَغْلٍ |
| আনন্দিত, সন্তুষ্ট | فَاكِهُونَ |
| ফলমূল | فَاكِهَةٌ |
| ভিন্ন হয়ে যাও, পৃথক হও | إِمَّاْنَرُوا |
| বহুদল, বহুজন, সৃষ্টিকুল | جِبْلًا |
| প্রবেশ কর, দক্ষ হও | اَصْلُوا |
| নিভিয়ে দিতে পারি, লোপ করা | طَمَسَ |
| বিকৃত করে দিতে পারি, পরিবর্তন করে দেয়া | مَسْخٌ |
| উচ্চিয়ে দেই | نَكْسٌ |
| আয়তাভীন করেছি, বশীভূত করে দিয়েছি | ذَلَّلَا |
| বাহন | رُكُوبٌ |
| বিগলিত, পচাগলা, জরাজীর্ণ | رَمِيمٌ |
| সবুজ | أَحْضَرٌ |
| প্রজ্ঞালিত কর | تُوْقَدُونَ |



| | |
|---|-----------------|
| উর্মুথী (হয়ে আছে) | مُمْهُونٌ |
| কীভূতসমূহ (যা পিছনে রেখেছে), পশ্চাতের নির্দৰ্শন সমূহ | اَثَارٌ |
| সরঞ্জিত করেছি | أَحْصَيْنَا |
| সুস্পষ্ট কিতাব | إِمَامٌ مَبِينٌ |
| শক্তিশালী করেছিলাম, সাহায্য করেছিলাম | عَزِيزٌ |
| আমাকে তারা উদ্বার করতে পারবে না | لَا يَقْدُونَ |
| আমার নিকটে | لَدَيْنَا |
| অপসারিত করি, বের করি | نَسْلَخٌ |
| অঙ্ককারাচ্ছন্ন (হয়ে যায়) | مُظْلِمُونَ |
| নিয়ন্ত্রণ, নির্দিষ্ট ব্যবস্থা | تَقْدِيرٌ |
| আকার ধারণ করে, হয়ে যায়, প্রত্যাবর্তন করে | عَادٌ |
| খেজুর শাখা | غَرْجُونٌ |
| পুরাতন (যা শুক্র) | قَيْمٌ |
| শোভৌয় নহে | مَا يَبْيَغِي |
| সন্তরণ করছে, সাঁতার কাটছে | يَسْبُحُونَ |

| | |
|-------------------------------------|--------------------------|
| তিরক্ষারকারীগণ, ভীতি প্রদর্শনকারীরা | زاجرات |
| ধর্মক দেওয়া, তর্জন করা | رَجْراً |
| আবৃত্তিকারী, যারা শুনায় | تَالِيَاتٌ |
| বিতড়ন | دُحُورًا |
| অবিরাম | وَاصِبٌ |
| উজ্জ্বল, জ্বল্ত | تَاقِبٌ |
| আঠালো | لَازِبٌ |
| লাক্ষিত হবে | دَاهِرُونَ |
| আসন সমূহ | سَرَرٌ (স্রেরি: একবচন..) |
| মুখেমুখি হয়ে | مُتَقَابِلِيْنَ |
| পান পাত্র, গ্রাস | كَاسٌ |
| ক্ষতিকর, মাথা বাথা, মাথা ধুরান | غَوْلٌ |
| মাতাল হবে, জ্বান-বৃক্ষি নষ্ট হবে | بَيْرَقُونَ |
| সংরক্ষণকারীশী, আনত | فَاقِرَاتٌ |
| দৃষ্টি, নয়ন | طَرْفٌ |
| শুদ্র, উজ্জ্বল ডিম | بَيْضٌ |
| সুরক্ষিত, লুকিয়ে রাখা | مَكْنُونٌ |

| | |
|--------------------------------------|----------------------|
| প্রতিফলপ্রাপ্তগণ | مَدِيْنُونْ |
| তুমি আমাকে ধর্স করেই ফেলেছিলে | تُرْدِينْ |
| উপস্থিত করা লোকদের, আটক ব্যক্তিগণ | مُحْضَرِينْ |
| যাকুম বৃক্ষ, ফণিমণসা | رَقْوُمْ |
| পূর্বকারী হবে | مَالِئُونْ |
| মিশ্রণ, মিশ্রিত পানীয় | شَوْبَا |
| ফুট্ট পানি ও পুঁজ | حَمِيمْ |
| ধাবিত হচ্ছে, দৌড়াচ্ছে | بَهْرَعُونْ |
| ভয় প্রদর্শনকারীগণ, সতর্ককারীগণ | مُنْذَرِينْ |
| যাদের ভয় প্রদর্শন করা হয়েছিল, | مُنْذَرِينْ |
| যাদের সতর্ক করা হয়েছিল | مُنْذَرِينْ |
| সাড়াদানকারী, জবাব দানকারী | مُجَبِّبُونْ |
| সংকট, যজ্ঞনা | كَرْبْ |
| পীড়িত, অসুস্থ | سَقَيْمْ |
| অতঃপর সন্তর্পণে চুকে পড়ল, ঝাঁপিয়ে | فَرَاعْ |
| পড়ল, হানল | |
| ছুটে আসল, দ্রুতবেগে আসল | بَرْفُونْ |
| তোমরা যোদাই করে নির্মাণ কর | تَحْتُونْ |
| উভয়ে আনুগত্য প্রকাশ করল, উভয়ে | أَسْلَمَا |
| আত্মসমর্পণ করল | |
| শায়িত করল | تَلْ |
| ললাট্টের অভিমুখে, কপালের উপর | جَبِينْ |
| বিশুদ্ধ, অঙ্গীর স্পষ্ট | مُسْتَبِّنْ |
| এক দেবতার নাম | بَعْلًا |
| পালিয়েছিল | أَبِقَ |
| লটারীতে যোগদান করল, অংশগ্রহণ করল | سَاهِمَ |
| পরাভূত হল, নিষিদ্ধ হল | مُدْحَضِبِينْ |
| আস করল, গিলি ফেলল | إِلْقَمْ |
| বৃহদাকার মৎস্য | (বহুবচন.: حِيْثَانْ) |
| তৃষ্ণাহীন প্রাত্তর | عَرَاء |
| লাউ গাছ, লতাপাতাযুক্ত গাছ | يَطْبِيْنْ |
| বিলুপ্ত করতে সক্ষম | فَاتِّيْنْ |
| প্রবেশকারী, গমনকারী, ভয় হবে | صَالْ |
| সারিবদ্ধভাবে দণ্ডযান | صَافَّوْن |
| আঙিশা, প্রাত্তর, অংশল | سَاحَة |

| | |
|------------------|------------|
| ছিল না | لَمْ |
| সময় | حِينْ |
| পরিত্রাণের উপায় | مَنَاصِ |
| মনগঢ়া কথা | إِخْتِلَاق |

| | |
|---|--------------------------------|
| তারা আঝোহণ করুক | يَرْتَفُوا |
| পরাজিত হবে | مَهْرُومْ |
| স্তন, শূল, খুটি, কীলক | أَوْتَادْ |
| শাস্তি, কষ্ট | عَقَابْ |
| বিরাম, বিলম্ব, অবকাশ, বিরতি | فَوَاقْ |
| অংশ, প্রাপ্তি | قَطْ |
| শক্তিশালী, শক্তির অধিকারী | ذَا الْأَيْدِيْ |
| সূক্ষ্ম বিচারশক্তি, বাণিজ্য, ভূগ্রত কথা বলার যোগ্যতা | فَصْلُ الْحُطَابِ |
| প্রাচীর ডিগিয়ে এসেছিল, দেয়াল টপকে এসেছিল | تَسَوَّرُوا |
| মসজিদের সম্মুখে ইমাম দাঁড়াবার স্থান, দাউদ (আঃ) এর বাসস্থানের জন্য এই শব্দটি ব্যবহার করা হয়েছে | مِحْرَابْ |
| ভীত হল, ঘাবড়ে গেল | فَزَعْ |
| অবিচার কর না | لَا تُشَطِّطْ |
| নয়টি এবং নবইটি অর্থাৎ নিরানবইটি | تَسْعَ وَتَسْعَوْنْ |
| ভেট্টা, দূর্ঘা | نَجْة |
| আমাকে দাবিয়ে নিল, কঠোরতা, চাপ সৃষ্টি করেছে | عَزْ |
| শরীকগণ, পাশাপাশি বসবাসকারীরা | (একবচন.: حَلِيلْ) خَلِيلَاء |
| অপরাধীরা, পাপাচারীরা | فَجَارَ |
| উপস্থিত করা হল, হাজির করা হল, প্রে করা হল | عُرْضَ |
| উৎকৃষ্ট মানের দ্রুতগামী যোড়াসমূহ | صَافَّاتُ الْحَيَادِ |
| অস্তিমিত হয়ে গেল, আড়ালে পড়ে গেল, অদৃশ্য হয়ে গেল | تَوَارَتْ |
| ছেদন করা, স্পর্শ করা, মলে দেওয়া, হাত বুলিয়ে দেয়া | مَسْحَا |
| পাঞ্জলো | سُوقْ |
| গলাঞ্জলো | أَعْنَاقْ |
| ধড়, দেহ | جَسَدًا |
| মৃদুগতি, মদুমদভাবে | رُخَاء |
| যেখানে পৌঁছাতে চাইত | حَيْثُ أَصَابَ |
| প্রাসাদ নির্মাণকারী | بَنَاء |
| ডুর্যো | غَوَّاصْ |
| উচ্চ মর্যাদা, নেকট্যার মর্যাদা | رَفِيْ |
| উভয় পরিগাম, উভয় প্রত্যাবর্তন স্থান | حُسْنَ مَاب |
| যক্রাণ, কষ্ট | نُصْبَ |
| পদাঘাত কর, আঘাত কর | أَرْكَضْ |
| গোসলের পানি | مُغْقَسْلَ |
| তৃণরাশি, ঝাড়ু, এক মুঠি তৃণ | ضِيقًا |
| কসম ভদ্র কর না, শপথ ভদ্র কর না | لَ تَحْنَثْ |
| উভয় বাস্তারা | أَخِيَارَ |
| সমবয়স্ক (সহখমিনী) | أَثْرَابْ |
| নিঃশেষ, খতম, ঘাসতি | نَفَادْ |
| পুঁজ-রক্ত | غَسَاقْ |
| দ্রুতবেগে প্রবেশকারী, অঙ্গের মতো | مُفْتَحْ |



| | |
|---|-------------------|
| অভিনন্দন নাই | لَا مَرْحَبًا |
| জ্বলবে, প্রবিষ্ট হবে | صَالُوا |
| মন্দ, খুব খারাপ লোক | أَشْرَار |
| বিদ্রূপের পাত্র হিসেবে | سَخْرِيًّا |
| উচ্চ স্থানীয়, প্রধানেরা, দলনেতারা | مَلَأُ الْأَعْلَى |
| কৃতিমতাকারীরা, যিন্থা দাবীদারগণ, প্রতারক | مُكْفِلُونَ |



| | |
|--|----------------------------------|
| তিনি জড়িয়ে দেন, আচ্ছাদিত করে | يُكُوْرُ |
| অনুগ্রহ করেন, সামগ্রী দান করেন | خَوْلٌ |
| নির্মিত হয়েছে | مَبْنَيَّة |
| প্রবেশ করান, প্রবাহিত করেন, | سَلَكَ |
| প্রবাহমান | |
| নির্বার, ঝর্ণা | (একবচন.: بَبُوْغُ يَنَابِيعُ) |
| শুকিয়ে যায় | يَهْبِجُ |
| খড়কুটা | خُطَامًا |
| সুসামঞ্জস্যপূর্ণ, সাদৃশ্যপূর্ণ | مُتَشَابِهًا |
| পুরুষাবৃত্ত, পুনঃ পুনঃ আকৃতির যোগ্য | مَنَانِي |
| জোমাধিত হয়, লোম হর্ষণ হয় | تَقْشِيرٌ |
| প্রশান্ত হয়, নরম হয় | ثَلِينٌ |
| বক্রতাবিশিষ্ট নয়, বক্রতামুক্ত | غَيْرُ ذُوِّ عَوْجٍ |
| পরম্পর বিরক্তাভাবাপন্ন, পরম্পর | مُتَشَائِسُونَ |
| বাঁকা স্বত্বের | |
| সম্পূর্ণরূপে, পুরোপুরিভাবে | سَلَمًا |
| মৃত্যু বরণ করবে, মরণশীল | مَيَتٌ |
| মৃত্যু বরণ করবে, মরণশীলগণ | مَيِّتُونَ |
| বিরক্তে সংকুচিত হয়, বিরক্তভাবে | إِشْمَدَرَتْ |
| সংকুচিত হয় | |
| হায় আমার আকসোস | يَاحَسْرَتِي |
| শৈথিল্য করা, ক্রটি করা | فَرَطٌ |
| আল্লাহর প্রতি কর্তব্যের ক্ষেত্রে | جَنْبُ اللَّهِ |
| চাবিসমূহ | مَقَالِيدٌ |
| করায়াত, পেঁচানো অবস্থায় | مَطْوَيَاتٌ |
| মৃচ্ছিত হয়ে পড়বে, নেতৃশ হবে | صَعْقَ |
| উচ্ছিপিত হবে | أَشْرَقَتْ |
| পেশ করা হবে, উপস্থিত হবে, রাখা হবে | وُضْعٌ |
| উপস্থিত করা হবে, নিয়ে আসা হবে | جَايَعٌ |
| হাঁকিয়ে নেয়া হবে, তাড়িয়ে নেয়া হবে | سَيْقَ |
| দলে দলে | رَمَراً |
| বৰ্কিগণ | خَزَنَةٌ |

| | |
|-----------------|------------|
| তোমরা সুষ্ঠী হও | طَيِّبُّمْ |
| থিরে থাকবে | حَافِينَ |



| | |
|--|-------------------|
| অনুগ্রহের মালিক, শক্তিশালী, | ذِي الطَّوْلِ |
| অনুগ্রহশীল | |
| কিয়ামত, সাক্ষাৎ, বিচার | ثَلَاقٌ |
| আবরণ শৃঙ্গ হবে, বের হয়ে পড়বে, হায়ির হবে | بَارِزُونَ |
| আসন্ন | أَزْفَةٌ |
| গ্রাহ হবে, মেনে নেয়া হবে | يُطَاعٌ |
| রক্ষাকারী | وَاقٌ |
| তোমরা বিজয়ী, প্রবল | ظَاهِرِينَ |
| আর্তানদের দিন, কিয়ামত দিবস, চিংকার ও বিলাপের দিন | يَوْمُ النَّتَادِ |
| ব্যর্থ, ধৰ্মস | تَبَابٌ |
| অর্পন করছি, সোপর্দ করছি | أَفَوْضُ |
| দুষ্কৃতিপরামণ, দুষ্কৃতিকারী | مُسِيْبٌ |
| শৃংখল | سَلَاسِلٌ |
| তাদের টেনে নেওয়া হবে, তাদের টানা হবে | يُسْجِبُونَ |
| দথ করা হবে, নিষিদ্ধ হবে, তাদেরকে জ্বালানো হবে | يُسْجِرُونَ |



| | |
|--|------------------|
| অকুরত, নিরবিচ্ছিন্ন | غَيْرِ مَمْنُونْ |
| খাদ্যসম্ভার, তার শক্তিসমূহ | أَفْوَاتٌ |
| ধূমপুঞ্জ, মোঘা | دُخَانٌ |
| অনুগ্রহ ব্যক্তিকর্ম | طَابِيْنَ |
| বনবা বায়ু, বাড়ো বাতাস | صَرَصَارًا |
| থামিয়ে রাখা হবে, আটকে রাখা হবে, বিভিন্ন দলে বিনাস্ত করা হবে, তাদেরকে শ্রেণীবদ্ধ করা হবে | يُوْزَعْوْنَ |
| তোমরা গোপন রাখছিলে | تَسْتَرُونَ |
| অনুগ্রহ চাইবে, তওবা করবে, সন্তুষ্টি | يَسْتَغْبِبُوا |
| অর্জন করতে চাইবে | |
| অনুগ্রহপ্রাপ্ত, যাদের তওবা গ্রহণ করা হয়েছে, সন্তুষ্টি অর্জনের সুযোগপ্রাপ্ত | مُعْتَبِيْنَ |

| | |
|--|-------------------|
| আমরা নির্ধারণ করে দিয়েছি | فِيَضْنَا |
| সহজদের, সাক্ষীদের | فُرَّنَاء |
| গোলমাল কর, গন্ডগোল কর | الْغُوَا |
| নিক্ষেত্র | أَسْوَا |
| লাষ্টিত, ইন্তর, অপমানিতদের অস্তভুক্ত | أَسْفَلِينْ |
| যা তুমি চাও, যা ইচ্ছা পোষণ করবে | مَا تَشَتَّهِي |
| কুমুনা, প্রোচনা | نَرْغُ |
| তারা ক্রান্তি বোধ করেনা, তারা ক্রান্তি হয়না | لَا يَسْتَهِنُونْ |
| শুষ্ক, জীর্ণ, তগলতা হীন, দমিত, বিনষ্টী | خَاشِعَةٌ |
| শাস্তি দানকারী, দন্তদাতা | دُوْ عَقَابٍ |
| মুকুল, আবরণ, খোসা | أَكْمَامٌ |
| আমরা নিবেদন করছি | اَنْتَ |
| দীর্ঘ, অপ্রস্তুত, লম্বা চওড়া | عَرْبِيْنْ |
| দিগন্তসমূহ, চতুর্দিক, বিশ্বজগত | اَفَاقٌ |



| | |
|---|------------|
| ভেঙ্গে পড়েন | يَنْطَرِنْ |
| বিস্তার করেন (বংশ) | يَدْرُوْ |
| তিনি বিধান দিয়েছেন, বিধিবদ্ধ করা হয়েছে | شَرْع |
| দুর্বহ, ভারী, দৃঃসহ হয়েছে | كَبِيرٌ |
| অসার, নাকচ, বাতিল | دَاهِضَةٌ |
| বাক বিত্তনা করে, বাদানুবাদ করে, সন্দেহ সৃষ্টি করে | يُمَارُونْ |
| সৌহার্দ্য, ভালবাসা | مَوَدَّةٌ |
| মুছে দেন, নির্মূল করে দেন | بَمْحٌ |
| বৃষ্টি, মেঘ | غَيْثٌ |
| চলমান নৌযান, জাহাজ | جَوَارٌ |
| পর্বত, ঝুঁ পাহাড় | أَغْلَمٌ |
| তা হয়ে যাবে | يَظْلَانْ |
| নিশ্চল, স্থির | رَوَادِكٌ |
| বিদ্বন্ত করে দেবেন, ডুবিয়ে দিবেন | بُوبِقٌ |
| পারম্পরিক পরামর্শ ভিত্তিক | شُورِيْ |
| অস্থীকার, বিরোধকারী, চেষ্টাকারী | نَكِيرٌ |
| জোড়া দান করেন, তাদেরকে মিলিয়ে দেন | بِرْزَاجٌ |
| বক্ষ্যা | عَقِيمًا |
| প্রত্যাবর্তন করে, ফিরে যায় | ثَصِيرٌ |

| | |
|--|----------------------------------|
| আদিশ্ব, আসমানী কিতাবের উৎস, মূলগ্রন্থ | أَمِ الْكِتَابِ |
| প্রত্যাহার করা | صَفَحًا |
| শক্তি, ধড় পাকড়, পাকড়াও | بَطْشًا |
| চলে এসেছে, অতিক্রান্ত হয়েছে | مَاضِي |
| স্থির হয়ে বস, চড়ে বসতে পার | سَيْئُوا |
| বশীভূতকারী | مُفْرِنِينْ |
| অংশ, ভাগ | جَزْءٌ |
| প্রতিপালিত করা হয়, সুসংজ্ঞিত হয়ে লালিত পালিত হয় | يَسْتَوْا |
| অলংকার | حِلْيَةٌ |
| দৃঢ়ভাবে ধারণকারীগণ | مُسْتَمْسِكُونْ |
| অনুসরণকারীগণ | مُقْتَلُونْ |
| বিক্রপ, সম্প্রকারীন, মুক্ত | بَرَاءٌ |
| সৃষ্টি করেছেন | فَطَرَ |
| দুই জনপদের (মকা ও তাওফের) | قَرْبَيْنِ |
| সেবকরণে, নিরঞ্জন, কাজ নেয়া | سَفْرِيَا |
| ছাদগুলো | سُقْفَا |
| কুপা | فِضَّةٌ |
| সিডিগুলো | مَعَارِجٌ |
| তারা আঝোহন করে | ظَهَرُونْ |
| স্বর্ণ, স্বর্ণনির্মিত | رُخْفَا |
| বিমুখ হয়, অক্ষ হয় | يَعْشُ |
| ব্যবধান, দূরত্ব | بَعْدٌ |
| সম অংশ প্রহণকারী, অংশীদারগণ | مُشَتَّرِكُونْ |
| দলবদ্ধভাবে | مُفْتَرِنِينْ |
| হতবুদ্ধি করে দিল | إِسْتَحْفَ |
| ক্রান্থাষ্ঠিত করলো | الْسَّفْوَا |
| শোরগোল শুরু করল, তালি | يَصِدَّوْنْ |
| বাজাল | بَاجَل |
| উভরাধিকারী হতো, স্থলাভিষিক্ত | يَخْلُفُونْ |
| হতো | لَا تَمْتَرُنْ |
| সন্দেহ করোনা | أَخْلَاء (خَلِيلٌ) (একবচন.:) |
| বন্ধুরা | صِحَافٌ |
| থালাশুলো | أَكْوَابٌ |
| পান পাত্রগুলো | تَذَلَّ |
| তৃষ্ণ হবে | لَا يَقْتَرَ |
| লাঘব করা হবে না | أَبْرَمَوْا |
| নিযুক্ত করেছে, সিদ্ধান্ত গ্রহণ করেছে | مُبْرِمُونْ |



| | |
|---|---------------------|
| ষ্টির করা হয়, প্রথক করা হয়, বন্টন করা হয় | يُفْرَقُ |
| দাঁড়াও, অপেক্ষা কর | إِرْتِقْبَ |
| যো়া | دُخَانٌ |
| শিখানো, শিক্ষাপ্রাপ্ত | مُعْلَمٌ |
| পূর্বের অবস্থায় ফিরে যাবে, পুনরায় তাই করবে | عَانِدُونَ |
| প্রত্যাপণ কর, তোমরা অর্পণ কর | أَدْوَا |
| নিয়ে বের হয়ে পড়, রওনা হও | أَسْرٌ |
| ষ্টির, শুষ্ক, প্রবহমান | رَهْوًا |
| আনন্দিত, আনন্দকারী, সুখী, সংজ্ঞেগ উপভোগকারী | فَاكِهِنْ |
| অক্রপাত করেনি, কাঁদেনি | مَابِكْ |
| পুরুষিত | مُنْسِرِينْ |
| বন্ধু | مَوْتَىٰ |
| গলিত তামা, তেলের গাদ | مَهْلٌ |
| ফুটে থাকবে | يَغْنِيٰ |
| ফুটানো, সিদ্ধ হওয়া | غَلِيٰ |
| চেনে নিয়ে যাও | أَعْتَلُوا |
| জাহানামের মধ্যস্থলে | سَوَاءُ الْجَهِنْمِ |
| তোমরা ঢেলে দাও | صَبُّوا |
| আস্থাদ এহণ কর | دُقْ |



| | |
|---|--------------------------------------|
| অটল থাকে, জিদ করে, কোন অপরাধ বারবার করা | يُصْرِ |
| অর্জন করেছে, ত্রিয়ালি | اجْتَرَوْا |
| সময়, কালের আবর্তন | دَهْرٌ |
| ভয়ে নতজানু অবস্থায় | جَاثِيَةٌ |
| লিখাছি, লেখা, আমরা লিপিবদ্ধ করে রাখছিলাম | (تَوَبَّ বিশেষ্য় ..) سَتَّسِخُ |
| আমরা জানি না | مَانِدْرِي |
| দৃঢ়বিশ্বাসী, নিশ্চিত | مُسْتَقِيقِينْ |
| দৃঢ় বিশ্বাস | إِسْتِيْقَانٌ |



| | |
|--|-------------|
| অবশিষ্ট, দলিল, নির্দর্শন | أَثَارَةٌ |
| অভিনব, প্রথম, নতুন | بِدْعًا |
| কষ্ট করে | كُرْهًا |
| ত্রিশ | ثَلَاثُونْ |
| ক্ষমা করি, মার্জনা করি, অতিক্রম করি, ধরিনা | تَجَاجُرٌ |
| নিঃশেষ করেছে | أَذْهَبْمُ |
| আহকাফবাসী, বালুকাময় উপত্যকা, আদ জাতির বাসস্থান | أَحْقَافٌ |
| মেঘমালাকপে, ঘটে যাওয়া | عَارِضًا |
| আসন্ন, অস্তরামান, অভিমুখে আগমনকারী | مَسْتَقِيلٌ |
| উপত্যকাগুলো, প্রস্তর, নদী-নালা | أَوْبِيَةٌ |
| নেকট্রো মাধ্যম, সন্নিকটবর্তী, সান্নিধ্য | فَرْبَاتٌ |
| দল, গোষ্ঠী | نَفَرٌ |
| তোমাদেরকে রক্ষা করবেন, বাঁচাবেন | يُجْرِكُمْ |
| ক্রান্তি বোধ করেন নি | لَمْ يَعْيَ |



| | |
|--|------------------|
| নিষ্ফল করে দিয়েছেন, বিনষ্ট বা ব্যর্থ করে দেন | أَضَلٌ |
| দূর করবেন, ক্ষমা করবেন | كُفَرَ |
| সুসংহত করবেন, সংশোধন করবেন | أَصْحَاحٌ |
| অবস্থা, কৈফিয়ত | بَالٌ |
| ঘাড় আঘাত করা | ضَرَبَ الرَّقَبَ |
| সম্পর্ণভাবে পরাভূত করেছে, তোমরা চূর্ণ বিচূর্ণ করে দাও | أَخْتَمْ |
| পর্যন্ত করা | تَحْنُ |
| বন্ধন (বন্দীদের), ফ্রেক্টার করা | وَنَاقٌ |
| মুক্তিপ্রাপ্ত নেবে | فَدَاءٌ |
| জানিয়ে দিয়েছেন, চিনিয়ে দিয়েছেন | عَرْفٌ |
| দুর্ভোগ, অধঃপতন, দ্রুতি | تَهْسِلٌ |
| পরিবর্তনীয় নয়, নির্মল, স্বচ্ছ, পরিষ্কার | غَيْرِ أَسِنٍ |
| সুরা, পানীয় | خَمْرٌ |

| | |
|---------------------------------|-----------------------------|
| মধু | عسل |
| অন্তর্গুলো | أَمْعَاء |
| এইমাত্র | النِّفَاقُ |
| লক্ষণগুলো | أَشْرَاطٌ |
| ছেঁয়ে গেছে, বিহবল মানুষের মতো, | مُغْسِيٌّ |
| জ্ঞান হারাল | |
| শোচনীয় পরিণতি, আফসোস | أُولَئِيٌّ |
| তালা পড়েছে | (একবচন.: قُلْ :) أَقْفَالْ |
| শোভন করে দেখায়, শোভনীয় করেছে | سَوَّلَ |
| মিথ্যা আশা দেয়, মিথ্যা আশা | أَمْلَى |
| আকাঙ্ক্ষার ধারা দীর্ঘ করেছে | |
| গোপন অভিসংক্ষি | إِسْرَارٌ |
| কুপ্রবৃত্তি, বিদ্রেব ভাব | أَضْعَانٌ |
| কথার ভঙ্গিতে | لَهْنُ الْفُؤُلْ |
| কথনও ক্ষুণ্ণ করবেন না | لَنْ يَبْرُ |
| চাপ দেন, সংকীর্ণ করেন, সংকীর্ণ | يَحْفَ |



| | |
|--|-----------------|
| পরীক্ষা করেছেন, পরিশোধিত করেছেন, যাচাই করে নিয়েছেন | امْتَحَنَ |
| কিন্তে আসে, কিন্তে আসা | تَفِيعٌ |
| দোষান্তে করো না | لَا تَلْمِزُوا |
| পরম্পরাকে ডেকো না | لَا تَنْابِرُوا |
| দোষ খেঁজ করোনা, গোপন তথ্য | لَا تَجَسِّسُوا |
| সকান করোনা | |
| পরিস্নিদ্ধ করোনা, গীবত করোনা | لَا يَعْتَبِ |
| কর্মতি করবেন না (প্রতিফল দানে), লাঘব করা হবে না | لَا يَلْتَ |



| | |
|---|---------------------|
| অতীত, পূর্বে যা হয়েছে | تَقْدِيمٌ |
| ভবিষ্যত, পরবর্তী সময়ে যা হয়েছে | تَأْخِيرٌ |
| ধারণা পোষনকারী, অনুমানকারী | ظَاهِيٌّ |
| তোমরা সাহায্য কর, সহযোগিতা কর | تَعْزِيزُوا |
| তোমরা সম্মান প্রদর্শন কর | تُّوَقِّرُوا |
| যুক্তিলক্ষ সম্পদ | مَعْنَامٌ |
| বিজয়ী করেছেন, বিজয় দান করেছিলেন | أَطْفَرَ |
| কুরবানীর জন্ম বা পশুগুলো | الْهَذِي |
| আবদ্ধ (যা ছিল) | مَعْفُوقًا |
| পদদলিত করবে, পর্যন্ত করবে, পিষ্ট করবে | تَطْلُوْا |
| ক্ষতিগ্রস্ত, কলৎক | مَعْرَةٌ |
| তারা পৃথক হত | تَرْيَلُوا |
| গোত্রীয় অহমিকা, মূর্খতা, ভুল টিক্ট ধারা | حَمِيَّةٌ |
| অবধারিত করলেন, সুদৃঢ় করলেন | الْزَمْ |
| মুভনকারী | مُحْلِقِينَ (ح ل ق) |
| কর্তনকারী, চুল ছাঁটকারী | مُقْصِرِينَ (ق ص ر) |
| চিহ্ন | سِيمَا |
| কিশলয়, কুঁড়ি, অঁকুর | شَطَعٌ |
| শক্তিশালী করে | أَزَرَ |
| শক্ত হয় | إِسْغَاظٌ |
| কান্ত | سُوقٌ |



| | |
|---|-------------------|
| সংশয়ে দোদুল্যমান | مَرْجِعٌ |
| ফাটল, ছিদ্র | فُرُوجٌ |
| সমুন্ত | طَلْعٌ |
| থেজুর গুচ্ছ | بَاسِقَاتٍ |
| সারি সারি | نَضِيدٌ |
| আমরা কি ক্লাস্ত হয়ে পড়েছি? আমরা কি অসমর্থ ছিলাম? | عَيْنَا |
| গলার শিরা | حَيْلَ الْوَرِيدِ |
| সার্থী, উপবিষ্ট ব্যক্তি, বসে থাকে | قَيْدٌ |
| উপস্থিত, সদা প্রস্তুত | عَيْدٌ |
| মৃত্যু যত্নগা, সংজ্ঞা লোপ পাওয়া | سَكْرَةٌ |
| ভূমি পাশ কাটাতে, ভূমি পালিয়ে বেড়াচিলে | تَحْيِيٌ |
| আবরণ, পর্দা | غِطَاءٌ |
| ভূমি কি পূর্ণ হয়েছ? | هَلْ امْتَلَتْ |
| তারা ভ্রমণ করে ফিরতো | تَقْبُوا |
| আশ্রয়স্থল | مَحِيصٌ |



| | |
|---|-------------|
| ধূলি বন্ধু, বিক্ষিপ্তকারী | دَارِيَاتٍ |
| বিক্ষিপ্ত করা, উড়ানো | دُرُواً |
| ভারী মেষপুঁজি, বোবা | وَقْرًا |
| নৌযান, অবাহমান | جَارِيَاتٍ |
| কাজ বন্টনকারী | مُفْسِيَاتٍ |
| বহু পথ, বহু কঙ্গপথ, ভিন্ন ভিন্ন আবৃত্তি রূপ | جُبَكٌ |
| মিথ্যাচারীরা, অনুমানকারীরা | خَرَاصُونَ |
| বন্দী করা হবে, শাস্তি দেয়া হবে, উত্তপ্ত করা হবে | يَقْتَلُونَ |
| শুমাতো | يَهْجَعُونَ |
| বিশ্যয়, চিৎকার | صَرَّةٌ |
| চাপড়াল | صَكْتٌ |
| ক্ষমতার দস্ত, শক্তি | رَكْنٌ |
| পাপের প্রাপ্তি, দুর্ভোগ, গুনাহর শাস্তি, পানি ভরা বালতি | ذَنْبَيَا |



| | |
|--|---|
| পাতা, নরম কাগজ, পাতলা চামড়ার কাগজ | رَقٌ |
| উন্মুক্ত, খোলা | مَنْشُورٌ |
| বায়তুল মামুর, টির আবাদ ঘর | الْبَيْتُ الْمَعْمُورُ |
| উদ্বেলিত, উচ্ছিত, গরম, তরঙ্গ বিক্ষুব্দ। | مَسْجُورٌ |
| নিবারণকারী | دَافِعٌ |
| প্রবলভাবে আদোলিত | مُورًا |
| জোর ধাক্কা | دَعْعًا |
| আমরা কিছুই হাস করব না | مَا لِنَا |
| দায়ী, বৰ্ধক | رَهِينٌ |
| কালের বিপর্যয় | رَبِّ الْمَنْوْعِينَ (দুর্ঘটনা: رَبِّ؛ مَنْوَعٌ: মৃত্যু) |
| বিবেকবুদ্ধি | أَحْلَامٌ |
| সীমা লংঘনকারীরা | طَاغُونَ |
| রচনা করেছে | تَقْوَىٰ |

| | |
|---------------------------|---------------|
| নিয়ন্ত্রিক, তার শাসন চলে | مُصَيْطَرُونَ |
| ভারাক্রান্ত হয়ে আছে | مُنْقَلُونَ |
| আমার চান্দের সামনে | أَعْيَنَا |
| অঙ্গমন | إِدْبَارٌ |



| | |
|---|-----------------------|
| অঙ্গমিত | هُوَ |
| প্রজ্ঞাসম্পন্ন, শক্তিশালী, কৌশলসম্পন্ন | دُوْ مَرَّةٍ |
| সে নিকটবর্তী হল | دَنَا |
| অবতরণ করল, উপরে বুলে থাকল | تَنَاهَى |
| দুই ধনুকের ব্যবধান, দুই ধনুকের দ্রব্য | قَابَ قُوسَيْنِ |
| জড়জগতের শেষপ্রান্তে অবস্থিত কুল বৃক্ষ, ইহকাল ও পরকালের মধ্য সীমানায় অবস্থিত কুল বৃক্ষ | سِدْرَةُ الْمُنْتَهَى |
| অঙ্গর্ত, অঙ্গত, অন্যায়, বড় প্রতারণাপূর্ণ | ضَيْزِيٌّ |
| নাম দেয়া, নাম রাখা | تَسْمِيَةٌ |
| সীমা, দৌড়, যোগ্যতা | مَبْلَغٌ |
| ছেট অপরাধ | لَمْ |
| শৃঙ্গ অবস্থায় | أَجْئَةٌ |
| মাত্রগভরির শিশু | جَيْنِ |
| বন্ধ করে, উচু করে, ক্ষান্ত হয় | أَكْدَى |
| পূর্ণ করে | أَوْفَى |
| হাসান | أَصْحَكَ |
| কাঁদান | أَبْكَى |
| মৃত্যু দেন, মারেন | أَمَاتَ |
| জীবিত করেন, বাঁচান | أَحْيَى |
| শুক্রবিন্দু, শুক্রবিন্দু স্থলিত হয় | ثَمَنِي |
| জন্ম, উত্থান | نَشَأَةٌ |
| অভাবমুক্ত করেন | عَنِ |
| সম্পদ দান করেন | أَقْرَى |
| শিশীরা, সূর্য থেকে কঁকেকণ্ণ বড় একটি | شِعْرِيٌّ |
| নক্ষের নাম | |
| অতি অবাধ্য | أَطْفَى |
| উচ্চে দেয়া জনবসতিসমূহ, উৎপাটিত | مُوْتَفَكَةٌ |
| উঠিয়ে নিষ্কেপ করেছিল | أَهْوَى |
| উদাসীন হয়ে আছ, গাফেল হয়ে আছ | سَادِمُونَ |

سُورَةُ الْفَصَر
سُورَا كُفَّارُ
চান্দ
সুরা ৫৪

سُورَةُ الرَّحْمَن
سُورَا آرَافَر-রহমান
অশেষ দয়াবান
সুরা ৫৫

| | |
|---|--------------------|
| চিরাচরিত | مُسْتَمِرٌ |
| সতর্কবাণী (আল্লাহত্ত্বাহিত থেকে বিরত রাখার বহু শিক্ষাপ্রদ উপকরণ), ছুশিয়ারী | مُزَاجٌ |
| উপেক্ষা কর, বিমুখ হও | تَوَلَّ |
| অনুশ্যান, অপরিচিত, কঠিন দুঃসহ | نَكْرٌ |
| তাকে ধরকানো হয়েছিল | أَزْدِجٌ |
| অতি বৰ্ষত, প্রবল বৰ্ষণের | مَهْمَرٌ |
| বহু লৌহ শলাকা, বহু পেরেক | دُسْرٌ |
| অবশ্যাননা করা হয়েছে, কুফরী করা হয়েছে, প্রত্যাখাত হয়েছে | كُفَّرٌ |
| নসিহত গ্রহণকারী, উপদেশ গ্রহণকারী | مَذْكُورٌ |
| উৎপাটিত করে, উঠিয়ে নিষ্কেপ করে | تَنْزَعٌ |
| কান্ডগুলো | أَعْجَازٌ |
| ছেঁড়া, কর্তিত, সম্মুলে উৎপাটিত | مُنْقَعِرٌ |
| পাগল, বুদ্ধিহীন, উম্মাদ, বিকৃতবুদ্ধি | سُفْرٌ |
| দৃষ্ট, দাস্তিক | أَشْرٌ |
| হাজির হবে (পালাক্রমে), নির্দিষ্ট ক্ষণে, উপস্থিত থাকবে | مُحْتَضَرٌ |
| সে দায়িত্ব নিল (হজ্যা করার) | تَعَاطِيٌ |
| সে হজ্যা করল | عَفَرٌ |
| বিচৰ্ষ শুষ্ক তঃপন্নব, পদদলিত | هَشَيْمٌ |
| খড়কুটা দ্বারা খোয়াড় প্রস্তুতকারী | مُخْطَلٌ |
| বনৰো বায়, পাথরের বৃষ্টি, প্রস্ত | حَاصِبًا |
| রবৰ্ষণকারী বাড় | سَحْرٌ |
| শ্ৰেষ্ঠ রাতে, রাতের শ্ৰেষ্ঠ অংশে | سَحْرٌ |
| বড় বিপদ, বড় ভয়াবহ, কঠিনতর | أَدْهَى |
| তিক্ত, তিক্ততর | أَمْرٌ |
| আগ্নেন, একটি দোয়খের নাম | سَفَرٌ |
| চোখের পলকের মধ্যে (কাৰ্য্যকৰ হয়) | لَمْحٌ بِالْبَصَرِ |
| দল | أَشْيَاعٌ |
| লিখিত, লিপিবদ্ধ | مُسْتَطْرٌ |
| সত্য ও প্রকৃত সম্মান-মৰ্যাদার স্থান, যোগ্য আসন | مَقْعُدٌ صِدْقٌ |
| বাদশাহ, স্বাট | مَلِيْكٌ |
| সাৰ্বভৌম ক্ষমতার অধিকারী, মহাপ্রাক্রমশালী | مُكْثِدٌ |

| | |
|---|--------------------------------|
| আবর্তন করে, একটি হিসাব অনুসরণে শীয় কক্ষপথে ঘুরছে | حُسْبَانٌ |
| সৃষ্টীব, সৃষ্টি | أَنَامٌ |
| খোসাবিশিষ্ট, ভূবিষ্ট | ذُو الْعَصْفِ |
| সুগুৰি গুল্ম | رِيحَانٌ |
| অনুগ্রহ, নেয়ামত | الْأَمَاء |
| শুষ্ঠ মাটি, মাটির পাতিল | صَلْصَالٌ |
| পরম্পর মিলিত হয় | يَلْتَقِيَانِ |
| অস্তরাল, বিভক্তি ঝেখ | بَرْزَخٌ |
| অতিক্রম বা সীমা লংঘন করছে না, একে অপরের মধ্যে প্রবেশ করছে না | لَّا يَبْغِيَانِ |
| মৃজা | لَوْلَوٌ |
| প্রবাল | مَرْجَانٌ |
| জাহাজগুলো | جَوَارٌ |
| সুটুচ পালসহ | مُشْنَنَاتٌ |
| পর্বত প্রমাণ, পাহাড়ের মত, জাহাজ | كَالْأَعْلَامٌ |
| মহীয়ান, মহিমায় | دُوَالِجَالٌ |
| গুরুতৃপূর্ণ কাজ, নবমহিমায় বিৱাজ, | شَانٌ |
| এক বিশেষ অবস্থায় | تَقَانٌ |
| দুই বোৰা (মানুষ ও জিন) | تَنْفُوا |
| অতিক্রম কর, পালাও | أَفْطَارٌ |
| সীমা, কিনারা | سُلْطَانٌ |
| শক্তি ও সামর্থ্য | شَوَّاظٌ |
| ধূমপূঁজ, বিগলিত গৰম তামা | نُحَاسٌ |
| লাল চামড়া | وَرْدَةٌ |
| তেলের মতো গুরুত্ব বৰ্ণ | دِهَانٌ |
| কপাল, কপালের চুল, সামনের চুল | نُوَاصِيْ (نَاصِيَّةٌ) (একবচন) |
| পা | أَقْدَامٌ |
| জাহানামের উত্পন্ন পানি | حَمِيمٌ |
| টগবগ করে ফুট্ট | أَنْ |
| সবুজ সতেজ ডালপালায় পূর্ণ, বহু | دُوَاتَا أَفَنان |
| শাখা পল্লব বিশিষ্ট দুই উদান | فَرْشٌ |
| ফরাশগুলো, শ্যাঙ্গুলো | بَطَانٌ |
| আন্তরণ | إِسْتِرْبَقٌ |
| পুরু ঝেখম | جَنَا |
| ফলগুলো | دَانٌ |
| বুঁকে পড়বে, নিকটবর্তী | طَمَثٌ |
| স্পৰ্শ করা | يَأْفُوتٌ |
| হীরা, রুবী | مَدْهَامَتَانٌ |
| ঘন সবুজ, ঘন সন্নিবেশিত শ্যামল | مَدْهَامَتَانٌ |

| | |
|-------------------------------------|------------------|
| সতেজ দুই উদ্যান | |
| উভয়েই উচ্চলিত, উৎক্ষিপ্তমান | نَصَّاخَةٌ |
| আনার, ডালিম | رَمَانْ |
| সুনীলা সুন্দরীগণ, সচরিত্রা সুদর্শনা | خِيرَاتٌ حَسَانٌ |
| ঙ্গীরা | |
| তাকিয়া, গালিচা, চিকন রেশমী | رُفْفٌ |
| কাপড় | |
| সবুজ | خَضْرٌ |
| অমূল চাদর, সুন্দর, সুরক্ষিত শয্যা | عَبْقَرِيٌّ |



| | |
|--|-------------------------|
| ঘটনা | وَاقْعَةٌ |
| অবনতকারী | خَافِضَةٌ |
| সম্মুতকারী | رَافِعَةٌ |
| প্রকল্পিত করা হবে, আন্দোলিত হবে | رُجْتٌ |
| (প্রবল) কম্পন | رَجَّا |
| (সম্পূর্ণ রূপে) চূর্ণ বিচূর্ণ | بَسَّا |
| উৎক্ষিপ্ত ধূলা | هَبَاءٌ |
| বিক্ষিপ্ত | مُنْبَأً |
| ডানপন্থী, সৎ লোকেরা, ডানহাতের লোকগুলো | أَصْحَابُ الْمَيْمَنَةِ |
| বামপন্থী, অসৎ লোকেরা, বামহাতের লোকগুলো | أَصْحَابُ الْمَشْنَمَةِ |
| বহু সংখ্যক, বেশীসংখ্যক, বড় দল | ثَلَّةٌ |
| ষর্ণবিত্তি | مَوْضُوَّةٌ |
| চিরস্তন | مَخْلُونَ |
| হাতলওয়ালা সুরাভাস্ত, কুজা | أَبْارِيقٌ |
| মাথা ঘুরাবে না | لَا يَصْدَعُونَ |
| পাপ বাক্য, পাপের (কথা) | تَائِيْمًا |
| কঁটাইন | مَخْصُودٌ |
| কলাগুলো | طَاحٌ |
| থরে থরে সাজানো, কাঁদিভরা | مَضْسُودٌ |
| সম্প্রসারিত, দীর্ঘ প্রসারিত | مَمْدُودٌ |
| প্রস্তরের প্রবাহিত পানি, (সদা) | مَسْكُوبٌ |
| প্রবাহ্যান | |
| কুমারীগণ | أَبْكَارًا |
| যামীর প্রতি আসঙ্গ, সোহাগিনী | عُرَبًا |
| সমরকক্ষ, সমবয়স্ক | أَثْرَابًا |
| কালো খোঁয়া | يَحْمُومٌ |
| অবিরাম লিপ্ত থাকে, অবিরত লিপ্ত | بُصْرَوْنَ |
| থাকা | |
| গুনাহ, পাপ কাজ | حَثٌّ |
| তৃষ্ণার্ত উটদের পান করার মতো | شَرْبُ الْهَيْمٌ |

| | |
|------------------------------------|-----------------------|
| খড়কুটা, ভূষি | حُطَامًا |
| হতবুদ্ধি হয়ে পড়বে, বিস্ময় মোধ | نَفَّهُونَ |
| করতে থাকবে | |
| সর্বনাশ হয়েছে, আমরা দড়গঢ় হয়েছি | مُعَرَّمُونَ |
| মেঘমালা | مُزْنٌ |
| প্রজ্ঞালিত কর, ঝালাও | نُوْرُونَ |
| মরুচারী, পথিক | مُفَوِّيْنَ |
| তারকারাজির অবস্থিতির স্থান, | مَوَاقِعُ النَّجْوَمِ |
| তারকারাজির অবস্থান | |
| পৃত পবিত্র, (যারা) পবিত্রতম | مُطَهَّرُونَ |
| উপেক্ষার বস্ত মনে করবে? তুচ্ছজ্ঞান | مُدْهَهُونَ |
| করবে? | |
| কাজো অধীন না হও, কাজো অধীন নহ | غَيْرَ مَدِينِيْنَ |
| না হও | |
| শাস্তি, সুখ ও সংজ্ঞাগ | رَوْحٌ |
| উত্তম ও সুগন্ধি মূলক খাদ্য, উত্তম | رِيحَانٌ |
| বিষ্কু | |
| দহন হওয়া | تَصْلِيَةٌ |
| জাহানাম | جَحِيمٌ |



| | |
|------------------------------------|-----------------|
| খলিফা, উত্তরাধিকারী, প্রতিবিধি | مُسْتَخْلِفُونَ |
| জ্যেতি গ্রহণ করতে পারি, আলো | نَقْبَسُ |
| পাই, (আলো নিয়ে) আমরা উপকৃত | |
| হব | |
| সন্দান করে নাও | الثَّمِسْوَا |
| প্রাচীর, দেয়াল | سُورٌ |
| দিকে | قِيلَ |
| এখনও কি সেই সময় আসেনি? | أَلْمْ يَأْنَ |
| অতিক্রান্ত হল, অতিবাহিত হল | طَلَ |
| বত্ত কাল, দীর্ঘকাল | أَمَدٌ |
| পারস্পরিক তৌরেব, অহংকার | تَفَلَّخِرٌ |
| আর্য, অধিক অর্জনের প্রতিমোগিতা | تَكَاثِرٌ |
| প্রশংসন্তা, বিশালতা, বিস্তৃতি | عَرْضٌ |
| সংঘটিত করা, সৃষ্টি করা | تَبْرَأً |
| হতাশগ্রস্ত হয়েনা, বির্য হয়েনা | لَا تَأْسَوْا |
| যা কিছু ক্ষতি হয়, যা হারায় | فَاتٌ |
| প্রেরণ করেছি, অনুগামী করেছি | فَقَيْدًا |
| সন্যাসবাদ, সংসারভাগী, বৈরাগ্যবাদ | رَهْبَانِيَةٌ |
| পালন করা, দেখাশোনা করা, লক্ষ্য | رَعْلَيَةٌ |
| রাখা | |
| দুই অংশ, উভয় অংশ, দিগ্নগ অংশ, দুই | |
| ভাগ | كَلَيْنٌ |



| | |
|---|---------------|
| অভিযোগ করছে, নালিশ করছে | شَنْكِيْ |
| কথবার্তা, কথোপকথন | تَحَاوُر |
| যারা যিহার(মাঝের পিঠকে নিজের ঝীর সাথে তুলনা করা) করে, জাহেলী যুগে যারা তাদের ঝীরকে বলত যে তুমি আমার মাঝের মত এবং সাথে সাথে বিবাহ বন্ধন ছিল হয়ে যেত একপ বিবাহ বিচ্ছেদকে যিহার বলা হত। | يُظَاهِرُونَ |
| সেই সমস্ত নারীরা যারা | اللَّانِي |
| পরম্পরাকে স্পর্শ করা | يَتَمَاسًا |
| দুই মাস | شَهْرِيْن |
| পরম্পর, ধারাবাহিকভাবে | مُسْتَبِعِيْن |
| ষাট | سِيْئِينَ |
| বিরুদ্ধাচরণ করে, বিরোধিতা করে | يُحَادِّوْنَ |
| অপদৃশ হবে, লাঞ্ছিত হবে | كُبُّوا |
| অপদৃশ হয়েছিল, লাঞ্ছিত করা হয়েছিল | كُبَّت |
| গুনে গোথেছেন | أَحْصَى |
| অবাধ্যতা, নাফরমনী | مَعْصِيَة |
| সালাম করে, অভিনন্দন জানায় | حَيْوَا |
| তোমরা প্রশংসিতা সৃষ্টি কর, তোমরা | تَفَسَّحُوا |
| স্থান করে দাও | تَفَسَّحَ |
| চওড়া, সম্প্রসারিত করল | أَنْتَوْ |
| তোমরা দাঁড়িয়ে যাও, তোমরা উঠে যাও | أَنْتَوْ |
| চালস্বরূপ | جَهَّةٌ |
| প্রবল হয়েছে, প্রভাব বিস্তার করেছে | إِسْتَحْوَد |
| দল | جَزْبٌ |
| অনেক নীচ, অধিক লাঞ্ছিত | أَذْلِيْنَ |
| বক্স করে, ভালবাসা পোষণ করে | يُوَادِّوْنَ |



| | |
|--------------------------------|------------------------|
| বক্সাকারী | مَانِعَة |
| সুদৃঢ় দুর্গতলো | (একবচন) حَصْنٌ (হচ্ছন) |
| তলে দিলেন, সংধার করলেন | قَذَفَ |
| তারা ধ্বংস করল | يُخْرِيْبُونَ |
| তোমরা উপদেশ বা শিক্ষা গ্রহণ কর | اعْتَبِرُوا |
| নির্বাসন | جَلَاءً |

| | |
|---|------------------|
| খেজুর গাছ | لِبَّة |
| তোমরা দৌড়িয়েছ, তোমরা আরোহণ করেছ | أُوجَنْتُمْ |
| আবর্তিত | دُولَة |
| ধনী, বিত্তবান | أَغْنِيَاء |
| প্রয়োজন, আকাঞ্চা, দৈর্ঘ্য | حَاجَة |
| তারা প্রাথান্য দেয়, অগ্রাধিকার দেয় | بُوْثِرُونَ |
| অভাব অনটন, ক্ষুধা | حَصَاصَة |
| মুক্ত করে, রক্ষা করে, বেঁচে থাকে | بُوقَ |
| কার্পণ, লোভ, সর্বীর্জা | شَح |
| মুনাফিক হয়েছে, মুনাফেকী করেছে | نَاقْفُوا |
| ভয়কর | رَهْبَة |
| সংরক্ষিত বসতি, দুর্পরিবেষ্টিত | فَرِيْ مَحَصَّنة |
| জনবসতি | شَنَى |
| পরম্পর বিদীর্ণ, বিধাবিভক্ত, বিক্ষিপ্ত | وَبَال |
| শাস্তি, কুফল | خَاشِعًا |
| বিনীত | مَتَصَدِّعًا |
| দীর্ঘবিদীর্ঘ হচ্ছে, ধৰ্মে যাচ্ছে | مُهَبِّيْنَ |
| সংরক্ষক | مُنْكَبَر |
| বড়ু গ্রহণকারী, অতীব মহিমামূলিক, অহঙ্কারী | |



| | |
|--|---------------------|
| তোমরা স্থাপন কর | تَلْقَوْنَ |
| বিরাগভাজন, নিঃসম্পর্ক, বীতশুদ্ধ | بِرْءَاءُوا |
| তোমরা শক্রতা করেছ, তোমরা শক্রতা সৃষ্টি করে নিয়েছে | عَادِيْمَ |
| তারা সাহায্য সহযোগিতা করেছে | ظَاهِرُوا |
| পরীক্ষা করে নাও, যাচাই করে নাও | إِمْتَحِنُوا |
| আটকে রেখলা | لَا تُمْسِكُوا |
| কাফিল নারীদের বিবাহ বন্ধনে | عِصْمَ الْكَوَافِرِ |
| হাতছাড়া হয়েছে, চলে গেছে | فَاتَ |



| | |
|--------------------------------------|-----------|
| অস্ত্রোষজনক, ঝুঁক উদ্রেককারী | مَفَّا |
| প্রাচীর, ইমারত | بَيْانَ |
| ইস্পাত নির্মিত, সীসা মিশ্রিত, সুদৃঢ় | مَرْصُوصَ |



| | |
|---|----------------------|
| কিতাবগুলো, পৃষ্ঠকসমূহ | (س্ফِر) أَسْفَاراً |
| তাৰা ছুটে গৈল, তাৰা দ্রুতবেগে ধাৰ্ম্যান হল | يَنْفَضُوا |



| | |
|--|----------------------------|
| দেহগুলো, শৰীৱগুলো | (একবচন) جَسْمٌ أَجْسَامٌ |
| কাৰ্তেৰ টুকুৱো, যোদাইকৃত কাৰ্তেৰ খন্দ | حَسْبٌ |
| দেয়ালে ঠকান, হেলান দেয়া | مُسْنَدٌ |
| শব্দ, উচ্চ আওয়াজ, শোৱগোল, চিৎকাৰ | صَيْحَةٌ |
| তাৰা বাঁকুনি দেয়, তাৰা ফিরিয়ে নেয় | لَوْوَا |
| তাৰা ছিন্ন ভিন্ন হয়ে যায়, তাৰা সৱে পড়ে | يَنْفَضُوا |



| | |
|---------------------------------------|----------|
| জয় পৰাজয়, পারম্পৰিক লাভ ও লোকসান | تَعْبُنٌ |
|---------------------------------------|----------|



| | |
|-------------------------------|---------|
| সৃষ্টি কৰবেন, নতুন পথ বেৱ কৰে | يُحدِثُ |
|-------------------------------|---------|

| | |
|--|------------------|
| দিবেন | فَارِقُوا |
| পৃথক কৰ, ভিন্ন কৰ, বিচ্ছেদ কৰ | ذُوِي عَذَلٍ |
| দুই জন সুবিচারক, দুই জন ন্যায়পরায়ণ | بَالْغٌ |
| সম্পূৰ্ণ কৰা, পূৰ্ণ কৰা, অৰ্জন কৰা | أَوْلَاتِ حَمْلٍ |
| গৰ্থারিণী নারী | وْجْدٌ |
| সামৰ্থ্য | يَصْعَنْ |
| সজ্ঞান প্ৰসৰ কৰে | تَعَاسَرُتٌ |
| অনন্মীয় হও, পৰম্পৰাকে অসুবিধায় ফেলতে চাও, পৰম্পৰার প্ৰতি কঠোৱ হও | |
| স্তন্য দান কৰবে, দুধ খাওয়াৰে | تُرْضِعُ |
| অন্য কেউ, অন্য কোন নারী | أَخْرَى |
| স্বচ্ছল বাঞ্ছি, বিশ্বাবান | ذُوْ سَعَةٍ |
| অমান্য কৰেছিল | عَنْ |



| | |
|---|-------------|
| তুমি পেতে চাও, তুমি পেতে চাচ্ছ | تَبَغْفِي |
| মুক্তিৰ বাষ্পা, নিষ্কৃতি পাৰার বাষ্পাশা | شَلَةٌ |
| গোপনে বলেছিল | أَسْرٌ |
| প্ৰকাশ কৰলেন, জানিয়ে দিলেন | أَظْهَرَ |
| বলে দিলেন, ব্যক্তি কৰলেন | عَرَفَ |
| বাদ দিয়েছিলেন, অব্যক্তি রাখলেন | أَعْرَضَ |
| সৱে গিৱেছিল, ঝুকেছিল | صَفَّتْ |
| তোমৰা পৰম্পৰাকে সাহায্য কৰ, তোমৰা সংঘবদ্ধ হও | تَظَاهِرَا |
| তত্ত্বাকাৰী নারীৱা | تَابِيَّاتٌ |
| সিয়াম পালনকাৰী নারীৱা | سَانِحَاتٌ |
| অকুমাৰী বিধবা নারীৱা | تَبِيَّاتٌ |
| কুমাৰী | أَبْكَارًا |
| নিৰ্মম হৃদয়, নিৰ্দয় | غَلَاطٌ |
| বিশুদ্ধ, খাটি, সত্তিকাৰ | نُصُوحًا |
| নিৰ্মাণ কৰ | إِبْنٌ |
| সতীত, লজ্জাত্মন | فَرْجٌ |



| | |
|----------------------------|---------|
| স্তৱে স্তৱে, একেৱ উপৰ আৱেক | طَبَاقٌ |
|----------------------------|---------|

| | |
|--|------------|
| খুত, ব্যক্তিকর্ম, অসংগতি | تَقَوْتٌ |
| ক্রটি, ফাঁক | فَطْورٌ |
| বার বার, দ্বিতীয় বার | كَرْتَيْنٌ |
| ব্যর্থ প্রতিহত | خَاصِّاً |
| ক্রান্ত, শ্রান্ত | حَسِيرٌ |
| নিষেকের উপকরণ | رُجُومًا |
| আর্টনাদ, বিকট শব্দ | شَهِيقًا |
| উদ্বেলিত হবে, ঝুঁক হবে | قَهْرَرُ |
| ফেটে পড়া, দীর্ঘ-বিদীর্ঘ হওয়া | تَمَيَّزٌ |
| অভিশাপ, লানত, বহমত থেকে বহু দূর | سُحْقًا |
| নরম, সুগম, অধীন | ذَلُولًا |
| দিক দিগন্ত, রাস্তা, বক্ষ | مَنَابِكٌ |
| থরথর করে কাঁপে, আন্দোলিত হবে | مُمُورٌ |
| তারা অবচল রাখে | لَجْوَا |
| নিম্নমুখী হয়ে, অধোমুখী হয়ে | مُكْبَأً |
| অধিক সত্ত পথপ্রাপ্ত, বেশী হেদায়তপ্রাপ্ত | أَهْدِي |
| নিকটে, আসন্ন | زَلْفِي |
| মান হবে | سِيَّنَتٌ |
| বৃক্ষ করবে, আশ্রয় দেবে | يُجِيرُ |
| চলে যায়, হয়ে যায় | أَصْبَحَ |
| ভূগর্ভস্ত, নাগালের বাইরে, নিচ চলে যায় | غُرَّاً |
| প্রবহমান | مَعِينٌ |

| | |
|--|-------------------|
| দাগ দিব (অপমানিত ও লাঞ্ছিত করব) | نَسِيمَهْ |
| নাক, শুভ্র | خَرْطُومٌ |
| তারা ইন শা আল্লাহ বলেনি, তাদের কথায় কোনুকপ ব্যক্তিকের সন্তাবনা রাখেনি | لَا يَسْتَئْنُونَ |
| বিচরণকারী, বিপর্যয় | طَائِفٌ |
| নিম্নমগ্ন, ঘূমে নিমজ্জিত | نَائِمُونَ |
| কেটে ফেলা ফসল | صَرِيمٌ |
| একে অপরকে ডাকতে লাগলো | تَنَادِيَا |
| যারা কাটে, ফল আহরণকারী, ফসল কর্তৃকরী | صَارِمِينَ |
| কার্পণ্য, নিম্নুকারী, অন্যের অগোরে নিজের কাজ সমাধা করে ফেলা | حَرْدٌ |
| মধ্যবর্তী, উভম, শ্রেষ্ঠ | أَوْسَطٌ |
| অভিযোগ করতে লাগল, একে অপরের প্রতি দোষাঙ্গাপ করতে লাগল | يَتَلَوَّمُونَ |
| অনাবৃত করা হবে, উন্মোচিত করা হবে | يُكَشِّفُ |
| হাতু থেকে পায়ের নিচ পর্যন্ত, পিস্তুলী | سَاقٌ |
| মাছ ওয়ালা [হ্যারত ইউনিস (আঃ)] | صَاحِبُ الْحُوتِ |
| বিষাদাচ্ছল, কাতর | مَكْظُومٌ |
| সৌঁজন, প্রাপ্ত হল | تَنَارِكٌ |
| নিষিদ্ধ হত | ثَدٌ |
| উন্মুক্ত প্রাস্তর, বালুকাময় মাঠ | عَرَاءٌ |
| মূলোৎপাটন করবে, আছড়ে ফেলবে, পদচ্ছলন করবে | يَرْلُقُونَ |



| | |
|--|----------------|
| কলমের শপথ, কলমের কসম | وَالْقَلْمَنْ |
| তারা লিখছে, তারা লিপিবদ্ধ করে | بَسْطَرُونَ |
| নেতৃত্বার অতি উচ্চ মর্যাদায় | خَلْقٌ عَظِيمٌ |
| অভিযোগ, মহান চরিত্র | مَقْنُونٌ |
| উন্মাদ, বিকারপ্রস্ত, পাগলামীতে নিমজ্জিত | نَدْهَنٌ |
| তুমি নমনীয় হও, তুমি কিছু এহণ করতে প্রস্তুত হও | حَلَاف |
| অত্যাধিক শপথকারী, হলফকারী | هَمَاز |
| যে গালিগালাজ করে, পরনিষ্পাকারী | مَشَاء |
| চলাচলকারী | نَسِيمٌ |
| কুঁসা রটনকারী | عَلَّ |
| দুর্করিত, দুর্দম চরিত্রহীন | نَسِيمٌ |
| কুখ্যাত, বজ্জাত, হতভাগা | رَأْجَاءٌ |

| | |
|---|-----------|
| অবশ্যানীয় ঘটনা, অনিবার্যভাবে সংঘটিতব্য | الْحَقَّة |
| সংশ্লিষ্ট করে, স্মরণ করে | طَاعِيَة |
| স্মৃতি, স্মরণকারী | حَسُومًا |
| ফুঁকার | صَرْعِي |
| চূর্ণ বিচূর্ণ করে দেয়া | رَأَيَة |
| বাঁধন শিথিল হবে, বিশ্লিষ্ট হবে | نَعِي |
| আশে পাশে, কিনারাগুলো | وَاعِيَة |

| | |
|---|---------------|
| গুপ্ত, গোপন থাকা | خَافِيَةٌ |
| এই যে | هُوَ |
| আমার আমলনামা | كِتَابِيَّةٌ |
| জীবন | عَيْسَةٌ |
| ফলের গুচ্ছ, ফল রাশি | فُطُوفٌ |
| বুলো থাকা, অবনমিত, সন্নিকটবর্তী | دَانِيَةٌ |
| অতীত দিনগুলো | خَالِيَةٌ |
| যদি আমাকে না দেয়া হতে | لَمْ أُوتَ |
| যদি নাই জনতাম | لَمْ أُذْرَ |
| চড়ান্ত হত | قَاضِيَةٌ |
| আমার ক্ষমতা | سُلطَانِيَّةٌ |
| গলায় ফাঁস লাগাও, গলায় বেড়ি পরাও | غَلُوْبًا |
| নিষ্কেপ কর | صَلْوَأً |
| শিকল | سَلْسَلَةٌ |
| তার মাপ, তার দৈর্ঘ্য | ذِرْعَاهَا |
| সন্তুর | سِبْعُونَ |
| হাত | ذِرَاعًا |
| বেঁধে ফেল, শৃঙ্খল বিজড়িত কর | أَسْلَكُوا |
| উৎসাহিত করত না | لَا يَحْضُنَ |
| ক্ষত থেকে নিঃস্ত রস, পূজ ও দুর্গাধৰ্ম রক্ত | خَسْلَيْنِ |
| গনক, গণকার | كَاهِنٌ |
| কোন কথা কানো নামে রচনা করে | تَقَوَّلَ |
| চালিয়ে দেয়া | أَقَوَيْلَ |
| কোন রচনাবলীর অংশ | وَتِينَ |
| অন্ত শিরা, জীবন ধর্মী, কঠ শিরা | حَاجِزِينْ |
| বিরত রাখতে সক্ষম হওয়া, প্রতিরোধকারী | |



| | |
|--------------------------------------|-----------|
| পঞ্চাশ | خَمْسِينَ |
| হাজার | أَلْفٌ |
| বছর | سَنَةٌ |
| বিখুনিত পশম, বিখুনিত উল | عَهْنٌ |
| বৎশ, পরিবার, জাতি-গোষ্ঠী | فَصِيلَةٌ |
| আশ্রয় দানকারী, তাকে আশ্রয় দিবে | تَنْوِيهٌ |
| উৎক্ষিপ্ত আগনের লেলিহান শিখা | لَظِي |
| লেহনকারী, আকর্ষণকারী, খসিয়ে দিবে | نَزَاعَةٌ |
| মুখের চামড়া, গাঁওয়ের চামড়া | شَوَى |
| সেক দিয়ে রাখল, সংরক্ষিত | أَوْسَى |
| অস্থির চিত্ত, ধৈয়হীন | هَلْوَعًا |
| ঘাবড়ে উঠে, হাত্তাশ করে | جَرْوَعًا |

| | |
|---------------------------|--------------|
| কার্পেক করে, কৃপণ হয় | مَنْوَعًا |
| অবিচল, গীতিমত, সদা সর্বদা | دَائِمُونَ |
| দলে দলে | عَزِيزٌ |
| অধীনস্থ, অতিক্রমকারী | مَسْبُوقُونَ |
| দোড়াচ্ছে, ধাবিত হচ্ছে | يُوْقَضُونَ |



| | |
|--|-----------|
| অনমনীয়, জিদ করতে থাকল, অটল থাকল | أَصْرَوْا |
| মর্যাদা, শ্রেষ্ঠত্ব | وَقَار |
| নামা পর্যায়, পর্যায়কর্মে | أَطْوَار |
| শ্যায়কৃপ, সমতল করে বিছিয়ে দিয়েছেন, বিছানা কৃপে | بِسَاطًا |
| নূহ জাতির উপাস্য দেবতার নাম | وَدَ |
| নূহ জাতির উপাস্য দেবতার নাম | سُوَّاعًا |
| নূহ জাতির উপাস্য দেবতার নাম | يَعْوُث |
| নূহ জাতির উপাস্য দেবতার নাম | بِعْوَق |
| নূহ জাতির উপাস্য দেবতার নাম | تَسْرًا |
| বাসিন্দা, বসবাসকারী, গৃহবাসী | دَيَارًا |
| ধৰ্ম | تَبَارًا |



| | |
|-----------------------------------|------------|
| অবাস্তব উক্তি, সীমান্ত মিথ্যা | شَطَطًا |
| আত্মস্তুরিতা, অহংকার | رَهْقًا |
| পরিপূর্ণ | مُلْتَ |
| প্রহরী, পাহারাদার | حَرَسًا |
| বসার জায়গা, আসন প্রহণ করার | مَقَاعِدٍ |
| স্থান, আসনসমূহ | |
| প্রস্তুত, পেতে রাখা, নিয়োজিত | رَصَدًا |
| বিভিন্ন, বিভিন্ন | قَدَدًا |
| পালায় | هَرَبَا |
| ক্ষতি, অবিচার, হক নষ্ট হবার | بَخْسًا |
| পথনষ্ট, সীমা লংঘনকারী, সত্যবিমুখ, | قَاسِطُونَ |
| অব্যায়কারী | |
| বেছে নিয়েছে, খুঁজে নিয়েছে | ثَرَوْا |
| ইঞ্জন | حَطَبًا |

| | |
|--|-------------|
| থচুর | عَذْقَا |
| দৃঃসহ, কঠিন | صَعِدَا |
| ভিড় জমানোর, বাঁপিয়ে পড়ার, ধিরে ধরার | لَبَدا |
| কখনও আশ্রয় দিতে পারবেনা, কখনও রক্ষা করতে পারবেনা | لَنْ يَجِدُ |
| সংল, অতি কম | أَقْلَ |
| প্রহরী, রক্ষক, পাহারাদার | رَحْدَا |



| | |
|--|---------------------------|
| বজ্ঞাবৃত ব্যক্তি [এখানে উদ্দেশ্য হলেন বাসূল (সৎ)] | مَزَمِّلٌ |
| রাতের উঠা, রাত জাগা | نَاسِثَةٌ |
| আত্মস্থমের জন্য, প্রভৃতিকে দমন করার জন্য | وَطَّا |
| সঠিক বাক্য স্ফুরণ | أَقْوَمْ قَيْلَا |
| কর্মবন্ধন | سَبْحَا |
| একনিষ্ঠভাবে মগ্ন হওয়া | تَبَيَّلَا |
| অবকাশ দাও | مَهْلٌ |
| শৃঙ্খলগুলো | أَنْكَلَا |
| কষ্ট ঝোধকারী, গলায় আটকে যায় | ذَاغْصَةٌ |
| বিক্ষিষ্ণ হয়ে পড়া বালুকাস্ত্রপ | كَتَبْيَا مَهْلَا |
| ভারী, কঠিন, শক্ত করে | وَبِيلَا |
| বৃক্ষ | شَبَّا |
| বিদীর্ণ হবে | مَنْطَفِرٌ |
| দৃই তৃতীয়শ | ثَلَّى |
| দেশে দেশে প্রমণ করবে, বিদেশ যাত্রা করবে | يَضْرِبُونَ فِي الْأَرْضِ |



| | |
|--|----------|
| বজ্ঞাচ্ছদিত, চাদরবৃত | مَدَّرٌ |
| জেগে উঠা, উঠে দাঁড়াও | فُمْ |
| সতর্ক কর, সতর্কবাণী প্রচার কর | الْذَرُّ |
| মহত্ত প্রকাশ কর, বড়ত্ত ঘোষণা কর, শ্রেষ্ঠত ঘোষণা কর | كَبْرٌ |
| মৃতিপূজা, প্রতিমাপূজা, সৌভালিকতা, অপবিত্রতা | رَجْزٌ |

| | |
|---|----------------------|
| দূরে থাক, পরিভ্যাগ কর | أَهْجَرْ |
| শিঙ্গ ফুঁকার প্রদান করা হবে | نَقْرٌ |
| শিঙ্গ | نَافُورٌ |
| আরামপ্রদ, থচুর সচ্ছলতা, নেতৃত্ব- কর্তৃত্বের পথ | مَمْهِدًا |
| চড়াতে বাখ করবো, আরোহণ করতে বাখ করবো | أَرْهَقْ |
| জাহানামের একটি পাহাড়, কঠিন উর্বরগামী আরোহণ | صَعُودًا |
| শুকুটি করলো, কপাল কুচকাল | عَسِّ |
| তয়-প্রদৰ্শক মুখভদ্রী করলো, রাগাহিত হয়ে তাকালো | بَسَرٌ |
| লোক পরম্পরায় প্রাপ্ত, প্রাচীন যুগের মানুষদের থেকে প্রাপ্ত, যা পূর্ব থেকে চলে আসছে | بُوئَرٌ |
| দন্ধকারী, যা মানুষের চামড়া ঝলসিয়ে দেয় | لَوَاحَةٌ |
| জাহানামের উনিশজন প্রহরী | سِتْسِعَةَ عَشَرٍ |
| আলোকজ্ঞল হয় | أَسْفَرٌ |
| তার কাজের জন্য অঙ্গীকারাবদ্ধ, দায়বদ্ধ | رَهِيْنَةٌ |
| মিথ্যা বলতাম, যা সম্পর্কে আমাদের জ্ঞান ছিল না তা নিয়ে কথা বলতাম, অনর্থক তরক করতাম, আলোচনা করতাম | نَخْوْضُ |
| অনর্থক তরকারী, যারা অনর্থক কথা বলে বেঢ়ায় তাদের সাথে যারা অধীরীন কথা বলে, আলোচনাকারীগণ | خَلِصِينَ |
| গাধাসমূহ | حُمْرٌ |
| বন্য, ভীত | مُسْتَنْفَرَةٌ |
| পলায়নপর, পালায় | فُرْتٌ |
| সিংহ | قَسْوَرَةٌ |
| ধর্মতীরকার কারণ, ন্যায়পরামর্শদাতার উৎস, তাকওয়ার কারণ, ভয়ের মোগ্য | أَهْلُ النَّقْوَىٰ |
| ক্ষমা করার অধিকারী, ক্ষমার উৎস, ক্ষমার মালিক | أَهْلُ الْمَغْفِرَةَ |



| | |
|--|-----------|
| তিরক্কারকারী, অভিযোগকারী, ভর্সনাকারী | لَوَامَةٌ |
| ভয়ে হতবুদ্ধি করবে, স্থির হয়ে যাবে, ভয়ে হতভয় হবে | بَرَقٌ |
| আলোহীন হবে, গ্রহণ হবে, অঙ্গকারে নিমজ্জিত হবে | سَفَّ |

| | |
|---|------------|
| پالاوار س्थان, آشیانہ | مفر |
| کون آشیانہ نہیں, کون نیا پسند نہیں | لَا وَزْرٌ |
| اجڑاہات, وجہ | مَعَذِيرٌ |
| ٹکڑل, آنندے ٹکڑل, ٹکڑل | نَاضِرَةٌ |
| بیوی, بیوی, نیارش, دُوچی | بَاسِرَةٌ |
| دھنس, مہابیپری, مہابیپد, میردند | فَاقِرَةٌ |
| بُخْکاری آثار | |
| گلہ, کستہ | تَرَاقِيٰ |
| رکھکاری, راڈھک دانکاری | رَاقٍ |
| جडیوے یا وے, اپارے ساتھ سختوں تھے | إِنْفَتٌ |
| پا, پاوارے ہٹوں پر کے پاوارے گھٹ پرست | سَاقٌ |
| �فس, کٹھرا | |
| چالیت کرنا, ہاکیوے نیاوے یا وے, پرتاوارتنسٹل, یادا | مَسَاقٌ |
| دھنڈرے آڑپرنسا کرنا, اھمیکا | يَمْطَى |
| متو ہوئے آڑپرنسا کرنا | |
| دُرْتُرْج, دُوچ | أُولَى |
| ٹدے شاہین, نیرخک | سُدُّ |
| خُلیت, نیکھن | يَمْنَى |



| | |
|--|--------------|
| جیونے کوں بیشے سماں, | دَهْرٌ |
| سیماہین کال | |
| ٹکڑے خداویج | مَذَكُورًا |
| سُمیلیت, میشریت | أَسْتَاجٍ |
| لےواہر شیکل | سَلَاسِلٍ |
| گلار لےواہر بےڈی, بکھنی | أَغْلَلٌ |
| سُمیش, میشریت دریوے اندران | مَرَاجٍ |
| ٹپانڈنے ساتھ یا یوگ کرنا ہے | |
| سُدُرپرسا, راپک, سُرتریبیت | مُسْتَطِيرًا |
| بُونکنی, بندی | أَسْبِرًا |
| کٹن, کٹنے و بُونکنی کرنا, بُخکر | عَبُوسًا |
| دیوڑ, بیسا دپورن و دُوچھمی مُدھ کرنا, کھشکر | قَمْطَرِيرًا |
| آنند | سُرورًا |
| تیڑہ ٹسٹاپ, رواد | شَمْسًا |
| تیڑہ شیت, شیتہ اندران | زَمْهَرِيرًا |
| نیکٹھ, سانہیت, نیکٹے خاکے | دَانِيَةٌ |
| خلنے والوں | قَطْوُفٌ |
| نامانو, آیاڑٹھیں, ہاتھ کاچے | تَذَلِيلًا |

| | |
|----------------------------------|-------------|
| بڑ پانپاڑ, پاڑ | أَنْيَةٌ |
| سُفتکرے مات سچ, کاٹھر مات | قَوَارِيرًا |
| پریماغ, پریمیت پریماغ | تَقْدِيرًا |
| آدما میشریت پاہیں | رَجَبِيلًا |
| جاگنے والے اک بارہ, پریماغنے نام | سَلَسيلاً |
| بیکھن, سوتا خولے گیا ہے ٹکرے پڈا | مَنْتُورًا |
| گٹن, کاٹھو, جوڈا | أَسْرٌ |

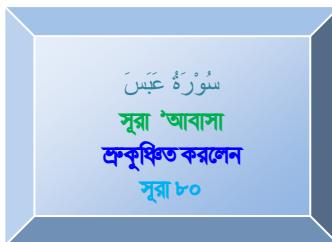


| | |
|---|----------------|
| یادے پر پرے کرنا ہے, پارٹانو ہے (باڈاں, فروں, رسم) | مُرْسَلَاتٌ |
| کرمگاتبادے, اکے پر اک | عَرْقاً |
| پرچنڈ ڈاڈے ہے تو پر اک | عَصَفًا |
| بُول ٹکے سٹک کے پُٹک کرنا, میخدا ٹکے سٹاکے پُٹک کرنا, پُٹک کرنا (میخکے) | فُرْقاً |
| یہ فروں تارا نبی دے کاچے وہی نیاوے آسانے, پیوچے دن, جاٹکاری (اسٹنے) | مَلْقَيَاتٌ |
| میاں ہوئے یا وے, آلوں ہارا وے | طَمَسَتٌ |
| بیدیں کرنا ہے, ٹکڑے ٹکڑے ٹکڑے ہوئے یا وے | فُرْجَتٌ |
| بیکھریت ہے, باڈاں ڈلیکنہ ہوئے بیکھنے ہے | سُسِفتٌ |
| نیکھریت سماں اکھریت ہے, نیکھن سماں ٹپھنیت کرنا ہے, سماں ہے ہے | أَقِتَّ |
| ہٹگت کرنا ہوئے | أَجَتٌ |
| آدھاں کلپ, پاڑا کلپ, دارا کاری کلپ, | كِفَائَا |
| سُدُنڈ ٹچ, ٹوچ | شَامِخَاتٌ |
| شیل و سوپے پانی, سُمیٹ پانی | فُرَانَا |
| چلنے والوں, پسٹھن کر, چلتے خاک | إِنْطَلَفُوا |
| تین سٹھنیشیت, تین شاخیشیت | ثَلَاثٌ شَعْبٌ |
| حاشا ٹیل نیا | لَظَلِيلٌ |
| آٹھیشیا, آٹھنے لے لیہان شیخا | لَهَبٌ |
| نیکھپ کرنا | ثَرْمِيٌّ |
| سُولیض | شَرَرٌ |
| ٹٹرے دل, جاہاجے دل | جمَالٌ |
| ہلود بُر | صَفَرٌ |



| | |
|---|-------------|
| کی بیسے؟ | عَمَّ |
| نیڈا، غُم | نُومُّ |
| بیشام، آرام | سِبَاتٍ |
| آبِرَانِ سُرپ، آچادانِ سُرپ | لِبَاسًا |
| اُتیشیمِ عُجَل | وَهَاجَا |
| بُشْتِ بَرْسَكَاریِ مَيْمَالَا | مُعْصَرَاتٍ |
| پُرُور، مُوْلَدَهارَاءِ، اَبِشَّرَت | تَجَاجَا |
| بَنْسَمَرِیَّتِ، بَنْ پَلَّاَبِیت | أَفَافَا |
| مَرَّیَّتِکا | سَرَابِاً |
| شَاطِ | مَرْصَادٍ |
| آبَاسَهَل، گَتْبَهَلَان، اَطْجَارَتْن | مَا بِاً |
| سُلْ | |
| تاَرَا اَبَسْهَلَکَارِیِ هَرَبِ، اَبَسْهَلَانِ کَرَبِ | لَبَثِينَ |
| بُغَ بُغَ دَرِرِ | أَحْقَابِاً |
| نَوَّارَا پُجْ | غَسَاقَا |
| تَوْجُوك | وَفَاقَا |
| بَاغَانَغَلَو، عَدَنَغَلَو | حَدَانِقِ |
| پَرِیَّرَ، اَطُور، عَصَسِیت | دِهَافَا |
| نَّایَ کَثَا، يَخْوَهَعُوكَثَا کَثَا | صَوَابِاً |

| | |
|---|-------------|
| ٹُتْتَا، ٹُتْتَرِ سُر (حَاد) | سَمْكٌ |
| اَنْدَکَارَاصَّلَهِ کَرَهَلِ | أَعْظَشَ |
| دِنِ، سُرْمَادَهِ، سَکَالَهِ الرَّسْمِکِرَانِ | ضَحْىٌ |
| تاَکِ بِسْتَتِ کَرَهَلِ | دَحَاهَا |
| صَارَمَ-بَرْمِ، عَتْدِ | مَرْعِي |
| دُتْبَاهِ بَهَلَانِ کَرَهَلِ، دُتْبَاهِ بَهَلَانِ | أَرْسِي |
| مَهَبِیَّرَهِ، مَهَبِیَّرَهِ | طَامَةٌ |
| سَهَبَاهَهِ بَهَلَانِ تَهَمَّارِ دَاهِیَّهِ نَهَهِ، تَهَمَّارِ اَهِ | فِيمَ اَنَّ |
| بِیَسِهِ کِیَانِ اَهَهِ مَهَهِ تَهَلَّهِ؟ | |
| اَكِیَهِ، سَهَهَهِ | عَشَيَّةٌ |
| سَهَهِ دِیَهِ اَكِیَهِ سَکَالَهِ، بَهَلَانِ (يَا تَارِ سَکَالَهِ) | ضَحَاهَا |
| اَنْسَهَلَانِ کَرَهِ) | |



| | |
|---|---------------|
| سَجَاهِ (اَهَنِ) نِیْرَتِکَارِی | نَازِعَاتٍ |
| نِیْمَجِیتِ هَرَهِ، دُوَهِ | غَرْفَا |
| مَدْتَاهِ مُعْتَدِ کَرَا | نَسْطَا |
| تَیِّرَگَتِتِ سَانَهَارِ کَاَتِ | سِبَّا |
| يَارَا کِیِّپَتَهَارِ سَاهَهِ اَهَسَهَرِ هَهَ | سِبَّا |
| بَرْمِکَسَپِ، تَیِّرَ پَرَکَسَنِ (شِنْگَارِ فُکَرِهِ) | رَاجِفَةٌ |
| اَنْسَهَلَانِ کَرَهِ | تَنَبِعٌ |
| پَکَادَانَنُسَرَانِکَارِیِ پَرَکَسَنِ (اَهَرِهِ اَکَتِ) | رَادِفَةٌ |
| پَرَکَسَنِ (هَرَهِ)، سَجَسِ (هَرَهِ) | وَاجِهَةٌ |
| يَارَا پُنَرَهِیتِ هَرَهِ، اَطْجَارَتْنِکَارِیِ هَرَهِ | مَرْدُوْدُونَ |
| پَرَادِمِک اَبَسَهِ، پَرَادِمِک | حَافِرَةٌ |
| دَهَسَهَهِ، پَصَا، کَهَسَهَهِ، گَلِیتِ | نَخَرَةٌ |
| تَنَعُوكَهِ پَرَادِرِ، خَلَهِ مَهَادَانِ | سَاهِرَةٌ |

| | |
|---|-------------------|
| تُهِمِ سَمْسَتِ مَلَوَهَوَهِ دِیَچَ | تَصَدَّىٌ |
| اَبَهَلَهَهِلِ کَرَهَلِ، مُوْلَدَهارَاءِ، اَنَّهِهِهِلِ | تَلَهَىٌ |
| پَرَکَشِ کَرَهِ | |
| لَهَهَهَهَهِلِ هَهَهِهِلِ، دُتَهَهَهَهِلِ هَهَهِهِلِ | أَيْدِيٌ سَفَرَةٌ |
| سَهَهَهَهِلِ | کِرَامٌ |
| پَرِیَّرَ، سَهَهَهَهِلِ سَمَّهَهِلِ | بَرَرَةٌ |
| دَهَسَهَهِهِلِ هَهَهَهِلِ | قَلِيلٌ |
| سَهَهَهَهِلِ اَكْرَتِجَ، سَهَهَهَهِلِ اَكْرَتِجَ | مَا اَكْفَرَهِ |
| اَمَانَهَهَهِلِ کَارِیِهِ، سَهَهَهَهِلِ کَهَهَهَهِلِ اَسَهَهَهَهِلِ کَارِیِهِ | |
| کَرَهِهِلِ پُوْهِیَهِلِ دِلِهِلِ | أَقْبَرٌ |
| پَالَهِلِ کَرَهِهِلِ، پَرْمَهِلِ کَرَهِهِلِ | لَمَّا يَقْضِ |
| بَرَسَهِلِ (اَطُورِ) | صَبَّا |
| بَهَهَهَهِلِ (بَهَهَهَهِلِ) | شَقَّا |
| عَتْدِ، شَاهِکَسَهَهِلِ | قَصْبَانٌ |
| نِیْرَتِ، بَنْسَمَرِیَّهِلِ | عَلَبٌ |
| گَهَهَهَهِلِ هَهَهَهِلِ بَهَهَهَهِلِ جَاهَهَهَهِلِ | اَبَانِ |
| کَاهَهَهَهِلِ کَهَهَهَهِلِ دَهَهَهَهِلِ، کَاهَهَهَهِلِ کَهَهَهَهِلِ | صَاحَّةٌ |
| دَهَهَهَهِلِ | |
| ہَسِیْلَهِلِ بَهَهَهَهِلِ، سَهَهَهَهِلِ سَهَهَهَهِلِ | ضَاحِكَةٌ |
| سَهَهَهَهِلِ اَنَّهِهِهِلِ، پَرْمَهِلِ (هَرَهِ) | مُسَبَّبَشِرَةٌ |



| | |
|---|-------------|
| ওঁটিয়ে দেয়া হবে | مُورَتْ |
| নিষ্কিপ্ত হয়ে পড়বে, ইত্তত বিক্ষিপ্ত হবে, জ্ঞাতি হারাবে | إِنْكَرَتْ |
| দশমাসের গর্ভবতী উট, পূর্ণ গর্ভবতী উট | عَشَارْ |
| উপেক্ষিত হবে | عَطَلْ |
| উত্পন্ন হয়ে ফুলে উঠবে, প্রজ্জলিত করা হবে | سُجَرَتْ |
| সম্মুক্ত করা হবে, ঝুঁড়ে দেয়া হবে(শ্রীরের সাথে) | زَوَاجَتْ |
| মেঝে শিশু যাকে জীবন্ত করব দেয়া হয়েছে | مَوْعِدَةٌ |
| পর্দা সরানো হবে | كُشْطَتْ |
| যে তারকা সরে যেতে থাকে, পক্ষাদপসরণকারী | خَسْ |
| দ্রুতবেগে ঘূর্ণমান , চলমান | الْجَوَارْ |
| লুকানো থাকে, অদৃশ্যমান (নিষ্ক্রিয়লো) | كَذَسْ |
| বিদায় গ্রহণ করে | عَسْعَسْ |
| নিঃশ্বাস গ্রহণ করে | تَفْسَ |
| উচ্চ মর্যাদাসম্পন্ন, সম্মানিত | مَكِينْ |
| যাকে মান্য করা হয় | مُطَاعْ |
| সেখানে | ثَمْ |
| যে দিতে চায় না, কৃপণ | بِضَنْتِينْ |



| | |
|--|----------------|
| যারা মাপে কম দেয় , যারা ঠকায় | مُطْقَفِينْ |
| ওজন করে দেয়, মেপে নেয় | أَكْتَلَوا |
| পুরো গ্রহণ করে | يَسْتُوْفُونْ |
| ওজন করে দেয়, মেপে দেয় | كَلَوْا |
| তারা কম দেয় | يُخْسِرُونْ |
| লিপিবদ্ধ এন্থ , লিখিত, চিহ্নিত | مَرْقُومْ |
| মরিচা ধরেছে | رَانْ |
| দর্শন থেকে বাধিত হবে | مَحْبُوبُونْ |
| খাটি, বিশুদ্ধ পানীয় | رَحِيقْ |
| সীল মোহরযুক্ত, মোহর করা | مَخْنُومْ |
| মোহর | خَتَامْ |
| কস্তুরি | مِسْكْ |
| যারা আল্লাহর আনুগত্য করতে প্রতিযোগিতা করে | مُتَنَافِسُونْ |
| জাগ্রাতের একটি বর্ণার নাম | شَسْنِيمْ |
| তারা ইশারা করে, কটাক্ষ করে | يَتَغَامِرُونْ |
| উৎফুল্ল হয়ে | فَكِيْفِيْنْ |
| কি? | هَلْ |
| প্রতিদান পাওয়া গেছে | لَوْبْ |



| | |
|---|------------|
| বারে পড়বে, বিক্ষিপ্ত হবে | إِنْتَرَتْ |
| বিক্ষেপিত হয়ে পড়বে, বিদীর্ণ করা হবে | فَجَرَتْ |
| উৎপাটিত হবে, উল্টানো হবে, উন্মোচিত হবে | بُغْرَتْ |

| | |
|--|---------------|
| ফেঁটে যাবে, বিদীর্ণ হবে | إِنْشَفَقَتْ |
| সে নির্দেশ পালন করবে | أَذْتَ |
| তাকে অবশ্যই এমন করতে হবে, এটাই তার জন্যে যথার্থ | حَقْتَ |
| সম্প্রসাৱিত করা হবে | مَدَّتْ |
| তা খালি হয়ে যাবে, শূন্য হয়ে যাবে | تَحْلَتْ |
| পরিশ্রম করে যাচ্ছে, কাজ করে যাচ্ছে | كَادِحْ |
| পরিশ্রম করা, কাজ করা | كَدْحَا |
| কখনো ফিরে আসবে না | لَنْ يَحْوَرْ |
| স্বাত্তের লালিমা, গোধূলিলালিম রক্ত বর্ণ | شَفَقْ |
| সমাবেশ ঘটায়, আচম্প করে | وَسَقْ |
| পূর্ণ হয় | إِسْقَ |
| তাদের মনে গোপন রাখছে, তারা পোষণ করছে | يُوْعَنْ |



| | |
|------------------------------|-----------|
| গর্ত | أَخْدُودٌ |
| উপবিষ্ট | قَعْدٌ |
| প্রেময়, মেহ পরায়ণ, করণাময় | وَدْوَدٌ |



| | |
|-------------------------------------|-----------------|
| রাতে আত্মপ্রকাশকারী (নক্ষত্র) | طَارِقٌ |
| খবেগো আলিত, ছিটকে পড়া | دَافِقٌ |
| পিঠের হাড়, মেরুদণ্ড, পিঠ | صَلْبٌ |
| বক্ষপাঞ্জির, বুকের হাড় | رَانِبٌ |
| পরীক্ষা করা হলে, যাচাই করা হলে | تَبْلِي |
| গোপন বিষয়াবর্তী, গোপন রহস্য | سَرَابِرٌ |
| যা বারবার ফিরে আসে (বৃষ্টি), বৃষ্টি | ذَاتُ الرَّجْعَ |
| ধারণকারী | |
| যা বিদীর্ঘ হয়, বিদীর্ঘ বক্ষ | ذَاتُ الصَّدْعٍ |
| হাসি, ঠাট্টা, তামাশার কথা | هَزْلٌ |
| অল্প কিছুক্ষণের জন্যে | رُوَيْدًا |



| | |
|-----------------------------|----------|
| উভিদি, বৃক্ষরাজি, সবুজ ঘাস | مَرْعَى |
| আবজনা, খড়কুটা, শুষ্ক ঘাস | غَشَّاءُ |
| কালো, কালচে, মলিন | أَحْوَى |
| দুরে থাকে, পাশ কাটিয়ে চলবে | يَنْجِبُ |
| বড় হতভাগ্য | أَشْفَقٌ |
| প্রবেশ করবে, সৌঁহৰে | يَصْلِي |



| | |
|--------------------------------------|--------------|
| আচ্ছাদনকারী | غاشية |
| ক্রান্ত ও শ্রান্ত | نَاصِبَة |
| ফুট | أَنْيَة |
| কন্টকময় বৃক্ষ, কাঁটাযুক্ত শুষ্ক ঘাস | ضَرِيعٌ |
| পুষ্ট করবে না, মোটা করবে না | لَا يُسْمِنُ |
| সুসজ্জিত | مَوْصُوعَة |
| হেলান দেবার বালিশ | نَمَارِقُ |
| সারিবদ্ধ | مَصْفُوفَة |
| রেশমের গালিচা, সুকোমল শয়ে | زَرَابِيٌّ |
| বিছানা | مَبْيُونَة |
| হ্যাপন করা হয়েছে, দ্রুমুল করানো | أَصْبِتُ |
| হয়েছে | |
| বিছানা হয়েছে | سَطْحَتُ |
| বল প্রয়োগকারী, জবরদস্তিকারী | مُصَيْطَرٌ |
| প্রত্যাবর্তন | إِيَابٌ |



| | |
|---|------------------|
| জোড় | شَقْعٌ |
| বেজোড় | وَتْرٌ |
| বিবেকসম্পন্নদের জন্য, বেথসম্পন্ন | دُبْيٌ حِجْرٌ |
| ব্যক্তিদের জন্য | |
| ইরাম বংশীয়, ইরাম গোত্র | إِرَمٌ |
| উচ্চ স্তুত নির্মাণকারী, স্তুতের অধিকারী | ذَاتُ الْعَمَادٍ |
| থোদাই করেছিল | جَابِوًا |
| মারলেন, আঘাত করলেন | صَبَّ |
| কশায়াত, চাবুক | سَوْطٌ |
| তোমরা উৎসাহিত করনা একে | لَا تَحْاضُونَ |
| অপরকে | |
| উত্তরাধিকার সৃত্রে পাওয়া সম্পদ, | ثِرَاثٌ |
| মীরাসের সম্পদ | |
| জমা করে তোগ কর | أَكْلًا لَمَّا |
| অতিশয় ভালবাসা | حَبَّا جَمَّا |
| আসবেন | جَاءِ |
| বাঁধন, দৃঢ় বন্ধন | وَثَاقٌ |
| প্রশাস্ত | مُطْمِنَةٌ |



| | |
|-------------------------------|----------------|
| অধিবাসী, অবতরণকারী, হালাল | حَلٌ |
| কষ্ট ও পরিশ্রমনির্ভর | كَبَدٌ |
| প্রচুর | لَبَدًا |
| দুইটি ঠাঁট | شَفَّيْنِ |
| দ্বিতীয় পথ (ভাল ও মন্দ) | نَجْدَيْنِ |
| অবলম্বন করেনি, অতিক্রম করতে | لَا فَحْمٌ |
| সাহস করেনি | |
| কষ্টসাধ্য পথ, বন্ধুর গিরিপথ | عَقْبَةٌ |
| মৃক্ত করা | فَكٌ |
| অভাব অবস্থা, উপবাস | ذِي مَسْعَبَةٍ |
| নিকট আল্লায় সম্পর্কের, আপনজন | دَامَقْبَةٌ |
| ধূলিমাখা, ধূলি-মলিন | دَامِرَةٌ |
| পরিবেষ্টনকারী | مُؤْصَدَةٌ |

| | |
|------------------------------|---------|
| ছুলন্ত, লেগিহান | تَاظِي |
| হতভাগ্য, চরম পাপী, দুর্ভাগ্য | أَشْقى |
| পরম নিষ্ঠাবান, অতি পরহেজগার | أَنْقُى |



| | |
|------------------------------------|--------------|
| উজ্জ্বল দিন, চাশতের সময় | ضُحْيٌ |
| প্রশান্তির সাথে অদ্বিতীয় ছন্দ হয় | سَجِيٌ |
| পরিত্যাগ করেন নি | مَا وَدَعَ |
| বিকৃপ বা অসম্ভৃত হন নি | مَا قَلَىٰ |
| নিঃস্ব, দরিদ্র | عَابِلًا |
| কঠোর, কঢ় হয়েনো | لَا تَثْهِرُ |
| ধিকার, ভর্তসনা, তিরক্ষার করেনো, | لَا تَثْهِرُ |
| ধর্মক দিবেননা | |
| প্রকাশ করতে থাক | حَدَثٌ |



| | |
|------------------------------------|---------|
| তার পিছনে আবির্ভূত হয় | هَا |
| প্রকাশ করে, উজ্জ্বল করে, অক্ষট করে | جَلٌ |
| বিছিয়ে দিয়েছেন, বিস্তৃত করেছেন | طَحٌ |
| কলুচ্ছন্ন করে, চাপা দেয় | دَسَّى |
| পানি পান করায় | سَقَىٰ |
| ধৰ্মস করলেন | دَمَّمٌ |
| পরিগাম, পরিণতি | عَفْبٌ |



| | |
|---|-----------|
| আমরা নামিয়েছি, সরিয়ে দিয়েছি, লাঘব করেছি | وَضَعْنَا |
| ভেঙ্গে দিছিল, প্রচণ্ড ভারী বোবা হচ্ছিল | أَنْقَضَ |
| আপনার পিঠ | ظَهْرَكٌ |
| ইবাদত-বন্দের কঠোর শ্রমে | أَنْصَبٌ |
| আত্মনিয়োগ করুন | |
| মনোযোগ দিন, মনোনিবেশ করুন | إِنْغَبٌ |



| | |
|--|-----------|
| নানা রকম, বিভিন্ন প্রকৃতির, বিভিন্নমূর্মী | شَنَّىٰ |
| কঠোর পরিগাম, কঠোর পথ | غَرْبَىٰ |
| সে ধর্মস্থাপ্ত হবে | تَرَدَّىٰ |



| | |
|---|-----------|
| তীন, এক প্রকার ফল, যা শামদেশে ও প্যালেস্টাইনে বেশী পরিমাণে হয়, ডুমুর, আঞ্চীর | تَيْنٌ |
| আকৃতি, অবয়ব, আকার, কাঠামো | تَفْوِيمٌ |

| | |
|------------------|------------|
| ইনতম, অতি নীচে | أَسْفَلٌ |
| সর্বনিচু অবস্থান | سَافِلُونَ |



| | |
|---|--------------|
| রক্ষণিত, জমাট রক্ত | عَلَقٌ |
| মহিমানিত, মহান, বড়ই অন্যথাপীল | الْأَنْرَم |
| প্রত্যাবর্তন হবে, ফিরে যেতে হবে | رُجْعَىٰ |
| টেনে ধরব, ধরে টানব | تَسْقُعًاٰ |
| সম্মুখভাগের কেশগুচ্ছ, মাথার সামনের চুল, কপাল | نَاصِيَةٌ |
| সমর্থক, পার্শ্বর, সহযোগী | نَادِيٰ |
| জাহানামের প্রহরীগণ(ফেরেশতাগণ) | رَبَّانِيَةٌ |



| | |
|--------------------------|--------------------|
| কদরের রাত, মহিমানিত রজনী | لَيْلَةُ الْفَقْرِ |
|--------------------------|--------------------|

| | |
|--|---------------------|
| বিরত থাকতে প্রস্তুত, অবিচলিত অভিযান করে | مُنْفَكِينَ |
| সত্য ও সঠিক বা সরল | قِيمَةٌ |
| সৃষ্টির অধম, নিকৃষ্ট জীব | شَرَّ الْبَرِيَّةِ |
| সৃষ্টির প্রষ্ঠ, উৎকৃষ্ট জীব | خَيْرُ الْبَرِيَّةِ |



| | |
|---|------------|
| ভূমিকম্প | زُلْزَالٌ |
| তার কি হয়েছে?, তার কি হল? | مَالَهَا |
| বলে দিবে, বর্ণনা করবে | تُحَدِّثُ |
| বের হবে, ফিরেআসবে | يَصْدُرُ |
| ভিন্ন ভিন্ন দলে, আলাদা আলাদা, বিচ্ছিন্ন অবস্থায় | أَشْتَانًا |



| | |
|---|-------------|
| ধাবমান ঘোড়াগুলো | عَابِيَاتٍ |
| হেসা ধ্বনি দিয়ে দৌড়ায়, উর্দ্ধাসে দৌড়ায় | ضَبَّاحٌ |
| আগনের ফুলকি বাড়ে, অগ্নি স্ফুলিঙ্গ বিচ্ছুরিত করে | مُورِيَاتٍ |
| ক্ষুরাযাতে | فَخَّا |
| যারা অভিযান চালায়, আকস্মিক আক্রমণ চালায় | مُغَيْرَاتٍ |
| উৎক্ষিপ্ত করে, উড়ায় | أَثْرَنَ |
| ধূলা | نَفْعًا |
| অভ্যন্তরে ঢুকে পড়ে, ভিড়ের মধ্যে ঢুকে পড়ে | وَسْطَنَ |
| অকৃতজ্ঞ | كَذَّوْدٌ |
| বের করা হবে, উথিত হবে | بَعْثَرٌ |
| প্রকাশ করা হবে | حُصْلٌ |

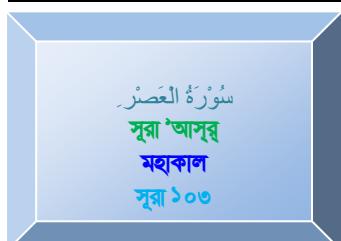


| | |
|--|--------------|
| মহা প্রলয়, বিকট গর্জন সহকারে, বিরাট বিপদজনক ঘটনা | الْفَارَغَةِ |
| কীটপতঙ্গ | فَرَآشٌ |
| বিক্ষিপ্ত | مَبْتُوْثٌ |
| ধূনিত | مَنْفَوْشٌ |

| | |
|-------------------------|-------------|
| তার ঠিকানা, তার স্থান | ‘আম’ |
| উত্তপ্তি আগুন, জলত আগুন | নার হামিয়া |



| | |
|----------------------------------|---------|
| মোহাজের, গাফিল, ভুলিয়ে গেওয়েছে | اللهى |
| (অর্থের) আরুর | কাত্তার |
| দেখেছ, পোছেছ | زِرْمَ |
| কবরসমূহ | مقابر |



| | |
|------------------------|------------|
| কসম, শপথ | وَ |
| ধৰ্ম, ক্ষতি | خُسْرٌ |
| মহাকাল, সময়, যমানা | عَصْرٌ |
| উপদেশ দেয়, ওসিয়ত করে | تَوَا صَوْ |



| | |
|--|------------------------------|
| দুর্ভেগ | وَيْلٌ |
| ধিকার, ঢিাবেশকারী | هُمَزةٌ |
| নিন্দা, কুৎসা রটনাকারী | لَمَّةٌ |
| অমর, চিরস্থায়ী করে রাখবে | أَخْلَدٌ |
| নিষিদ্ধ হবে, ফেলে দেয়া হবে | يَنْبَدِنٌ |
| টুকরা টুকরাকারী আগুন, চৰ্ণ বিচৰ্ণকারী স্থান | حُطْمَةٌ |
| প্রক্রিয়া | مُوْقَدَةٌ |
| পোছাবে, এস করবে | تَطْلِعٌ |
| হাদয়, দিল | أَفْدَدَةٌ (একবচন.: فَوَادَ) |
| দীর্ঘায়িত, উঁচু উঁচু | مُمَدَّدةٌ |



| | |
|----------------------------|--------------------|
| হত্তীবাহিনী, হত্তিওয়ালাগণ | أَصْحَابُ الْفَيلِ |
| হত্তি, হাতি | الْفَيلُ |
| ব্যর্থ বা বানচাল করে দেয়া | تَضْلِيلٌ (ض ل ل) |
| ঝাকে ঝাকে পার্শী | أَبَيْلٌ |
| ভূষি, তৃণ | عَصْفٌ |
| চিবানো, ভক্ষণ করা | مَأْكُولٌ (ا ك ل) |



| | |
|--|------------------|
| তাদের অভ্যন্ত হওয়া, সুপরিচিত, আসক্তি | إِلْفَافٌ |
| সক্র | رَحْلَةٌ (ر ح ل) |
| শীতকাল | شِنَاءٌ |
| গ্রীষ্মকাল | صَيْفٌ |



| | |
|---|--------------|
| ধর্মক দিয়ে তাড়িয়ে দেয়, ধাকা দেয় | بَعْدَ (ع ع) |
| অবহেলা করে, উদাসীন ভাব প্রদর্শন করে | سَاهُونْ |
| সাধারণ প্রয়োজনের জিনিষ, ছোট খাট সাহায্য দান | مَاعُونْ |



| | |
|--|-------------|
| ইহকাল ও পরকালের অগণিত কল্যাণ, হাশেরের দিনের হাওয় | الْكَوْثَرُ |
|--|-------------|

| | |
|---|-------------------|
| কোরবানী কর | النَّحْرُ (ن ح ر) |
| তোমার শত্রু, যে তোমার প্রতি বিদ্যে করে | شَانِكٌ |
| শিকড়- কাটা, নির্বশ | أَبْتَرٌ |



| | |
|-------------------------|-------------------------|
| আমি ইবাদত করিবা | لَا أَعْبُدُ |
| যার তোমরা ইবাদত কর | مَا تَعْبُدُونَ (ع ب د) |
| যার আমি ইবাদত করি | مَا أَعْبُدُ |
| যার তোমরা ইবাদত করে থাক | مَا عَبَدْتُمْ |
| ইবাদতকারী | عَابِدٌ |



| | |
|---------------------------|----------------------|
| দলে দলে | أَفْوَاجًا |
| ক্ষমাপ্রার্থী হও, মাফ চাও | إِسْتَغْفِرْ (غ ف ر) |



| | |
|--------------------------------------|---------------------|
| ধৰ্মস হোক, ভেঙ্গে যাক | تَبَتْ (ت ب ب) |
| ধৰ্ম হল | ثَبَ (ث ب ب) |
| কোন কাজে আসেনি | مَا أَغْنَى (غ ن ي) |
| লেলিহান আগুন, শিখা সমর্পিত আগুন | ذَاتٌ لَهُبٌ |
| বহনকারিণী | حَمَالَةٌ (ح م ل) |
| ইকুন, লাকড়ি, কাঠ | حَطَبٌ |
| গলদেশ, গলা | جَنَدٌ |
| খেজুর গাছের ছালে পাকানো রশি বিশেষ | مَسَّ |



| | |
|--|---------------|
| এক, একক, অধিতীয়, অদ্বৈত | أَحَدٌ |
| অমুখাপেক্ষী, অভাবমৃত, সবকিছুথেকে মুখাপেক্ষীহীন, সবকিছু তার মুখাপেক্ষী | الصَّمَدُ |
| তিনি কারো জনক নন, তিনি কাউকে জন্ম দেন নি | لَمْ يَلِدْ |
| তিনি জাতক নন, তাকে কেউ জন্ম দেয় নি | لَمْ يُوْلَدْ |
| সমকক্ষ, সমতুল্য | كُفُواً |



| | |
|--|--|
| আমি আশ্রয় চাই, পরিত্রাণ গ্রহণ করছি | أَعُوذُ |
| উষা, ভোর, প্রভাত, সকাল বেলা | فَلَقٌ |
| রাতের অন্ধকার | غَاسِقٌ (غ س ق) |
| আচ্ছল করে | وَقَبٌ (و ق ب) |
| ফুঁকার প্রদানকারী, ফুঁক দানকারীগণ | نَفَّاثَاتٍ (ন ف ث) (একবচন.: ন্যাথাতে) |
| ঝটি, গীড়া | عَقْدٍ (ع ق د) |



| | |
|------------------------------|--------------------|
| বাদশাহ, অধিপতি | مَلِكٌ (মুক) |
| প্রতিপালক, পরাগ্যারদিকার | رَبٌ |
| মাবুদ, উপাস্য | إِلَهٌ |
| আত্মোপনকারী | الْخَنَّاسُ |
| কুম্ভণা দেয়, কুপরামৰ্শ দেয় | يُوسُوسُ (و س و س) |